THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com

वर्ष-29 अंक : 182 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) आश्विन कृ.6 2081 सोमवार, 23 सितंबर-2024

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर ✲ पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

ममता की 2 दिन में पीएम को दूसरी चिट्ठी

कोलकाता, 22 सितंबर (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने पश्चिम बंगाल में आई बाढ़ पर पीएम मोदी को एक और लेटर लिखा है। 2 दिन के अंदर लिखी दूसरी चिट्ठी में ममता ने आरोप लगाया है कि दामोदर घाटी निगम ने उनसे सलाह लिए बिना पानी छोड़ा, जिससे बंगाल के जिले डूब गए। इससे पहले ममता ने 20 सितंबर को भी पीएम नरेंद्र मोदी को चिट्ठी लिखी थी। जिसमें उन्होंने आरोप लगाया था कि दामोदर घाटी निगम (डीवीसी) के तहत आने वाले बांधों से 5 लाख क्यूसेक पानी छोड़े जाने के कारण बंगाल में बाढ़ आई है। इधर, बंगाल सरकार और केंद्र के बीच चल रही जुबानी जंग के बीच राज्य के बिजली सचिव शांतनु बसु ने डीवीसी बोर्ड से इस्तीफा दे दिया है।

मोदी के कंधे पर हाथ रखकर बाइडेन बोले- क्वाड बना रहेगा

यूएनएससी में भारत की परमानेंट सीट का समर्थन किया, पीएम बोले- हम किसी के खिलाफ नहीं

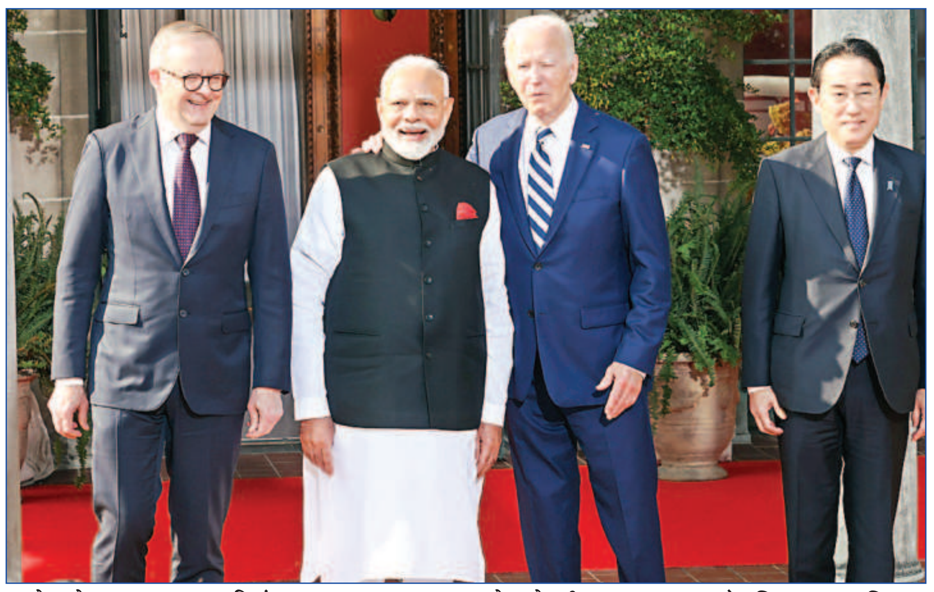

डेलावेयर, 22 सितंबर (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अमेरिका दौरे के पहले दिन राष्ट्रपति बाइडेन के होम स्टेट डेलावेयर पहुंचे। यहां वे देर रात 1:30 बजे (भारतीय समयानुसार) अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन, ऑस्ट्रेलियाई पीएम एंथनी अल्बनीज और जापान के पीएम फूमियो किशिदा के साथ क्वाड (क्वाड्रिलेटरल सिक्योरिटी डायलॉग) समिट में शामिल हुए।

बैठक के बाद क्वाड लीडर्स के फोटोशूट में बाइडेन से अमेरिकी चुनाव के बाद संगठन के अस्तित्व को लेकर सवाल पूछा गया। इस पर बाइडेन ने पीएम मोदी के कंधे पर हाथ रखकर कहा कि क्वाड चुनाव के बाद भी बना रहेगा।

समिट के दौरान पीएम मोदी ने कहा-

यह बैठक ऐसे समय हो रही है जब दुनिया संघर्षों से घिरी है। ऐसे में क्वाड का साथ मिलकर चलना जरूरी है। हम किसी के खिलाफ नहीं हैं। हम नियम आधारित अंतर्राष्ट्रीय व्यवस्था, क्षेत्रीय अखंडता और सभी मुद्दों के शांतिपूर्ण समाधान का समर्थन करते हैं।

ऑस्ट्रेलियाई पीएम बोले-

क्वाड के लिए भारत की मेजबानी का इंतजार :

इससे पहले डेलावेयर में राष्ट्रपति बाइडेन के हाई स्कूल में क्वाड समिट हुई। बैठक के दौरान पीएम मोदी ने चीन का नाम लिए बिना कहा कि हम किसी के खिलाफ नहीं हैं। स्वतंत्र और समावेशी इंडो-पेसिफिक हमारी प्राथमिकता है। क्वाड साझेदारी और सहयोग के लिए है और यह संगठन लंबे समय तक बना रहेगा।

इसके बाद ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री एंथनी अल्बनीज ने क्वाड सदस्यों को संबोधित किया। उन्होंने कहा, अगले साल पीएम मोदी क्वाड समिट की मेजबानी करेंगे। मैं उस पल का इंतजार कर रहा हूं। क्वाड का इतिहास लंबा नहीं है, यानी यह परंपराओं से बंधा नहीं है। हम जिस क्षेत्र (इंडो पेसिफिक) का प्रतिनिधित्व करते हैं, वो सबसे तेजी से बढ़ने वाला क्षेत्र है।

वहीं बाइडेन ने बैठक में कहा, हम लोकतांत्रिक देश हैं जो जानते हैं कि काम कैसे पूरा करना है। मैंने अपने कार्यकाल की शुरूआत में ही क्वाड को ज्यादा प्रभावशाली बनाने के लिए आप से संपर्क किया। आज 4 साल बाद हम रणनीतिक तौर पर पहले से कहीं अधिक एकजुट हैं। इसके बाद बाइडेन ने क्वाड देशों के कोस्ट गार्ड के बीच सहयोग बढ़ाने की घोषणा की। उन्होंने बताया कि अब से क्वाड की तरफ से दी जाने वाली फैलोशिप में साउथ ईस्ट एशियाई देशों के छात्रों को भी शामिल किया जाएगा।

बाइडेन ने गले लगाकर किया मोदी का स्वागत :

समिट से पहले पीएम मोदी ने शनिवार रात राष्ट्रपति बाइडेन से डेलावेयर स्थित उनके आवास पर मुलाकात की। बाइडेन ने मोदी का गले लगाकर स्वागत किया। इसके बाद दोनों के बीच करीब 1 घंटे द्विपक्षीय बैठक हुई। बाइडेन ने पीएम मोदी के यूक्रेन और पोलैंड दौरे की तारीफ की।

इसके अलावा बाइडेन ने संयुक्त राष्ट्र में भारत की स्थायी सदस्यता का भी समर्थन किया। दोनों नेताओं के बीच ड्रोन डील पर भी बात हुई।

इस्तीफे पर केजरीवाल बोले

लांछन के साथ नहीं जी सकता

ईमानदार लगूं तो वोट देना

भागवत से पूछा- मोदी के लिए 75 साल में रिटायरमेंट क्यों नहीं

नई दिल्ली, 22 सितंबर (एजेंसियां)। आम आदमी पार्टी के संयोजक अरविंद केजरीवाल ने रविवार (22 सितंबर) को दिल्ली के जंतर-मंतर पर जनसभा की। उन्होंने 2011 में हुए अन्ना आंदोलन और पहली बार चुनाव जीतने की घटना का जिक्र किया। कहा- हम पहली बार में ही ईमानदारी के दम पर सत्ता में आ गए।

इस्तीफे पर केजरीवाल ने कहा- सत्ता और कुर्सी का लालची नहीं हूं। भाजपा ने भ्रष्टाचारी और चोर कहा तो दुख हुआ। लांछन के साथ कुर्सी तो क्या सांस भी नहीं ले सकता हूं, जी भी नहीं सकता। अगला दिल्ली चुनाव मेरी अग्नि परीक्षा है, अगर ईमानदार लगूं तो ही वोट देना।

आप संयोजक ने संघ प्रमुख मोहन भागवत से 5 सवाल पूछे। कहा- जब 75 साल में लालकृष्ण आडवाणी, मुरली मनोहर जोशी और कलराज मिश्र जैसे नेताओं को रिटायर कर दिया तो ये नियम मोदी पर लागू क्यों नहीं। अमित शाह कह रहे हैं कि मोदी पर लागू नहीं होगा। भागवत जी जवाब दीजिए। दिल्ली शराब नीति केस में 13 सितंबर को जमानत पर बाहर आने के बाद केजरीवाल ने 17 सितंबर को सीएम पद से इस्तीफा दे दिया था। 21 सितंबर को आतिशी दिल्ली की नई मुख्यमंत्री बन गईं।

ईमानदारी से चुनाव लड़े जा सकते हैं और जीते भी जा सकते हैं :

मुझे आज भी याद है। 4 अप्रैल 2011 का दिन था, जब आजाद भारत का भ्रष्टाचार विरोधी सबसे बड़ा आंदोलन यहां जंतर-मंतर से शुरू हुआ था। उस वक्त की सरकार अहंकारी थी। चैलेंज करते थे कि चुनाव जीतकर दिखाओ। हम छोटे थे, चुनाव के लिए पैसा चाहिए था, गुंडे चाहिए थे, आदमी चाहिए थे। हम कैसे लड़ते हमारे पास कुछ नहीं था।

श्रीलंका के नए राष्ट्रपति दिसानायके

कोलंबो, 22 सितंबर (एजेंसियां)। मार्क्सवादी नेता अनुरा कुमारा दिसानायके ने श्रीलंका का राष्ट्रपति चुनाव जीत लिया है। ये पहला मौका है जब श्रीलंका में कोई वामपंथी नेता राष्ट्रपति के पद पर बैठेगा। अनुरा ने तीन नामी उम्मीदवारों- नमल राजपक्षे, साजिद प्रेमदासा और रानिल विक्रमसिंघे को इस चुनाव में मात दी है। जनता विमुक्ति पेरामुना (जेवीपी) पार्टी के नेता दिसानायके इस चुनाव में नेशनल पीपुल्स पावर (एनपीपी) गठबंधन की ओर से राष्ट्रपति पद के कैंडिडेट बने थे। एक साधारण परिवार से आने वाले अनुरा की इस पद तक पहुंचने की कहानी काफी दिलचस्प है। >14

8 हाई कोर्ट में हुई चीफ जस्टिस की नियुक्ति

सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम ने दो महीने पहले की थी सिफारिश

नई दिल्ली, 22 सितंबर (एजेंसियां)। केंद्र सरकार ने आठ हाई कोर्ट के मुख्य न्यायाधीशों की नियुक्ति को मंजूरी दे दी। इन सभी न्यायाधीशों की सिफारिश सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम द्वारा की गई थी। सुप्रीम कोर्ट के कॉलेजियम द्वारा नियुक्तियों की सिफारिश 11 जुलाई को ही की गई थी।

केंद्र सरकार ने झारखंड हाई कोर्ट के चीफ जस्टिस की भी नियुक्त की है। यह मामला तब सुर्खियों में आया था जब झारखंड सरकार ने केंद्रीय कानून मंत्रालय के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में अवमानना याचिका दायर की थी। झारखंड सरकार ने आरोप लगाया था कि कॉलेजियम रिकमेंडेशन के बाद भी हिमाचल प्रदेश के चीफ जस्टिस रामचंद्र राव को ट्रांसफर कर झारखंड का चीफ जस्टिस नियुक्त नहीं किया जा रहा है।

शुक्रवार को अवमानना याचिका और एक जनहित याचिका पर सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र से उन सिफारिशों पर एक स्टेटस रिपोर्ट प्रस्तुत करने के लिए कहा था। कॉलेजियम ने दोहराया था, उन नियुक्तियों को करने में क्या कठिनाई है।

फारूक पाकिस्तान से बातचीत चाहते हैं : शाह

आतंकवाद खत्म होने तक ऐसा नहीं होगा
अब्दुल्ला का जवाब- चीन से तो बात कर रहे हैं

नई दिल्ली, 22 सितंबर (एजेंसियां)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह आज लगातार दूसरे दिन जम्मू-कश्मीर के दौरे पर हैं। नौशेरा में चुनाव प्रचार के दौरान उन्होंने कहा- फारूक अब्दुल्ला चाहते हैं कि हम आतंकवाद को लेकर पाकिस्तान से बातचीत करेंगे। आतंकवाद खत्म होने तक हम पाकिस्तान से बातचीत के पक्ष में नहीं है।

फारूक अब्दुल्ला कहते हैं कि वे धारा 370 को वापस लाएंगे। फारूक साहब, अब धारा 370 कोई वापस नहीं ला सकते। अब बंकरों की जरूरत नहीं है, क्योंकि गोली चलाने की कोई हिम्मत नहीं कर सकता। अगर वहां गोली आई तो गोली का जवाब गोले से दिया जाएगा।

शाह के हमले पर फारूक अब्दुल्ला ने पलटवार किया। उन्होंने कहा- केंद्र सरकार चीन से बात कर सकती है, जिन्होंने हमारी 2 हजार किलोमीटर की जमीन पर कब्जा किया। पाकिस्तान से क्यों नहीं बात कर सकती। आतंकवाद का हल निकालना होगा। कब तक हमारे लोग मरते रहेंगे।

उन्होने कहा आतंकवाद को हम पाताल में दफ्न करेंगे। आज जम्मू-कश्मीर में शान से तिरंगा लहराया जा रहा है। वो लोग शेख अब्दुल्ला का झंडा वापस लाना चाहते हैं। जम्मू-कश्मीर में केवल हमारा तिरंगा लहराएगा। वे चाहते हैं कि हम पाकिस्तान से बातचीत करें। हम आतंकवाद खत्म होने तक पाकिस्तान से बातचीत के पक्ष में नहीं हैं। वे आतंकवादियों को जेलों से रिहा करना चाहते हैं, लेकिन नरेंद्र मोदी सरकार ने आतंकवाद को बहुत गहराई में दफ्ना दिया है। कोई भी आतंकवादी या पत्थरबाज जेल से रिहा नहीं होगा।

कांग्रेस, एनसी ने कहा है कि पहाड़ियों, गुर्जर बकरवाल, दलित, वाल्मीकि, ओबीसी समुदाय को जो आरक्षण दिया गया, उस पर फिर से विचार किया जाएगा। राहुल गांधी अमेरिका में जाकर कहते हैं कि अब इनका विकास हो चुका है, अब इन्हें आरक्षण की जरूरत नहीं है।

पूर्व राज्यपाल मलिक महाराष्ट्र में भाजपा की बढ़ाएंगे चिंता

मुंबई, 22 सितंबर (एजेंसियां)। महाराष्ट्र में राज्य विधानसभा चुनावों की घोषणा से पहले सियासी माहौल गरमाने लगा है। महायुति और महा विकास अघाडी एक दूसरे को टक्कर देने के लिए कड़ी मेहनत कर रही है। इस बीच, जम्मू कश्मीर के पूर्व राज्यपाल सत्यपाल मलिक एक बार फिर से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की टेंशन बढ़ा सकते हैं। जम्मू-कश्मीर के पूर्व राज्यपाल सत्यपाल मलिक ने रविवार को शिवसेना प्रमुख उद्धव ठाकरे से मुलाकात की और कहा कि वह आगामी महाराष्ट्र चुनाव में विपक्षी महा विकास अघाड़ी (एमवीए) के लिए प्रचार करेंगे। इस चुनाव में सत्तारूढ़ भाजपा का सफाया हो जाएगा।

पत्रकारों से बातचीत करते हुए मलिक ने भरोसा जताया कि आगामी विधानसभा चुनावों में एमवीए विजयी होगी।

तिरुपति लड्डू विवाद

हिंदू सेना ने सुप्रीम कोर्ट में दायर की पीआईएल

कहा- प्रसाद में मिलावट की एसआईटी से कराएं जांच

नई दिल्ली, 22 सितंबर (एजेंसियां)। आंध्र प्रदेश के विश्व प्रसिद्ध मंदिर तिरुपति बालाजी के लड्डुओं के घी में पशु वसा के कथित इस्तेमाल को खड़ा हुआ विवाद सुप्रीम कोर्ट पहुंच गया है। अब किसान और हिंदू सेना ने सुप्रीम कोर्ट जनहित याचिका (पीआईएल) दायर की है। याचिका में प्रसाद में की गई मिलावट की एसआईटी से जांच कराने की मांग की गई है।

किसान और हिंदू सेना के अध्यक्ष सुरजीत सिंह यादव ने याचिका में कहा है कि तिरुमाला तिरुपति देवस्थानम (टीटीडी) ने श्री वेंकटेश्वर स्वामी मंदिर में भक्तों को घी के बजाय पशु वसा का उपयोग करके तैयार लड्डू प्रसादम परोसा है। टीटीडी ने हिंदू धर्म का उपहास किया है और हिंदुओं की भावनाओं को ठेस पहुंचाई है। लड्डू प्रसादम तैयार करने में पशु वसा का उपयोग करने के आरोप ने हिंदू समुदाय की अंतरात्मा को झकझोर दिया है। इसलिए मामले में जनहित याचिका दायर की गई है। साथ ही मामले की एसआईटी से जांच कराने की मांग की है।

क्या है तिरुपति मंदिर के लड्डू में चर्बी का पूरा विवाद :

आंध्र के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायुडू ने लैब रिपोर्ट के हवाले से दावा किया था कि, मंदिर के प्रसादम में प्रयोग होने वाले शुद्ध घी में जानवरों की चर्बी मिली हुई है। भगवान तिरुपति के प्रसादम बनाने में घटिया सामग्री का इस्तेमाल किया गया है। लड्डुओं में घी के बजाय जानवरों की चर्बी का उपयोग किया गया। ये मिलावट पिछली सरकार के दौरान दिए गए घी के ठेके के चलते हुई है। सीएम ने कहा था कि इस भ्रष्टाचार में शामिल किसी भी व्यक्ति को बख्शा नहीं जाएगा। इस मामले में सरकार की ओर से कई लोगों के खिलाफ एक्शन भी लिया जा चुका है।

आंध्र डिप्टी सीएम बोले- भगवान से क्षमा मांगी : उपवास कर रहा हूं

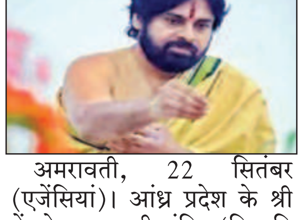

अमरावती, 22 सितंबर (एजेंसियां)। आंध्र प्रदेश के श्री वेंकटेश्वर स्वामी मंदिर (तिरुपति मंदिर) में प्रसादम (लड्डूओं) में जानवरों की चर्बी मामले में आंध्र प्रदेश के डिप्टी सीएम पवन कल्याण ने कहा- जब हिंदू मंदिरों को अपवित्र किया जाता है तो हमें चुप नहीं रहना चाहिए। अगर ऐसा मस्जिदों या चर्चों में होता तो देश में गुस्सा भड़क उठता।

पवन कल्याण ने रविवार (22 सितंबर) से 11 दिनों की प्रायश्चित दीक्षा की शुरूआत की। इस दौरान वह उपवास करेंगे। पवन ने कहा, मुझे अफसोस है कि मैं मिलावट के बारे में पहले क्यों नहीं पता लगा पाया। मुझे दुख हो रहा है। इसके लिए प्रायश्चित करूंगा।

पवन कल्याण ने सोशल मीडिया एक्स पर लिखा, पवित्र माने जाने वाले तिरुमाला लड्डू प्रसादम को जगन रेड्डी की सरकार की भ्रष्ट नीतियों के कारण अपवित्र कर दिया गया है। इस पाप को शुरू में न पहचान पाना हिंदू जाति पर एक कलंक है। जिस पल मुझे पता चला कि लड्डू प्रसादम में जानवरों की चर्बी हैं, मैं हैरान रह गया। खुद को दोषी महसूस कर रहा हूं। चूंकि मैं लोगों के कल्याण के लिए लड़ रहा हूं, इसलिए मुझे दुख है कि मैं इसे पहचान क्यों नहीं पाया।

जगन ने पीएम मोदी को लेटर लिखा, बोले- नायुडू झूठ फैला रहे

आंध्र के पूर्व सीएम जगन मोहन रेड्डी ने प्रधानमंत्री मोदी को लेटर लिखकर प्रसादम विवाद पर नायुडू से जवाब मांगने का अनुरोध किया है। रेड्डी ने लेटर में लिखा, सीएम चंद्रबाबू नायुडू की तरफ से तिरुमाला तिरुपति देवस्थानम (टीटीडी) की पवित्रता, अखंडता और प्रतिष्ठा को कलंकित करने का प्रयास किया जा रहा है। >14

चुनाव के दौरान 'खून की होली' खेलने आ रहा था घुसपैठिया

बीएसएफ ने फेर दिया मंसूबों पर पानी

जम्मू, 22 सितंबर (एजेंसियां)। कश्मीर में चल रहे विधानसभा चुनावों के बीच सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) ने एक बड़ी घुसपैठ की कोशिश को नाकाम करते हुए आतंकी मंसूबों पर पानी फेर दिया है। जम्मू जिले के आरएस पुरा सेक्टर में सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) ने भारी मात्रा में हथियार और गोला-बारूद बरामद भी किए हैं। सीमा सुरक्षा बल की ओर से जारी बयान के अनुसार, मध्य रात्रि में सतर्क बीएसएफ के जवानों ने संदिग्ध गतिविधि देखी। उन्होंने एक घुसपैठिये को आरएस पुरा सीमा क्षेत्र में बीएसएफ बाड़ की ओर आते देखा, इसके बाद जवानों ने घुसपैठ के प्रयास को विफल कर दिया।

सुरक्षा बलों की सतर्कता से नाकाम हुई साजिश

बीएसएफ की सतर्कता और मुस्तैदी के चलते घुसपैठिया सीमा पार करने में नाकाम रहा। इसके बाद सुरक्षा बलों ने रातभर चौकसी बरती और सुबह की पहली किरण के साथ इलाके में व्यापक तलाशी अभियान शुरू किया।

तलाशी अभियान के दौरान बरामद हुए ये हथियार

तलाशी के दौरान जवानों को भारी मात्रा में हथियार और गोला-बारूद बरामद हुआ, जिससे साफ संकेत मिलता है कि घुसपैठिए किसी बड़ी आतंकी साजिश को अंजाम देने की फिराक में थे। अब तक बरामद किए गए हथियारों की सूची इस प्रकार हैः पिस्टल - 02 नगः ये पिस्टल छोटी दूरी की फायरिंग के लिए इस्तेमाल होती हैं, जो आमतौर पर नजदीकी हमलों में प्रयोग की जाती हैं। मैगजीन - 04 नग और 9 एमएम की गोलियां - 20 नगः इन पिस्टल के साथ 9 एमएम की गोलियां भी मिली हैं, जो खतरनाक मंसूबों की ओर इशारा करती हैं। रायफल एके 47 सीरीज - 01 नगः एके 47 रायफल आतंकियों की पसंदीदा हथियारों में से एक है, जो इसकी लंबी दूरी और घातक फायरिंग क्षमता के लिए जानी जाती है। मैगजीन - 02 नग और 17 गोलियांः एके 47 के साथ दो मैगजीन और गोलियां भी बरामद की गई हैं, जो किसी बड़े हमले की तैयारी की ओर इशारा करती हैं।

चुनावी माहौल में सुरक्षा के लिए चुनौती

जम्मू-कश्मीर में इन दिनों विधानसभा चुनाव चल रहे हैं, ऐसे में इस तरह की घुसपैठ की कोशिशें सुरक्षा एजेंसियों के लिए एक बड़ी चुनौती बन रही हैं। चुनावी माहौल में अशांति फैलाने के लिए आतंकी तत्व सीमा पार से घुसपैठ की लगातार कोशिशें कर रहे हैं। लेकिन बीएसएफ के जवानों की सतर्कता और मुस्तैदी के चलते इन घुसपैठियों के मंसूबे बार-बार नाकाम हो रहे हैं।

बीएसएफ की बड़ी कामयाबी

इस कार्रवाई को बीएसएफ की बड़ी कामयाबी के तौर पर देखा जा रहा है। सुरक्षा एजेंसियों ने इलाके में सतर्कता और बढ़ा दी है और किसी भी संदिग्ध गतिविधि पर नजर रखी जा रही है। बीएसएफ का कहना है कि सीमावर्ती इलाकों में सुरक्षा व्यवस्था चाक-चौबंद है और किसी भी घुसपैठ को नाकाम करने के लिए पूरी तरह से तैयार हैं।

अनुराग ठाकुरः राजीव गांधी के दौर में हुईं सिखों की हत्याएं और अपमान, कांग्रेस और पाक के इरादे एक

शिमला, 22 सितंबर (एजेंसियां)। भाजपा सांसद अनुराग ठाकुर ने कहा, जिस तरह से फारूक अब्दुल्ला दिल्ली आकर कुछ बयान देते हैं और कश्मीर आकर कुछ और बयान देते हैं, उसी तरह से राहुल गांधी विदेश जाकर कुछ बयान देते हैं और घर में आकर अपने बयान से पलटने का काम करते हैं। सच्चाई यह है कि जब-जब राहुल गांधी का विदेश दौरा हुआ, तब उन्होंने भारत को नीचा दिखाने का काम किया। मुझे समझ नहीं आता कि एक व्यक्ति इतना झूठ कैसे बोल सकता है। सिखों का अपमान और हत्याएं अगर कहीं हुईं तो राजीव गांधी के दौर में 1984 में हुई। साफ दिखता है कि कांग्रेस और पाकिस्तान के इरादे एक जैसे हैं।

डिप्टी सीएम देवेंद्र फडणवीस ने ऐसा क्या कहा कि भावुक हो गईं नवनीत राणा

अमरावती, 22 सितंबर (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के अमरावती जिले के नंदगांवपेठ में स्थापित होने वाले 'पीएम मित्र मेगा टेक्सटाइल पार्क' का प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 20 सितंबर को वर्धा से वर्चुअल भूमिपूजन किया। इस दौरान अमरावती में आयोजित कार्यक्रम में प्रदेश के उप मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने पूर्व सांसद नवनीत राणा की कड़ी मेहनत की खूब सराहना की। देवेंद्र फडणवीस से अपनी तारीफ सुनकर नवनीत राणा के आंसू छलक गए। अमरावती में आयोजित कार्यक्रम में बीजेपी सांसद अनिल बोंडे, पूर्व सांसद नवनीत राणा, विधायक रवि राणा समेत अन्य नेता और सरकारी अधिकारी शामिल हुए। इस कार्यक्रम में नवनीत राणा तब भावुक हो गईं, जब देवेंद्र फडणवीस ने बताया कि नवनीत राणा ने सांसद के रूप में अमरावती टेक्सटाइल पार्क को आगे बढ़ाया है। इस दौरान अनिल बोंडे ने भी पूर्व सांसद की तारीफ की। ऐसे में अपनी तारीफ सुनकर नवनीत राणा भावुक हो गईं और कहा, ये खुशी के आंसू हैं

पीएम मोदी ने क्या कहा?

वहीं इस कार्यक्रम को वर्चुअल संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि वस्त्रोद्योग क्षेत्र में यह नई क्रांति लाने वाली योजना है। इसके लिए आधुनिक और वैश्विक इन्फ्रास्ट्रक्चर का निर्माण किया जाएगा। फार्म से फाइबर और फाइबर से फैब्रिक, फैब्रिक से फैशन और फैशन से फॉरेन निर्यात करने की सुविधा उपलब्ध होगी। मेगा टेक्सटाइल पार्क से अमरावती का नाम राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर चमकेगा। उन्होंने यह भी कहा कि अब तक विदर्भ का क्षेत्र उपेक्षित था। देवेंद्र फडणवीस ने मुख्यमंत्री बनने के बाद नांदगांव पेठ एमआईडीसी में रेमंड, सियाराम समेत अनेक बहुराष्ट्रीय वस्त्रोद्योग लाए। बता दें देश में कपड़ा उद्योग को बढ़ावा देने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पिछले साल मार्च महीने में वस्त्रोद्योग भवन के निर्माण की घोषणा की थी। अमरावती में बन रहे टेक्सटाइल पार्क में 10 हजार करोड़ रुपये का निवेश किया जाएगा। इससे करीब तीन लाख लोगों को नौकरियां मिलेंगी।

मणिपुर संकटः केंद्र सरकार के रुख पर भड़के कांग्रेस नेता, कडी आलोचना की

इंफाल, 22 सितंबर (एजेंसियां)। मणिपुर में चल रही उथल-पुथल ने काफी चिंता पैदा कर दी है, कांग्रेस सांसद ए बिमोल अकोइजम ने कथित निष्क्रियता के लिए भारत सरकार की कड़ी आलोचना की है। अकोइजम ने एक खुलासा करने वाले साक्षात्कार में, विशेष रूप से बढ़ते संघर्ष से निपटने या उसके अभाव के लिए केंद्र सरकार पर निशाना साधते हुए कड़ी आलोचना की। उन्होंने कहाकि यह हैरान करने वाला है कि 60,000 सैनिकों की मौजूदगी के बावजूद, राज्य में हिंसा जारी है। 3 मई, 2022 को मैतेई समुदाय के अनुसूचित जनजाति के दर्जे के अनुरोध के खिलाफ आदिवासी समूहों के विरोध के बाद शुरू हुए संघर्ष में 220 से अधिक लोगों की जान चली गई, जिसमें कुकी और मैतेई समुदायों के नागरिक और सुरक्षा बल दोनों शामिल हैं। अकोइजम की टिप्पणी स्थानीय नेतृत्व तक फैली हुई थी, जिसमें विशेष रूप से मणिपुर के मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह की आलोचना की गई थी, जो कुछ कुकी गुटों द्वारा अलग प्रशासन की मांग पर उनके रुख के लिए थे। ये गुट चल रहे संघर्ष के समाधान के रूप में अपने स्वयं के विधानमंडल के साथ एक केंद्र शासित प्रदेश के निर्माण की वकालत कर रहे हैं, एक सुझाव जिसे सिंह ने पूरी तरह से खारिज कर दिया है। कांग्रेसी ने केंद्र सरकार पर इस मामले में परस्पर विरोधी संकेत भेजने का आरोप लगाया, जिसने उनके विचार में, स्थिति को और खराब कर दिया है।

स्टैंडिंग कमेटी के गठन में देरी पर भड़के डेरेक ओ ब्रायन, चिंता भी जताई

कोलकाता, 22 सितंबर (एजेंसियां)। तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के नेता डेरेक ओ ब्रायन ने संसदीय स्थायी समितियों के गठन में देरी पर चिंता जताई है। उन्होंने कहा कि 18वीं लोकसभा के गठन के 100 दिन से ज़्यादा हो चुके हैं, लेकिन अभी तक इन समितियों का गठन नहीं किया गया है। डेरेक के अनुसार, यह संसद को गहरे, अंधेरे कक्ष में बदलने की दिशा में एक बदलाव को दर्शाता है। ऐतिहासिक रूप से, 15वीं लोकसभा में 70% विधेयकों को गहन समीक्षा के लिए विभाग-संबंधित स्थायी समितियों के पास भेजा जाता था, एक ऐसी प्रथा जिसमें हाल के सत्र में भारी गिरावट देखी गई है, जिसमें केवल 20% विधेयक ही समान स्तर की जांच से गुजरे हैं।

मौजूदा चिंताओं के जवाब में संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने 11 सितंबर को आश्वासन दिया कि संसद की स्थायी और परामर्शदात्री समितियां जल्द ही स्थापित की जाएंगी। यह बयान भारत के विधायी ढांचे में इन समितियों की महत्वपूर्ण भूमिका की स्वीकृति का संकेत देता है, जो प्रस्तावित कानूनों पर विस्तृत चर्चा और विश्लेषण के लिए एक मंच के रूप में काम करती हैं। इस देरी के प्रभाव पर और अधिक जोर देते हुए, पीआरएस लेजिस्लेटिव रिसर्च ने खुलासा किया कि 17वीं लोकसभा में, केवल 16% विधेयकों को स्थायी समितियों को भेजा गया था। रेफरल में यह गिरावट इस तथ्य के साथ जुड़ी हुई है कि, ऐतिहासिक रूप से, इन समितियों ने विधायी प्रक्रिया में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उदाहरण के लिए, 15वीं लोकसभा में, इन समितियों द्वारा 71% विधेयकों की जांच की गई, जो विधायी जांच के प्रति अधिक प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

सूरत के कपड़ा व्यवसायी से 5 करोड़ की लूट, ऐसे पकड़े गए अपराधी

सूरत, 22 सितंबर (एजेंसियां)। सूरत के रांदेर इलाके में रहने वाले और पेशे से कपड़ा कारोबारी हरीश बांकावाला से कुछ लुटेरे 5 करोड़ कैश लूटकर भाग गए। शुक्रवार को हुई इस घटना के बाद कपड़ा कारोबारी ने 100 नंबर पर फोन करके पुलिस को इसकी जानकारी दी थी। करोड़ों रुपये की लूटपाट की जानकारी मिलते ही सूरत पुलिस अलर्ट हो गई। जगह-जगह पर नाकेबंदी कर दी गई थी। इसी नाकाबंदी के तहत लुटेरे जब इनोवा कार और अमेज कार में सवार होकर वलसाड होते हुए मुंबई की तरफ जा रहे थे। तभी वलसाड पुलिस की नाकेबंदी में इनोवा कार को रोककर जांच करने पर 4.54 करोड़ रुपये बरामद हुए। लुटेरों ने इनोवा कार का नंबर भी बदल दिया था। बावजूद इसके वलसाड पुलिस ने बगवाड़ा चेक पोस्ट से उन्हें पकड़ लिया था। इनमें से एक लुटेरा कयूबपासा शेख जो भिवंडी का रहने वाला है और दूसरे आरोपी शैलेंद्र सिंह कुंज बिहारी जो जोगेश्वरी का रहने वाला है, उसे पकड़ा गया। सूरत क्राइम ब्रांच के डीसीपी भावेश रोज़िया ने बताया कि उनसे हुई पूछताछ में पुलिस को पता चला था कि इस लूट मामले में तीन लोग और शामिल थे। उन्हें पकड़ने के लिए पुलिस ने नाकेबंदी बढ़ा दी थी। लुटेरों की अमेज कार भिलाड़ चेक पोस्ट के पास एक टैंकर के पीछे से घुस गई थी। इसमें एक लुटेरा गंभीर रूप से घायल हो गया था। उसे सूरत की नई सिविल अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

एनसीआरटी की तीसरे क्लास की किताब पर हो रहे विवाद को लेकर बोले पूर्व सीएम कमलनाथ, सियासत गर्माई

भोपाल, 22 सितंबर (एजेंसियां)। एनसीआरटी की पर्यावरण बुक का चैप्टर नंबर 17 विवाद के घेरे में आ गया है। इसको लेकर प्रदेश का सियासत भी गरमा गई है। दरअसल, एनसीआरटी की कक्षा तीसरी की पर्यावरण किताब में लव जिहाद को बढ़ावा देने का आरोप लगाते हुए एक अभिभावक ने छतरपुर पुलिस में शिकायत दी थी। इसके बाद ही राज्य में मामले ने तूल पकड़ लिया। मामले को लेकर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ का बयान भी सामने आया है। पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ ने कहा कि मैंने इस मामले को बारीकी से देखा नहीं है और ना मैं उसमें पढ़ा हूं। उन्होंने आगे कहा कि पता लगाना होगा कि यह सही है या गलत, अगर यह बात सही है तो बिलकुल गलत है। इसके साथ ही उन्होंने देश में हो रही रेल दुर्घटना को लेकर भी बयान दिया है। उन्होंने कहा कि देश में जो कानून व्यवस्था चल रही है वह पूरी तरह से चौपट है, इसलिए एंटीसोशल एलिमेंट उसका फायदा उठा रहे हैं।

वहीं, छतरपुर एनसीआरटी मामले को लेकर बीजेपी के विधायक रामेश्वर शर्मा का भी एक बयान सामने आया है। उन्होंने कहा, भारत के बोध बेटा बेटी को छत्रपति शिवाजी, महाराणा प्रताप, लक्ष्मीबाई, सुभाष चंद्र बोस के बारे में पढ़ना चाहिए। तीसरी कक्षा के बेटा बेटी को लव जिहाद जैसे सब्जेक्ट से जोड़ने से कहीं ना कहीं गलत संदेश जा रहा है। भारत सरकार और केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान इस पर संज्ञान लेकर निर्णय करेंगे। भारत सरकार से लेकर प्रदेश सरकार तक की भी वचनबद्धता है हम लव जिहाद और लैंड जिहाद जैसे विषय को देश या प्रदेश में पनपने नहीं देंगे।

'बीजेपी को जनता घर बैठाएगी'

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता कमलनाथ ने चार राज्यों के विधानसभा चुनाव को लेकर भी बयान दिया। उन्होंने कहा कि चारों राज्य में कांग्रेस की स्थिति अच्छी है और बीजेपी को जनता घर बैठाएगी। उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र, हरियाणा, जम्मू कश्मीर और झारखंड में बीजेपी को जनता घर बैठाएगी।

18 पिस्टल, 66 कारतूस बरामदः 17 बदमाश गिरफ्तार, दो सप्ताह चला ऑपरेशन, जालंधर पुलिस ने पकड़ा अंतरराज्यीय गिरोह

जालंधर, 22 सितंबर (एजेंसियां)। पंजाब की जालंधर पुलिस के हाथ बड़ी कामयाबी लगी है। जालंधर कमिश्नरेट पुलिस ने एक अंतरराज्यीय हथियार व नशा तस्करी गिरोह का भंडाफोड़ किया है। पुलिस ने मामले में कुल 17 शातिर बदमाश गिरफ्तार किए हैं। तस्करों को पकड़ने के लिए पुलिस की तरफ से लगभग दो सप्ताह तक यह ऑपरेशन चलाया गया, जिसमें यह कामयाबी लगी है। पुलिस कमिश्नर जालंधर स्वप्न शर्मा ने बताया कि पुलिस ने गिरोह का पर्दाफाश करते हुए ने बड़ी मात्रा में अवैध हथियार और ड्रग्स जब्त की है। पुलिस ने गैंग से जुड़े 17 अपराधी गिरफ्तार किए हैं, जिनसे 18 पिस्टल, 66 कारतूस और 1.1 किलो हेरोइन मिली है। आरोपी इन हथियारों को दूसरे राज्यों से लेकर आए थे। गिरफ्तार किए गए

'इस जिद की कीमत देश को ही चुकानी पड़ेगी'

'सामना' में संजय राउत का 'वन नेशन वन इलेक्शन' पर बड़ा हमला

मुंबई, 22 सितंबर (एजेंसियां)। 'एक राष्ट्र, एक चुनाव' के प्रस्ताव को मोदी कैबिनेट में मंजूरी मिल चुकी है। इसके बाद से विपक्ष लगातार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और बीजेपी की केंद्र सरकार को घेर रहा है। इसी कड़ी में शिवसेना यूबीटी के सांसद संजय राउत ने बड़ा दावा किया है। संजय राउत ने लिखा, पीएम नरेंद्र मोदी 75 साल की उम्र में अपना प्रधानमंत्री पद छोड़ देंगे। उससे पहले वे अपनी सारी जिद पूरी कर रहे हैं। 'एक राष्ट्र, एक चुनाव' भी उन्हीं में से एक है, लेकिन पीएम मोदी की इस जिद की देश को भारी कीमत चुकानी पड़ेगी।

'पीएम मोदी को 75 साल की उम्र में प्रधानमंत्री पद छोड़ना पड़ेगा'

सामना में अपने लेख के माध्यम से संजय राउत ने आगे कहा कि पीएम मोदी द्वारा घोषित सभी योजनाएं पहले ही ध्वस्त हो गई हैं। ऐसे में एक राष्ट्र, एक चुनाव योजना भी ध्वस्त हो जाएगी। वेताल जैसे अपनी अपनी जिद पूरी करता है पीएम मोदी ने भी वैसी ही अपनी 'एक राष्ट्र, एक चुनाव' की जिद को पूरा करने का फैसला किया है। पीएम मोदी इस 17 सितंबर को 74 साल की उम्र पूरी कर चुके हैं। वे अब अपनी बात पर कायम रहे तो उन्हें 75 साल की उम्र में प्रधानमंत्री पद छोड़ना पड़ेगा।

'10 साल में कुछ खास काम नहीं किया'

सासंद संजय राउत ने कहा, 75 साल की उम्र में कोई सत्ता के पद पर न रहे यह नियम खुद पीएम मोदी ने बनाया है। इस वजह से लालकृष्ण आडवाणी, मुरली मनोहर जोशी और सुमित्रा महाजन जैसे बड़े नेता मार्गदर्शन मंडल में जाकर बैठ गए हैं। संजय राउत ने कहा, पीएम मोदी को भी एक साल बाद जाना पड़ेगा, इसलिए वे ये ऐतहासिक फैसला लेकर इतिहास में अपना नाम दर्ज करवाना चाहते हैं, लेकिन उनकी ये कोशिश वो देश को गर्त में डाल देगी। उन्होंने 10 साल में कुछ खास काम नहीं किया। उत्सव और त्योहार मनाएं, जगभ्रमण किया। देश का सरकारी खजाना खाली कर दिया, उसके बदले में देश को क्या मिला?

बिल्डर को मिली गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई के नाम से धमकी, 2 करोड़ की मांगी रंगदारी

गाजियाबाद, 22 सितंबर (एजेंसियां)। थाना शालीमार गार्डन क्षेत्र में रहने वाले बिल्डर सुधीर मलिक को लॉरेंस बिश्नोई गैंग के नाम से व्हाट्सएप कॉल के जरिए धमकी मिली है कॉल पर उनसे 2 करोड़ रुपये की रंगदारी मांगी गई, कॉल पुर्तगाल के कंट्री कोड से आई थी।

शिकायत के आधार पर पीड़ित ने बताया कि मैंने कॉल उठाई, सामने वाले ने पूछा क्या मैं सुधीर मलिक बोल रहा हूँ? मैंने हां कहा, तो उसने कहा लॉरेंस बिश्नोई का मैसेज है, 2 करोड़ तैयार रखो, कल दोगे इसे मजाक मत समझो, कॉल रिकॉर्ड कर लो। सुधीर मलिक के अनुसार कॉल करीब डेढ़ मिनट तक चली, जिसमें उन्होंने अपनी स्थिति स्पष्ट की कि उनका कारोबार इतना बड़ा नहीं है।

इसके बावजूद, कॉल करने वाले ने कहा कि मिलकर चलेगा तो फायदे में रहेगा और फिर फोन काट दिया। घटना की सूचना के बाद, सुधीर मलिक भयभीत हो गए। तुरंत पुलिस में शिकायत दर्ज कराई।

पुलिस ने मामला दर्ज करते हुए जांच शुरू कर दी है। साइबर और सर्विलांस टीम का गठन किया गया है, ताकि मामले की तह तक पहुंचा जा सके। पुलिस अधिकारी के अनुसार (एसीपी शालीमार गार्डन) सलोनी अग्रवाल ने सुधीर मलिक द्वारा दी गई शिकायत के आधार पर मामला दर्ज कर लिया गया है। कॉल करने वाले ने खुद को लॉरेंस बिश्नोई ग्रुप से बताया है।

मध्य प्रदेश में रची गई बड़ी साजिश

आर्मी की स्पेशल ट्रेन के सामने रखे गए 10 डेटोनेटर

नेपानगर, 22 सितंबर (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के नेपानगर से बड़ी खबर सामने आ रही है। यहां सेना की स्पेशल ट्रेन से जुड़ी बड़ी साजिश का खुलासा हुआ है। बीते 18 सितंबर को आर्मी की स्पेशल ट्रेन के आगे 10 डेटोनेटर रखे गए थे।

मध्य प्रदेश के नेपानगर विधानसभा के सागफाटा क्षेत्र में अज्ञात बदमाशों द्वारा ट्रेन के आगे डेटोनेटर रखने का मामला सामने आया। डेटोनेटर से ट्रेन गुजरने के दौरान जो आवाज हुई, उससे ड्राइवर सचेत हुआ और ट्रेन रोककर स्टेशन मास्टर को सूचना दी। जैसे ही इस बात की जानकारी मिली, वैसे ही एटीएस, एनआईए सहित रेलवे और पुलिस के आला अधिकारियों ने घटनास्थल का मुआयना किया। सेना से जुड़ा मामला होने के चलते अधिकारियों द्वारा मामले को लेकर गोपनीयता बरती जा रही है। 18 सितंबर को दोपहर 1:48 बजे जम्मू कश्मीर से कर्नाटक जा रही आर्मी की स्पेशल ट्रेन को सागफाटा रेलवे स्टेशन के पास रेलवे ट्रैक पर 10 डेटोनेटर लगाए गए। शनिवार दोपहर पुलिस विभाग की स्पेशल शाखा डीएसपी, नेपानगर एसडीओपी, थाना प्रभारी सहित रेलवे के अधिकारियों ने घटनास्थल का मुआयना किया। शनिवार को देर शाम एनआईए, एटीएस सहित कई खुफिया एजेंसियों के अधिकारी खंडवा पहुंचे और जांच के दायरे को और बढ़ाया गया। रेल की पटरी पर जो डेटोनेटर लगाया गया था वो आरडीएक्स वाला डेटोनेटर नहीं था। बल्कि फ़ॉग डेटोनेटर था। फ़ॉग के दिनों में ट्रेन के लोको पायलट को अलर्ट करने के लिए आवश्यकतानुसार इसका इस्तेमाल पटरी के पास आवाज करने के लिए किया जाता है। एक स्थान पर एक डेटोनेटर रखा जाता है। लेकिन इस घटना में डेटोनेटर रेलवे की ओर से नहीं रखा गया था। अज्ञात बदमाशों ने कहीं से रेलवे का ही एक्सपायर्ड डेटोनेटर हासिल करके उसे एक साथ पटरी पर रख दिया।

केवल आवाज करते हैं ये फॉग डेटोनेटर

फॉग डेटोनेटर ब्लास्ट होने पर बम जैसा धमाका नहीं करते बल्कि सिर्फ आवाज करते हैं। ऐसा इसलिए किया जाता है, जिससे फ़ॉग के दिनों में लोको पायलट को अलर्ट किया जा सके कि आगे कोई अवरोध है। मध्य प्रदेश में हुई घटना में इन्हीं डेटोनेटर का इस्तेमाल किया गया। लेकिन ये रेलवे के किसी कर्मचारी की तरफ से नहीं रखे गये थे। बल्कि किसी शरारती तत्व ने एक्सपायर्ड डेटोनेटर पटरी पर रख दिये थे। मामले की जांच फिलहाल जारी है।

सामने थे जज साहब, वहीं खड़ी थी पुलिस गाजियाबाद के कोर्ट में पेशी पर आए युवक की बेरहमी से पिटाई

गाजियाबाद, 22 सितंबर (एजेंसियां)। कोर्ट में घुसकर करीब दर्जन भर लोगों ने हत्या के प्रयास के आरोप में अरेस्ट एक युवक के साथ मारपीट की। इस युवक को पुलिस भारी सुरक्षा में लेकर कोर्ट पहुंची थी। जैसे ही उसे कोर्टरूम में जज के सामने पेश किया गया, आरोपियों ने उनके ऊपर हमला बोल दिया। यह पूरी घटना जज के सामने हुई। हालांकि मौके पर मौजूद पुलिस ने बीच बचाव करते हुए घायल आरोपी को अस्पताल पहुंचाया है। वहीं हमला करने वाले आरोपियों को हिरासत में लिया है। पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है। पुलिस के मुताबिक शुक्रवार को टीला मोड़ थाना क्षेत्र के अशोक वाटिका में दो पक्षों के बीच जमकर मारपीट हुई थी। इस मामले में पुलिस ने एक पक्ष के आरोपी नवीन यादव व पुष्पेंद्र को हिरासत में लेकर शनिवार को कोर्ट में पेश किया था। पुलिस इन दोनों आरोपियों को जज के सामने लेकर पहुंची ही थी कि 15 से 20 लोगों ने उसके ऊपर हमला बोल दिया। ऐसे में पुलिस ने बड़ी मुश्किल से आरोपियों के चंगुल से इन दोनों आरोपियों को बचाया

जज ने 'पाकिस्तान' वाली टिप्पणी पर जताया खेद. कहा दिल से पछतावा

बेंगलूरू, 22 सितंबर (एजेंसियां)। कर्नाटक हाई कोर्ट के न्यायाधीश न्यायमूर्ति वी श्रीशानंद ने अपने हालिया बयानों पर खेद व्यक्त किया है। उन्होंने कहा कि ऐसा अनजाने में हुआ। समाज के किसी व्यक्ति या वर्ग की भावनाओं को आहत के लिए नहीं था। यह स्पष्टीकर उन्होंने बेंगलुरु एडवोकेट्स एसोसिएशन के सदस्यों की मौजूदगी में अदालत में दिया। न्यायाधीश श्रीशानंद ने यह भी कहा कि उनकी टिप्पणी से अगर किसी को दुख पहुंचा है तो उन्हें दिल से पछतावा है। दरअसल, जस्टिस श्रीशानंद ने 28 अगस्त को रोड सेफ्टी पर चर्चा के बाद विवादित टिप्पणी की थी। उन्होंने बेंगलुरु के एक इलाके को पाकिस्तान बताया था। वहीं, दूसरी टिप्पणी एक महिला वकील के लिए की गई थी। दोनों ही टिप्पणियों की सोशल मीडिया पर जमकर आलोचना हुई। बेंगलुरु एडवोकेट्स एसोसिएशन के अध्यक्ष विवेक सुब्बा रेड्डी ने कहा कि महिला वकील के लिए अपनी टिप्पणी के लिए जज ने स्पष्ट किया कि यह टिप्पणी मुवक्किल के ज्ञान के बारे में थी और वकील के लिए सही नहीं थी। उन्होंने कहा कि इसमें कोई शक नहीं कि वह अच्छे न्यायाधीश हैं, लेकिन उन्हें ऐसे बयान नहीं देने चाहिए, जो मामले के लिए आवश्यक नहीं है। इस पर न्यायाधीश श्रीशानंद ने कहा कि वह भविष्य में ऐसी कोई टिप्पणी नहीं करेंगे।

सुप्रीम कोर्ट ने लिया संज्ञान

गौरतलब है कि सुप्रीम कोर्ट ने 20 सितंबर को जस्टिस श्रीशानंद की विवादास्पद टिप्पणियों वाली वीडियो क्लिप पर स्वतः संज्ञान लिया। भारत के मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़, न्यायमूर्ति संजीव खन्ना, बीआर गवई, सूर्यकांत और हृषिकेश रॉय की 5 न्यायाधीशों की पीठ ने कर्नाटक हाई कोर्ट से रिपोर्ट मांगने का आदेश पारित किया। मामले की अगली सुनवाई 25 सितंबर को होगी।

छिंदवाड़ा में वरिष्ठ पत्रकार पर हमला, बदमाशों ने हाथ-पैर तोड़े, सिर फोड़ा, डॉक्टरों ने ऑपरेशन कर बचाई जान

छिंदवाड़ा, 22 सितंबर (एजेंसियां)। छिंदवाड़ा में चौरई के वरिष्ठ पत्रकार ललित डेहरिया पर बीती रात अज्ञात हमलावरों ने जानलेवा हमला कर दिया, जिससे वे बुरी तरह घायल हो गए। घटना के बाद उन्हें जिले के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया। डॉक्टरों का कहना है ललित के हाथ और पैर में फ्रैक्चर है। साथ ही सिर में गंभीर चोटें आने के कारण ऑपरेशन किया गया। घटना की सूचना मिलते ही पत्रकार और स्थानीय लोगों ने चौरई थाने के बाहर जमकर प्रदर्शन किया और आरोपियों को जल्द से जल्द गिरफ्तार करने की मांग की।

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

सुविचार: दुनिया एक महान व्यायामशाला है, जहाँ हम खुद को मजबूत बनाने के लिए आते हैं।

केटीआर ने पोंगुलेटी की चुनौती स्वीकार की

हैदराबाद, 22 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस पार्टी के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामा राव ने आज कहा कि वह मंत्री पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी की चुनौती स्वीकार करते हैं कि अगर यह साबित हो जाता है कि अमृत निविदाओं में कुछ भी गलत नहीं है तो वह राजनीति छोड़ देंगे। उन्होंने मंत्री से तत्काल एक मौजूदा न्यायाधीश से जांच कराने की मांग की। शुक्रवार को यहां तेलंगाना भवन में पार्टी नेताओं के साथ मीडिया से बात करते हुए उन्होंने कहा, एक मंत्री ने यह कहा था कि अगर मेरे आरोप सही साबित हुए तो वह इस्तीफा दे देंगे। अगर वह वास्तव में ईमानदार हैं, तो आइए हम एक साथ हाईकोर्ट के सीजे के पास जाएं। आइए हम तत्काल मौजूदा जज से जांच कराएं। चूंकि मौजूदा जज हैं, इसलिए इसमें कोई गलती नहीं होगी। मैं राजनीतिक संन्यास ले लूंगा। अगर मंत्री को हाई कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश से संपर्क करने में दिक्कत है, तो तारीख और समय तय करें और केंद्रीय सतर्कता आयुक्त के पास जाएं, जो केंद्र में दोनों जगह हैं। मैं मंत्री और मुख्यमंत्री से यही बात कह रहा हूं। टेंडर कम से कम अभी के लिए रद्द कर दिए जाने चाहिए। केटीआर ने कहा कि सिंगरेणी ने बीआरएस शासन के दौरान जबरदस्त प्रगति की है और कहा कि पिछले 10 सालों में सिंगरेणी के मुनाफे में काफी वृद्धि हुई है। उन्होंने कहा, हम मुनाफे में श्रमिकों का हिस्सा बढ़ा रहे हैं। उन्होंने याद दिलाया कि संयुक्त राज्य में श्रमिकों को केवल 10 पैसे का हिस्सा दिया जाता था। उन्होंने कहा, कांग्रेस के शासन में केवल 11 पैसे से 20 पैसे दिए गए। 1999 से 2014 तक सिंगरेणी श्रमिकों को केवल 376 करोड़ रुपये दिए गए। कांग्रेस शासन में लाभ कभी भी 400 करोड़ रुपये से अधिक नहीं हुआ। केसीआर सरकार को मुनाफे में 1,000 करोड़ को पार करने का श्रेय दिया जाता है। पिछले साढ़े नौ वर्षों में, हमने श्रमिकों को 2,780 करोड़ रुपये दिए हैं। उन्होंने कहा कि 2022-23 में, उन्होंने सिंगरेणी के मुनाफे का 32 प्रतिशत हिस्सा श्रमिकों को दिया। हमने औसतन प्रत्येक श्रमिक को 1,60,000 रुपये का भुगतान किया। मुख्यमंत्री सिंगरेणी और श्रमिकों की पीठ में छुरा घोंप रहे हैं। कांग्रेस सरकार श्रमिकों के पंखों की मेहनत का शोषण कर रही है। सीएम झूठे बयान दे रहे हैं कि वह 33 प्रतिशत हिस्सा दे रहे हैं। सिंगरेणी का मुनाफा 4,701 करोड़ रुपये है, लेकिन, कांग्रेस को यह स्वीकार करना होगा कि वह केवल 16 प्रतिशत दे रही है। सिंगरेणी के श्रमिकों को धोखा मत दो। उन्होंने कांग्रेस के षड्यंत्रकारी रवैये पर सीपीआई से जवाब मांगा और दावा किया कि अगर श्रमिक नहीं लड़े तो सिंगरेनी का निजीकरण कर दिया जाएगा। केटीआर ने कहा, श्रमिकों को इस साजिश को पहचानना चाहिए। अगर उन्होंने जो कहा है, उसमें कुछ भी गलत है तो सरकार को

युवा सामाजिक परिवर्तन की कुंजी हैं : जूपल्ली

हैदराबाद, 22 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। पर्यटन मंत्री जूपल्ली कृष्ण राव ने इस बात पर जोर दिया है कि युवाओं में सामाजिक परिवर्तन लाने की क्षमता है। मंत्री ने यह बयान रविवार को रंगारेड्डी जिले के नंदीगामा मंडल में कान्हा शांतिवनम में एक अंतर्राष्ट्रीय युवा दयालुता सेमिनार में भाग लेने के दौरान दिया। इस अवसर पर, जूपल्ली ने सम्मेलन में दुनिया भर से युवाओं की बड़ी संख्या में उपस्थिति के लिए अपनी प्रशंसा व्यक्त की। उन्होंने मानवता और करुणा की खेती के महत्व पर जोर दिया, यह देखते हुए कि आज की कई सामाजिक समस्याएं मानव विचार प्रक्रियाओं से उत्पन्न होती है। उन्होंने कहा कि ध्यान शांति को बढ़ावा देता है, जो सकारात्मक सोच की ओर ले जाता है, मंत्री ने यह भी बताया कि योग और ध्यान मानसिक शांति लाते हैं, युवाओं से मानवता, समानता और दयालुता जैसे मूल्यों को अपनाने का आग्रह किया। जूपली ने टिप्पणी की कि यदि युवा लोग दृढ़ संकल्पित हैं, तो वे किसी भी प्रकार का परिवर्तन ला सकते हैं। इस कार्यक्रम में शादनगर के विधायक शंकर, रामचंद्र मिशन के अध्यक्ष गुरुजी कमलेश पटेल (दाजी), विश्व बैंक के उपाध्यक्ष मार्टिन रेजर और अन्य विशिष्ट अतिथि शामिल हुए।

मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी और मंत्री उत्तम कुमार रेड्डी ने सिख धर्म के संस्थापक गुरु नानक देव की पुण्यतिथि के अवसर पर जुबली हिल्स स्थित आवास पर उनके चित्र पर माल्यार्पण किया।

संदिग्ध परिस्थितियों में मृत पाई गई छात्रा

अज्ञात व्यक्तियों के खिलाफ हत्या का मामला

आदिलाबाद, 22 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। राजीव गांधी आयुर्विज्ञान संस्थान (आरआईएमएस)-आदिलाबाद के बीएससी ऑपरेशन थियेटर टेक्नोलॉजी (ओटीटी) प्रथम वर्ष के छात्र की शुक्रवार रात मावला मंडल केंद्र के एक सरकारी छात्रावास में संदिग्ध मौत के बाद पुलिस ने रविवार को अज्ञात व्यक्तियों के खिलाफ हत्या का मामला और एससी, एसटी अत्याचार निवारण अधिनियम के तहत एक मामला दर्ज किया।

मावला पुलिस ने बताया कि नारनूर मंडल के चोरगांव का राठौड़ जितेन्द्र (20) छात्रावास के पास निर्माणाधीन इमारत में संदिग्ध परिस्थितियों में मृत पाया गया। जितेन्द्र कस्बे में एक सरकारी छात्रावास में रह रहा था। जितेन्द्र के भाई की शिकायत के आधार पर मामला दर्ज कर लिया गया है। जांच शुरू कर दी गई है।

शनिवार को छात्र के परिजनों और छात्र संघ ने अपराधियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग को लेकर जितेन्द्र के शव के साथ रास्ता रोको प्रदर्शन किया। कलेक्टर राजर्षि शाह ने जब फोन पर उनसे बात कर न्याय का आश्वासन दिया तो उन्होंने अपना विरोध वापस ले लिया। रिम्स में शव का पोस्टमार्टम कराया गया। मौत के कारणों का अभी पता नहीं चल पाया है। परिजनों को संदेह है कि चोरगांव के कुछ लोगों ने आपसी विवाद के बाद जितेंद्र की हत्या की है। उन्होंने आरोप लगाया कि शुक्रवार रात करीब 10 बजे इमारत की छत पर शराब पीने के लिए मजबूर करने के बाद जितेंद्र की पीट-पीटकर हत्या कर दी गई।

कोमटिरेड्डी ने केटीआर की आलोचना की

यादाद्रि, 22 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। सड़क एवं भवन मंत्री कोमाटिरेड्डी वेंकट रेड्डी ने भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामा राव पर अमृत योजना के नाम पर मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी के खिलाफ निराधार टिप्पणी करने के लिए तीखा हमला किया है। रविवार को यहां मीडिया से बात करते हुए मंत्री कोमाटिरेड्डी वेंकट रेड्डी ने कहा कि बीआरएस नेता केटी रामा राव जानबूझकर मुख्यमंत्री के खिलाफ कीचड़ उछालने का अभियान चला रहे हैं और निराधार आरोपों से राज्य सरकार की छवि खराब करने की कोशिश कर रहे हैं। कोमाटिरेड्डी ने आरोप लगाया, बीआरएस गिरावट की स्थिति में है, पार्टी की स्थिति दिन-प्रतिदिन खराब होती जा रही है। अब कोई नहीं जानता कि विपक्ष का असली नेता कौन है। कई विधायक और नगर पालिका अध्यक्ष बीआरएस छोड़ रहे हैं, जिससे पार्टी के भीतर अराजकता की भावना पैदा हो रही है। उन्होंने केटीआर पर अपनी पार्टी की खस्ताहाल स्थिति के कारण गैर-जिम्मेदाराना बयान देने का आरोप लगाया और नगर प्रशासन मंत्री के रूप में अपने कार्यकाल के दौरान 7 लाख करोड़ रुपये का भारी कर्ज जमा करने के लिए उनकी आलोचना की, जिसमें से 2 लाख करोड़ रुपये केटीआर के परिवार द्वारा गबन किए जाने का आरोप लगाया। मंत्री ने 8,888 करोड़ रुपये के स्रोत पर सवाल उठाया और केटीआर से उचित स्पष्टीकरण देने की मांग की। कोमाटिरेड्डी ने बीआरएस सरकार के कार्यकाल के दौरान कालेश्वरम परियोजना घोटाले और मेदिगड्डा बैराज के ढहने पर भी चिंता जताई और कहा कि बीआरएस नेताओं को उनकी भ्रष्ट गतिविधियों के लिए दंडित किया जाना चाहिए। उन्होंने बीआरएस नेताओं केटीआर और हरीश राव पर फोन टैपिंग मामले में शामिल प्रभाकर राव को भारत न लौटने के लिए मनाने के लिए व्यक्तिगत रूप से संयुक्त राज्य अमेरिका जाने का आरोप लगाया, क्योंकि उन्हें डर है कि अगर वह भारत लौटते हैं, तो उन्हें जेल हो सकती है। कोमाटिरेड्डी ने कहा कि बीआरएस पार्टी की "दुकान" अब बंद हो गई है, फिर भी बीआरएस नेता कांग्रेस और राज्य सरकार के खिलाफ निराधार आरोप लगाना जारी रखते हैं। उन्होंने केटीआर को चुनौती दी कि अगर उनमें हिम्मत है तो वे अपने आरोपों को साबित करें और जोर देकर कहा कि कांग्रेस किसी भी चुनौती के लिए तैयार है। कांग्रेस सरकार द्वारा किए जा रहे अच्छे कामों के बावजूद केटीआर और उनकी पार्टी को केवल भ्रष्टाचार ही दिखाई देता है। कोमाटिरेड्डी ने कहा कि बीआरएस के शासन में सरकार समय पर वेतन भी नहीं दे पा रही है, जबकि कांग्रेस सरकार हर महीने की पहली तारीख को भुगतान सुनिश्चित करती है। उन्होंने विश्वास जताया कि आगामी स्थानीय निकाय चुनावों में बीआरएस एक भी सीट नहीं जीत पाएगी।

किसानों ने कर्ज माफी के लिए शुरू किया सेल्फी अभियान

सिद्दीपेट, 22 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। जिले के किसानों ने रविवार को दुब्बाक निर्वाचन क्षेत्र में 'ऋण माफी के लिए सेल्फी' अभियान शुरू किया है। सोमवार से यह अभियान पूरे जिले में फैलने की उम्मीद है क्योंकि इसे किसानों से अच्छी प्रतिक्रिया मिल रही है। बीआरएस नेताओं के समर्थन से किसानों ने मिरुदोड्डी मंडल के धर्माराम गांव में अभियान की शुरूआत की। हालांकि यह एक छोटा सा गांव है, लेकिन जब बीआरएस नेता उनसे बातचीत करने पहुंचे तो करीब 200 किसान वहां एकत्र हुए। जिन किसानों ने 2 लाख रुपये से ज्यादा का कर्ज लिया था, उन्होंने बैंकों को अतिरिक्त राशि चुका दी है, लेकिन कई किसानों को अभी तक माफी नहीं मिली है। उन्होंने यह भी कहा कि गांव के ज्यादातर किसानों को अभी तक ऋण माफी नहीं मिली है।

इस अवसर पर बोलते हुए बीआरएस नेता थोटा कमलाकर रेड्डी ने कहा कि वे जमीनी स्तर पर वास्तविक स्थिति को लोगों और सरकार के संज्ञान में लाना चाहते हैं जबकि मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी दावा कर रहे थे कि उन्होंने ऋण माफी पूरी कर ली है, कमलाकर रेड्डी ने सरकार से उन किसानों के बारे में स्पष्टीकरण मांगा जिन्हें अब तक लाभ नहीं मिला है। रेड्डी ने कहा कि वे जिले के सभी गांवों का दौरा करके किसानों की आवाज रिकॉर्ड करेंगे जिसे वे मुख्यमंत्री को टैग करके सोशल मीडिया पर साझा करेंगे।

राजीव गांधी के सुधारों को देश में लागू किया जा रहा है : वीएच

हैदराबाद, 22 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। पूर्व पीसीसी अध्यक्ष वी. हनुमंत राव और प्रदेश कांग्रेस पार्टी प्रभारी कांचीपुरम सांसद विश्वनाथन ने कहा कि देश में केवल राजीव गांधी के सुधारों को लागू किया जा रहा है। पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी की प्रतिमा का 12 अक्टूबर को हैदराबाद के उप्पल में राजीव गांधी अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में उद्घाटन होगा। उन्होंने स्टेडियम परिसर में की जा रही व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया और कहा कि उद्घाटन कार्यक्रम में पार्टी नेता प्रियंका गांधी शामिल होंगी। उप्पल में अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम बनाने के मामले में कांग्रेस की भूमिका बेहद अहम है। कार्यक्रम में उप्पल कांग्रेस प्रभारी मंडमरला परमेश्वर रेड्डी, मेडचल कांग्रेस प्रभारी सिंगिरेड्डी, हरि वर्धन रेड्डी, कांग्रेस पार्टी के वरिष्ठ नेता शंभूल श्रीकांत गौड़, जगदीश, आदि अविनाश, अक्षर यूसुफ, हैदराबाद क्रिकेट एसोसिएशन के सदस्य देवराज, श्रीनिवास, बसवराजू, सुरेंद्र और अन्य ने भाग लिया।

निखत जरीन ने शब्बीर अली से मुलाकात की

हैदराबाद, 22 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। विश्व मुक्केबाजी चैंपियन और ओलंपिक एथलीट निखत जरीन ने अपने माता-पिता के साथ रविवार को जुबली हिल्स स्थित तेलंगाना सरकार के सलाहकार मोहम्मद अली शब्बीर से उनके आवास पर शिष्टाचार भेंट की। जरीन ने तेलंगाना में पुलिस उपाधीक्षक (विशेष पुलिस) के पद पर उनकी नियुक्ति सुनिश्चित करने में उनके प्रयासों के लिए शब्बीर अली के प्रति आभार व्यक्त किया, जिस पद पर उन्होंने हाल ही में कार्यभार संभाला है। बातचीत के दौरान, मोहम्मद अली शब्बीर ने राज्य में खेलों के भविष्य के लिए मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी के दृष्टिकोण को रेखांकित किया। उन्होंने घोषणा की कि ओलंपिक स्तर के एथलीट तैयार करने के लिए अगले शैक्षणिक वर्ष में एक खेल विश्वविद्यालय स्थापित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि महत्वाकांक्षी एथलीटों को प्रशिक्षित करने और विश्व स्तरीय खेल पारिस्थितिकी तंत्र विकसित करने के लिए अंतर्राष्ट्रीय कोच लाए जाएंगे। शब्बीर अली ने 2036 ग्रीष्मकालीन ओलंपिक के लिए केंद्र से बोली लगाने और हैदराबाद में आयोजन की मेजबानी करने की मांग करने के लिए सीएम रेवंत रेड्डी की प्रशंसा की। उन्होंने राज्य सरकार की शीर्ष स्तरीय खेल अवसंरचना के निर्माण और युवा प्रतिभाओं, विशेषकर ग्रामीण क्षेत्रों को बढ़ावा देने की प्रतिबद्धता दोहराई। उन्होंने कहा, हम हैदराबाद को पूरे देश में खेलों का केंद्र बनाना चाहते हैं। शब्बीर अली ने विश्वास व्यक्त किया कि तेलंगाना सरकार द्वारा दिए जा रहे प्रोत्साहन के कारण तेलंगाना के एथलीट 2028 ओलंपिक में भारत के लिए सबसे अधिक पदक जीतेंगे। शब्बीर अली ने कहा कि राज्य सरकार गाचीबोवली खेल गांव के गौरव को बहाल करना चाहती है, जिसने पहले 2000 में एफ्रो-एशियाई खेलों और विश्व सैन्य खेलों की मेजबानी की थी। उन्होंने हैदराबाद में मौजूदा स्टेडियमों को अपग्रेड करने की आवश्यकता पर प्रकाश डाला, जिनका अक्सर खेलों के लिए कम उपयोग किया जाता है और राजनीतिक या निजी आयोजनों के लिए उपयोग किया जाता है। उन्होंने कहा कि हैदराबाद के बागरी कांचे में एक अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम के निर्माण के संबंध में भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के साथ प्रारंभिक चर्चा भी सकारात्मक रही है।

नासपुर में सरकारी जमीन पर अतिक्रमण जारी

कब्जाधारियों को नोटिस जारी

मंचेरियल, 22 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। नासपुर मंडल केंद्र में सर्वे संख्या 42 में स्थित बहुमूल्य सरकारी भूमि पर कब्जा जारी है, जबकि अधिकारी इसे बचाने के लिए कदम उठा रहे हैं। सर्वे नंबर में 102 एकड़ जमीन है। जमीन का एक हिस्सा आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों को दिया गया है, जबकि 28 एकड़ जमीन टीएनजीओ को दी गई है। बाकी जमीन पर कुछ लोगों ने कब्जा कर रखा है, जिन्हें विभिन्न राजनीतिक दलों का समर्थन प्राप्त है। अधिकारियों ने कब्जाधारियों को नोटिस जारी किए हैं।

सर्वे नंबर से सटे इंटीग्रेटेड डिस्ट्रिक्ट ऑफिस कॉम्प्लेक्स (आईडीओसी) के कारण इसके आसपास की जमीन की कीमत बढ़ गई है। यहां जमीन की कीमत करीब 5 करोड़ रुपये प्रति एकड़ है। रियल एस्टेट कंपनियां सर्वे नंबर के आसपास की जमीन खरीद रही हैं। कथित तौर पर वे सर्वे नंबर की जमीन पर कब्जा कर रहे हैं और प्रोजेक्ट विकसित कर रहे हैं और संभावित खरीदारों को घर बेच रहे हैं।

उदाहरण के लिए, एक रियल एस्टेट एजेंट ने 2005 में सर्वे नंबर 40/ए और 40/एए में चार एकड़ जमीन खरीदी। हालांकि, उसने संपत्ति को 200 वर्ग गज के प्लॉट में विभाजित किया और खरीदारों को बेच दिया। फिर उसने 4 एकड़ जमीन अपनी पत्नी को उपहार में दे दी। कई लोगों को आश्चर्य हुआ कि प्लॉट बेचने के बाद वह संपत्ति कैसे उपहार में दे सकता है। कथित तौर पर रियल एस्टेट एजेंट के पास 2 एकड़ जमीन थी।

संयोग से, हाल ही में नासपुर नगरपालिका के अधिकारियों द्वारा ध्वस्त की गई बहुमंजिला इमारत एसएन 42 में स्थित थी। स्थानीय लोगों का आरोप है कि हाल के दिनों में एसएन 42 में कम से कम सात एकड़ भूमि पर कब्जा कर लिया गया था और उन्होंने अधिकारियों से सरकारी भूमि पर अतिक्रमण रोकने के लिए कदम उठाने को कहा, जिसका उपयोग भविष्य की जरूरतों के लिए किया जा सकता है।

सरकार से ग्रुप-I मुख्य परीक्षा करे स्थगित

हैदराबाद, 22 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। ग्रुप-I के अभ्यर्थी चाहते हैं कि कांग्रेस सरकार 21 अक्टूबर से आयोजित होने वाली मुख्य परीक्षा को तब तक के लिए स्थगित कर दे, जब तक कि उच्च न्यायालय में ग्रुप-I से संबंधित सभी लंबित कानूनी मामलों का निपटारा नहीं हो जाता। मुख्य परीक्षा में उत्तीर्ण अभ्यर्थियों ने सरकार से सवाल किया कि वह परीक्षा कैसे आयोजित करेगी? जबकि ग्रुप-I के खिलाफ करीब 14 मामले उच्च न्यायालय में लंबित हैं और उनकी आगामी सुनवाई उसी पीठ के समक्ष होने वाली है।

9 जून को आयोजित ग्रुप-I प्रारंभिक परीक्षा में कुल 3.02 लाख उम्मीदवार शामिल हुए थे। परीक्षा के बाद, तेलंगाना लोक सेवा आयोग ने प्रारंभिक कुंजी जारी की, जिस पर 1,712 उम्मीदवारों की ओर से 6,417 आपत्तियां दर्ज की गईं। उम्मीदवारों ने बताया कि कुल मिलाकर अंतिम कुंजी के 13 प्रश्नों पर आपत्तियां दर्ज की गईं।

प्रारंभिक परीक्षा के परिणाम जारी करने के बाद, टीजीपीएससी ने 21 से 27 अक्टूबर तक आयोजित होने वाली मुख्य परीक्षा के लिए 1:50 अनुपात में 31,382 उम्मीदवारों का चयन किया। वर्तमान में, उच्च न्यायालय में प्रारंभिक अंतिम कुंजी, जीओ 29, स्थानीय क्षेत्र और एसटी आरक्षण पर मामले लंबित हैं जबकि अंतिम कुंजी और जीओ 29 पर सुनवाई 27 सितंबर को निर्धारित है, क्षैतिज आरक्षण और गैर-स्थानीय पर मामलों की सुनवाई क्रमशः 7 और 27 नवंबर को होने की उम्मीद है।

बिजली बहाल, बाढ़ प्रभावित इलाकों में मरम्मत कार्य जारी

हैदराबाद, 22 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। बाढ़ के कारण कई जिलों में बिजली के बुनियादी ढांचे को भारी नुकसान हुए तीन सप्ताह से अधिक समय बीत चुका है, लेकिन तेलंगाना के उत्तरी विद्युत वितरण कंपनी लिमिटेड (टीजीएनपीडीसीएल) के अधिकारी अगस्त के अंतिम सप्ताह में राज्य में हुई भारी बारिश और बाढ़ के दौरान क्षतिग्रस्त हुए ट्रांसफार्मर, बिजली के खंभों और अन्य उपकरणों की मरम्मत के काम को पूरा करने के लिए संघर्ष कर रहे हैं।

राज्य भर में लगातार बारिश और तेज़ हवाओं के चलते कुल 2,417 बिजली के खंभे, 21 डायनेमिक थर्मल रेटिंग संरचनाएं और 18 सबस्टेशन क्षतिग्रस्त हो गए। शुरूआती आकलन के अनुसार, टीजीएनपीडीसीएल के अधिकार क्षेत्र में वारंगल जिले में 11, जनगांव में 20, महबूबाबाद में 67, भूपलपल्ली में 25, खम्मम में 5, कोत्तागुडेम में 75, करीमनगर में 5, आदिलाबाद में 8 और मंचेरियल जिले में 2 बिजली के खंभे क्षतिग्रस्त हुए। कोत्तागुडेम में 9 और महबूबाबाद जिले में 1 वितरण ट्रांसफार्मर क्षतिग्रस्त हुआ। महबूबाबाद में गुडूर सेक्शन में एक सबस्टेशन बाढ़ के पानी के कारण डूब गया। सूत्रों का कहना है कि अभी तक मरम्मत का सिर्फ़ 40 प्रतिशत काम ही पूरा हो पाया है और पूरा काम पूरा होने में कुछ और समय लगने की संभावना है। हालांकि वैकल्पिक व्यवस्था के ज़रिए सभी इलाकों में बिजली बहाल कर दी गई है, लेकिन मरम्मत का काम धीमी गति से चल रहा है क्योंकि कई जिलों में पानी उतरने में काफ़ी समय लग रहा है।

अधिकारियों के अनुसार, महबूबाबाद जिले में भारी नुकसान हुआ है। सूत्रों ने बताया कि बाढ़ के कारण अकेले महबूबाबाद जिले में कंपनी को 5 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ है। जिले के करीब 53 गांवों में भारी बारिश के कारण बिजली उपकरणों को भारी नुकसान पहुंचा है। सबसे ज्यादा नुकसान मुन्नरू और अकेनी नदी के जलग्रहण क्षेत्रों में स्थित गांवों में हुआ है।

अधिकारियों ने बताया कि एनपीडीसीएल के करीब 200 तकनीकी कर्मचारी और 200 अन्य मजदूर महबूबाबाद जिले में मरम्मत कार्य में लगे हुए हैं। बिजली कर्मचारियों ने खेतों में बिजली के खंभे लगाने का काम अस्थायी रूप से बंद कर दिया है और सर्विस तारों के जरिए बिजली की आपूर्ति की जा रही है।

श्री वेंकटेश्वर स्वामी मंदिर लड्डू विवाद दुर्भाग्यपूर्ण : जग्गा रेड्डी

हैदराबाद, 22 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। संगारेड्डी के पूर्व विधायक जग्गा रेड्डी ने कहा कि श्री वेंकटेश्वर स्वामी मंदिर का लड्डू विवाद दुर्भाग्यपूर्ण है। उन्होंने कहा कि चंद्रबाबू नायुडू एक दूरदर्शी नेता हैं। मुझे समझ नहीं आता कि ऐसे व्यक्ति ने इतने सारे भक्तों को चिंतित करने के लिए ऐसा बयान क्यों दिया। पूर्व सीएम जगन का कहना है कि चंद्रबाबू ने कहा कि लड्डू में मिलावट है। अगर कुछ होगा तो जांच मत कीजिए। विदेश में श्रद्धालु अब परेशान हैं कि लड्डू खाएं या नहीं। तिरुपति में में स्वामी के दर्शन के बाद भक्त लड्डू प्रसाद खाकर संतुष्ट हो जाते थे। अब वे बिना संतुष्टि के दर्शन कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि तिरुपति वेंकन्ना स्वामी सबके हैं। वाईसीपी टीडीपी राजनीतिक लड़ाई में श्रीवारी मंदिर प्रसाद को बदनाम न करें। अपनी राजनीति और झगड़ों को अन्य विषयों पर रखें। लेकिन ईश्वर के विषय पर नहीं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी के नेता और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने भी इस मामले पर चिंता जताई और घटना की तुरंत जांच कराने और दोषियों को सजा देने की मांग की। इसके साथ हिंदुओं की भावनाओं की रक्षा करने की सलाह दी। इसकी जांच होनी चाहिए और दोषियों को सजा मिलनी चाहिए। इस मामले में राजनीति बंद करें।

सीपीआई(एम) प्रतिनिधिमंडल ने सीएम रेवंत रेड्डी से मुलाकात की

हैदराबाद, 22 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। सीपीआई(एम) पोलित ब्यूरो सदस्य बी वी राघवुलु, राज्य सचिवालय सदस्य एस वीरैया, चेरुपल्ली सीतारामुलु और जुलाकांति रंगारेड्डी वाले पार्टी प्रतिनिधिमंडल ने शनिवार रात मुख्यमंत्री से मुलाकात की और पूर्व निर्धारित संरेखण के अनुसार भूमि अधिग्रहण करने के लिए उन्हें एक ज्ञापन सौंपा। बैठक के दौरान भूमि अधिग्रहण, सिरसिला पावरलूम के लिए बिजली शुल्क और पत्रकारों के लिए घर जैसे विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की गई। उन्होंने कहा कि सरकार द्वारा भूमि अधिग्रहण में प्रथम संरेखण में परिवर्तन के कारण मध्यम वर्ग के कर्मचारी, किसान और गरीब वर्ग को परेशानी हो रही है। उन्होंने कहा कि सरकार को इसी के अनुरूप आगे बढ़ना चाहिए। इस पर मुख्यमंत्री ने कहा कि ट्रिपल आर परियोजना के संरेखण परिवर्तन पर पहले ही निर्णय लिया जा चुका है और कहा कि इससे पीछे हटना मुश्किल होगा। उन्होंने प्रतिनिधिमंडल को आश्वासन दिया कि पीड़ितों को मुआवजा बढ़ाने के प्रयास किए जाएंगे। प्रतिनिधिमंडल ने सीएम को बताया कि सरकार द्वारा बिजली शुल्क 2 रुपये से बढ़ाकर 8.30 रुपये प्रति यूनिट करने के बाद सिरसिला में 30,000 पावरलूम मजदूर आंदोलन कर रहे हैं और उन्होंने कहा कि वे पिछले 10 वर्षों से बकाया भुगतान की मांग कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि इसके परिणामस्वरूप पावरलूम बंद हो गए हैं और मजदूरों का रोजगार छिन गया है।

उन्होंने सीएम से पावरलूम मजदूरों को बिजली सब्सिडी प्रदान करने का आग्रह किया। उन्होंने सरकार से पूर्व की तरह 2 रुपये प्रति यूनिट शुल्क लेकर मजदूरों की मदद करने की अपील की। प्रतिनिधिमंडल ने कहा कि उनकी पार्टी राज्य में कुछ पत्रकारों को मकान देने के सरकार के फैसले का स्वागत करती है। हालांकि, उन्होंने कहा कि कुछ वरिष्ठ पत्रकारों को घर नहीं मिल रहे हैं।

उन्होंने बताया कि सरकार ने एक सोसायटी को जमीन दी है और कहा कि जो वरिष्ठ पत्रकार सोसायटी में नहीं हैं, वे अब नुकसान में हैं। उन्होंने राज्य के सभी पत्रकारों को घर आवंटित करने की मांग की। उन्होंने सरकार से तत्काल कदम उठाने का आग्रह किया ताकि वरिष्ठ पत्रकारों को नुकसान न हो। उन्होंने बताया कि जुबली हिल्स सोसायटी में बड़ी संख्या में वरिष्ठ पत्रकार हैं। उन्होंने सरकार से वरिष्ठ पत्रकारों को घर के प्लॉट आवंटित करने की अपील की ताकि वे अपनी सोसायटी के माध्यम से जमीन प्राप्त कर सकें, चाहे वे किसी भी सोसायटी में हों। सीएम ने मंत्री पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी से इस मुद्दे पर गौर करने को कहा है।

सरपंच हत्याकांड में भतीजा ही निकला हत्यारा, घर में घुसकर बरसाई थीं गोलियां

रोहतास, 22 सितंबर (एजेंसियां)। बिहार के रोहतास जिले के बिक्रमगंज अनुमंडल अंतर्गत शिवपुर गांव में दिल दहलाने वाली घटना सामने आई है। भतीजे ने अपने चाचा को गोली मार दी, जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई। मृतक का नाम सतीश कुमार सिंह था, जो गांव के सरपंच और प्रखंड संघ के अध्यक्ष थे। पुलिस ने आरोपी भतीजे को गिरफ्तार कर लिया है। हालांकि, अब तक हत्या की वजह का खुलासा नहीं हुआ है। घटना के संबंध में प्राप्त जानकारी के अनुसार, आरोपी भतीजा मानसिक रूप से कमजोर था और उसका इलाज रांची के मानसिक अस्पताल में चल रहा था। बताया जा रहा है कि किसी पारिवारिक विवाद या मानसिक अस्थिरता के कारण यह वारदात हुई।

यूपी में फिर से ट्रेन पलटाने की साजिश, ट्रैक पर मिला सिलेंडर

कानपुर देहात, 22 सितंबर (एजेंसियां)।

यूपी में एक बार फिर से ट्रेन पटलाने की साजिश का मामला सामने आया है। हालांकि समय से पहले ही ट्रेन रोक दी गई, जिससे बड़ा हादसा टल गया। दरअसल, कानपुर देहात जिले के प्रेमपुर रेलवे स्टेशन के नजदीक मालगाड़ी को पलटाने की साजिश के तहत ट्रेन के आगे सिलेंडर रखने का मामला सामने आया है। घटना आज रविवार सुबह 6:09 बजे की बताई जा रही है। बता दें कि कानपुर में ट्रेन बेपटरी करने की ये तीसरी साजिश का मामला सामने आया है। इससे पहले एक हादसे में ट्रेन की 20 बोगियों पटरी से उतर गई थीं।

ट्रैक पर रखा था छोटा सिलेंडर

दरअसल, रविवार की सुबह 6:09 बजे दिल्ली- हावड़ा रेलमार्ग पर महाराजपुर के प्रेमपुर रेलवे स्टेशन के पास का मामला बताया जा रहा है। यहां रेलवे ट्रैक पर एक छोटा गैस सिलेंडर रखकर ट्रेन पलटाने की साजिश का रची गई। हालांकि ट्रेन के लोको पायलट ने ट्रैक के बीच में सिलेंडर देख लिया और ट्रेन रोक दी, जिससे कोई हादसा नहीं हुआ। इसके पश्चात उन्होंने सभी संबंधित विभागों को इसकी जानकारी दी। इसके पश्चात रेलवे आईओडब्ल्यू, सुरक्षा बल सहित अन्य टीमों ने सिलेंडर की जांच की और उसे ट्रैक से हटाया।

यूपी के कानपुर देहात जिले में एक बार फिर से ट्रेन पलटाने की साजिश रचने का मामला सामने आया है। यहां रेलवे ट्रैक पर सिलेंडर पाया गया है। हालांकि ट्रेन पहले ही रुक गई, जिससे बड़ा हादसा टल गया।

मौके पर जांच दल मौजूद

इस सिलेंडर की जांच करने पर पता चला कि यह एक 5 लीटर का खाली सिलेंडर है, जो कि ट्रैक पर सिग्नल के थोड़ा पहले रखा हुआ था। इस घटना की जांच के निर्देश दिए गए हैं। हालांकि अगर समय रहते ट्रेन नहीं रोकी गई होती तो बड़ा हादसा भी हो सकता था। मामले में अज्ञात लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर ली गई है। फिलहाल जिस जगह ट्रैक पर सिलेंडर मिला है, वहीं पर आरपीएफ, जीआरपीएफ और यूपी पुलिस डॉग स्क्वायड के साथ जांच कर रही है। ट्रैक के आस-पास के लोकेशन की भी जांच की जा रही है। इससे पहले भी पनकी औद्योगिक क्षेत्र के पास एक हादसे में साबरमती एक्सप्रेस का इंजन और 20 बोगियां पटरी से नीचे उतर गई थीं।

मुजफ्फरपुर में एक हफ्ते में दूसरा रेल हादसा पुणे स्पेशल ट्रेन का इंजन पटरी से उतरा

मुजफ्फरपुर, 22 सितंबर (एजेंसियां)। बिहार के मुजफ्फरपुर में शनिवार को एक बड़े रेल हादसे की खबर आई है। मुजफ्फरपुर पुणे स्पेशल ट्रेन का इंजन पटरी से उतर गया है। यह स्पेशल ट्रेन मुजफ्फरपुर से पुणे जा रही थी। लेकिन उससे पहले ही इस ट्रेन का इंजन पटरी से उतर गया। यह हादसा मुजफ्फरपुर रेलवे स्टेशन के पास हुआ। फिलहाल घटना की जानकारी मिलने के बाद रेलवे के अधिकारी मौके पर पहुंच गए हैं। मुजफ्फरपुर से पुणे जा रही स्पेशल ट्रेन का इंजन रेलवे स्टेशन के पास ही डिरेल हो गया है। पटरी से उतरी मुजफ्फरपुर पुणे स्पेशल ट्रेन का नंबर 05389 है। यह ट्रेन मुजफ्फरपुर से खुल कर जबलपुर और दीनदयाल स्टेशन होते हुए पुणे जाती है। रेलवे से मिली जानकारी के मुताबिक इस हादसे में अब तक किसी अप्रिय घटना की खबर नहीं है।

तीन जोड़ी पहिए पटरी से उतर गए

फिलहाल रेलवे से मिली जानकारी के मुताबिक मुजफ्फरपुर पुणे स्पेशल ट्रेन का इंजन सेटिंग के लिए जा रहा था तभी यह हादसा हुआ। और इसी दौरान तीन जोड़ी पहिए पटरी से उतर गए। हादसे की सूचना मिलते ही रेलवे के अधिकारी मौके पर पहुंच गए हैं। साथ ही रेलवे के कर्मचारी डिरेल हुए इंजन को वापस पटरी पर लाने में जुटे हुए हैं। फिलहाल घटना के पीछे की असली वजह का पता नहीं चल पाया है। जानकारी के मुताबिक, रेलवे कर्मचारी ट्रेन के इंजन को पटरी पर लाने की कोशिश कर रहे हैं। इस बीच, दूसरा इंजन लगाकर मुजफ्फरपुर पुणे स्पेशल ट्रेन को करीब डेढ़ घंटे की देरी से खोला गया है। वहीं, डीसीएम, स्टेशन मास्टर, आरपीएफ समेत अन्य अधिकारी मामले की जांच कर रहे हैं।

अब कहां रहेंगे

बांदा के बेघर परिवारों का दर्द, 40 साल पुराने आशियाने पर चला बुलडोजर

बांदा, 22 सितंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के बांदा में 40 साल से रह रहे चार परिवारों के घर पर नगर मजिस्ट्रेट ने बुलडोजर जला दिया। महिला चिखती-चिल्लाती रही, लेकिन अधिकारियों ने उसकी एक नहीं सुनी। महिला और उसके परिवारों के पास सिर छिपाने के लिए भी जगह नहीं है। उन्होंने हाई कोर्ट की तरफ से जारी किया गया अपना आदेश भी दिखाया और प्रार्थना करते रहे कि बरसात है ऐसी हाल में वो कहां जाएंगे,

लेकिन अधिकारियों ने बुलडोजर को नहीं रोका गया और उनके आशियाने को गिरा दिया गया। दरअसल, अतिक्रमण वाली जगह पर बनाया गया था, जिस कारण इसे गिरा दिया गया। यह जमीन कताई मिल उत्तर प्रदेश कॉरपोरेशन की थी। बाद में शासन ने एक पत्र जिला प्रशासन को भेज कर कहा कि यह जमीन खाली कराई जाए और इस जमीन को यूपीडा विभाग को सौंप दिया जाए। अतिक्रमण वाली इस जगह पर चार गरीब परिवार 40 साल से रह रहे थे। जिला प्रशासन ने जेसीबी के जरिए उनके आशियाने को गिराकर उन्हें बेघर कर दिया।

चारों परिवार की महिलाएं हाथ जोड़ती रहीं, पुरुष चीखते और चिल्लाते रहे, लेकिन किसी ने उनकी एक न सुनी। वहीं जिलाधिकारी ने इस मामले में अपनी प्रतिक्रिया दी है और कहा है उन्होंने ये अतिक्रमण सरकारी आदेश के आधार पर ही किया है, साथ ही हाई कोर्ट की तरफ से दी गई समय सीमा भी खत्म हो चुकी है।

'बालाजी की संपत्ति ज्यादा'

तिरुपति प्रसाद मामले में जीतन राम मांझी ने बिजनेस प्रतिस्पर्धा का दिया तर्क

पटना, 22 सितंबर (एजेंसियां)। तिरुपति बालाजी मंदिर के प्रसाद मामले को लेकर बिहार में भी सियासत तेज हो गई है। गया में शनिवार को केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी ने कहा कि इसकी जांच होनी चाहिए। अब कोई व्यापार के दृष्टिकोण से भी कुछ कह देता है। साधारण बाजारों में भी कई बार ऐसा सुनने को मिल जाता है कि अमुक सामान में अमुक चीज है तो ऐसे में उसका बाजार डाउन हो जाता है। ऐसा दूसरा प्रतिद्वंदी कह देता है। तिरुपति में कुछ लोगों ने ऐसा किया है। आगे उन्होंने कहा कि बालाजी की संपत्ति ज्यादा है और यहां तक कि राम मंदिर में भी कई टन लड्डु वहां से आया था। पॉपुलैरिटी बढ़ रही थी तो हो सकता है काउंटर करने के लिए ऐसा हुआ हो। अब इस मामले की जांच हो और जो उचित हो इस पर कार्रवाई होनी चाहिए।

नवादा आगजनी कांड पर बोले जीतन राम मांझी

वहीं, नवादा आगजनी कांड को लेकर महादलितों के घर का निरीक्षण करने रविवार को जीतन राम मांझी वहां जाएंगे। इस मामले को लेकर उन्होंने कहा कि वहां आरजेडी के लोगो का हाथ है। महादलितों के जमीन पर आरजेडी के लोग कब्जा कर लेते हैं या फिर औने-पौने दाम पर जमीन को खरीद लेते हैं। बताया कि उस जमीन पर महादलित के लोग रहते आ रहे हैं उस पर केस चल रहा है तो लगा होगा कि केस हार जाएंगे। भगाने के लिए ऐसी घटना को अंजाम दिया है।

आरजेडी पर बड़ा आरोप

आगे केंद्रीय मंत्री ने कहा कि पूरे बिहार में देखिए तो 100 केस अगर आता है तो उसमे 70 केस में आरजेडी के लोगों की बात सामने आती है। हमने विधानसभा में कई बार मांग की थी कि कमीशन बैठाकर इसकी जांच होनी चाहिए।

ग्रेटर नोएडा में सुरक्षा के लिए बड़ी पहल, 350 जगहों पर लगाए जाएंगे 3 हजार कैमरे

ग्रेटर नोएडा, 22 सितंबर (एजेंसियां)। प्राधिकरण की बड़ी पहल शुरू होने वाली है। प्राधिकरण के द्वारा 350 स्थानों पर 3000 कैमरे लगाए जाएंगे। इन कैमरों की मदद से ग्रेटर नोएडा की सुरक्षा व्यवस्था मजबूत होगी ।जिससे लूटपाट, चोरी व छेड़छाड़ करने वालों की पहचान कर उनपर शिकंजा कसा जाएगा। वही जाम से भी मुक्ति मिलेगी। यह सभी कैमरे हाई टेक्नोलॉजी लैस होंगे।इस दौरान ओवर स्पीड चलने वालों पर भी शिकंजा कसा जाएगा। ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण की एसीईओ प्रेरणा सिंह ने बताया कि प्राधिकरण के द्वारा अत्याधुनिक कैमरे लगाए जाएंगे। इन अत्याधुनिक कैमरा से न केवल अपराधी गतिविधियों की पहचान की जाएगी बल्कि ट्रैफिक मैनेजमेंट भी किया जाएगा। ग्रेटर नोएडा में पुलिस और प्राधिकरण के द्वारा करीब 350 जगह चिन्हित की गई है ,जहां पर एक कैमरा को लगाया जाना है। ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण की एसीईओ प्रेरणा सिंह ने बताया कि इसको लेकर एक इंटीग्रेटेड कमांडेंट कंट्रोल सेंटर भी बनेगा, जो प्राधिकरण के टावर 2 में बनाया जाएगा। जहां से 24 घंटे इन कैमरा के माध्यम से मॉनिटरिंग की जाएगी।

थमी बारिश और लौटी उमस भरी गर्मी

लखनऊ, 22 सितंबर (एजेंसियां)। पिछले कई दिनों से चल रहा बारिश का सिलसिला अचानक थम गया है। आलम ये है कि उत्तर प्रदेश के अधिकतर जिलों में आसमान में बादल दिख ही नहीं रहे हैं। ऐसे में एक बार फिर यूपी में गर्मी बढ़ गई है और उमस भी तेज हो गई है। लोगों को काफी दिनों बाद चिलचिलाती गर्मी का सामना करना पड़ रहा है। सवाल ये है कि आखिर उत्तर प्रदेश के मौसम को आखिर अचानक हुआ क्या? अब आगे यूपी का

मौसम कैसे रहने वाला है? मौसम विभाग ने साफ कर दिया है कि फिलहाल तो उत्तर प्रदेश में बारिश के आसार नहीं हैं। काफी समय बाद ऐसा हुआ है कि मौसम विभाग की तरफ से बारिश का कोई अलर्ट जारी नहीं किया गया है। आईएमडी की माने तो पश्चिम यूपी और पूर्वी यूपी का मौसम एक जैसा रहने वाला है। आज इन दोनों इलाकों में बारिश की कोई भी संभावना नहीं है और कोई भी अलर्ट जारी नहीं किया गया है।

22 से 27 सितंबर तक कैसा रहेगा मौसम?

मौसम विभाग ने कहा है कि 27 सितंबर तक यूपी में बारिश की आशंका नहीं है। ऐसे में अगर बारिश हुई भी तो 23 से 27 सितंबर के बीच कुछ क्षेत्रों में हल्की बारिश देखने को मिल सकती है। इस दौरान तापमान में इजाफा देखने को मिल सकता है और यूपी में गर्मी एक बार फिर देखने को मिल सकती है।

आखिर मौसम में अचानक क्यों बदलाव आया?

मौसम विभाग का कहना है कि यूपी में बादलों को उत्तर-पश्चिम राज्यों से आई तेज हवाएं उड़ा ले गईं। इसलिए यहां मॉनसून का असर काफी कम हो गया और बारिश का सिलसिला थम गया। दूसरी तरफ, यूपी से सटे राज्यों में मॉनसून वापस आ गया। माना जा रहा है कि इसी वजह से यूपी के मौसम में अचानक बदलाव आया है और यहां गर्मी महसूस हो रही है।

अयोध्या रेप केस में डीएनए रिपोर्ट तलब, लखनऊ एचसी ने आरोपी की जमानत याचिका पर दिया आदेश

प्रयागराज, 22 सितंबर (एजेंसियां)। इलाहाबाद हाईकोर्ट की लखनऊ पीठ ने अयोध्या बलात्कार मामले में पीड़िता द्वारा गर्भपात कराए गए भ्रूण की डीएनए तलब की। पीठ ने फॉरेंसिक साइंस लेबोरेटरी के डायरेक्टर को एक हफ्ते में रिपोर्ट पेश करने का आदेश दिया है। इस मामले की अगली सुनवाई के लिए 30 सितंबर की तारीख़ मुक़र्रर की है। यह आदेश न्यायमूर्ति पंकज भाटिया की एकल पीठ ने आरोपी मुईद अहमद (71) की जमानत याचिका पर पारित किया। आरोपी ने दावा किया कि उसे राजनीतिक कारणों से मामले में फंसाया गया है और उसे कोई दस्तावेज नहीं दिया गया है।

डीएनए जांच के लिए भेजा सैंपल

याचिका का विरोध करते हुए राज्य सरकार की ओर से अपर महाधिवक्ता वीके शाही ने दलील दी कि मामला बेहद गंभीर प्रकृति का है तथा पीड़िता नाबालिग है। उन्होंने कहा कि घटना के बाद पीड़िता गर्भवती भी हो गई और गर्भपात के बाद डीएनए जांच के लिए सैंपल भेजा गया है।

पुलिस ने आरोपियों को किया गिरफ्तार

दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद कोर्ट ने डीएनए जांच की रिपोर्ट तलब की। उत्तर प्रदेश पुलिस ने बलात्कार के मामले में 30 जुलाई को अयोध्या जिले के पुरा कलंदर क्षेत्र से बेकरी मालिक मुईद और उसके कर्मचारी को गिरफ्तार किया था। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने विधानसभा में दावा किया था कि आरोपी समाजवादी पार्टी से जुड़े हैं।

दो आरोपियों का डीएनए टेस्ट

बता दें कि अयोध्या रेप कांड में मुख्य आरोपी मोईद खान का और राजू खान का 6 अगस्त को डीएनए सैंपल लिया गया था। इस सैंपल को पीड़िता से लिए गए सैंपल से मिलाया जाएगा। वहीं अयोध्या जिले के सीएमओ संजय जैन ने कहा जो दोषी है और जेल में निरुद्ध है। उनके डीएनए सैंपल लेने के लिए मुझे डॉक्टर को एलाट करने का निर्देश मिला था। मैंने इससे संबंधित एक डॉक्टर से उनकी सैंपलिंग करवा दी है।

अयोध्या की जेल में बंद हैं आरोपी

सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने आरोपियों के डीएनए टेस्ट कराने की मांग की थी। अयोध्या में 12 साल की बच्ची से रेप के मामले में दोनों आरोपी इन दिनों अयोध्या की जेल में बंद हैं। पुलिस अब दोनों आरोपियों मोईद खान और राजू का डीएनए टेस्ट के लिए सैंपल ले चुकी है। डीएनए एफएसएल रिपोर्ट को कोर्ट में दाखिल किया जाएगी।

पत्नी की करतूत: गोलगप्पे नहीं खिलाए तो पति की रोटी कर दी बंद, थाने पहुंचा मामला; शर्तों पर हुआ समझौता

आगरा, 22 सितंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के आगरा जिले में पति और पत्नी के बीच विवाद की वजह गोलगप्पे बन गए। पत्नी को गोलगप्पे बेहद पसंद हैं। वहीं पति उसे गोलगप्पे नहीं खाने देता है। इस बात को लेकर दोनों में झगड़ा हुआ और मामला थाने पहुंच गया। दोनों के इस विवाद को सुलझाने के लिए उन्हें परिवार परामर्श केन्द्र भेजा गया। यहां काउंसलर ने दोनों में सुलह कराई। परिवार परामर्श केंद्र में शनिवार को 112 मामले पहुंचे जिनमें से 12 मामलों में समझौता कराया गया। दूसरा मामला गोलगप्पे को लेकर था। पति ने पत्नी को गोलगप्पे खिलाने से मना कर दिया तो पत्नी मायके आ गई। पत्नी ने आरोप लगाया कि पति न घुमाता है ना ही गोलगप्पे खाने देता है। काउंसलर सतीश ने बताया पति का कहना था कि अगर उसे गोलगप्पे लाकर नहीं दो तो वह रोटी नहीं बनाती और फिर झगड़ा होता है। जिद में आकर गोलगप्पे लाना बंद कर दिया। दोनों के बीच समझौता करा कर घर भेज दिया गया।

सीएम बनते ही अपर्णा यादव के निशाने पर आईं आतिशी, मुलायम की बहू ने इस मुद्दे पर जमकर घेरा

लखनऊ, 22 सितंबर (एजेंसियां)। आतिशी के दिल्ली के मुख्यमंत्री पद की शपथ लेने के बाद भाजपा नेता अपर्णा यादव का बयान सामने आया है, जिसमें उनका कहना है कि आतिशी सीएम तो बन गई हैं, लेकिन लगता नहीं है कि वह कुछ अच्छा काम कर पाएंगी। अपर्णा यादव का कहना है कि एक महिला होने के नाते मैं उन्हें बधाई देता हूं, लेकिन दिल्ली के चुनाव में बहुत कम समय बचा है। दिल्ली सरकार में जल मंत्री रही आतिशी को लेकर अपर्णा यादव का कहना है कि जिस प्रकार का जल मंत्री के पद पर उनका कार्यकाल रहा है, यमुना नदी का क्या हाल हुआ यह पूरे देश से नहीं छुपा है। तो ये चीफ मिनिस्टर क्या ही करेंगी यह तो समय ही बताएगा। अपर्णा यादव ने कहा कि दिल्ली की जनता जल्द ही निर्णय करें कि आने वाले चुनाव में कि वह सत्ता किसको देना चाहती है।

फेलियर है केजरीवाल का मॉड्यूल

भाजपा नेता ने कहा कि यमुना को हम मां के समान मानते हैं और जिस व्यक्ति ने जल का, यमुना का ऐसा हाल कर दिया हो वो क्या ही काम करेगा। आतिशी का शिक्षा विभाग का कार्यकाल भी कुछ अच्छा नहीं रहा है। कितने घोटाले और स्कैम हुए सब जानते हैं। आतिशी पर तमाम सवाल खड़े होते हैं। उनको आगे आने वाले समय में इन सभी सवालों का जवाब देना होगा। यही नहीं अपर्णा यादव ने अरविंद केजरीवाल की सरकार के पूरे मॉड्यूल को ही फेलियर बता दिया और कहा कि किसी भी खुले मंच पर अरविंद केजरीवाल की सरकार के मॉड्यूल की तारीफ नहीं हो रही है। वहीं दूसरी ओर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और जहां भी भाजपा सरकार है वहां की नीतियों को जनता जान रही है।

काले कारनामों से भरा का आतिशी का कार्यकाल

अपर्णा यादव बोली कि बहुत ही जल्द आने वाला चुनाव यह तय कर लेगा कि दिल्ली की दशा और दिशा क्या है। आतिशी को यही कहूंगी कि अच्छा काम करें क्योंकि 2 महीना मिला है। जल मंत्री के तौर पर जैसा उन्होंने यमुना का हल किया है अगर वैसा ही दिल्ली का भी कर दिया तो लोगों को दिल्ली की कमान भाजपा को सौंपनी पड़ेगी।

अब देखिए आतिशी 2 महीने में क्या करती हैं। मुझे तो नहीं लगता कि यह कोई अच्छा काम कर पाएंगी क्योंकि उनके पिछले दो कार्यकालों का काला चिट्ठा काले कारनामों से भरा हुआ है, लेकिन फिर भी एक महिला होने के नाते उन्हें बधाई देता हूं कि कुछ बेहतर कर सके, लेकिन लगता नहीं है।

ममता सरकार पर भी जमकर साधा निशाना

वहीं दूसरी ओर अपर्णा यादव ने पश्चिम बंगाल सरकार पर भी जमकर निशाना साधा और कहां की महिला मुख्यमंत्री बन जाने से जरूरी नहीं है कि अपराध पर लगाम लग जाती है। कोलकाता में इतना बड़ा अपराध हुआ, लेकिन अब तक राज्य सरकार का कोई बयान नहीं आया। ममता बनर्जी दो दशक से ऊपर से राजनीति में है और इतना होने के बाद तो उन्हें इस्तीफा दे देना चाहिए था। उन्होंने कहा कि कोलकाता में जो भी कृत्य जी भी परिस्थिति में हुआ वह गलत था। ऐसा कहना की महिला मुख्यमंत्री है तो अपराध पर लगाम लग जाएगी वो सही नहीं।

जंगल नहीं गन्ने के खेत में रहना पसंद करते हैं 'शुगरकेन टाइगर', इंसानों पर नहीं करते हमले

लखनऊ, 22 सितंबर (एजेंसियां)। लखीमपुर की मोहम्मदी रेंज में 27 अगस्त को खेत में काम करने गए इमलिया गांव के किसान अमरीश पर एक बाघ ने हमला किया और उनकी मौत हो गई। इसके बाद 11 सितंबर को फिर उस बाघ ने नजदीक ही मूड़ा असी गांव के किसान जाकिर पर हमला किया और गन्ने के खेत में खींच ले गया। ये दोनों घटनाएं गन्ने के खेत के पास हुईं। हमला करने के बाद टाइगर गन्ने के इन दो घटनाओं के बाद लोग दहशत में हैं और वन विभाग की टीमें इस टाइगर को खोज रही हैं। दहशत के इस माहौल के बीच एक बार फिर 'शुगरकेन टाइगर' चर्चा में है। जानकारों का मानना है कि यह टाइगर करीब तीन ढाई-तीन साल से गन्ने के खेतों में ही रह रहा है।

यही वजह है कि इसे लोग 'शुगरकेन टाइगर' नाम दे रहे हैं। इस बारे में वर्ल्ड वाइड फंड फॉर नेचर (डब्ल्यूडब्ल्यूएफ) के एक विशेषज्ञ ने बताया कि मोहम्मदी क्षेत्र में आठ से 10 टाइगर हैं, जो गन्ने के खेतों में ही रह रहे हैं। यह संख्या लगातार बढ़ रही है। करीब एक दशक से यहां जंगल के बाहर बाघ देखे जा रहे हैं। कई तो ऐसे भी हैं, जो यहीं जन्मे हैं। दुधवा टाइगर रिजर्व के डायरेक्टर ललित वर्मा भी मानते हैं कि रिजर्व में टाइगर की संख्या बढ़ रही है। ऐसे में वे बाहर आ रहे हैं। उनको भोजन, पानी और रहने की जगह मिलती है तो काफी समय तक यहीं रह जाते हैं। दुधवा, पीलीभीत, अमानगढ़ टाइगर रिजर्व के आसपास

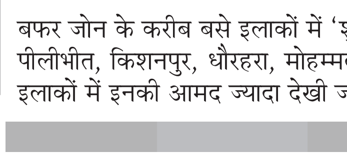

बफर जोन के करीब बसे इलाकों में 'शुगरकेन टाइगर' नजर आते हैं। खासतौर से पीलीभीत, किशनपुर, धौरहरा, मोहम्मदी, नगीना के आसपास धनौरा और धामपुर इलाकों में इनकी आमद ज्यादा देखी जाती है।

'एनसीपी के दोनों गुट को अलग-अलग चुनाव चिन्ह मिलना चाहिए

सुप्रीम कोर्ट से सुप्रिया सुले की अपील

मुंबई, 22 सितंबर (एजेंसियां)। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) के भीतर चल रहे राजनीतिक उथल-पुथल के बीच एक शरद पवार के नेतृत्व वाले गुट की लोकसभा सदस्य सुप्रिया सुले ने सुप्रीम कोर्ट से न्यायसंगत फैसले की अपील की है। नवंबर में होने वाले राज्य विधानसभा चुनावों के मद्देनजर, सुले ने प्राकृतिक न्याय की आवश्यकता पर जोर दिया और शरद पवार और अजित पवार दोनों गुटों को नए चुनाव चिन्ह दिए जाने की वकालत की। यह अनुरोध आंतरिक संघर्ष के दौर के बाद आया है, जिसमें अजित पवार और कई विधायकों ने जुलाई 2023 में शिवसेना-बीजेपी सरकार के साथ हाथ मिला लिया था, जिससे एनसीपी के भीतर विभाजन पैदा हो गया था। इस विवाद की शुरुआत तब हुई जब चुनाव आयोग ने अजीत पवार गुट को पारंपरिक 'घड़ी' चिन्ह आवंटित किया था। पार्टी के संस्थापक के नेतृत्व वाले शरद पवार गुट ने अपने प्रतिद्वंद्वियों को प्रतीक का उपयोग करने से रोकने के लिए न्यायिक हस्तक्षेप की मांग की, यह तर्क देते हुए कि यह चुनावी खेल के मैदान को प्रभावित करता है। सर्वोच्च न्यायालय ने स्थिति की गंभीरता को समझते हुए, शरद पवार गुट को लोकसभा चुनावों से पहले एक अलग प्रतीक, 'तुरहा बजाता हुआ आदमी', एक पारंपरिक तुरही का उपयोग करने का अधिकार दिया। इस निर्णय ने राजनीतिक दल के विभाजन और चुनावी निष्पक्षता की जटिलताओं को संबोधित करने में न्यायपालिका की भूमिका को रेखांकित किया।

सर्वोच्च न्यायालय की भागीदारी केवल प्रतीकों के आवंटन तक ही सीमित नहीं है; इसने यह भी माना है कि पार्टी की स्थापना में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले शरद पवार के नाम और छवि का इस्तेमाल अजित पवार गुट द्वारा राजनीतिक लाभ के लिए नहीं किया जा सकता। शीर्ष अदालत का यह रुख पार्टी की पहचान और विरासत को लेकर चल रहे संघर्ष को उजागर करता है, जो तब शुरू हुआ जब शरद पवार ने 1999 में कांग्रेस छोड़ने के बाद पीए संगमा और तारिक अनवर के साथ मिलकर एनसीपी की स्थापना की। शीर्ष अदालत ने शरद पवार के नेतृत्व वाले गुट की याचिका पर विचार-विमर्श के लिए 25 सितंबर को सुनवाई निर्धारित की है, जिसमें एनसीपी के दोनों वर्गों के लिए नए चुनाव चिन्ह मांगे गए हैं।

यह कानूनी लड़ाई महत्वपूर्ण है क्योंकि यह फरवरी में राज्य विधानसभा अध्यक्ष राहुल नार्वेकर की घोषणा की पृष्ठभूमि में सामने आई है, जिसमें उन्होंने अजीत पवार के नेतृत्व वाले गुट को वैध एनसीपी के रूप में मान्यता दी थी। नार्वेकर का बयान, जिसमें राजनीतिक दलों के भीतर असहमति को दबाने के खिलाफ संवैधानिक संरक्षण पर प्रकाश डाला गया है, पहले से ही जटिल कानूनी और राजनीतिक गाथा में जटिलता की एक और परत जोड़ता है। जैसे-जैसे नवंबर में चुनाव नजदीक आ रहे हैं, इस प्रतीक दुविधा को हल करने की तत्काल आवश्यकता स्पष्ट होती जा रही है। सुप्रीम कोर्ट में सुप्रिया सुले की अपील इस मुद्दे के महत्व को रेखांकित करती है, न केवल पार्टी की चुनावी संभावनाओं के लिए बल्कि लोकतांत्रिक प्रक्रिया में समान अवसर बनाए रखने के लिए भी। अंतिम निर्णय, जिसका दोनों गुटों को बेसब्री से इंतजार है, एनसीपी की संरचना और भारतीय राजनीति में इसके भविष्य के लिए दूरगामी प्रभाव डालने का वादा करता है।

निष्कर्ष के तौर पर, एनसीपी खुद को एक महत्वपूर्ण मोड़ पर पाती है। मान्यता और वैधता के लिए कानूनी लड़ाई में उलझे इसके गुटों के साथ, सुप्रीम कोर्ट के आने वाले फैसले न केवल पार्टी के तत्काल भविष्य को निर्धारित करेंगे, बल्कि भारत में राजनीतिक विवादों और चुनावी निष्पक्षता को कैसे संभाला जाता है, इसके लिए मिसाल भी कायम करेंगे।

सरकारी हॉस्पिटल के डॉक्टर के केबिन में घुसा किंग कोबरा, मच गई अफरा-तफरी

वाशिम, 22 सितंबर (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के वाशिम से एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है। यहां एक सरकारी हॉस्पिटल के डॉक्टर के केबिन में एक किंग कोबरा के घुसने से हड़कंप मच गया। ये जहरीला सांप दवाइयों की रैक में घुस गया, जिसे देखकर अफरा तफरी मच गई। शेलूबाजार के पास स्थित हिरंगी प्राथमिक स्वास्थ्य उपकेंद्र में डॉक्टर के केबिन में एक किंग कोबरा घुस गया। जहरीले सांप को देखकर मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई और अफरा-तफरी मच गई। मिली जानकारी के अनुसार, उपकेंद्र के कर्मचारियों को एक बड़ा सांप दिखाई दिया, जो डॉक्टर के केबिन में दवाइयों के रैक में था। इस घटना की जानकारी मिलते ही हेल्पिंग हैंड वाइल्ड एडवेंचर एंड नेचर क्लब के आदित्य इंगोले को सूचित किया गया। आदित्य इंगोले मौके पर पहुंचे और दवाइयों की रैक में 3.5 फीट लंबा किंग कोबरा पाया। आदित्य, जो सर्पमित्र और वन्यजीव रक्षक हैं, ने सांप को कुशलतापूर्वक पकड़ा। इसके बाद वन विभाग को सूचित कर सांप को प्राकृतिक आवास में छोड़ दिया गया। इस दौरान उपकेंद्र में मौजूद सभी लोगों ने राहत की सांस ली।

महाराष्ट्र में भयानक सड़क हादसा: कंटेनर में घुसी कार, मौके पर ही 4 लोगों की मौत

लातूर, 22 सितंबर (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के बीड में रविवार को एक भयानक सड़क हादसा हुआ, जिसमें तेज बारिश के दौरान एक स्विफ्ट कार और कंटेनर की आमने-सामने टक्कर हो गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि मौके पर ही चार लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे की सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

जानकारी के मुताबिक, हादसा अंबाजोगाई-लातूर रोड पर नांदगाव पाटी के पास हुआ। पुलिस अधिकारियों ने बताया गया है कि सभी मृतक लातूर जिले के चाकूर तालुका के जगलपुर के निवासी थे। चारों लोग बीते रात को जगलपुर से औरंगाबाद के लिए निकले थे। इसी दौरान जोरदार बारिश के बीच स्विफ्ट कार की टक्कर एक कंटेनर से हो गई। कार कंटेनर के नीचे घुस गई, जिससे 4 लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे की सूचना मिलते ही बर्दापूर पुलिस स्टेशन की टीम मौके पर पहुंच गई और स्थानीय लोगों की मदद से मृतकों के शवों को अंबाजोगाई के सरकारी अस्पताल भेजा गया।

30 टुकड़ों में काटकर फ्रिज में रखा शव, किसी परिचित पर मर्डर की आशंका; जांच के लिए बनाई गई 8 टीमें

बेंगलुरु, 22 सितंबर (एजेंसियां)। भारत की सिलिकॉन वैली कहे जाने वाले बेंगलुरु में हत्या के एक मामले ने लोगों को हिला कर रख दिया। यहां एक महिला के शव के 30 टुकड़े फ्रिज से बरामद हुए। वहीं महिला का शव चार से पांच दिन पुराना बताया जा रहा है। फिलहाल पुलिस इस पूरे मामले की जांच में जुटी हुई है कि महिला की हत्या कब, किसने और क्यों की है। फिलहाल महिला के शव के टुकड़ों का पोस्टमार्टम कराया जा रहा है। वहीं मामले की जांच के लिए 8 स्पेशल टीमें बनाई गई हैं। वहीं महिला का सीडीआर स्कैन भी कराया जा रहा है। आशंका जताई जा रही है कि किसी परिचित ने ही घटना को अंजाम दिया है। दरअसल, बेंगलुरु के वय्यालिकावल पुलिस थाना क्षेत्र के वीरन्ना रोड पर एक मकान से महिला के शव के टुकड़े बरामद किए गए। महिला के शव के तीस टुकड़े करके उसे फ्रिज में रखा गया था। बदबू होने के बाद पुलिस को इसकी सूचना दी गई, जिसके बाद पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जानकारी हुई। वहीं मामले सामने आने के बाद पुलिस मामले की जांच कर रही है।

पुलिस के मुताबिक महिला महालक्ष्मी के शव के 30 टुकड़े कर फ्रिज में रखे गए थे। पुलिस का कहना है कि महिला मूलतः नेपाल की रहने वाली थी और यह कई सालों से बेंगलुरु में रह रही थी। पुलिस ने बताया कि महिला घर पर अकेली रहती थी और उसका पति बेंगलुरु के पास ही एक आश्रम में काम करता है।

अठावले की मांग, महाराष्ट्र चुनाव में आरपीआई को मिलनी चाहिए 10 से 12 सीटें

मुंबई, 22 सितंबर (एजेंसियां)। केंद्रीय मंत्री रामदास अठावले ने रविवार को कहा कि सत्तारूढ़ महायुति में सहयोगी उनकी पार्टी आरपीआई (ए) को आगामी महाराष्ट्र विधानसभा चुनावों में कम से कम 10 से 12 सीटों पर चुनाव लड़ने का मौका मिलना चाहिए। नागपुर में एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए अठावले ने कहा कि आरपीआई-ए अपने पार्टी चिन्ह पर चुनाव लड़ेगी और विदर्भ में तीन से चार सीटें मांगेगी, जिसमें उत्तर नागपुर, उमरेड (नागपुर), यवतमाल में उमरखेड़ और वाशिम शामिल हैं। अठावले की पार्टी महायुति गठबंधन का हिस्सा है, जिसमें भाजपा, मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना और अजीत पवार की एनसीपी शामिल है।

अठावले बोले- हमने 18 संभावित सीटों की लिस्ट बनाई है

केंद्रीय मंत्री अठावले ने कहा, आरपीआई-ए ने 18 संभावित सीटों की सूची बनाई है, जिसे वह कुछ दिनों में महायुति सहयोगियों के साथ साझा करेगी और सीट बंटवारे के समझौते में कम से कम 10 से 12 सीटें मिलने की उम्मीद है। उन्होंने कहा कि भाजपा, शिवसेना और राकांपा को अपने कोटे से उनकी पार्टी के लिए चार-चार सीटें देनी चाहिए। इस सप्ताह की शुरुआत में पालघर में अठावले ने दावा किया था कि अजित पवार के नेतृत्व वाली राकांपा को महायुति सरकार में शामिल करने के कारण आरपीआई (ए) को वादे के बावजूद राज्य में कोई मंत्री पद नहीं मिला। उन्होंने दावा किया कि पार्टी को कैबिनेट पद, दो निगमों के अध्यक्ष और जिला स्तरीय समितियों में भूमिका देने का वादा किया गया था, लेकिन पवार के शामिल होने के कारण यह सब नहीं हो सका। महाराष्ट्र की 288 विधानसभा सीटों के लिए नवंबर में चुनाव होने की संभावना है। मौजूदा विधानसभा में 103 विधायकों के साथ भाजपा सबसे बड़ी पार्टी है, उसके बाद शिवसेना 40, राकांपा 41, कांग्रेस 40, शिवसेना (यूबीटी) 15, राकांपा (सपा) 13 और अन्य 29 हैं। कुछ सीटें खाली हैं।

जम्मू कश्मीर में एनसी-कांग्रेस आतंकवाद के लिए जिम्मेदार कैसे? उमर अब्दुल्ला ने अमित शाह से किया सवाल

जम्मू, 22 सितंबर (एजेंसियां)। कश्मीर विधानसभा चुनाव में सियासी दलों की जद्दोजहद और आरोप प्रत्यारो जारी है। जम्मू कश्मीर में दूसरे चरण में जिन सीटों पर वोटिंग होगी, वहां पर प्रचार अभियान तेज कर दिया है। इस बीच ने नेशनल कॉन्फ्रेंस के उपाध्यक्ष उमर अब्दुल्ला ने भारतीय जनता पार्टी पर जमकर जुबानी हमला बोला है। शनिवार को उन्होंने कहा कि बीजेपी के शासनकाल में जम्मू कश्मीर सब कुछ खो दिया है। पूर्व मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने आरोप लगाया कि बीते 10 सालों में बीजेपी शासन के दौरान जम्मू कश्मीर ने एक राज्य का दर्जा प्राप्त होने की पहचान गंवा दी। साथ ही लैंड राइट्स सहित अन्य अधिकारों से भी हाथ धोना पड़ा है। उन्होंने केंद्र शासित प्रदेश जम्मू कश्मीर में सत्तारूढ़ बीजेपी के जरिये आतंकवाद के खत्म करने के दावे पर भी सवाल खड़े किए। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह पर निशाना साधते हुए पूर्व सीएम उमर अब्दुल्ला ने उनसे सवाल पूछा। उन्होंने कहा कि केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह को यह स्पष्ट करना चाहिए कि वह और उनकी पार्टी नेशनल कॉन्फ्रेंस और कांग्रेस को आतंकवाद के लिए क्यों जिम्मेदार ठहरा रहे हैं।

इसके उलट वह देश के दूसरे हिस्सों में पाकिस्तान को आतंकवाद के लिए जिम्मेदार ठहरा रहे हैं। नेशनल कॉन्फ्रेंस के उपाध्यक्ष उमर अब्दुल्ला ने कहा बीजेपी ने धारा 370 को समाप्त करने और जम्मू कश्मीर को दो केंद्र शासित प्रदेश में बांटने का के बाद यहां के लोगों से कई वादे किए, हालांकि वह इन वादों को पूरा करने में नाकाम रहे हैं। गौरतलब हो कि इस बार उमर अब्दुल्ला गांदरबल विधानसभा सीट से किस्मत आजमा रहे हैं।

गर्भवती के पेट में बच्चा, बच्चे के पेट में बच्चा

इस केस को देखकर डॉक्टर भी हैरान

भोपाल, 22 सितंबर (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश में एक हैरान कर देने वाला मामला सामने आया है। जहां, एक महिला के पेट में पल रहे बच्चे के अंदर भी एक बच्चा पल रहा था। अल्ट्रासाउंट कराने पर डॉक्टरों को इसकी जानकारी लगी थी। अब महिला ने बच्चे को जन्म दिया दे दिया। इस कंडीशन को मेडिकल भाषा में फीटस इन फीटू कहा जाता है। डॉक्टरों के अनुसार लाखों महिलाओं में किसी एक के साथ ऐसा होता है। जन्म के बाद से नवजात जिला अस्पताल के एसएनसीयू वार्ड में भर्ती हैं, उसे बचाने के लिए डॉक्टर सर्जरी करने को लेकर विचार-विमर्श कर रहे हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार यह रेयर केस सागर जिले की एक गर्भवती महिला में सामने आया है। बुंदेलखंड मेडिकल कॉलेज के रेडियोलॉजी विभाग के अध्यक्ष और प्राध्यापक डॉ। पीपी सिंह ने बताया कि केसली की रहने वाली एक गर्भवती महिला नौवें महीने में उनके निजी क्लीनिक पर जांच कराने के लिए आई थी। जांच में महिला के गर्भ में पल रहे नवाजत के अंदर भी एक बच्चा होने का संदेह हुआ।

इसके बाद उसे मेडिकल कॉलेज बुलाया, जहां जांच के दौरान महिला के गर्भ के अंदर एक और बेबी या टेरिटोमा की मौजूदगी नजर आई। इसके बाद महिला को मेडिकल कॉलेज में प्रसव कराने की सलाह दी गई, लेकिन वह यहां आशा कार्यकर्ता के साथ आई थी। ऐसे में वह महिला को वापस केसली सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले गईं, जहां सामान्य प्रसव हुआ है।

बच्चे के पेट में नजर आई गांठ

डॉक्टर पीपी सिंह ने कहा कि अल्ट्रासाउंड रिपोर्ट में महिला के पेट में पल रहे बच्चे के पेट में एक गांठ नजर आ रही थी। हमें डॉपलर करके देखा तो खून आने लगा। ऐसे में फीटस इन फीटू की संभावना जताई गई, इसमें बच्चे के अंदर भी बच्चा पल रहा होता है।

जीवन में ऐसा केस नहीं देखा

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार डॉक्टर पीपी सिंह ने कहा कि मेडिकल हिस्ट्री में इस तरह के केस काफी दुर्लभ होते हैं। पांच लाख महिला में से किसी एक में ऐसा होता हैं। अब तक दुनिया में इस तरह के 200 केस ही सामने आए हैं, जो लिटरेचर में ऑनलाइन मौजूद हैं। मैंने खुद अपने जीवन में ऐसा पहला केस देखा है।

बच्चा होने की संभावना ज्यादा

डॉक्टर पीपी सिंह ने बताया कि गर्भवती महिला ने नार्मल डिलीवरी के जरिए बेटी को जन्म दिया है। नवजात बच्ची का सीटी स्कैन किया गया है। जिसमें उसके पेट में बच्चा होने की संभावना ज्यादा नजर आ रही है। टेरिटोमा की संभावना कम है।

मेरी तीन पीढ़ियों ने कभी कृषि बिजली बिल नहीं भरा, केंद्रीय मंत्री का बयान

मुंबई, 22 सितंबर (एजेंसियां)। केंद्रीय मंत्री एवं शिवसेना नेता प्रतापराव जाधव ने दावा किया कि वह और उनकी तीन पीढ़ियों ने कभी भी कृषि बिजली बिल का भुगतान नहीं किया। आयुष एवं स्वास्थ्य परिवार कल्याण राज्य मंत्री ने कहा कि मैं एक किसान हूं। हमने पिछली तीन पीढ़ियों से बिल का भुगतान नहीं किया है। मेरे दादा के पानी के पंप अब भी वहीं हैं। उन्होंने कहा कि न तो मेरे दादा, मेरे पिता और न ही मैंने कृषि बिजली बिल का भुगतान किया।

उन्होंने यह बयान 'कृषि बिजली बिल माफी योजना' पर आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान दिया, जो एकनाथ शिंदे सरकार की ओर से शुरू की गई प्रमुख पहलों में से एक है। इस दौरान उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की तारीफ करते हुए कहा कि जैसे- जब दो समान विचारधारा वाले बैल खेत में शामिल हो जाते हैं, तो खेत बेहतर हो जाता है, वैसे ही सरकार भी है। विकास तब होता है जब केंद्र और राज्य सरकार एक जैसी सोच रखती हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की हर सांसद, हर विभाग पर पैनी नजर है। इसके बावजूद हमारा मंत्री बनने के बाद आम आदमी से संपर्क कम होता जा रहा है। जानकारी के अनुसार, राज्य में फिलहाल 46 लाख से ज्यादा कृषि पंप हैं और सरकार 7.5 एचपी तक के कृषि पंपों को मुफ्त बिजली देगी। अजित पवार ने बजट में ऐलान करते हुए कहा था कि इस फैसले से 44 लाख छह हजार किसानों को फायदा होगा। वर्तमान में कृषि उपभोक्ताओं को करीब डेढ़ रुपये प्रति यूनिट के हिसाब से बिल दिया जाता है। ऐसे में सालाना करीब छह हजार करोड़ रुपये के बिल भेजे जाते हैं, जिसमें से सिर्फ पांच फीसदी यानी 280-300 करोड़ रुपये तक का बिल आता है। कुछ समय पहले यह 8-10 फीसदी तक पहुंच गया था, इसलिए वर्तमान में कृषि पंपों के 95 प्रतिशत बिलों की वसूली नहीं की जा रही है और बिजली फ्री दी जा रही है।

हत्या-लूट के 10 दिन बाद भी पुलिस के हाथ खाली, डीआईजी ने आरोपियों पर घोषित किया 20 हजार का इनाम

टीकमगढ़, 22 सितंबर (एजेंसियां)। टीकमगढ़ जिले के बड़ागांव नगर में 12 सितंबर की रात्रि लूट और हत्या के मामले में छतरपुर डीआईजी ललित शाक्यवार ने आरोपियों की गिरफ्तारी पर बीस हजार रुपये का इनाम घोषित किया है। इसके साथ ही डीआईजी ने बड़ा गांव पहुंचकर के घायल महिला से मुलाकात की थी। हालांकि अभी तक मामले का खुलासा नहीं हुआ है। टीकमगढ़ के पुलिस अधीक्षक रोहित ने बताया कि 12 सितंबर की रात्रि टीकमगढ़ जिले के बड़ागांव नगर में पुलिस थाने से मात्र 500 मीटर की दूरी पर रहने वाले ब्रती चंद जैन के घर में घुसकर लूट की घटना को अंजाम दिया गया था। ब्रती चंद्र जैन की हत्या कर दी थी, जबकि उनकी पत्नी पुष्पा को घायल कर दिया था। इसके बाद उनकी पत्नी को टीकमगढ़ जिला चिकित्सालय में प्राथमिक उपचार देने के बाद सागर मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया था। इलाज करने के बाद वे अपने नगर बड़ागांव वापस आ गई हैं। उन्होंने बताया कि छतरपुर डीआईजी ने बड़ा गांव पहुंचकर के घायल महिला से हाल-चाल जाना और घटना के संबंध में पूरी जानकारी ली थी। उन्होंने बताया कि इस घटना में सिर्फ दो आरोपी थे, जो 12 सितंबर की रात घर में घुसे थे और उन्होंने लोहे की रॉड मारकर हत्या कर दी थी।

बुर्का पहन कर आया, परिवार को बनाया बंधक, युवक को घोंपा चाकू; पुणे में एक अपराधी ने कैसे की लूट?

पुणे, 22 सितंबर (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के पुणे में एक दिल दहलाने वाली वारदात सामने आई है। यहां एक बदमाश बुर्का पहन कर आया, दरवाजा खटखटाया और जैसे ही घर के मालिक ने दरवाजा खोला, बदमाश ने चाकू घोंपकर उसकी हत्या कर दी। इतने में मकान मालिक की पत्नी और बेटियां जग गईं तो आरोपी ने उन्हें चाकू की नोक पर बंधक बनाकर घर में लूटपाट की। वारदात को अंजाम देकर बदमाश के जाने के बाद मृतक की पत्नी ने पुलिस में शिकायत दी है। मृतक की पहचान कर्वेनगर में रहने वाले राहुल पंढरीनाथ निवगुन्ने (42) के रूप में हुई है। पुलिस ने सूचना के आधार पर मामले की जांच पड़ताल शुरू कर दिया है।

मृतक राहुल पंडरीनाथ निवगुन्ने की पत्नी ने पुलिस को दिए शिकायत में बताया कि परिवार के सभी लोग घर में सोए हुए थे। इतने में दरवाजा खटखटाने की आवाज आई। ऐसे में राहुल ने उठकर घड़ी देखी। उस समय आधी रात गुजर चुकी थी। ऐसे में वह यह सोच कर दरवाजा खोलने गए कि शायद किसी पड़ोसी को कोई इमरजेंसी आई होगी। लेकिन जैसे ही उन्होंने दरवाजा खोला, बदमाश चाकू लेकर तैयार खड़ा था। उसने राहुल के पेट में चाकू घोंप दिया।

शैलजा का बीजेपी में जाना तय? पूर्व मुख्यमंत्री के बाद अब सीएम नायब ने दिया बड़ा बयान

हिसार, 22 सितंबर (एजेंसियां)। हरियाणा विधानसभा चुनाव से पहले नेताओं के आरोप-प्रत्यारोप के बीच दल बदलने की अटकलों पर भी चर्चा होने लगी है। हरियाणा में कांग्रेस के अंदरुनी कलह की खबरें लगातार सामने आती रही हैं। इस बीच, चर्चा है कि कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और पूर्व सीएम भूपेंद्र सिंह हुड्डा से चल रहे मतभेदों के बीच पार्टी नेता कुमारी शैलजा बीजेपी में शामिल हो सकती है। बीजेपी ने उन्हें पार्टी में शामिल होने का ऑफर दिया है। इसे लेकर अब मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी का बयान सामने आया है।

कांग्रेस को बताया दलित विरोधी

सीएम नायब सिंह सैनी ने कहा, कांग्रेस दलित विरोधी है, कांग्रेस दलितों का सम्मान नहीं करती। अगर कोई दलित नेता कांग्रेस में आगे बढ़ना चाहता है, तो कांग्रेस उसे कुचल देती है। कुमारी शैलजा कोई छोटी-मोटी नेता नहीं हैं, वो कांग्रेस की बहुत बड़ी नेता हैं, दलितों की नेता हैं। अगर उन्होंने मुख्यमंत्री बनने की मांग की, तो उन्होंने क्या गुनाह कर दिया? कांग्रेस पार्टी परिवारवाद में फंसी हुई है, वो परिवारवाद से आगे नहीं सोचते। जैसे सोनिया गांधी और राहुल गांधी परिवारवाद में फंसे हुए हैं, वैसे ही भूपेंद्र हुड्डा और उनके बेटे यहां परिवारवाद में फंसे हुए हैं, वो उससे आगे नहीं सोचते।

बीजेपी में शामिल होने का आह्वान

दरअसल, केंद्रीय मंत्री और राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर ने ने शुक्रवार शाम घरौंडा में बीजेपी प्रत्याशी हरविंदर कल्याण के पक्ष में एक जनसभा को संबोधित करते हुए सैलजा से भाजपा में शामिल होने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि हरियाणा कांग्रेस में बहुत ज्यादा अंतर्कलह है और मुख्यमंत्री पद के लिए उनके चेहरे को लेकर कोई स्पष्टता नहीं है। पिता और पुत्र (कांग्रेस नेता भूपेंद्र सिंह हुड्डा और दीपेंद्र हुड्डा) के बीच लड़ाई है। पिता कहते हैं कि वह मुख्यमंत्री बनेंगे, जबकि बेटा कहता है कि वह मुख्यमंत्री बनेगा। उनके अलावा अन्य नेताओं की भी मुख्यमंत्री पद पाने की इच्छा है। खट्टर ने कहा कि हमारी दलित बहन घर पर बैठी है। आज बहुत से लोग सोच रहे हैं कि उन्हें क्या करना चाहिए। बहुत से लोग उनसे नाराज थे और हमने उन्हें अपनी पार्टी में शामिल किया। हम पेशकश के साथ तैयार हैं और अगर वह आती हैं तो हम उन्हें पार्टी में शामिल करने के लिए तैयार हैं।

मल्लिकार्जुन खरगे के किस बयान पर भड़के केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया? मांगा कर्नाटक और हिमाचल का हिसाब

भोपाल, 22 सितंबर (एजेंसियां)। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे शनिवार को जम्मू पहुंचे। यहां पर उन्होंने पार्टी उम्मीदवारों के लिए प्रचार किया। इस दौरान खरगे ने बीजेपी की गारंटियों पर हमला बोलते हुए कहा कि आपने जम्मू कश्मीर के लिए क्या-क्या किया है? इसका कोई जवाब आप के पास नहीं है। इस पर केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने पलटवार किया है। कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के बयान को लेकर केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने एएनआई से कहा कि पहले मल्लिकार्जुन खरगे बता दें उन्होंने कितनी गारंटियों को कर्नाटक और हिमाचल प्रदेश में पूरा किया है। मल्लिकार्जुन खरगे ने जम्मू कश्मीर में कहा, बीजेपी हमेशा झूठ बोलती है और वह सिलसिला अभी भी जारी है। हमने जम्मू कश्मीर के लिए 7 गारंटी का ऐलान किया है। हमारा पहला मुद्दा स्टेटहुड का है, जिसके लिए हम पूरी कोशिश करेंगे। हम यहां पर जाति जनगणना कराएंगे। यहां पर जो भी ओबीसी का हक है, उसे दिया जाएगा।

500 रुपये रिश्वत लेना पड़ा महंगा, 6 साल बाद रिटायर्ड कांस्टेबल को मिली 5 साल की सजा, 20 गुना जुर्माना भी लगा

मोरबी, 22 सितंबर (एजेंसियां)। गुजरात के मोरबी जिले में 61 वर्षीय सेवानिवृत पुलिस कांस्टेबल को कोर्ट ने 5 साल की सजा सुनाई है। दरअसल, साल 2014 के रिश्वतखोरी के एक मामले में पुलिसकर्मी को दोषी पाया गया, जिसको देखते हुए कोर्ट ने उसे 5 साल की सजा और 10 हजार रुपये का जुर्माना भी लगाया है। कॉन्स्टेबल रिटायरमेंट से पहले मालिया पुलिस थाने में तैनात था जहां उसने पासपोर्ट वेरिफिकेशन के लिए 500 रुपये की रिश्वत ली थी। इस दौरान कांस्टेबल को एसीबी ने रंगे हाथों पकड़ लिया था। पुलिस कांस्टेबल अमरत मकवाना तीन साल पहले ही पुलिस सेवा से सेवानिवृत्त हो चुके है। उन्हें सजा मिलने के बाद अब जेल भेज दिया गया है। दरअसल, पूरा मामला 17 मार्च 2014 का है। शिकायतकर्ता मनोज की भाभी पूजा को अपने पति के पास अफ्रीकी देश में जाना था। इसके लिए उसने पासपोर्ट बनने के लिए अप्लाई किया था। जिसके लिए पुलिस वेरिफिकेशन भी होता है। मालिया पुलिस स्टेशन से 17 मार्च 2014 को पूजा को वेरिफिकेशन के लिए बुलाया गया।

इस दौरान जब वो थाने पहुंची तो कांस्टेबल अमरत मकवाना ने उसके साइन करवा लिए और बाद में उसे 500 रुपये देने के लिए कहा। जब पूजा ने पूछा कि पासपोर्ट बनने के लिए उसने सारी फीस तो पहले ही भर दी तो अब पैसे क्यों दें। इसके बाद पूजा वहां से चली गई, लेकिन दूसरे दिन मकवाणा ने फिर पूजा को फोन किया और कहा कि पासपोर्ट बनवाना है तो 500 रुपये देने होंगे, नहीं तो पासपोर्ट नहीं बनेगा। पूजा ने ठान लिया था कि वो पासपोर्ट बनवाने के लिए रिश्वत नहीं देगी।

इसलिए पूजा के देवर मनोज ने एंटी करप्शन ब्यूरो को मामले की जानकारी दी, जिसके बाद एसीबी ने जाल बिछाकर रिश्तखोर पुलिस कांस्टेबल को रंगे हाथों गिरफ्तार कर लिया। मामले को लेकर सरकारी वकील ने 7 मौखिक और 35 दस्तावेजी साक्ष्य कोर्ट में पेश किए। जिसके बाद कोर्ट ने मकवाना को दोषी ठहराते हुए भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत 5 साल की सजा और 10 हजार रुपये जुर्माना भी लगाया।

आपके पास तो नहीं आई पीएम किसान एप्लीकेशन की लिंक? हो जाओ सावधान! डाउनलोड करते ही मोबाइल हो रहे हैक

दमोह, 22 सितंबर (एजेंसियां)। दमोह में मोबाइल हैकर्स नए-नए तरीके से मोबाइल को हैक कर ठगी करने का प्रयास कर रहे हैं। साइबर हैकर्स ने मोबाइल फोन नंबर हैक करने का नया तरीका निकाला है। मोबाइल फोन पर पीएम किसान एप्लीकेशन आती है और लिंक डाउनलोड करने पर मोबाइल हैक हो रहे हैं। हैकर द्वारा वही एप्लीकेशन दूसरे ग्रुप पर भेजकर मोबाइल नंबर का उपयोग किया जा रहा है। जिसकी शिकायत जबेरा थाने में करते हुए चंद्रभान पिता राजाराम पटेल ने बताया कि जबेरा में श्रीराम कृषि सेवा केंद्र के नाम से खाद बीज की दुकान है। जिससे मैं कई एग्रीकल्चर ग्रुप से जुड़ा हूं। शनिवार शाम को इन ग्रुपों में पीएम किसान एप के नाम पर एप्लीकेशन आई थी। इसे डाउनलोड करने पर मोबाइल हैक हो रहा है। हैकर द्वारा वही एप्लीकेशन मेरे नंबर का उपयोग करके कई ग्रुप में भेजी गई। मेरे लिए जिस नंबर से एप्लीकेशन आई थी। उससे संपर्क करने पर पता चला कि उनके नंबर भी इसी तरह के हैक करके सभी ग्रुप में मैसेज भेजे गए हैं। साथ ही विदेश में कॉलिंग भी की गई है। इसकी सूचना पुलिस थाने में दी गई है।

स्वतंत्र वार्ता

सोमवार, 23 सितंबर- 2024

दो सरकारों की नोक-झोंक

पश्चिम बंगाल सरकार की तुनकमिजाजी किसी से छुपी नहीं है। जरा सी बात पर अड जाना वहां की मुख्यमंत्री ममता दीदी की आदत बन गई है। इसका ताजा उदाहरण तब देखने को मिला जब तीन दिन पहले ही बाढ़ के पानी से परेशान पश्चिम बंगाल सरकार ने अचानक झारखंड के साथ लगती अंतरराज्यीय सीमा को बंद कर दिया। नतीजतन वाहनों का चक्काजाम हो गया। इसके जवाब में झारखंड की सत्तारूढ़ पार्टी जेएमएम ने भी वहां से जरूरी सामानों की सप्लाई रोकने की धमकी दे दी। देखा जाए तो दो राज्यों के आपसी रिश्तों के लिहाज से बहुत ही खराब प्रसंग माना गया। इस टकराव से दोनों राज्यों के सामान्य लोगों की परेशानियों को समझा जा सकता है? गनीमत रही कि ममता दीदी को समय रहते लोगों की परेशानी समझ में आ गई और उन्होंने सील किया गया बार्डर खोलने का आदेश दे दिया। बता दें कि यह मामला तब तूल पकडा जब दामोदर वैली कॉरपोरेशन (डीवीसी) की ओर से पानी छोड़ा गया। इस अथाह पानी की वजह से पश्चिम बंगाल के 11 जिले बाढ़ में डूब गए थे। मुख्यमंत्री और टीएमसी चीफ ममता बनर्जी ने इसे 'मानव निर्मित बाढ़' करार दिया। उनका आरोप था कि झारखंड स्थित डीवीसी से पानी छोड़े जाने के कारण यह बाढ़ आई। लेकिन तथ्य यह भी है कि पिछले दो-तीन दिनों से उन इलाकों में घनघोर बारिश हुई है। तेज बारिश के कारण झारखंड के जलाशय लबालब हो कर खतरे के निशान के आसपास पहुंच गए थे। सरकार में रहते हुए सीएम ममता बनर्जी को यह जानना चाहिए था कि पानी छोड़ने का फैसला राज्य सरकार का नहीं होता, न ही इसके पीछे तात्कालिक राजनीतिक समीकरणों की कोई भूमिका होती है। इसका पूरा सिस्टम काफी पहले से बना हुआ है। कब कितना पानी छोड़ा जाना है, यह निर्णय एक रेग्युलेशन कमेटी करती है जिसमें दोनों राज्य सरकारों के प्रतिनिधि भी शामिल होते हैं। सभी संबंधित पक्षों को सही समय पर फैसले की सूचना देने की भी प्रक्रिया पूरी तरह परिभाषित है। इसके बाद भी ममता बनर्जी का आरोप है कि इस बार उनकी सरकार को समय पर सूचित नहीं किया गया, जबकि दामोदर वैली कॉरपोरेशन और केंद्र सरकार का कहना है कि इस बार भी पूरी प्रक्रिया का पालन किया गया था। अगर अमल में किसी तरह की गड़बड़ी हुई है तो इस बात की जांच की जा सकती है कि सूचना देने या संबंधित व्यक्ति तक पहुंचने में किस स्तर पर और किस वजह से चूक हुई। आरोप-प्रत्यारोप को इतने निचले स्तर पर ले जाने से हालात को बेहतर बनाने की बजाय और खराब होने की गुंजाइश बनी रहेगी। बात बढ़ने पर ममता बनर्जी ने तकनीकी तौर पर बॉर्डर सील करने की जो वजह बताई है, वह भी हास्यास्पद लगती है। उन्होंने तर्क दिया कि झारखंड से आने वाली गाड़ियां बाढ़ के पानी में बह न जाएं, इसलिए उन्हें बार्डर पर रोका गया था। लेकिन अगर बात यही होती तो झारखंड की तरफ से जरूरी सामानों की सप्लाई रोकने की धमकी नहीं दी जाती। ध्यान रहे, झारखंड में विपक्षी गठबंधन इंडिया की सरकार है और तृणमूल कांग्रेस भी विपक्षी खेमे का ही हिस्सा मानी जाती है। ऐसे में इन दोनों सरकारों के बीच इस तरह का विवाद विपक्ष की राजनीति को लेकर भी कोई अच्छा संदेश नहीं दे रहा है। जाहिर है इसका कुप्रभाव आने वाले विधानसभा चुनाव पर भी पडे बिना नहीं रहेगा।

राहुल गांधी की अमेरिका यात्रा से उपजे सवाल

रघु ठाकुर

श्री राहुल गांधी का वास्ता निरंतर विवादों से रहता है। कुछ इसलिये कि एक राजनैतिक समूह उन्हें निरंतर विवादास्पद बनाये रखना चाहता है। इसलिये वे अपने स्वभाव के चलते बहुत दूर तक विवाद पैदा करने से नहीं बच पाते। कई बार ऐसा लगता है कि वे बहुत शीघ्रता में हैं। एक दृष्टिकोण से यह शीघ्रता स्वाभाविक भी है क्योंकि अगले चुनाव तक वे शायद 60 की उम्र तक पहुँच जाएंगे। और अगर वह चूकते हैं तो फिर राजतिलक दूर की कौड़ी बन जायेगा। हालांकि हमारे देश में सत्ता की कोई उम्र नहीं होती, अब तो इस मामले में भारत विश्व गुरु जैसा बन गया है। जिन देशों में पहले राष्ट्राध्यक्षों या प्रधानमंत्री की उम्र सीमा 40-50 के अंदर होती थी यथरू अमेरिका, रूस आदि अब इन देशों में भी उम्र सीमा 70 के पार पहुंच चुकी है। अभी राहुल जी नेता प्रतिपक्ष बनने के बाद अमेरिका के दौरे पर गये और वहाँ उन्होंने जो कहा था जो मुलाकातें की हैं, उनको लेकर देश में काफी चर्चा भी चली और प्रतिक्रियाएँ भी हुईं। एक तो उनकी मुलाकात अमेरिका सीनेट की एक महिला मेम्बर से हुई। वे लगातार भारत के खिलाफ बोलती रहीं और वह जम्मू-कश्मीर की अलगाववादी समर्थक भी हैं। यह सुविदित तथ्य है कि जम्मू कश्मीर के अलगाववादी संगठन अमेरिकी तंत्र से समर्थन पाते रहे हैं और उन्हें अमेरिका में रहकर अपने एजेंडा को बढ़ाने के लिये सभी अवसर और सुविधाएँ मिलती हैं। लगभग एक दशक पूर्व तो भारत और दुनिया के कई देशों के पत्रकारों को लगभग प्रतिवर्ष जम्मू कश्मीर को अलग करने वाले संगठन निमंत्रण देकर बुलाते थे, उनके खर्च उठाते थे, उन्हें भेंट देते थे, और उन्हें वापिस जाकर क्या प्रचारित करना है इसके आंकड़े भी देते थे। ऐसा कहा जाता है कि यह अलगाववादी संगठनों के पीछे सीआईए की भूमिका होती है। अमेरिकी राजनयिक का यह तरीका रहा है कि वे समस्याओं को पैदा कराते हैं फिर उनके नाम पर व्यापारिक राजनैतिक सौदे कराते हैं और अगर सौदा न पटे तो फिर संबंधित देश में अस्थिरता पैदा करने में उन संगठनों का इस्तेमाल करते हैं। बहरहाल श्री राहुल गांधी ने भारतीय संसद में नेता प्रतिपक्ष बनने के बाद जो दौरा किया, इसमें उन्होंने जो बातें कहीं हैं, उनमें से कुछ निम्नानुसार हैं- (ये बिन्दु भी भारतीय मीडिया में अलग-अलग आये हैं और उनके संपूर्ण भाषण का कोई विवरण एक मुश्त मुझे पढ़ने को नहीं मिला।)- दैनिक जनसत्ता के 11 सितंबर के अनुसार उन्होंने कहा कि पिछले 10 वर्षों में भारत के लोकतंत्र को पूरी तरह नुकसान पहुँचाया गया। उन्होंने एक प्रश्न के उत्तर में कहा कि आरक्षण खत्म करने के बारे में कांग्रेस तब सोचेगी जब देश में आरक्षण के लिहाज से निष्पक्षता होगी। देश के वित्तीय आंकड़ों को देखने से पता चलता है कि आदिवासियों को 100 रुपये में से 10 पैसे, दलितों को 100 रुपये में से 5 पैसे और अन्य पिछड़ा वर्ग को 100 रुपये में से लगभग इतने ही पैसे मिलते हैं। सच्चाई यह है कि उन्हें उचित भागीदारी नहीं मिल रही है। उन्होंने कहा कि आरएसएस धर्म, भाषाओं और समुदायों को अन्य की तुलना में कमतर मानता है और इसी बीच में उन्होंने दर्शकों में पहली पंक्ति में बैठे एक सिख व्यक्ति से संवाद करते हुए कहा श्लड़ाई इस बात की है कि क्या एक सिख को भारत में पगड़ी या कड़ा पहनने का अधिकार है? वह गुरुद्वारे जा सकता है? ऐसी ही लड़ाई सभी धर्मों के लिए है? य उन्होंने यह भी कहा कि आरएसएस वस्तुतरू यही कहता है कि कुछ राज्य दूसरे राज्य से कमतर हैं। कुछ धर्म, समुदाय और भाषायें एक दूसरे धर्म, समुदाय से कमतर हैं। जहाँ तक उनका पहला कथन का संबंध है निसंदेह देश में मानव अधिकारों और लोकतांत्रिक अधिकारों पर राज्य की दखल बढ़ी है। जांच एजेंसियों का दलीय पक्षपात के आधार पर भाजपा सरकार ने दुरुपयोग किया है। उससे देश में एक भय व्याप्त हुआ है। जाँच एजेंसियों के दुरुपयोग पर भारत के सर्वोच्च न्यायालय के द्वारा टिप्पणी की गई है कि सीबीआई को तोता बनकर पिंजरे में रहने की जगह बाहर निकलना चाहिये। गुप्तचर संस्थाओं का दुरुपयोग हो रहा है हालांकि 10 वर्ष के पूर्व की सरकारों द्वारा भी दुरुपयोग होता रहा है, यह भी सही है, परंतु मूल प्रश्न है कि क्या अपने देश के आंतरिक हालात की चर्चा विदेशों में जाकर, उनके मंचों पर जाकर, होना चाहिये, यह परंपरा हमारे देश में नहीं रही है। डॉ.राममनोहर लोहिया, तत्कालीन प्रधानमंत्री स्व.जवाहरलाल नेहरू की नीतियों के आलोचक थे परंतु उन्होंने अपनी अमेरिकी यात्रा में उनकी चर्चा नहीं की, बल्कि जब वहाँ की प्रेस ने उनसे इस बारे में टिप्पणी मांगी तो उन्होंने कहा कि यह हमारे देश का आंतरिक मसला है। इसके लिये मैं अमेरिका नहीं आया हूँ। स्व.अटलबिहारी वाजपेयी ने अमेरिका यात्रा में भारत सरकार के खिलाफ टिप्पणी करने से इनकार कर दिया था। डॉ. लोहिया तो इससे एक कदम आगे जाकर अमेरिका में अमेरिका की व्यवस्था को ललकारा और उनके रंगभेद नीति के विरुद्ध न केवल सार्वजनिक रूप से कहा था बल्कि उनके नियमों को तोड़कर आंदोलन किया व गिरफ्तारी दी थी। जिस अमेरिका में जाकर राहुल जी भारतीय लोकतंत्र के बारे में अपनी शिकायत दर्ज करा रहे हैं उस अमेरिका में स्वतरू लोकतंत्र की स्थिति क्या है। आज अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति और राष्ट्रपति पद के वर्तमान प्रत्याशी ट्रंप और वर्तमान राष्ट्रपति जो वाइडेन के बीच जिस प्रकार की शब्दावली का प्रयोग हो रहा है वह कुछ अर्थों में भारत से भी बदतर है। पिछले दशक में अमेरिकी लोकतंत्र जिसे लोग एक जमाने में एक आदर्श लोकतंत्र मानते थे यद्यपि इस पूंजीवादी लोकतंत्र का आज सारी दुनिया में हास्य का विषय बना हुआ है परंतु राहुल जी ने अमेरिकी लोकतंत्रय की खामियों की चर्चा करने की बजाय अपने देश के लोकतंत्र की खामियों को बताने के लिए जो मंच चुना वह उचित नहीं कहा जा सकता है। आरक्षण के बारे में राहुल जी की राय इस अर्थ में सच्चाई के करीब है कि आरक्षण को चतुराई या चालाकी के साथ खत्म करने का या अप्रभावी करने के तरीके सरकारें चुन रहीं हैं। हालांकि उनसे यह प्रश्न पूछा जा सकता है कि आपकी पार्टी ने मंडल कमीशन के रपट का 1990 में समर्थन क्यों नहीं किया? आपकी पार्टी ने ईडब्ल्यूएस को 10 प्रतिशत आरक्षण देने का समर्थन किस आधार पर किया। वर्ष 2011 में हुई जनगणना की जाति संख्या की रपट प्रकाशित क्यों नहीं कराई? वर्तमान भाजपा सरकार और उसकी मातृ संस्था आरक्षण के पक्ष में नहीं है। बल्कि 2019 के लोकसभा चुनाव के पूर्व जब देश में जातीय जनगणना की बात उठी तो संघ के इशारे पर प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी और भाजपा ने यह कहकर तथ्यों को छुपाने का प्रयास किया कि हमारा विश्वास तो युवा, गरीब, किसान,मजदूर नामक जातियों में है। याने जो भाषा 1950 के दशक में साम्यवादी मित्र बोलते थे वह भाषा जातिवाद पर पर्दा डालने के लिए प्रधानमंत्री व भाजपा ने बोलना शुरू किया। परंतु अब जब भाजपा 400 पार के नारे से घटकर 240 पर सिमट गई तब संघ में भी हलचल हुई व भविष्य के खतरे सामने आने लगे। हाल ही में संघ ने केरल में अपनी बैठक में एक प्रस्ताव पारित किया कि जातीय जनगणना हो सकती है बशर्ते वह राष्ट्रीय हित में की जाये। यह शब्दावली केवल अपने अपराध को छुपाने वाली शब्दावली है और संघ के इस अघोषित अनुमति के बाद यह संभावना बढ़ी है कि अब सरकार जातीय जनगणना करायेगी। परंतु इन सवालों की चर्चा भी उस अमेरिका में अर्थहीन है जहां आज भी रंगभेद प्रभावी है और गोरे अधिकारी सरेआम काले की गर्दन पर पैर रखकर जान ले लेते हैं। क्या किसी अमेरिकी राष्ट्रपति ने अमेरिका के बाहर किसी दूसरे देश में अपने देश के रंगभेद की चर्चा की है? तीसरा बिन्दु तो और भी अनुचित है, जिसमें कि राहुल गांधी ने कहा कि विषय यह है कि क्या कोई सिख अपना धर्म मान सकता है, कड़ा और पगड़ी पहन सकता है आदि।

यह तो कोई सामान्य व्यक्ति, क्या भारतीय, क्या विदेशी और कोई सिख भाई कह देगा कि भारत में सिख भाईयों को, जैन-बुद्ध और मुस्लिम भाईयों को, अपनी धार्मिक परिपाटियों को मानने पर कोई रोक नहीं है। यह इसलिये भी उनका आश्चर्यजनक कथन लगा, क्योंकि सिख ही क्या बल्कि सभी धर्मों के मामले में कांग्रेस पार्टी का अतीत साफ सुथरा नहीं है। कांग्रेस सरकार के जमाने में ही राममंदिर में मूर्तियां रखी गई थीं, फिर ताला खोला गया था और उसका जो अंत होना था वह सबके सामने हैं। कांग्रेस के जमाने में ही मेरठ, भागलपुर में भयानक दंगे हुए थे जिनमें बड़ी संख्या में मुस्लिम भाई मारे गये थे और बर्बाद हो गये थे। कांग्रेस सरकार के जमाने में ही तत्कालीन मप्र और वर्तमान छग में जैन मुनि आचार्य तुलसी के पंथवालों ने दंगे किये थे और 1984 में श्रीमती इंदिरा गांधी की हत्या के बाद किस प्रकार सिख समाज के ऊपर हमले, हत्यायें और लूटपाट हुई थी, उसे कौन भुला सकता है। सिखों की नृशंस हत्या के बाद जब तत्कालीन प्रधानमंत्री स्व. राजीव गांधी से इन हत्याओं को लेकर प्रश्न पूछा गया था तो वह बोले कि जब बड़ा पेड़ गिरता है तो जमीन हिल जाती ह्यैय और उसके बाद के घटनाक्रम सभी को पता है।

बदल रहा धरती का स्वर्ग कश्मीर

सुरेश गांधी

प्रकृति की गोद में बसा जम्मू-कश्मीर उत्तर भारत का एक ऐसा राज्य है, जहां पर्यटन की संभावनाएं बहुत ही प्रबल हैं। ताजा हालात इसके चीख-चीख कर गवाही दे रहे है। 5 अगस्त, 1919 से पहले 30 सालों से चल रहे आतंकवाद, हिंसा व पत्थरबाजी के कारण छिन्न-भिन्न हुई जनजीवन अब पटरी पर दौड़ने लगी है। नफरत की दुकानें चलाने वाले जिन लोगों ने युवाओं को पढ़ाई से महरूम रखा, उनके हाथों में पत्थर थमाए, वहां अब विकास की नई इबारत लिखी जा रही है। कभी अलगाववादियों के गढ़ रहे लाल चौक का स्वरूप अब बिल्कुल बदल गया है। स्मार्ट सिटी प्रोजेक्ट के तहत यहां के घंटा घर को एफिल टॉवर का लुक दिया गया है। अब देर रात तक यहां सैलानियों सहित स्थानीय लोगों का हुजूम उमड़ रहा है। तिरंगे के प्रति लोगों में सम्मान बढ़ा है। आतंकवाद के दौर में दूर हो गई फिल्म इंडस्ट्री तथा सिनेमा संस्कृति दोबारा लौट आई है। नाइट लाइफ सड़कों पर लौट आई है। डल झील देर रात तक आबाद रहती है। मैदानों में देर रात तक लोग खेल का रोमांच लेते देखे जा सकते हैं। पहली बार विदेशी निवेश भी हुआ है और 500 करोड़ रुपये के प्रोजेक्ट पर काम अंतिम दौर में है। कश्मीरी पंडितों के स्थायी पुनर्वास की दिशा में सरकार लगातार प्रयासरत है। इस समुदाय के सरकारी कर्मचारियों को आवास निर्माण के लिए श्रीनगर में सस्ती दर पर जमीन मुहैया करवाई जा रही है। इसके साथ ही डोमिसाइल कानून के तहत उन्हें बाया भी जा रहा है। अब तक 45787 परिवार इससे लाभान्वित भी हुए हैं। श्रीनगर में मॉल समेत दक्षिणी व उत्तरी कश्मीर में सिनेमा हॉल खोले गए हैं। प्रदेश की भौगोलिक स्थिति के मद्देनजर टनल बनाकर यात्रा को सुगम करने के साथ ही 8.45 किमी की काजीगुंड-बनिहाल सुरंग भी बनाया गया है। इससे न केवल जम्मू से श्रीनगर के बीच दूरी कम हुई, बल्कि हर मौसम में यह टनल सुचारु यातायात में सहायक बनी है। औद्योगिकीकरण की दिशा में भी तेजी से काम चल रहा है। कनेक्टिविटी, इंफ्रास्ट्रक्चर, पर्यावरण के संरक्षण, बागवानी व कृषि, औद्योगिकीकरण, पर्यटन, ऊर्जा पहले की तलना में बेहतर है। बदले हालात की वजह से रिकॉर्ड सैलानी भी पहुंचने शुरू हुए हैं। 2022 में 1.88 करोड़ पर्यटक कश्मीर पहुंचे। 2023 - 2024 में यह संख्या डबल हो गयी।औद्योगिक विकास के साथ ही बिजली ढांचे में सुधार की दिशा में उल्लेखनीय प्रगति हुई है। जम्मू कश्मीर अब देश के अन्य राज्यों की तरह कई क्षेत्रों में अग्रणी है। पर्यटकों के आकर्षण का केन्द्र बना हैं। कला, संस्कृति व अनेक जातियों के बीच तरह-तरह की बोलियों का संगम बना जम्मू, लद्दाख और कश्मीर अपनी हसीन वादियों के चलते लाखों देशी-विदेशी पर्यटकों की पहली पसंद बने हुए हैं। तवी नदी के खूबसूरत किनारों पर स्थित जम्मू का कटरा एक ऐसा है तीर्थस्थल है जहां हर साल लाखों-करोड़ों श्रद्धालु मां वैष्णो देवी दर्शन को पहुंचते है। अनगिनत मंदिरों के चलते इसे मंदिरों की नगरी भी कहा जाता है। इन्हीं खूबियों के बीच श्रीनगर की डल झील प्रकृति का ऐसा अद्भूत नजारा है, जो सैलानियों के लिए विभिन्न प्रकार के मनोरंजन के साधन तो हैं ही दुकानें भी शिकारों पर ही लगी होती हैं, जो मात्र खरीददारी तक ही सीमित नहीं है, बल्कि एक रोमांचित कर देने वाला खेल भी हैं। यहां का कायाकिंग (एक प्रकार का नौका विहार), केनोइंग (डोंगी), पानी पर सर्फिंग करना तथा ऐंगलिंग (मछली पकड़ना), डल झील के मुख्य आकर्षण का केन्द्र है। खास बात यह है कि सैलानी डल झील में ही मौजूद हाउसबोटों में रहकर खूबसूरत चांदनी रात का आनंद उठा सकते हैं। तभी तो पर्यटक कैमरे के माध्यम से यहां की इस बिहंगम नजारे को कैद करना नहीं भूलते। बता दें, ब्रिटिश हुकूमत की समाप्ति के साथ ही जम्मू और कश्मीर भी आजाद हुआ। शुरू में इसके शासक महाराज हरीसिंह ने फैसला किया कि वह भारत या पाकिस्तान में सम्मिलित न होकर स्वतंत्र रहेंगे, लेकिन 20 अक्टूबर, 1947 को पाकिस्तान समर्थक आजाद कश्मीर सेना ने राज्य पर आक्रमण कर दिया, जिससे महाराज हरीसिंह ने राज्य को भारत में मिलाने का फैसला लिया। उस विलय पत्र पर 26 अक्टूबर, 1947 को पण्डित जवाहरलाल नेहरू और महाराज हरीसिंह ने हस्ताक्षर किये। इस विलय पत्र के अनुसार- राज्य केवल तीन विषयों- रक्षा, विदेशी मामले और संचार -पर अपना अधिकार नहीं रखेगा, बाकी सभी पर उसका नियंत्रण होगा। उस समय भारत सरकार ने आश्वासन दिया कि इस राज्य के लोग अपने स्वयं के संविधान द्वारा राज्य पर भारतीय संघ के अधिकार क्षेत्र को निर्धारित करेंगे। जब तक राज्य विधान सभा द्वारा भारत सरकार के फैसले पर मुहर नहीं लगाया जायेगा, तब तक भारत का संविधान राज्य के सम्बंध में केवल अंतरिम व्यवस्था कर सकता है। इसी क्रम में भारतीय संविधान में श्अनुच्छेद 370श जोड़ा गया, जिसमें बताया गया कि जम्मू-कश्मीर से सम्बंधित राज्य उपबंध केवल अस्थायी है, स्थायी नहीं। डल झील, श्रीनगर का गहना या कश्मीर के मुकुट के नाम से लोकप्रिय तो इसके पीछे उसकी यही नजारे चार चांद लगाते है। डल झील, कश्मीर में दूसरी सबसे बड़ी झील है। यह सुरम्य झील 26 वर्ग किमी. के बड़े क्षेत्र में फैली हुई है जो श्रीनगर आने वाले पर्यटकों के आकर्षण का मुख्य केंद्र है। डल झील, जम्मू और कश्मीर राज्य के श्रीनगर शहर में स्थित 17 किमी क्षेत्र में फैली हुई झील है।

क्या ट्रिगरिंग सिग्नल्स युध्द की विनाशकारी तकनीक बनेंगे?

ऋतुपर्ण दवे

संचार क्रांति के दौर में चौतरफा और रोजाना नित नई तकनीकों से दुनिया रू-ब-रू हो रही है। मोबाइल, जीपीएस, इण्टरनेट, बिना ड्राइवर की गाड़ियों से लेकर अब कृत्रिम मेधा यानी एआई (आर्टीफीसियल इण्टेलीजेन्स) के युग में 1950 के जमाने में न्यूयॉर्क से निकले पेजर, 74 वर्षों के बाद पहली बार और एक साथ सीरियल ब्लास्ट में तब्दील हो जाएंगे, भला किसने सोचा था? रेडियो फ्रिक्वेंसी पर चलने वाले पेजर का क्रेज अब न के बराबर है। लेकिन किसी पकड़ या सुराग के लिहाज से बेहद सुरक्षित पेजर का उपयोग आतंकी गतिविधियों में जरूर थोक में होने लगा। इसमें न जीपीएस होता है और न ही कोई आईपी एड्रेस, इसलिए लोकेशन ट्रेस का सवाल ही नहीं।

इसका नंबर भी बदला जा सकता है। इसीलिए इसका पता लगाना आसान नहीं होता। बस इसी चलते एक बड़ी साजिश को अंजाम देकर बड़े षड़यंत्र के तहत 9/11 जैसी बल्कि उससे भी बहुत बड़े दायरे में लेबनान में हर वो शख्स विस्फोट का शिकार हुआ जो साजिश के पेजर रखे था। लेकिन चिन्ता की बात यह कि मामला पेजर तक नहीं रुका बल्कि रेडियो वॉकी टॉकी जैसे दूसरी कम्युनिकेशन डिवाइस यहां तक कि घरों में लगे सोलर सिस्टम भी फटने की बातें सामने आईं। धमाकों का शक इजराइल पर जताया जा रहा है। इन विस्फोटों को लेकर पूरी दुनिया हैरान है। इजराइल और हिजबुल्लाह के बीच जारी तनाव और बढ़ गया है। पूरे मिडिल ईस्ट में युद्ध के खतरे की स्थिति बन चुकी है। वायरलेस उपकरणों में सीरियल विस्फोटों के बाद कई घरों, दुकानों, बाइक और दूसरे वाहनों में भी आग लग गई। एक तरह से पूरा क्षेत्र विस्फोटों की जद में आ गया। वहां अब लोग इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस के उपयोग को लेकर डरे हुए हैं। हर कोई हैरान है कि पेजर जैसा साधारण उपकरण बम में कैसे बदल गया? इसको लेकर पुख्ता तौर पर तो अभी किसी तरह की सच्चाई सामने नहीं है। लेकिन विस्फोट को लेकर तरह-तरह के कयास जरूर हैं। संभावनाओं में पेजर में लगी लीथियम बैटरी शक में है जो अत्याधिक गर्म होने पर फट सकती है। लेकिन इस थ्योरी पर भी ज्यादा भरोसा नहीं है। वहीं दूसरी दमदार संभावना साजिश के पेजरों को बनाते के वक्त ही इनमें विस्फोटक छुपाने की है जिससे सप्लायर अन्जान हो? यकीनन साजिश बहुत बड़ी रही जिसको लेकर किसी नतीजे पर पहुंचना जल्दबाजी होगी। बैटरियों में खराबी या गुणवत्ता की कमीं के चलते मोबाइल में विस्फोट तो हो जाते हैं। लेकिन एक तयशुदा वक्त पर रेडियो फ्रिक्वेंसी आधारित छोटे से उपकरण में सीरियल ब्लास्ट का ट्रिगर दबना-दबाना, हैरान कर रहा है। क्या किसी कोडिंग से ऐसा हो पाया? या वजह कुछ और है? ऐसी तमाम बातों की पर्तों को खुलने में वक्त लगेगा। आखिर ऐसी कौन सी रासायनिक श्रृंखला प्रतिक्रिया को अंजाम दिया गया जो अलग-अलग और काफी दूर-दूर तक ट्रिगर में बदल गईं? हैकर ने ट्रिगरिंग सिग्नल भेजने के लिए कौन सा तरीका अपनाया? फिलाहाल केवल कयास हैं। रेडियो नेटवर्क से संचालित पेजर पर ऐसा कौन सा सिग्नल भेजा गया जो बैटरियां गर्म हुईं और इतनी कि कथित तौर पर साथ रखे घातक विस्फोटक फटे जिन्हें लॉट विशेष में छिपाने की संभावना कही जा रही है। एक सच जरूर है कि कुछ महीने पहले थोक में खरीदे पेजर ही फटे ऐसे में उनमें खतरनाक ज्वलनशील विस्फोटक को छुपाने की थ्योरी जरूर बनती है। सच के लिए इंतजार करना होगा। लेकिन एक सवाल हर किसी के दिमाग में कौंधने लगा है कि मोबाइल या दूसरे इलेक्ट्रॉनिक गैजेट्स कितने सुरक्षित? कभी लिंक क्लिक करने से खाते खाली होना तो कभी हैक हो जाना, कभी क्लोनिंग के जरिए पूरा डेटा चुरा लेने जैसी घटनाओं को लेकर दुनिया भर में सायबर सिक्योरिटी पर न केवल जोर है बल्कि पूरी गंभीरता है। इसी बीच इतना बड़ा डिजिटल अटैक बहुत बड़ी चुनौती है। इस घटना को चाहे जो नाम दें, दो देशों की दुश्मनी या दुनिया में अशांति का जिम्मेदार बताएं लेकिन इसने संचार क्रान्ति के दौर में बड़े दुरुपयोग का बहुत ही बड़ा मैसेज जरूर दे दिया। युध्द की नई तकनीक रूपी पेजर अटैक ने दुनिया भर के कम्युनिकेशन सिस्टम को बहुत बड़ी चुनौती दे डाली। छोटा सा पोर्टेबल इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस जिसे बीपर भी कहते हैं, इतना खतरनाक..! बेहद हैरानी वाली बात है।

बरेली में हिंदू नाम रखकर लव जिहाद चला रहे मुस्लिम युवकों पर पुलिस का शिकंजा

अजय कुमार

उत्तर प्रदेश के जिला बरेली के इज्जतनगर थाना क्षेत्र के कर्मचारी नगर में कुछ हिंदूवादी संगठनों ने दो ऐसे लड़कों को पुलिस के हवाले किया है जो हिंदू नाम और पहचान पत्र के सहारे लव जिहाद चला रहे थे। इन युवकों के सम्पर्क में कई और मुस्लिम लड़के भी थे जो हिंदू नाम से सोशल मीडिया,इंस्ट्राग्राम आदि पर सक्रिय थे और लड़कियों को फंसाने और उनका धर्म परिर्वतन कराने की साजिश रचते थे। युवतियों को परेशान करते पकड़े गए शोहदों से पूछताछ में कई खुलासे हुए हैं। पकड़े गए युवक ने अपना नाम राहुल बताया था, हकीकत में वह नौशाद जमाली निकला। दूसरे युवक ने अपना नाम विक्की बताया था, वह अमान निकला। दोनों के पास से कई फर्जी आधार कार्ड मिले हैं। मोबाइल फोन की जांच में पता चला है कि इंस्टाग्राम पर दोनों की अलग-अलग नाम से आठ-दस आईडी हैं। हिंदूवादी संगठनों के पदाधिकारियों ने विशाल श्रीवास्तव के साथ मिलकर दोनों को पकड़कर पुलिस के सुपुर्द किया था। यह जिहाद के आरोपी जिन लड़कियों को वे परेशान कर रहे थे, उनके बारे में अभी कुछ मालूम नहीं हो सका है। पुलिस ने अपनी ओर से दोनों के खिलाफ फर्जीवाड़ा करने आदि की धाराओं में मामला दर्ज कर लिया है। शोहदों को पकड़ने वाले विशाल श्रीवास्तव का आरोप है कि अमान और नौशाद गिरोह बनाकर फर्जी नाम से समुदाय विशेष की लड़कियों को फंसाते थे। घटना वाले दिन उनके साथ दो-तीन अन्य युवक भी थे, जो मौके से भाग गए। नौशाद और अमान ने भी पुलिस को गुमराह करने की कोशिश की। गौरतलब हो, पिछले साल बारादरी थाना क्षेत्र में फर्जी आधार कार्ड बनाने वाले गिरोह का खुलासा हुआ था। आशंका है कि शहर में फिर से फर्जी आधार कार्ड बनाने वाला गिरोह सक्रिय हो गया है। हिंदूवादी संगठन के लोग शोहदों पर लव जिहाद गिरोह का सदस्य होने का आरोप भी लगा रहे हैं। गिरफ्तार नौशाद काफी समय तक केरल में रह चुका है। वह अक्सर केरल हवाई जहाज से जाता था। नौशाद कोचीन हवाई अड्डे के आसपास ही रहता था। वह केरल में क्यों रहता था? पुलिस इसकी भी जांच कर रही है। आशंका जताई जा रही है कि वह किसी सिंडिकेट के संपर्क में था। पुलिस उसके परिवार की भी कुंडली खंगाल रही है। नौशाद फर्जी इंस्टाग्राम आईडी के जरिये हिंदू समुदाय की लड़कियों से दोस्ती करता था। उसकी आईडी पर यूपी और उत्तराखंड के कई जिलों की लड़कियां जुड़ी हैं। आशंका जताई जा रही है कि जिन लड़कियों से शोहदे कर्मचारीनगर के पास झगड़ा कर रहे थे, उनको भी इंस्टाग्राम के जरिये झांसे में लिया होगा।

दोनों के मोबाइल फोन में लड़कियों से चैट करने के साक्ष्य और अश्लील वीडियो मिले हैं। पुलिस लड़कियों की पहचान में जुटी है। दोनों के सोशल मीडिया अकाउंट खंगाले जा रहे हैं। नौशाद के पास से सोनू पुत्र सुरेश, नौशाद पुत्र बाबू, अनश पुत्र कबीर, अमन पुत्र सुरेश और राहुल पुत्र बाबू नाम के जाली आधार कार्ड बरामद हुए हैं। उसके मोबाइल में नौशाद, नौशाद जमाली, शोफिया, राहुल समेत कई नामों से इंस्टाग्राम आईडी भी मिली हैं। इसी तरह से अमान के पास से अमान पुत्र इनामुल रहमान खां, विक्की पुत्र कबीर और विनीत पुत्र सत्यपाल नाम के जाली आधार कार्ड मिले हैं। उसके मोबाइल जाली आधार कार्ड परतापुर चौधरी के पते पर ही बने हुए हैं। बरेली के पुलिस अधीक्षक नगर मानुष पारीक ने बताया कि आरोपियों के पास से अलग-अलग नामों के कई जाली आधार कार्ड मिले हैं।

जन्मदिन पर याद एक शानदार बातचीत की

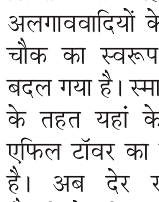

श्रवण गर्ग

इंदौर के एक होटल में एम एफ़ हुसैन साहब से सालों पहले हुई लंबी बातचीत दिल के अलग-अलग तहखानों, मेरी अपनी बढ़ती उम्र के साथ अपनी भी याददाश्त खोती स्मृतियों और आदिल भाई के हाथ के नोट्स के जर्जर हो चुके काग़ज़ों में लगभग पच्चीस साल क़ैद रही। ये भी मेरी बदलती नौकरियों, नियुक्तियों के ठिकानों के साथ-साथ एक शहर से दूसरे शहर मसलन इंदौर, अहमदाबाद, भोपाल ,दिल्ली और वहाँ भी एक मकान से दूसरे मकान के साथ-साथ भटकती रही। ख़ुशक़िस्मती यह रही कि बच्चों और दूसरे क़ीमती सामान की तरह उसे भी कभी अपने से अलग नहीं होने दिया। सोच में लगातार क़ायम रहा कि स्मृतियों में गूंजती हुसैन साहब की आवाज़ और काग़ज़ों पर धुंधली पड़ती जा रही उनसे हुई बातचीत को क़रीने से काग़ज़ पर अब उतार ही देना चाहिए। इस बीच हुसैन साहब चले गए, आदिल क़ुरैशी, शाहिद मिर्ज़ा, राहत इंदौरी सभी एक-एक करके चले गए।

ज़िंदगी की आपाधापी इन सब हादसों के बावजूद उसी तरह बनी रही। हाल ही में एक दिन अपनी फेसबुक वाल पर फ़ोटोग्राफ़र मित्र तनवीर फ़ारूक़ी ने हुसैन साहब को लेकर बहुत ही आत्मीयतापूर्ण संस्मरण लिखा। मैंने उसके कमेंट बॉक्स में बस इतना भर लिख दिया था कि मैं भी उस अब तक अप्रकाशित बातचीत को लिख डालूँगा जो सालों से सहेज कर रखी हुई है। कई मित्रों ने कमेंट बॉक्स की उस टिप्पणी पर भी टिप्पणियाँ कर दीं कि उन्हें उस क्षण की प्रतीक्षा रहेगी। इसी दौरान तनवीर ने हुसैन साहब के साथ कलागुरु चिंचालकरजी, शाहिद मिर्ज़ा और मेरी तस्वीरें भेज दीं जो उन्होंने हुसैन साहब की 1989-90 में हुई इंदौर यात्रा के दौरान लीं थीं।(बातचीत बाद के सालों की है क्योंकि तब तक उनकी पेंटिंग्स को लेकर बवाल नहीं मचा था जिसका कि ज़िक्र उन्होंने बातचीत के पहले भाग में किया है।) तनवीर की भेजी तस्वीरों का ही उपयोग मैंने हुसैन साहब के साथ बातचीत की पहली किश्त में किया था।इसके बाद मैं अपने आपको रोक नहीं पाया और वक़्त निकालकर तीन किस्तों में सब कुछ प्रस्तुत कर दिया। हुसैन साहब के साथ हुई बातचीत को पेश करने में अगर कोई ग़लती कर दी गई हो या कोई तथ्यात्मक चूक हो गई हो तो उसे उनके कहे को ठीक से समझ नहीं पाना मानते हुए क्षमा कर दिया जाए ।

http://shravangarg1717.blogspot.com

यदि आपने प्रसाद की जगह खा ली कोई अपवित्र चीज

तो इस पाप से कैसे पाएं छुटकारा?

कई आध्यात्मिक परंपराओं में, प्रसाद के बजाय अशुद्ध भोजन खाने का विचार चिंताजनक हो सकता है, लेकिन क्षमा मांगने और खुद को शुद्ध करने के तरीके हैं। इन तरीकों को अपनाकर आप गलती से खाए गए अशुद्ध प्रसाद के बुरे असर को दूर कर सकते हैं। इन तरीकों को अपनाकर आपको किसी भी तरह का पाप नहीं लगता और ईश्वर भी आपको क्षमा कर देते हैं। अगर आपके साथ भी ऐसा कुछ हुआ है, या भविष्य में ऐसा कुछ हो जाए तो, यहाँ कुछ सामान्य कदम दिए गए हैं जिन पर आप विचार कर सकते हैं।

गलती से अशुद्ध प्रसाद खाने के बाद करें ये काम

अनुष्ठान या प्रार्थनाः क्षमा और शुद्धिकरण की माँग करने के लिए अपने विश्वास से संबंधित प्रार्थना या अनुष्ठान करें। इसमें जप, ध्यान या पूजा करना शामिल हो सकता है। जो भी तरीका आपको सही लगता है उसे करके आप ईश्वर से प्रार्थना कर सकते हैं कि, गलती से खाए गए अशुद्ध प्रसाद के लिए वो आपको क्षमा करें।

दान और अच्छे कर्मः दया भाव से किए गए कार्यों या दान करने से नकारात्मक कार्यों के बुरे असर को दूर करने में मदद मिल सकती है। दान करके आपका मन शुद्ध होता है और आपके अंदर जो आत्मग्लानि घर कर जाती है उससे भी आपको छुटकारा मिलता है, इसलिए आपको गलती से हुई भूल को सुधारने के लिए दान और अच्छे कर्म करने चाहिए।

आध्यात्मिक मार्गदर्शक से परामर्श करेंः यदि आप किसी धार्मिक समुदाय का हिस्सा हैं, तो किसी जानकार ज्योतिष से या धर्म के जानकार से मार्गदर्शन ले सकते हैं। वो आपको उचित सालह देंगे कि, कैसे आप अपनी भूल को सुधार सकते हैं। अगर आप गलती से कभी, प्रसाद की जगह गलत चीज का सेवन कर लेते हैं तो इस बारे में भी वो आपको सही परामर्श दे सकते हैं।

पवित्र जल का प्रयोगः हमारे शास्त्रों में गंगाजल को अत्यंत पवित्र माना गया है। गंगाजल में आपके सभी पापों को दूर करने की क्षमता होती है। ऐसे में अगर आप कभी गलती से अशुद्ध प्रसाद ग्रहण कर लेते हैं तो आपको गंगाजल से अपना शुद्धिकरण करना चाहिए। इसे आप अपने ऊपर छिड़क सकते हैं, इससे स्नान कर सकते हैं या फिर इसे पीकर भी आप पाप कार्यों से मुक्ति पा सकते हैं।

प्रार्थना और भक्तिः अपने इष्ट देवता की पूजा अर्चना करके भी आप शुद्धिकरण कर सकते हैं। ध्यान और भक्ति आपके मन की सभी पीड़ाओं को दूर करने की क्षमता रखती है। इसलिए अगर किसी धार्मिक अनुष्ठान में आपसे कुछ गलती हुई है, या भूलवश अशुद्ध प्रसाद आपने ग्रहण किया है, तो ध्यान और भक्ति का सहारा आप ले सकते हैं।

साधारण नियमों का पालनः अगर गलती से आप अशुद्ध प्रसाद का सेवन कर लें, तो क्षमा याचना करने के बाद भविष्य में ध्यान रखें कि आप हमेशा पवित्र और शुद्ध चीज़ें ही खाएं।

पितृ पक्ष में भूलकर भी नहीं करें इस सफेद चीज का दान

पितृ पक्ष की शुरुआत हो चुकी है और अब पूरे 16 दिनों तक लोग अपने पितरों और पूर्वजों को प्रसन्न करने के लिए तमाम उपाय और अनुष्ठान करेंगे। अलग-अलग तिथि के अनुसार, पूर्वजों का श्राद्ध और तर्पण किया जाता है। ऐसी मान्यता है कि इन दिनों में पूर्वज धरती पर आते हैं और श्राद्ध व तर्पण से प्रसन्न होकर अपने परिवार को आर्शीवाद देते हैं। पितृ पक्ष के दौरान दान का बड़ा महत्व बताया गया है क्योंकि दान करने से पितरों की आत्मा को शांति मिलती है लेकिन कुछ ऐसी चीजें भी हैं, जो आपको पितृ पक्ष के दौरान भूलकर भी दान नहीं करना चाहिए। भोपाल निवासी ज्योतिषाचार्य पंडित योगेश चौरे के अनुसार, नमक का दान भी पितृपक्ष में वर्जित माना गया है। इसके पीछे क्या कारण है? आइए जानते हैं।

नमक का ज्योतिष में महत्व

ज्योतिष शास्त्र में नमक का विशेष महत्व बताया गया है। इसे सिर्फ खाद्य सामग्री नहीं माना जाता, बल्कि इसे शुद्धिकरण, स्थायित्व और सुरक्षा का प्रतीक भी माना गया है। साथ ही इसका संबंध शनि ग्रह से माना गया है और शनि को कर्मफल दाता के रूप में भी जाना जाता है। वहीं ज्योतिष में नमक का उपयोग नकारात्मकता को दूर करने के लिए बताया गया है लेकिन नमक को पितृ पक्ष के दौरान दान में देना वर्जित माना गया है।

पितृ पक्ष में नमक का दान क्यों वर्जित?

ज्योतिषाचार्य के अनुसार, नमक का संबंध शनि ग्रह से माना जाता है, इसे कर्म और कष्टों का कारक भी माना गया है। वहीं पितृपक्ष के दौरान अपने पूर्वजों और पितरों की आत्मा की शांति के लिए तर्पण और श्राद्ध किया जाता है। ऐसे में जब आप पितृ पक्ष के दौरान नमक का दान करते हैं तो इससे शनि की कठोर ऊर्जा आकर्षित होती है, जो पितरों की आत्मा की शांति में बाधा बन सकती है। यही कारण है कि पितृपक्ष के दौरान नमक का दान करने की मनाही होती है।

पूर्वजों की असंतुष्टि का कारण है नमक का दान

इसके अलावा नमक को पितृ पक्ष के दौरान दान करने का एक और कारण माना गया है। यह कि पितृपक्ष के दौरान हम अपने पूर्वजों या पितरों को सात्विक भोजन का दान करते हैं और उन्हें मिष्ठान भी अर्पित करते हैं। वहीं नमक एक खारा खाद्य पदार्थ है। ऐसे में यदि आप नमक का दान करते हैं तो आपके पूर्वजों को संतुष्टि नहीं मिलती, जिससे आपको उनकी नाराजगी का सामना करना पड़ सकता है।

पितृपक्ष में कर लें बस ये काम, सात पीढ़ियां रहेंगी खुश, खूब बरसेगा धन!

हिंदू धर्म में पितृपक्ष का बहुत महत्व है। माना जाता है यह समय पूर्वजों को समर्पित होता है। इस दौरान लोग पितरों का आशीर्वाद पाने के लिए कई तरह के उपाय भी करते हैं। भाद्रपद माह की पूर्णिमा तिथि से लेकर आश्विन माह के कृष्ण पक्ष की अमावस्या तिथि तक पितृपक्ष चलता है। इस दौरान अगर आप काले तिल के उपाय कर लें, तो आप पर पितरों की खूब कृपा बरसेगी। माना जाता है कि यह उपाय इतना ताकतवर होता है कि इसका फल सात पीढ़ी तक मिलता है।

पितरो को खुश करने के लिए काले तिल के उपाय

अयोध्या के ज्योतिष पंडित कल्कि राम बताते हैं कि पितृपक्ष के दौरान पितृ को प्रसन्न करने के लिए लोग काले तिल का उपाय करते हैं। अगर आप भी पितृपक्ष में काले तिल से जुड़े कुछ खास उपाय करते हैं, तो इससे पितृ का आशीर्वाद प्राप्त होता है। साथ ही जीवन भी खुशहाल रहता है।

7 पीढ़ीयों को मिलता है फल

श्राद्ध कर्म में काले तिल के उपयोग से विशेष फल की प्राप्ति होती है। इसके लिए पूर्वजों के तर्पण के दौरान जल में काला तिल और कुश को जरूर मिलाया जाता है। इसके बिना पितरों को मोक्ष की प्राप्ति नहीं होती। माना जाता है कि तर्पण में तिल का प्रयोग करने से साथ पीढ़ीयों में खुशहाली आती है।

पीपल के पेड़ से जुड़ा उपाय

इसके अलावा पितृपक्ष के दौरान शाम को पीपल के पेड़ के नीचे पूजा करते समय सरसों का तेल में तिल डालकर पाठ करने से परिवार को सुख समृद्धि का आशीर्वाद भी प्राप्त होता है।

घर के कलेश कैसे दूर करें?

कहां जाता है कि पितृपक्ष में अगर आपके घर में क्लेश है, तो ऐसी स्थिति में पितृपक्ष के इंदिरा एकादशी पर दूध में काले तिल को मिलाकर पीपल के पेड़ के नीचे अर्पित करने से सभी तरह की परेशानियां खत्म होगी।

> **आत्मविश्वास और उत्साह नहीं होगा तो जीवन में निराशा बनी रहेगी। इन दोनों की वजह से ही जीवन में आनंद बना रहता है।**

शुक्र ग्रह का प्रतीक माना जाता है ये पौधा

इस दिन भूलकर भी ना करें कटिंग नहीं तो हो जाएंगे कंगाल

मनी प्लांट का पौधा घर में लगाना शुभ माना जाता है। वास्तु शास्त्र के अनुसार, यह पौधा आर्थिक समृद्धि और सकारात्मक ऊर्जा का प्रतीक है। हालांकि, इसकी सही देखभाल बेहद जरूरी है। अगर मनी प्लांट की पत्तियां पीली या सूखने लगें, तो इन्हें तुरंत हटा देना चाहिए, क्योंकि ऐसा न करने से यह आर्थिक कंगाली का कारण भी बन सकता है।

मनी प्लांट की बेल को जमीन से ऊपर रखना चाहिए। अगर यह जमीन को छूने लगे, तो इसे अशुभ माना जाता है। इसके अलावा, मनी प्लांट को साफ और सही दिशा में रखना जरूरी है। इसके लिए दक्षिण-पूर्व दिशा सबसे उपयुक्त मानी जाती है, जो भगवान गणेश की दिशा है और धन-संपत्ति के लिए शुभ मानी जाती है।

अपने घर में लगे मनी प्लांट को किसी और को गिफ्ट में नहीं देना चाहिए। वास्तु शास्त्र के अनुसार, ऐसा करने से आर्थिक रुकावट आ सकती है। मनी प्लांट का पौधा हमेशा अपने घर में ही रखना चाहिए, ताकि इसका सकारात्मक प्रभाव बना रहे। यह पौधा आर्थिक समृद्धि और शांति के लिए महत्वपूर्ण माना जाता है। उन्होंने आगे कहा कि मनी प्लांट शुक्र ग्रह का प्रतीक है, इसलिए इसे शुक्रवार के दिन लगाना शुभ होता है। लेकिन शुक्रवार को इसकी कटिंग नहीं करनी चाहिए। वास्तु विशेषज्ञों के अनुसार, ऐसा करने से आर्थिक नुकसान हो सकता है। बेहतर होगा कि इस दिन मनी प्लांट की देखभाल करते समय इसे छेड़छाड़ से बचाया जाए।

मनी प्लांट हवा में मौजूद विषैले तत्वों जैसे फॉर्मल्डेहाइड और बेंजीन को अवशोषित करके हवा को शुद्ध करता है। इसे ज्यादा देखभाल की आवश्यकता नहीं होती है, जिससे यह इनडोर पौधों में एक बेहतर विकल्प बन जाता है।

मनी प्लांट के सुंदर हरे पत्ते किसी भी स्थान को सजाने में मदद करते हैं। इसका ताजगी भरा अहसास घर की इनडोर सजावट को बढ़ाता है। यह पौधा तेजी से बढ़ता है और इसे किसी भी आकार या बर्तन में आसानी से उगाया जा सकता है।

यह पौधा कमरे की नमी को बनाए रखने और गर्मियों में हवा को ठंडा करने में मदद करता है। मनी प्लांट की हरियाली मानसिक शांति और उत्साह को बढ़ावा देने में सहायक होती है।

इस मूलांक के लोग जन्म से ही होते हैं अमीर हमेशा मिलता है भाग्य का साथ!

जिन व्यक्तियों का जन्म किसी भी महीने में 6, 15 और 24 तारीख को हुआ होता है, अंक ज्योतिष में उनका मूलांक 6 माना गया है। 6 मूलांक वाले व्यक्ति जन्म से ही बेहद भाग्यशाली होते हैं। ये लोग आमतौर पर हंसमुख, मिलनसार और दूसरों के प्रति सहानुभूति रखने वाले होते हैं। इस मूलांक के लोगों को जीवन में कभी भी किसी प्रकार की पैसे या धन की दिक्कत नहीं होती है। ये हमेशा खुश रहते हैं और बहुत जल्दी ये अपनी तरफ किसी को भी आकर्षित कर लेते हैं। इनके चेहरे पर हमेशा खुशी नजर आती है।

मूलांक 6 के प्रसिद्ध व्यक्ति

गुरुदेव रविंद्रनाथ टैगोर, श्री अरविंदो, दलाई लामा, हैदराबाद निजाम, रानी विक्टोरिया, बादशाह अकबर जैसी महान हस्तियों का मूलांक 6 था। इन सबके जीवन में मूलांक 6 जैसी प्रसिद्धि और पॉवर देखने को मिलती है। अंक ज्योतिष में मूलांक 6 का ग्रह स्वामी शुक्र को माना गया है। इनके जीवन में शुक्र का प्रभाव होने की वजह से इनका जीवन

आरामदायक और सुखमय होता है। साथ ही ये कला, संगीत और नृत्य, नाटक, गायन, फैशन में बेहद अच्छे होते हैं। इसके अलावा ये सामाजिक कार्यों में काफी रुचि रखते हैं। शुक्र ग्रह को सुख, वैभव, प्रेम, लग्जरी लाइफ, सेक्स और पैसा का कारक ग्रह माना गया है। अक्सर देखा गया है कि ये लोग बहुत कम उम्र में ही पैसा, पॉवर, शोहरत, इज्जत सब अपना बना लेते हैं। इनके चेहरे पर एक धीमी और बहुत आकर्षक मुस्कान रहती है। हर कोई इनके साथ दोस्ती करना चाहता है।

मूलांक 6 वाले लोगों की कुछ खासियतें

1- ये लोग देखने में बहुत आकर्षक होते हैं।

2- ये लोग बहुत मेहनती होते हैं और अपनी मेहनत से सफलता हासिल करते हैं।

3- ये लोग समाज में खूब मान-सम्मान कमाते हैं।

4- ये लोग रोमांटिक होते हैं और लाइफ़ में कई बार प्यार करते हैं।

5- ये लोग किसी को भी आसानी से प्रपोज़ कर देते हैं।

6- ये लोग दिल खोलकर खर्च करते हैं और कंजूसी पसंद नहीं करते।

7- ये लोग घूमने-फिरने के शौकीन होते हैं।

8- ये लोग कलाप्रेमी होते हैं और इनमें सौंदर्य के प्रति आकर्षण होता है।

9- इन लोगों को बुढ़ापा देरी से आता है, ये सुगठित शरीर वाले होते हैं।

10- ये लोग बहुत विश्वसनीय और शांति प्रिय होते हैं।

वैतरणी को पार करना पापियों के लिए मुश्किल

बुरे कर्म के लोगों को देखकर उबलने लगता है इसका पानी

गरुड़ पुराण के अनुसार यह 'वैतरणी नदी' यमलोक में बहती है और यह खून और मवाद से भरी है। इसकी दूरी करीब 12 लाख किलोमीटर की बताई जाती है। इस नदी में भयानक जीव-जंतु रहते हैं। जैसे कि मांस खाने वाले पक्षी, मछली, कीड़े, मगरमच्छ, और बड़े वज्र जैसी चोंच वाले खतरनाक गिद्ध। अच्छे कर्म करने वालों मनुष्यों को यमलोक में इस नदी को एक टुकड़े में पार करने के लिए नाव दी जाती हैं।

वैतरणी नदी की भयंकर यातनाएं

पुराणों के अनुसार धरती पर मनुष्यों के द्वारा किए गए पाप से मिलने वाली यातनाएं इस नदी में मिलती हैं पापी आत्माएं मरने के बाद रोते हुए यहां गिरती हैं और भयंकर जीव-जंतुओं से दंशित होकर त्रासित होती हैं। यमलोक के मार्ग पर इस नदी को पार करना पापियों के लिए बहुत मुश्किल होता है। नदी के अंदर पापी आत्माएं जलती हैं। नरभक्षी कीड़े-मकोड़ों और जानवर उनका मांस नोच-नोच कर खाते है। मान्यता है कि इस नदी में मौजूद खून किसी भी पापी आत्मा को देखकर उबलने लगता है और नदी भयंकर लहरों के साथ गर्जना करने लगती हैं।

नारद पुराण में भी हैं इस नदी का ज्रिक

इस पुराण के मुताबिक एक बार धर्मराज राजा भगीरथ के दर्शन करने आए थे जो सगर के कुल में जन्में थे जो सातों द्वीप और समुद्रों समेत इस पृथ्वी पर शासन करते थे। राजा भगीरथ ने धर्मराज से कहा। प्रभु आप धर्मों के ज्ञाता हैं। आप समदर्शी भी हैं। मुझ पर कृपा करके बताइए कि यमलोक में कितनी यातनाएं बताई गई हैं और वे किन्हें मिलती हैं? धर्मराज ने बताया कि अधर्म जनित यातनाएं असंख्य कही गई हैं। जिनका दर्शन ही भयंकर है। मैं इसका सक्षिप्त में वर्णन करता हूं। जो लोग महापुरुषों की निंदा करते हैं।जो भगवान शिव और विष्णु से विमुख होकर नास्तिक हैं। वे लोग यमलोक में करोड़ों वर्षों तक नमक का सेवन करते हैं। जो लोग विश्वासघाती, मर्यादा तोड़ने वाले और पराए अन्न के लोभी होते हैं। वे वैतरणी नदी में जाते हैं। इस तरह से धर्मराज ने राजन को यमलोक में दी जानें वाली कई भयंकर यातनाओं के बारे में बताया हैं।

धर्मशास्त्र में वैतरणी नदी को पार करने के लिए कुछ उपाय

धर्मिक मान्यताओं के अनुसार मृत्यु के बाद जिन मनुष्यों के परिवार उनके लिए विधिवत कर्मकांड करते हैं। वे हीं इस नदीं को पार करने समर्थ होते हैं। जो सत्कर्म में लगा हुआ हो।उस यत्नपूर्वक दान देना चाहिए। जो दान श्रद्धापूर्वक और भगवान विष्णु के समर्पण पूर्वक दिया गया हो। जो उत्तम पात्र के याचना करने पर दिया गया हो वह दान अत्यन्त उत्तम माना गया है। पितृ पक्ष के दौरान उन 15 दिनों की अवधि में मनुष्य अपने पितरों को श्रद्धापूर्वक स्मरण करते हैं और उनके लिये पिण्डदान करते हैं। उनके हीं पूर्वजों की आत्माएं इस नदी को पार कर पाती हैं बाकी इस नदी में डूब जाती हैं या फिर पार करने के लिए लगातार संघर्ष करती हैं। कहते है लोगों द्वारा दान में दी गई गाय सबसे ज्यादा मूल्यवान होती है। कलयुग में दान देना सबसे बड़ा पुण्य का काम हैं।

निर्देशक संजय लीला भंसाली के साथ पहली फिल्म करना चाहती थीं शरवरी

शरवरी वाघ इन दिनों अपनी आगामी वाईआरएफ की जासूसी फिल्म अल्फा को लेकर लगातार सुर्खियों में बनी हुई हैं। शरवरी इन दिनों आलिया भट्ट के साथ फिल्म अल्फा की शूटिंग में व्यस्त हैं। वह अपनी हालिया फिल्म मुंजा, महाराज और वेद की सफलता का भी आनंद ले रही हैं। शरवरी ने कबीर खान की द फॉरगॉटन आर्मीः आजादी से अपने अभिनय करियर की शुरुआत की थी, लेकिन उससे पहले, उन्होंने संजय लीला भंसाली की बाजीराव मस्तानी में सहायक निर्देशक के रूप में काम किया।

हाल ही में, उन्होंने खुलासा किया कि वह अपनी पहली फिल्म निर्देशक संजय लीला भंसाली के साथ करना चाहती थीं, लेकिन फिल्म में सेलेक्ट होने के बावजूद

शरवरी वाघ

भी कुछ ऐसा हुआ कि अपनी पहली फिल्म संजय के साथ नहीं कर पाईं।

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, एक इंटरव्यू के दौरान शरवरी ने खुलासा किया कि वह रणवीर सिंह, प्रियंका चोपड़ा और दीपिका पादुकोण अभिनीत फिल्म बाजीराव मस्तानी में सहायक निर्देशक बन गईं, जब वह फिल्म निर्माता द्वारा निर्मित एक फिल्म के लिए ऑडिशन देने गईं तो कुछ ऐसा हुआ, जो उन्होंने कभी सोचा नहीं था। शरवरी ने कहा, ₹मुझे संजय सर के प्रोडक्शन हाउस के साथ एक फिल्म करनी थी। मैंने इसके लिए ऑडिशन दिया था और शॉर्टलिस्ट हो गई थीं लेकिन चीजें योजना के अनुसार नहीं हुईं और फिल्म को नहीं बनाया गया।"

इस तरह से मिला संजय के साथ काम करने का मौका

शरवरी ने कहा, ₹कुछ तकनीकी कारणों से उस फिल्म पर थोड़ा विराम लग गया। उन्हें कुछ सोचना पड़ा और स्क्रिप्ट पर फिर से काम करना पड़ा।" आगे शरवरी ने कहा, "उस दौरान, जब संजय ने उनसे पूछा कि क्या वह उनकी सहायता कर सकती है। उसने बताया कि बाजीराव मस्तानी भी निर्माण में थी और शरवरी ने बाजीराव मस्तानी में इंटर्नशिप करने की इच्छा व्यक्त की।" फिर क्या संजय सहमत हो गए और उन्हें अपनी फिल्म बाजीराव मस्तानी में सहायक निर्देशक के रूप में काम किया।

काम की बात करें तो शरवरी इन दिनों

आलिया भट्ट के साथ शिव रवैल की अल्फा की शूटिंग में व्यस्त हैं। अल्फा वाईआरएफ की एक्शन ड्रामा जासूसी फिल्म है। जो कथित तौर पर 2025 में सिनेमाघरों हो सकती हैं। दोनों ने हाल ही में कश्मीर शेड्यूल पूरा किया और सेट से तस्वीर साझा की। बहरहाल, आलिया और शरवरी दोनों ही अब मुंबई लौट आई हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार वाईआरएफ स्पाई यूनिवर्स की इस फिल्म में आलिया भट्ट और शरवरी वाघ एक सुपर-एजेंट की भूमिका निभाएंगी। वहीं बॉबी देओल इस फिल्म में खलनायक की भूमिका में नजर आ सकते हैं। बता दें फिल्म अल्फा का निर्देशन शिव रवैल कर रहे हैं और इसका निर्माण आदित्य चोपड़ा ने किया है।

कोरियोग्राफर जानी मास्टर ने जुर्म कबूला : 4 साल तक असिस्टेंट का सेक्शुअल हैरेसमेंट किया

सेक्शुअल हैरेसमेंट के मामले में गिरफ्तार हुए तेलुगु कोरियोग्राफर जानी मास्टर ने अब अपना गुनाह कबूल कर लिया है। जानी पर यह आरोप 21 साल की एक फीमेल कोरियोग्राफर ने लगाया था जो बीते कई सालों से उनकी असिस्टेंट कोरियोग्राफर थी। इसके बाद साइबराबाद पुलिस ने गुरुवार को जानी को गोवा से गिरफ्तार किया। कोर्ट में मामले की रिपोर्ट पेश करते हुए पुलिस ने कहा कि पीड़िता पहली बार साल 2019 में एक कार्यक्रम के दौरान जानी मास्टर से मिली थी।

इसके बाद जानी ने दुर्भावनापूर्ण इरादे से ही पीड़िता को असिस्टेंट कोरियोग्राफर की नौकरी ऑफर की थी, जिसे पीड़िता ने एक्सेप्ट कर लिया।2020 में, जानी ने मुंबई के एक होटल में अपनी असिस्टेंट का यौन शोषण किया। उस वक्त पीड़िता 16 वर्ष की थी। पुलिस ने रिमांड रिपोर्ट में कहा कि जानी ने चार साल में कई बार पीड़िता का यौन शोषण किया।

करियर खत्म करने की भी धमकी दी

जानी ने पीड़िता को उसका करियर खत्म करने की धमकी दी। इतना ही नहीं उन्होंने अपने कॉन्टैक्ट्स का इस्तेमाल करके पीड़िता को फिल्मों में मिलने वाले मौके भी रुकवा दिए।

कमल हसन की 'ठग लाइफ' के डिजिटल राइट्स की हुई रिकॉर्डतोड़ डील

सुपरस्टार कमल हासन ने अपनी अगली फिल्म 'ठग लाइफ' के लिए अनुभवी फिल्म निर्माता मणिरत्नम के साथ हाथ मिलाया है। यह एक्शन ड्रामा अपनी शूटिंग के अंतिम चरण के करीब है। हालिया अपडेट की मानें तो 'ठग लाइफ' के डिजिटल राइट्स भारी कीमत पर बेचे गए हैं। हालिया अपडेट के अनुसार, मणिरत्नम द्वारा निर्देशित कमल हासन अभिनीत फिल्म ने अब अपने डिजिटल अधिकारों के साथ तमिल फिल्म इंडस्ट्री में एक नया रिकॉर्ड स्थापित किया है।

'ठग लाइफ' के डिजिटल राइट्स बिके

हालिया अपडेट के अनुसार, बहुप्रतीक्षित एक्शन-ड्रामा फिल्म तमिल सिनेमा में डिजिटल अधिकारों के मामले में सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्म बनकर उभरी है। 'ठग लाइफ' के डिजिटल अधिकार नेटफ्लिक्स को 149.7 करोड़ रुपये की भारी कीमत पर बेचे गए हैं। फिल्म में कमल हासन के अलावा सिलंबरासन टीआर भी महत्वपूर्ण भूमिका में हैं। रिपोर्ट की मानें तो डिजिटल राइट्स टीम द्वारा फिल्म का फिल्मांकन पूरा करने से बहुत पहले ही बेच दिए गए थे। इस पर और अपडेट जल्द ही आने की उम्मीद है।

टीजर पर जल्द आएगा बड़ा अपडेट!

जानकारी के मुताबिक, 'ठग लाइफ' का फिल्मांकन पूरा होने वाला है। फिल्म से जुड़े करीबी सूत्र बताते हैं कि निर्देशक मणिरत्नम और उनकी टीम जल्द ही फिल्मांकन प्रक्रिया पूरी करने की योजना बना रही है। खबरें हैं कि कमल हासन अभिनीत इस फिल्म के टीजर पर कुछ हफ्तों में बड़ा अपडेट सामने आएगा।

'ठग लाइफ' की स्टारकास्ट

कमल हासन 'ठग लाइफ' में नायक के रूप में दिखाई देंगे, जिसमें कथित तौर पर सिलंबरासन उनके बेटे की भूमिका में हैं। तृषा कृष्णन ने फिल्म में मुख्य भूमिका निभाई है। वहीं, इसमें सहायक भूमिकाओं में अशोक सेलवन, नासिर, दिल्ली गणेश, अभिरामी, जोजू जॉर्ज, ऐश्वर्या लक्ष्मी और अन्य शामिल हैं। एआर रहमान इस फिल्म के लिए गाने और मूल स्कोर तैयार कर रहे हैं। रवि के चंद्रन फोटोग्राफी के निर्देशक हैं। ए श्रीकर प्रसाद ने संपादन का काम संभाला है।

'द ग्रेटेस्ट ऑफ ऑल टाइम' की अभिनेत्री पार्वती नायर पर मारपीट का आरोप, दर्ज हुई शिकायत

विजय की हालिया रिलीज फिल्म 'द ग्रेटेस्ट ऑफ ऑल टाइम' यानी 'गोट' की अभिनेत्री पार्वती नायर मुश्किलों में घिरती नजर आई हैं। उनके हाउस हेल्प सुभाष चंद्रबोस ने उन पर मारपीट का मामला दर्ज कराया है। शिकायत में आरोप लगाया गया है कि नायर और उनके सहयोगियों ने चोरी के संदेह में चंद्रबोस पर हमला किया। तमिलनाडु पुलिस ने कथित तौर पर अभिनेत्री समेत 'अयलान' निर्माता राजेश और पांच अन्य के खिलाफ भी मामला दर्ज किया है।

कोर्ट के आदेश के बाद मामला दर्ज

चंद्रबोस द्वारा दर्ज की गई प्रारंभिक शिकायत पर कोई कार्रवाई नहीं होने के बाद चेन्नई में सैदापेट कोर्ट के आदेश के बाद मामला दर्ज किया गया। 2022 में, नायर ने चेन्नई पुलिस में शिकायत दर्ज कराई थी, जिसमें आरोप लगाया गया था कि उनके घर से लगभग 9 लाख रुपये नकद, एक आईफोन और एक लैपटॉप गायब है। उन्हें चोरी में चंद्रबोस के शामिल होने का संदेह था। हालांकि, जब पुलिस मामले की जांच कर रही थी, चंद्रबोस ने नायर और उनके सहयोगियों पर शारीरिक हमला करने और उन्हें एक कमरे में कैद करने का आरोप लगाते हुए एक जवाबी शिकायत दर्ज की।

पार्वती नायर ने मामले पर दी प्रतिक्रिया!

नायर ने कथित तौर पर मारपीट के आरोपों से इनकार किया है और कहा है कि उन्होंने चंद्रबोस से केवल चोरी के बारे में पूछताछ की थी। अभिनेत्री का कहना है कि पूछताछ में उन्हें हाउस हेल्प की बातों पर यकीन नहीं हुआ, जिसके बाद उन्हें प्रारंभिक शिकायत दर्ज करानी पड़ी थी। अभिनेत्री ने इस बात पर जोर दिया कि उनका इरादा पूरी तरह से खोई हुई वस्तुओं को वापस पाना था। नायर को हाल ही में विजय की 'द ग्रेटेस्ट ऑफ ऑल टाइम' यानी 'गोट' में देखा गया और वह '8'3, 'डी कंपनी' और 'डॉल्स' समेत कई फिल्मों में अपने अभिनय का जलवा बिखेर चुकी हैं।

फैंस को आलिया भट्ट में दिखी सास नीतू कपूर की झलक, तस्वीरें साझा कर बताईं समानताएं

आलिया भट्ट हिंदी फिल्मों की मशहूर और लोकप्रिय अभिनेत्रियों में से एक हैं। उन्हें उनके बहुमुखी अभिनय क्षमता के लिए काफी तारीफें मिलती हैं। वह अपने किरदार में पूरी तरह से ढल जाती हैं, जिससे उन्हें पहचानना बेहद मुश्किल हो जाता है। आलिया इन दिनों अपनी आगामी फिल्म जिगरा को लेकर चर्चा में हैं। इस फिल्म में भी उनका शानदार अभिनय दर्शकों को देखने मिलने वाला है। हाल में ही इस फिल्म का प्रमोशन करने फिल्म की टीम कपिल शर्मा के शो द ग्रेट इंडियन कपिल शर्मा शो में पहुंची थी। उनकी इस उपस्थिति के बाद सोशल मीडिया पर फैंस अभिनेत्री को लेकर दिलचस्प बातें कर रहे हैं। कुछ फैंस को लगता है कि अभिनेत्री बिलकुल अपनी सास नीतू कपूर जैसी दिखने लगी हैं।

फैंस को आलिया और नीतू कपूर में दिखी समानता

बीते शनिवार को नेटफ्लिक्स की कॉमेडी सीरीज द ग्रेट इंडियन कपिल शर्मा शो के दूसरे सीजन का प्रीमियर हुआ। इस के पहले एपिसोड में जिगरा फिल्म की टीम पहुंची थी, जिनमें आलिया भट्ट, वेदांग रैना और करण जौहर शामिल थे। इस एपिसोड को देखने के बाद सोशल मीडिया पर फैंस का कहना है कि आलिया बिलकुल अपनी सास नीतू कपूर जैसी लगने लगी हैं। उन्होंने अपने बालों का स्टाइल भी नीतू कपूर की बॉब स्टाइल जैसा ही रखा है। इस बात को दर्शाने के लिए फैंस ने आलिया और नीतू कपूर की एक-दूसरे से मिलती जुलती तस्वीरें सोशल मीडिया पर साझा की हैं।

लोगों ने दी दिलचस्प प्रतिक्रियाएं

शो के दौरान आलिया भट्ट ने स्टेटमेंट गोल्ड ज्वैलरी के साथ नीले रंग की पोशाक पहनी थी। हालांकि, उनके हेयर स्टाइल ने फैंस का काफी ध्यान खींचा है। फैंस का मानना है कि वो इस दौरान रणबीर कपूर की मां नीतू कपूर के समान दिख रही थीं। इसे लेकर सोशल मीडिया पर राय जाहिर करते हुए एक फैन ने लिखा,बिलकुल नीतू जैसी लग रही हैं। एक और फैन ने लिखा, आलिया आलू जैसी हैं, कहीं भी फिट हो जाती हैं। एक अन्य फैन ने लिखा, हे भगवान, नीतू बिलकुल आलिया जैसी लगती हैं। सास और बहू की इन तस्वीरों में फैंस को बेहद समानता नजर आ रही हैं और वो इन तस्वीरों पर जमकर प्रतिक्रियाएं दे रहे हैं।

एक्टर दीपक तिजोरी के साथ हुई धोखाधड़ी, मशहूर प्रोड्यूसर ने हड़पे पैसे, एफआईआर दर्ज

बॉलीवुड एक्टर दीपक तिजोरी के साथ धोखाधड़ी हुई है. एक्टर ने मशहूर फिल्म प्रोड्यूसर विक्रम खाखर पर पैसों की ठगी करने का आरोप लगया है. दीपक का आरोप है कि प्रोड्यूसर ने फिल्म बनाने के लिए उनसे मोटी रकम ली और फिर देने से इनकार कर दिया. दीपक ने विक्रम खाखर के खिलाफ अंबोली पुलिस स्टेशन में धोखाधड़ी करने को लेकर केस भी दर्ज करा दिया है. पुलिस मामले की जांच कर रही है.

क्या है पूरा मामला?

मुंबई पुलिस के एक अधिकारी ने शुक्रवार को बताया कि एक्टर दीपक तिजोरी ने प्रोड्यूसर विक्रम खाखर पर फिल्म की शूटिंग के सिलसिले में 17.40 लाख रुपये की धोखाधड़ी करने का आरोप लगाया है. अधिकारी ने बताया कि मंगलवार को अंबोली पुलिस स्टेशन में दीपक तिजोरी ने पैसों की धोखाधड़ी के मामले में प्रोड्यूसर के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई.

दीपक तिजोरी ने अपनी शिकायत में कहा है कि विक्रम खाखर ने लंदन में उनकी फिल्म 'टिप्सी' की शूटिंग में मदद करने का वादा किया था, जिसके लिए प्रोड्यूसर ने उनसे 17.40 लाख रुपये लिये थे.

दीपक तिजोरी ने अपनी शिकायत में ये भी कहा- मैं जब भी फिल्म के स्टेटस के बारे में पूछता था तो प्रोड्यूसर विक्रम खाखर कोविड की वजह से देरी होने का बहाना बना देते थे. वो कहते थे कि यूरोप में फिल्म की शूटिंग रुक गई है. महामारी का असर कम होने के बाद भी वो फिल्म को आगे न बढ़ाने के बहाने बनाते रहे.

दीपक ने कहा कि जब उन्हें एहसास हुआ कि प्रोड्यूसर का 'टिप्सी' की शूटिंग शुरू करने का कोई इरादा नहीं है, तो उन्होंने अपने पैसे वापस मांगे. मगर पैसे वापस ना मिलने पर एक्टर को पुलिस की मदद लेनी पड़ी.

मामले पर क्या बोली पुलिस?

पूरे मामले पर पुलिस का कहना है- यह घटना 3 मार्च 2020 से इस साल 14 मार्च के बीच की है. दीपक ने 3 मार्च 2020 को प्रोड्यूसर के अकाउंट में पैसे ट्रांसफर किए थे. दिए गए पैसों में GST भी शामिल है. प्रोड्यूसर ने अपना वादा पूरा नहीं किया और साथ ही पैसे वापस करने से भी इनकार कर दिया है.

दीपक तिजोरी की शिकायत के बाद पुलिस ने आईपीसी प्रावधानों के तहत धोखाधड़ी और आपराधिक विश्वासघात का मामला दर्ज कर लिया है. पुलिस मामले की जांच में जुट गई है.

विक्रम खाखर के बिना बनाई 'टिप्सी'

बता दें कि विक्रम खाखर से धोखा मिलने के बाद एक्टर दीपक तिजोरी ने प्रोड्यूसर राजू चड्ढा संग मिलकर 'टिप्सी' फिल्म बनाई. फिल्म में एक्टिंग करने के साथ दीपक ने इसे डायरेक्ट भी किया. वहीं, फिल्म को प्रोड्यूस राजू चड्ढा ने किया. फिल्म 10 मई 2024 को रिलीज हुई थी. दीपक तिजोरी के वर्क फ्रंट की बात करें तो वो आशिकी, दिल है कि मानता नहीं, जो जीता वही सिकंदर जैसी फिल्मों में काम कर चुके हैं.

10 साल बाद भारत में रिलीज हो रही पहली पाकिस्तानी फिल्म, एमएनएस नेता बोले- हाथ-पैर तोड़ देंगे

पॉपुलर पाकिस्तानी एक्टर्स फवाद खान और माहिरा खान की फैन फॉलोइंग भारत में आज भी है. हाल ही में ऐलान हुआ था कि दोनों की ब्लॉकबस्टर हिट फिल्म 'द लेजेंड ऑफ मौला जट्ट' जल्द भारत में रिलीज होगी. इस ऐलान के बाद महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (एमएनएस) ने एक बार फिर पाकिस्तानी कलाकारों और फिल्मों के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है. महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना के नेता अमय खोपकर ने साफ कह दिया कि किसी भी पाकिस्तानी फिल्म को भारत में रिलीज नहीं होने देंगे. इतना ही नहीं, अगर कोई पाकिस्तानी एक्टर भारत आया तो उसकी पिटाई भी की जाएगी.

नहीं रिलीज होने देंगे पाकिस्तानी फिल्म

अमय खोपकर ने ये बड़े बयान के दौरान उनसे पाकिस्तान से कलाकारों के खिलाफ कड़े विरोध की असल वजह को पूछा गया था. इसपर अमय ने कहा, 'हमारे देश पर लगातार पाकिस्तान की तरफ से हमले होते रहते हैं. पिछले हफ्ते भी हमले हुए थे, जिनमें हमारे जवान शहीद हो गए थे. हमारे देश के कई शहरों में भी हमले होते हैं, जहां पर हमारे अच्छे पुलिस अफसर शहीद होते हैं. ऐसे में हमें पाकिस्तान की तरफ से कला क्यों चाहिए? क्या हमारे देश में कलाकार नहीं हैं? क्या हमारे यहां फिल्में नहीं बनतीं? हमें पाकिस्तान से कलाकार क्यों चाहिए?'

अमय खोपकर ने आगे कहा, 'मुंबई में जो आतंकी हमला हुआ था, उसमें जिन पुलिस अफसरों ने अपनी जान गंवाई थी उनके घरों में

जब टीवी चालू होगा, तो क्या वो लोग इन पाकिस्तानी कलाकारों के शो देखेंगे? जिनकी वजह से हमारे जवान और पुलिस अफसर शहीद हुए. उनके कलाकार हमें नहीं चाहिए. पाकिस्तान से कोई भी कलाकार या फिल्म हम यहां रिलीज नहीं होने देंगे. हमारी पार्टी महाराष्ट्र तक सीमित है, लेकिन मैं बाकी राज्यों से भी यही कहता हूं कि अपने शहरों में भी कोई पाकिस्तानी कलाकार या फिल्म रिलीज न होने दें और इसका विरोध करें. हम जरूर विरोध करेंगे. महाराष्ट्र में तो पाकिस्तानी फिल्में रिलीज होंगी ही नहीं और इसे धमकी समझा जाए.'

आर्ट और कल्चर को पॉलिटिक्स से अलग रखने की बात पर भी अमय खोपकर ने अपनी राय दी. उन्होंने कहा, 'मैं मानता हूं कि आर्ट और कल्चर और पॉलिटिक्स अलग चीजें हैं. लेकिन जब वही आर्ट हमारे देश पर हमला करने वालों की होती है, तो हमें वो आर्ट नहीं चाहिए. हमारे लिए पहले देश आता है, फिर कला. कला की आड़ में हमारे देश पर हमला करने वालों को हम बर्दाश्त नहीं करेंगे. जिस दिन पाकिस्तान की तरफ से हमारे देश पर हमले बंद हो जाएंगे, तब हम बात करेंगे. फिलहाल के लिए बिल्कुल नहीं.'

पाकिस्तानी एक्टर्स के हाथ-पैर तोड़ देंगे

पाकिस्तानी एक्टर के साथ-साथ अमय खोपकर ने बॉलीवुड के सितारों को भी आड़े हाथ ले लिया. उन्होंने बॉलीवुड के उन सेलेब्स के लिए संदेश दिया, जो पाकिस्तानी कलाकारों के साथ काम करने का समर्थन कर रहे हैं. अमय ने कहा, 'बॉलीवुड के लोगों को शर्म आनी चाहिए. हमारे देश में इतना टैलेंट है, फिर आपको बाहर से खासकर पाकिस्तान से कलाकार बुलाने की जरूरत क्यों है? चाहे जितनी कोशिश कर लें हम ये मंजूर नहीं करेंगे कि यहां कोई पाकिस्तानी कलाकार आकर परफॉर्म करे या फिल्में दिखाए. अभी बातें हो रही हैं कि पाकिस्तानी कलाकार यहां आकर प्रमोशन करेंगे. तो उन्हें कहना चाहूंगा कि सोचना भी मत. प्रमोशन के बारे में सोचना भी मत, वरना पिटेंगे. हाथ-पैर तोड़ देंगे.'

2016 में हुए उरी आतंकी हमले के बाद पाकिस्तानी आर्टिस्ट्स के भारत में काम करने पर बैन लग गया था. इंडियन मोशन पिक्चर प्रोड्यूसर्स एसोसिएशन ने 'सुरक्षा' और 'देशभक्ति' का हवाला देते हुए ये नियम बनाया था कि वे सरहद पार के टैलेंट को भारत में काम करने की इजाजत नहीं देंगे. जिसके बाद फवाद खान, माहिरा खान, अली जफर और राहत फतेह अली खान जैसे आर्टिस्ट बॉलीवुड में काम करते नहीं नजर आए.

अक्टूबर 2023 में बॉम्बे हाई कोर्ट ने यह बैन हटाते हुए इसे 'सांस्कृतिक समरसता, एकता और शांति के लिए प्रतिकूल' बताया था. कोर्ट का यह भी कहना था कि विदेशी, विशेषकर पड़ोसी देशों के नागरिकों का विरोध करना देशभक्ति नहीं दर्शाता. कोर्ट के फैसले के बाद पाकिस्तानी कलाकारों के, भारतीय फिल्मों में काम करने के दरवाजे खुल गए. इसी को देखते हुए जी जिंदगी में 'द लेजेंड ऑफ मौला जट्ट' फिल्म के भारत में रिलीज होने का ऐलान किया था. इसकी रिलीज डेट 3 अक्टूबर तय की गई है.

'युद्रा' में नकारात्मक किरदार से मानसिक रूप से प्रभावित हुए थे राघव, बोले- बदलाव से परिवार परेशान था

सिद्धांत चतुर्वेदी, माल्विका मोहनन और राघव जुयाल की 'युद्रा' बॉक्स ऑफिस पर रिलीज हो चुकी है। रवि उध्यावर की फिल्म में राघव को नकारात्मक रोल में देखा गया। राघव अपने किरदार से प्रशंसकों के दिलों में राज करते हैं, लेकिन अपने इस रोल से राघव खुद भी काफी प्रभावित हो गए थे। इस फिल्म को लेकर राघव ने हाल ही में बातचीत के दौरान बताया कि नकारात्मक रोल निभाना किस तरह से मनोवैज्ञानिक तरीके से प्रभाव डालता है। उनके इस बदलाव से उनका परिवार चिंतित हो गया।

किरदार के लिए कंफर्ट जोन से आए बाहर

राघव ने कहा, वे अपने इस किरदार के लिए कंफर्ट जोन के बाहर आए और अपनी सीमाओं से बढ़कर रोल निभाया है। वे एक ऐसा किरदार निभा रहे थे, जो उनके व्यक्तित्व से बहुत अलग था। राघव ने कहा, 'मैंने महसूस किया कि कई बार पैकअप के बाद मैं बेचैन हो जाता था। शूटिंग पूरी होने के बाद मुझे एहसास हुआ कि इस किरदार ने मुझे मानसिक रूप से प्रभावित किया है। मुझे महसूस हुआ कि मुझे खुद को समय देकर आराम करना चाहिए।

मेरे परिवार को होने लगी थी चिंता

बातचीत के दौरान राघव ने कहा, कुछ आराम और काम से ब्रेक लेने के लिए वे उत्तराखंड अपने घर चले गए थे। पहाड़ों के पास रहने से उन्हें कुछ बेहतर महसूस हुआ। राघव ने कहा, 'मेरी फैमिली ने मेरे अंदर बदलाव महसूस किए। इसको लेकर वे सभी परेशान थे। इस बात ने मुझे महसूस कराया कि मैं अपने फिल्म में अपने किरदार से ही प्रभावित हुआ हूं'।

इन फिल्मों में आ चुके हैं नजर

'युद्रा' फिल्म में राघव के किरदार को फैंस काफी पसंद कर रहे हैं। आपको बता दें कि राघव इससे पहले 'स्ट्रीट डांसर', 'किसी का भाई किसी की जान', 'एबीसीडी 2' फिल्म में नजर आ चुके हैं। वे इस साल 'किल' में भी नजर आ चुके हैं। राघव को टीवी शो डांस प्लस, डांस दीवाने में देखा जा चुका है।

आगे बढ़ने के लिए 'सकारात्मक सोच' जरूरी है

महात्मा गांधी का प्रसिद्ध कथन है कि नकारात्मकता से दूर रहते हुए पूरे मन से इंसान वैसा ही बनता जाता है, जैसी वह प्रयास करेंगे तो सफलता मिलनी तय है। सोच रखता है। यह कथन छोटे या बड़े हर व्यक्ति पर लागू होता है। आप जिंदगी में सफल तभी हो सकते हैं, जब आप सफलता हासिल करने के प्रति अपनी सोच को सकारात्मक रखेंगे। अगर अपनी खामियां ढूंढ-ढूंढकर खुद को कमतर ही आंकते रहेंगे तो कभी सफलता की ओर कदम नहीं बढ़ा सकोगे। दीजिए काबिलियत का सौ प्रतिशत अगर आप थोड़ी-सी परेशानियों से घिरने पर खुद की क्षमताओं पर ही संदेह करने लगेंगे तो सफल होना मुश्किल है। हो सकता है कि एक बार प्रयास करने पर सफलता न मिले लेकिन अगर आप

प्रभावित होता है मानसिक स्वास्थ्य नकारात्मक सोच वाले व्यक्ति अपने आसपास एक ऐसा नकारात्मक माहौल बना लेते हैं जो उनके साथ- साथ उनके आसपास के लोगों के मानसिक स्वास्थ्य पर भी बुरा असर डालता है इसलिए इससे जितना हो सके बचें।

लक्ष्य बनाकर चलें जिंदगी का लक्ष्य बनाकर चलें तो दिमाग को भटकने से बचाया जा सकता है। किसी भी अप्रिय स्थिति का सारा दोष खुद पर ही न मढ़ लें। इसके लिए परिस्थितियां भी दोषी हो सकती हैं। आपकी काबिलियत इसमें है कि आप इन परिस्थितियों को खुद पर हावी न होने दें।

'बातचीत में मिठास' से पाएं सफलता

मनुष्य के व्यक्तित्व की पहचान उसके बातचीत करने के ढंग से होती है। भले ही कोई व्यक्ति कितना ही सुंदर हो, परंतु वाणी में कर्कशता या रूखापन हो तो वह कभी किसी को अपनी ओर आकर्षित नहीं कर सकता।इसके विपरीत सामान्य सा दिखने वाला व्यक्ति यदि सौम्य हैं और उसकी वाणी में मिठास है तो वह सहज ही सबको अपनी ओर आकर्षित कर लेगा। उचित - अनुचित का ज्ञान रखकर बोलने से आपका व्यक्तित्व प्रभावशाली बन सकता है इसलिए आवश्यक है तोल-मोल कर बोलना ।* अपनी आवाज पर ध्यान दें, बहुत ऊंचे स्वर में चिल्ला-चिल्लाकर न बोलें।

* बोलते समय विषय का पर्याप्त ज्ञान हो इसका ध्यान रखें ।* बोलते समय अवसर व स्थान का विशेष ध्यान रखें। अस्पताल में धीरे बोलें।

* दो लोगों के बीच कभी न बोलें। न ही बिन मांगे अपनी सलाह दें।* दूसरों की बात ध्यान से सुनें, तभी बोलें। साथ ही उनकी रुचि का ध्यान रखकर बोलें।* बोलते समय बेवजह न हाथ नचाएं, न आंखें मटकाएं, न दूसरों को छुएं।* कुछ खाते हुए कभी न बोलें। बोलते समय थूक के छींटें दूसरों पर न उड़ाएं।* किसी दूर खड़े व्यक्ति से दूर से ही चिल्लाकर बात करने की कोशिश न करें, पास जाकर बोलें। * बच्चों के स्कूल में उनकी अध्यापिकाओं आदि से शिष्टाचार से बोलें।* अपने उच्चाधिकारी होने का मान करते हुए अपने मातहतों को बिना सोचे-समझे कभी न बोलें। तुच्छ न समझें।

रेलवे एनटीपीसी भर्ती के 3445 पदों पर 12वीं पास युवा करें आवेदन

रेलवे भर्ती बोर्ड की ओर से एनटीपीसी पूर्वस्नातक स्तरीय भर्ती के लिए पंजीकरण प्रक्रिया आज शुरू की जा रही है। जो उम्मीदवार गैर-तकनीकी लोकप्रिय श्रेणियों (स्नातक) पदों के लिए केंद्रीकृत रोजगार सूचना संख्या सीईएन 06/2024 के लिए आवेदन करना चाहते हैं, वे आरआरबी की आधिकारिक वेबसाइट rrbapply.gov.in. पर जाकर कर सकते हैं। इस भर्ती अभियान के तहत संगठन में 3,445 पदों को भरा जाएगा। आवेदन करने की अंतिम तिथि 20 अक्तूबर 2024 है और शुल्क का भुगतान 22 अक्तूबर 2024 तक किया जा सकता है।

कमर्शियल सह टिकट क्लर्कः 2022 पद

अकाउंट क्लर्क कम टाइपिस्टः 361 पद

जूनियर क्लर्क सह टाइपिस्टः 990 पद

ट्रेन क्लर्कः 72 पद

योग्यता : कमर्शियल सह टिकट क्लर्क और ट्रेन क्लर्क के लिए उम्मीदवार का किसी भी मान्यता प्राप्त बोर्ड से (10+2) इंटरमीडिएट परीक्षा पास होना (सामान्य, ओबीसी, ईडब्ल्यूएस के लिए 50% अंक) जरूरी है।

अकाउंट क्लर्क कम टाइपिस्ट और जूनियर क्लर्क सह टाइपिस्ट के लिए उम्मीदवार का किसी भी मान्यता प्राप्त बोर्ड से (10+2) इंटरमीडिएट परीक्षा पास होना (सामान्य, ओबीसी, ईडब्ल्यूएस के लिए 50% अंक) जरूरी है। इसके अलावा, अंग्रेजी में 30 शब्द प्रति मिनट और हिंदी में 25 शब्द प्रति मिनट की टाइपिंग स्पीड होना जरूरी है।

आवेदन शुल्क :आरआरबी एनटीपीसी आवेदन शुल्क एससी, एसटी, भूतपूर्व सैनिक, महिला, पीडब्ल्यूबीडी, ट्रांसजेंडर, अल्पसंख्यक और आर्थिक रूप से पिछड़े वर्ग (ईबीसी) श्रेणी के उम्मीदवारों के लिए 250 रुपये है। अन्य सभी आवेदकों के लिए शुल्क 500 रुपये है। उम्मीदवार कंप्यूटर आधारित टेस्ट (सीबीटी) के लिए उपस्थित होने पर आवेदन शुल्क की आंशिक वापसी के लिए पात्र होंगे। उम्मीदवार कंप्यूटर आधारित टेस्ट (सीबीटी) के लिए उपस्थित होने पर आवेदन शुल्क की आंशिक वापसी के लिए पात्र होंगे। अधिक संबंधित विवरण के लिए उम्मीदवार आरआरबी की आधिकारिक वेबसाइट देख सकते हैं।

आवेदन कैसे करें?

ऑनलाइन आवेदन करने के लिए उम्मीदवार नीचे दिए गए चरणों का पालन कर सकते हैं।

आरआरबी की आधिकारिक वेबसाइट rrbapply.gov.in. पर जाएं।

होम पेज पर उपलब्ध आरआरबी एनटीपीसी यूजी भर्ती 2024 लिंक पर क्लिक करें।

एक नया पेज खुलेगा जहां उम्मीदवारों को एक अकाउंट बनाना होगा।

एक बार हो जाने पर, खाते में लॉगिन करें।

आवेदन पत्र भरें और आवेदन शुल्क का भुगतान करें।

सबमिट पर क्लिक करें और पेज डाउनलोड करें।

आगे की आवश्यकता के लिए इसकी एक हार्ड कॉपी अपने पास रखें।

टॉप्स पहनने के स्मार्ट तरीके

हर किसी की कपड़ों को लेकर अलग-अलग च्वाइस होती है। कुछ को फैशन का क्रेज होता है तो कुछ सिंपल और सोबर लुक में ही रहना पसंद करती हैं। अगर ट्रेंडिंग कपड़ों की बात की जाए तो टॉप पहले नंबर पर आती है। खुद को कूल और फ्रेश रखने के लिए टॉप्स को अपने स्टाइल का हिस्सा बना रही हैं तो यहां से ले सकते हैं आइडिया।

ओवरसाइज्ड टॉप

अगर आपको कैजुअल वियर में कुछ ट्रैंडी चाहिए तो ओवरसाइज्ड टॉप पर भरोसा कर सकती हैं इनमें आपको कई तरह के कलर और डिजाइन मिल जाएंगे। यह कंफर्टेबल लुक तो देता ही है साथ में गर्मी से भी बचाता है। इसे यूनिक तरीके से स्टाइल करके अपने लुक को एन्हांस कर सकती हैं।

क्रॉप टॉप

हर सीजन को क्रॉप-टॉप का सीजन कहना गलत नहीं होगा। क्रॉप टॉप एक ऐसा लेडीज वियर है, जिसे कई अलग-अलग तरीकों से आसानी से कैरी किया जा सकता है। यह स्कर्ट, जीन्स या पेंट किसी के साथ भी जच जाती है, आप चाहें तो इस तरह का नेट का क्रॉप टॉप अपनी वॉर्डरोब में शामिल कर सकती हैं।

हाई लो टॉप

हाई लो टॉप के साथ आप गर्मियों को और भी अच्छे से एंजॉय कर सकती हैं। कैजुअल आउटिंग्स के लिए इसे कैरी कर सकती है। इसके साथ आप स्टाइलिश पैंट पहन सकती हैं। यह नाइट पार्टी के लिए स्टाइलिंग का एक बेहतरीन आईडिया है।

ऑफ शोल्डर टॉप

अगर आप फैशन ट्रेंड्स पर नजर रखते हैं तो जानते ही होंगे कि ऑफ शोल्डर समर टॉप काफी चलन में हैं। एक्ट्रेस हिना खान का यह टॉप एकदम समर वाइब्स देगा। शॉर्ट स्कर्ट या फिर जीन्स के साथ इसे कैरी कर कोई भह क्लासी लुक पा सकता है।

फ्लोरल टॉप

स्टाइल में अगर फ्लोरल टच को ऐड किया जाए तो लुक अधिक एलीगेंट लगता है। लाइटवेट और सॉफ्ट होने के कारण फ्लोरल टॉप एकदम परफेक्ट ऑप्शन है। अ ल ग - अ ल ग बॉटम वियर के साथ इसके पहनकर आप अपनी लुक को और भी बेहतरीन बना सकती हैं।

काफ्तान टॉप्स

हर मौसम में काफ्तान टॉप्स आपके लिए एक बेहतरीन विकल्प साबित हो सकता है। इससे इंडियन से लेकर इंडो-वेस्टर्न व वेस्टर्न लुक क्रिएट किया जा सकता है। इसके अलावा, इन्हें पार्टीज में भी कैरी किया जा सकता है। जींस के साथ अपने रेगुलर टॉप को काफ्तान टॉप के साथ स्विच करने पर आपका लुक एकदम से बदल जाएगा।

सरकारी नौकरी

पश्चिम रेलवे ने 5066 अप्रेंटिस के पदों पर निकाली भर्ती

रेलवे में नौकरी करने के इच्छुक उम्मीदवारों के अच्छी खबर है। हाल ही में रेलवे में अप्रेंटिस के पदों पर पश्चिम रेलवे भर्ती करेगा। रेलवे रिक्रूटमेंट सेल, पश्चिमी रेलवे ने अप्रेंटिस के 5066 पदों पर भर्ती निकाली है। जिसमें फिटर, वेल्डर, कारपेंटर, पेंटर, टर्नर, इलेक्ट्रीशियन समेत कई ट्रेड्स के अप्रेंटिस के पद पर नियुक्ति की जाएगी। वे उम्मीदवार जिन्होंने वेल्डर, फिटर, इलेक्ट्रीशियन, टर्नर, पेंटर आदि ट्रेड से आईटीआई की है, वे इस पद के लिए आवेदन कर सकते हैं। यह भी बता दें कि इस भर्ती के लिए उम्मीदवारों को कोई लिखित परीक्षा और इंटरव्यू नहीं देना होगा। अप्रेंटिस के पदों के लिए इच्छुक उम्मीदवार आरआरसी पश्चिमी रेलवे की आधिकारिक वेबसाइट rrc-wr.com पर जाकर आवेदन कर सकते हैं। इन पदों के लिए ऑनलाइन आवेदन करने की अंतिम तिथि 22 अक्टूबर 2024 है।

आवेदन शुल्क : पश्चिम रेलवे में अप्रेंटिस के पदों के लिए आवेदन करने के लिए उम्मीदवारों को 100 रुपये आवेदन शुल्क जमा करना होगा। हालांकि एससी, एसटी और महिला उम्मीदवारों को कोई शुल्क जमा नहीं करना होगा।

शैक्षणिक योग्यता : उम्मीदवारों को कम से कम 50 प्रतिशत अंकों के साथ 10वीं पास होनी चाहिए। साथ पद से संबंधित ट्रेड में आईटीआई सर्टिफिकेट होना चाहिए।

आयुसीमा : उम्मीदवारों की न्यूनतम आयु 15 वर्ष और अधिकतम आयु 24 वर्ष होनी चाहिए। हालांकि अ धि क त म आयुसीमा में ओबीसी वर्ग के लिए तीन वर्ष की छूट दी जाएगी। वहीं एससी, एसटी वर्ग के उम्मीदवारों के लिए पांच वर्ष और दिव्यांगों को दस वर्ष की छूट दी जाएगी।

चयन प्रक्रिया :नियुक्तियां फिटर, वेल्डर, कारपेंटर, पेंटर, टर्नर, इलेक्ट्रिशियन समेत कई ट्रेड्स के लिए की जाएंगी। भर्ती 10वीं कक्षा व आईटीआइ कोर्स में प्राप्त मार्क्स के आधार पर होगी। इसी मेरिट के आधार पर उम्मीदवारों का चयन होगा। मेरट 10वीं और आईटीआइ के नंबर के आधार पर तय की जाएगी। दोनों कक्षाओं का 50-50 फीसदी का

कैबिनेट सचिवाल में डिप्टी फील्ड ऑफिसर की भर्ती वेतन 95000 तक; इंजीनियरिंग वाले तुरंत भरें फॉर्म

कैबिनेट सचिवाल में डिप्टी फील्ड ऑफिसर (तकनीकी) के पदों पर भर्ती निकाली गई है। इस भर्ती अभियान के तहत कुल 160 पदों पर भर्ती की जाएगी। खास बात यह है कि भर्ती गेट परीक्षा के स्कोर के आधार पर की जाएगी। इच्छुक उम्मीदवार 21 अक्तूबर, 2024 तक इस भर्ती के लिए आवेदन कर सकते हैं।

इस भर्ती के लिए आवेदन प्रक्रिया ऑफलाइन है। इसलिए इच्छुक उम्मीदवारों को अपना आवेदन पत्र भरकर अंतिम तिथि से पहले Post Bag No. 001, Lodhi Road Head Post Office, New Delhi-110003 पते पर सामान्य डाक से भेजना होगा।

रिक्ति विवरण

इस भर्ती अभियान के तहत डिप्टी फील्ड ऑफिसर के कुल 160 पदों पर भर्ती की जाएगी। इसमें कंप्यूटर साइंस/इंफोर्मेशन टेक्नोलॉजी के 80 पद और इलेक्ट्रॉनिक्स/कम्युनिकेशन के 80 पद शामिल हैं।

पात्रता मानदंड

बीई या बीटेक या एमएससी। संबंधित विषय में मान्य गेट स्कोर

कंप्यूटर साइंस व इंफोर्मेशन टेक्नोलॉजी - सीएस

इलेक्ट्रॉनिक्स एंड कम्युनिकेशन - ईसी

आवेदन करने वाले उम्मीदवारों के लिए अधिकतम आयुसीमा 30 वर्ष निर्धारित है। एससी/एसटी और ओबीसी श्रेणी से संबंधित उम्मीदवारों के लिए आयुसीमा में क्रमशः पांच और तीन वर्ष की छूट लागू है।

चयन प्रक्रिया

योग्य उम्मदवारों का चयन गेट परीक्षा में प्राप्त स्कोर के आधार पर किया जाएगा। उसके बाद, चयनित उम्मीदवारों को साक्षात्कार के लिए बुलाया जाएगा। अगला चरण दस्तावेज सत्यापन का होगा।

अंत में मेडिकल जांच के बाद योग्य उम्मीदवारों की नियुक्ति होगी। नियुक्ति होने पर लेवल-7 के तहत 95,000 तक वेतनमान दिया जाएगा। विस्तृत विवरण के लिए रोजगार समाचार के 21-27 सितंबर के संस्करण में या आधिकारिक वेबसाइट cabsec.gov.in. पर अधिसूचना देखें।

'होटल इंडस्ट्री' सबसे अधिक रोजगार देने वाला क्षेत्र बना

वर्ष 2020 में शुरू हुई कोरोना वायरस महामारी से प्रभावित होने के पश्चात हॉस्पिटैलिटी इंडस्ट्री ने एक बार फिर रफ्तार पकड़ी है। इसमें तेजी आई है और माना जा रहा है कि आने वाले समय में इस क्षेत्र में बड़े पैमाने पर करियर के मौके पैदा होंगे।

आने वाले दिनों में इस इंडस्ट्री को सबसे अधिक रोजगार देने वाले क्षेत्र के रूप में देखा जा रहा है। अनुमान है कि वर्ष 2027 तक भारत में तीन करोड़ से भी ज्यादा अंतर्राष्ट्रीय पर्यटक पहुंचेंगे, जिसके चलते होटल और रैस्टोरैंट के क्षेत्र में करियर की संभावनाएं बढ़ेंगी।

कोरोना के बाद छात्रों को कांटैक्ट लैस हॉस्पिटैलिटी सर्विस देने का अभ्यास कराया जा रहा है। इसमें इम्युनिटी बढ़ाने वाले व्यंजनों की जानकारी, कॉटैक्ट लैस चैक-इन से लेकर चैक-आऊट की जानकारी, हाऊसकीपिंग, फ्रंट ऑफिस व कमरों का सैनिटाइजेशन भी सिखाया जा रहा है। जायकेदार खाना बनाने की कला के जरिए आप एक छोटे लोकल पब से लेकर फाइव स्टार या फिर इंटरनैशनल होटल में अपनी जगह बना सकते हैं। बस बनाना है ऐसा खाना कि सामने वाला सिर्फ खाना ही नहीं, बल्कि अपनी उंगलियां भी चाटता रह जाए।

अगर आपका इंट्रेस्ट कुकिंग, बेकिंग और लजीज खाना बनाने में है, अगर आप डिफरैंट डिशेज के साथ एक्सपेरिमेंट करना पसंद करते हैं तो एक नया करियर ऑप्शन आपके इंतजार में है। होटल मैनेजमेंट में इन दिनों करियर बनाने के कई ऑपशन मौजूद हैं।

कोर्स एवं अवसर

बी.एस.सी. इन हॉस्पिटैलिटी एंड होटल एडमिनिस्ट्रेशन, डिप्लोमा इन कुकरी, क्राफ्टसमैनशिप कोर्स इन फूड एंड बेवरेज सर्विस मैनेजमेंट, सर्टीफिकेट कोर्स इन कुकरी सर्टीफिकेट कोर्स इन कुकरी फॉर होम मेकिंग, डिप्लोमा इन बेकरी एंड कंफैक्शनरी जैसे ढेरों कोर्स कर करियर बनाया जा सकता है।

सबसे अहम है कि आप फूड एंव बेवरेज डिवीजन सर्विस के अलावा बतौर शैफ बनकर अपने करियर को रौशन कर सकते हैं। मुख्य तौर पर होटल, रेस्तरां, क्रूज, टूरिज्म एसोसिएशन एयरलाइन कैटरिंग और केबिन सर्विस, क्लब मैनेजमेंट, लॉज, गैस्ट हाऊस भी होटल मैनेजमैंट पासआऊट प्रोफैशनल्स ही चलाते हैं।

बेकर्स के लिए भी जॉब ऑपशंस की कमी नहीं है। बेकरी, हॉट ब्रेड शॉप, डिपार्टमेंटल स्टोर्स, होटल और कैफे में भी बेकर्स की काफी डिमांड है।

पूरी दुनिया में टूरिज्म और एविएशन ने होटल बिजनैस के लिए अवसरों को बहुत बड़ा बना दिया है। आने वाले समय में होटल इंडस्ट्री में जॉब की कमी नहीं होगी। इसके अलावा आप धीरे-धीरे खुद का होटल, बेकरी शॉप, रेस्तरां या फिर कैटरिंग बिजनैस भी शुरू कर सकते हैं।

योग्यता

इस फील्ड में सर्टीफिकेट कोर्स, डिप्लोमा व डिग्री कर सकते हैं। इन पाठ्यक्रमों में एडमिशन के लिए किसी भी मान्यता प्राप्त बोर्ड या विश्वविद्यालय से 12वीं या स्नातक होना जरूरी है। 12वीं में अंग्रेजी एक अनिवार्य विषय के रूप में पढ़ी होनी चाहिए।

इस इंडस्ट्री में कामयाब होने के लिए कुछ व्यक्तिगत गुणों का होना भी जरूरी है, जैसे मृदुभाषी होना। द्विभाशी (अंग्रेजी, हिन्दी) ज्ञान हो तो और भी बेहतर। बेहतर पर्सनैलिटी, सुनने-समझने की अच्छी आदत, समस्याओं को सुलझाने की योग्यता, लीडरशिप और मैनेजीरियल स्किल भी बेहद जरूरी हैं।

प्रमुख संस्थान

नैशनल काऊंसिल फॉर होटल मैनेजमेंट एंड कैटरिंग टैक्नोलॉजी, नोएडा www.nchm.nic.in इग्नू, मैदान गढ़ी, नई दिल्ली www.ignou.ac.in लक्ष्य भारती इंटरनैशनल होटल मैनेजमेंट संस्थान, नई दिल्ली www.lbiim.com कुरूक्षेत्र विश्वविद्यालय, कुरूक्षेत्र, हरियाणा।।

पीएम मोदी के अमेरिकी दौरे के दौरान जो बाइडेन ने निभाया वादा

भारत को वापस मिले 4000 साल पुराने 297 एंटीक्स

नई दिल्ली, 22 सितंबर (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इस समय अमेरिका की यात्रा पर हैं और वहां उन्होंने अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन से मुलाकात कर ली है। ठीक इसी समय अमेरिका और भारत के गहरे संबंधों को ध्यान में रखते हुए अमेरिका ने भारत के 297 एंटीक्स (पुरावशेष) या एंटीक्विटीज को लौटाने का इंतजाम कर लिया है। अमेरिका के भारत से चोरी या तस्करी की गई 297 पुरावशेषों की वापसी के वादे के तहत भारत की इन सांस्कृतिक संपत्ति को जल्द ही वापस लाया जाएगा।

4000 साल पुराने हैं ये एंटीक्स (पुरावशेष)

ये पुरावशेष 4000 सालों की बीच के समय के हैं और 2000 BCE (ईसा पूर्व) से 1900 सदी के दौरान के हैं. ये वस्तुएं भारत के कई हिस्सों की हैं और ज्यादातर पुरावशेष पूर्वी भारत की टेराकोटा कलाकृतियां हैं. इनके अलावा दूसरी पत्थर, मेटल, लकड़ी और हाथीदांत से बनी हैं और देश के अलग-अलग हिस्सों से चुराई या तस्करी की गई थीं.

पीएम मोदी और अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन ने देखी एक्जीबिशन

पीएम नरेंद्र मोदी की अमेरिका यात्रा के दौरान यूएस के

विलमिंगटन, डेलावेयर में उनकी बैठक के मौके पर प्रधान मंत्री और राष्ट्रपति बाइडेन को कुछ चुनिंदा टुकड़े दिखाए गए. प्रधानमंत्री ने इन कलाकृतियों की वापसी में सहयोग के लिए अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन को धन्यवाद दिया. पीएम मोदी ने कहा कि ये भारत की ऐतिहासिक संस्कृति का हिस्सा होने के साथ इसकी सभ्यता और चेतना के आंतरिक केंद्र का निर्माण करती थीं.

केंद्र सरकार के संस्कृति मंत्रालय के साथ तालमेल बिठाकर वापस लाई जा रही भारत की कीमती वस्तुएं

ये फैसला इस साल पहले ही हो गया था जब 2024 के जुलाई में एक कल्चरल प्रॉपर्टी एग्रीमेंट (सांस्कृतिक संपत्ति समझौते) पर दोनों देशों ने साइन कर लिया था. अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन और भारत के प्रधान मंत्री नरेंद्र न जून 2023 में उनकी बैठक के बाद संयुक्त वक्तव्य में इसकी जानकारी दी थी. भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण के सहयोग के बाद इसे अमेरिका के ब्यूरो ऑफ एजुकेशनल और कल्चरल अफेयर्स ने भारत सरकार के संस्कृति मंत्रालय के साथ तालमेल बिठाकर इन प्राचीन मूर्तियों, कलाकृतियों और अभिलेखों को भारत को वापस करने का इंतजाम कर दिया है.

भारत को वापस दिए जा रहे खास एंटीक्विटीज को जानें

10-11वीं शताब्दी ईसा पूर्व की मध्य भारत की बलुआ पत्थर की अप्सरा 15-16वीं सदी के मध्य भारत के ब्रॉन्ज से बने जैन तीर्थंकर पूर्वी भारत से तीसरी-चौथी शताब्दी के टेराकोटा फूलदान पहली शताब्दी ईसा पूर्व-पहली शताब्दी से जुड़ी दक्षिण भारत की पत्थर की मूर्ति 17-18वीं सदी के दक्षिण भारत के कांस्य में भगवान गणेश 15-16वीं सदी के उत्तर भारत के बलुआ पत्थर से बनी भगवान बुद्ध की खड़े अवतार की मूर्ति 17-18वीं सदी के पूर्वी भारत से कांस्य में भगवान विष्णु 2000-1800 ईसा पूर्व की उत्तर भारत की तांबे की मानवरूपी आकृति 17-18वीं सदी के दक्षिण भारत के कांसे से बने भगवान कृष्ण, दक्षिण भारत के ग्रेनाइट से बने भगवान कार्तिकेय जो 13-14वीं शताब्दी ईसा पूर्व के हैं

भारत-अमेरिका के गहरे संबंधों के बीच 578 कलाकृतियां आई वापस

साल 2016 के बाद से अमेरिकी सरकार ने बड़ी संख्या में भारत से स्मगलिंग या चोरी हुए पुरावशेषों को लौटाया है.

देखिए खास आंकड़े-जून 2016 में पीएम मोदी की यूएसए यात्रा के समय 10 पुरावशेष लौटाए सितंबर 2021 में पीएम मोदी की यूएसए यात्रा के दौरान 157 पुरावशेष वापस लौटाने का प्रबंध हुआ पिछले साल जून में पीएम मोदी की यूएसए यात्रा के दौरान 105 पुरावशेष वापस मिले साल 2016 से अमेरिका से भारत लौटी सांस्कृतिक कलाकृतियों की कुल संख्या 578 है जो किसी भी देश की भारत को लौटाई गई सांस्कृतिक कलाकृतियों की सबसे बड़ी संख्या है।

2032 तक 10 लाख करोड़ डॉलर होगी देश की जीडीपी

आईआईपी में अमेरिका, चीन, जर्मनी, जापान छूटेंगे पीछे

नई दिल्ली, 22 सितंबर (एजेंसियां)। देश की अर्थव्यवस्था 2032 तक बढ़कर 10 लाख करोड़ डॉलर तक पहुंच जाएगी। अगले छह वर्षों तक हर 18वें महीने में इसमें एक लाख करोड़ डॉलर की बढ़त होगी। आईडीबीआई कैपिटल ने शनिवार को जारी रिपोर्ट में कहा, 2030 तक भारत तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था के रूप में उभरेगा।

6 साल तक हर 18वें महीने 1 करोड़ डॉलर की वृद्धि की उम्मीद

रिपोर्ट के अनुसार, देश की तेज वृद्धि मुख्य रूप से विनिर्माण क्षेत्र के दम पर होगी। यह क्षेत्र सकल मूल्यवर्धित (जीवीए) में 32 फीसदी का योगदान कर सकता है। मेक इन इंडिया जैसी प्रमुख पहलों से देश की विनिर्माण क्षमताओं को बढ़ाने और भारत को वैश्विक विनिर्माण केंद्र के रूप में स्थापित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने की उम्मीद है।

तेजी से विकास के लिए देश तैयार है

रिपोर्ट के मुताबिक, कोरोना महामारी के कारण अर्थव्यवस्था को बढ़ने में थोड़ी देरी हुई। इससे 2024 के अंत तक चार लाख करोड़ डॉलर तक पहुंचने की समयसीमा बढ़ गई, लेकिन अब आने वाले वर्षों में तेजी से विकास के लिए देश तैयार है।

आईआईपी में शीर्ष पांच देशों से आगे होगा भारत

रिपोर्ट के मुताबिक, भारत औद्योगिक उत्पादन सूचकांक (आईआईपी) में अमेरिका, चीन, जर्मनी, दक्षिण कोरिया व जापान जैसे देशों को पछाड़कर विनिर्माण के क्षेत्र में अग्रणी वैश्विक अर्थव्यवस्थाओं से आगे निकल जाएगा।

मस्क, अडानी, जकरबर्ग... 10 साल में दुनिया को मिलेंगे 10 ट्रिलियनेर, मुकेश अंबानी का नंबर कब आएगा?

नई दिल्ली,22 सितंबर (एजेंसियां)। अमीरों की दौलत तेजी से बढ़ रही है और माना जा रहा है कि साल 2027 तक दुनिया को पहला ट्रिलियनेर मिल सकता है। एक रिपोर्ट के मुताबिक यह ताज सबसे पहले एलन मस्क के सिर पर सज सकता है। साल 2027 तक उनकी नेटवर्थ एक ट्रिलियन डॉलर पहुंच सकती है। अगले 10 साल में दुनिया को 10 ट्रिलियनेर मिल सकते हैं। इसमें भारत के दो रईस मुकेश अंबानी और गौतम अडानी भी शामिल हो सकते हैं। यह कैल्कुलेशन 2017 से 2024 के बीच इन अरबपतियों की नेटवर्थ में आई तेजी पर आधारित है। इसके मुताबिक गौतम अडानी 2028 में ही ट्रिलियनेर बन सकते हैं जबकि मुकेश अंबानी को उसने पांच साल बाद यह मुकाम हासिल हो सकता है। इन्फॉर्मा कनेक्ट अकादमी की एक स्टडी के मुताबिक टेस्ला, स्पेसएक्स और एक्स जैसी कई कंपनियों को चला रहे मस्क की नेटवर्थ सालाना 110% की औसत रफ्तार से बढ़ रही है। इसके मुताबिक 2027 तक उनकी नेटवर्थ चार गुना से ज्यादा बढ़ जाएगी। ब्लूमबर्ग बिलिनेयर मस्क अभी 256 अरब डॉलर के साथ दुनिया के सबसे बड़े रईस हैं। वहीं अडानी 103 अरब डॉलर के साथ दुनिया के अमीरों की लिस्ट में 14वें नंबर पर हैं।

अडानी 2028 में ट्रिलियनेर बन सकते हैं। लेकिन इसके लिए उनकी नेटवर्थ में सालाना औसतन 123% की तेजी जारी रहनी चाहिए।रिपोर्ट के मुताबिक एआई चिप बनाने वाली कंपनी एनवीडिया के सीईओ जेंसन हुआंग और इंडोनेशिया के सबसे बड़े रईस प्राजोगो पेंगेस्तू भी 2028 तक ट्रिलियनेर क्लब में शामिल हो सकते हैं। पेंगेस्तू अभी 29.1 अरब डॉलर की नेटवर्थ के साथ दुनिया के अमीरों की लिस्ट में 61वें नंबर पर हैं। फ्रांसीसी कारोबारी बर्नार्ड अरनॉल्ट साल 2030 तक ट्रिलियनेर बन सकते हैं। उसी साल फेसबुक की पेरेंट कंपनी मेटा के सीईओ मार्क जकरबर्ग और नाइकी को को-फाउंडर फिल नाइट भी ट्रिलियनेर क्लब का हिस्सा बन सकते हैं। नाइट अभी 37.5 अरब डॉलर की नेटवर्थ के साथ दुनिया के अमीरों की लिस्ट में 42वें स्थान पर हैं।2033 में अंबानी और माइकल डेल इस क्लब में शामिल होंगे जबकि 2034 में स्टीव बालमर को भी इस प्रतिष्ठित क्लब की सदस्यता मिल जाएगी।

नहीं मिल पा रहे आईपीओ में शेयर

ये रास्ता चुनने लगे रिटेल इन्वेस्टर, आप भी अपना सकते हैं ट्रिक

नई दिल्ली, 22 सितंबर (एजेंसियां)। शेयर बाजार में इन दिनों ताबड़तोड़ आईपीओ लॉन्च हो रहे हैं और उन्हें जम कर रिस्पॉन्स मिल रहा है. खास तौर पर आईपीओ के प्रति खुदरा निवेशकों का रुझान जबरदस्त तरीके से तेज हुआ है. हालांकि ज्यादातर खुदरा निवेशकों को आईपीओ में शेयर अलॉट नहीं होने की शिकायत रहती है. इसके लिए खुदरा निवेशक तरह-तरह के तिकड़म भिड़ाने में लगे रहते हैं, ताकि उन्हें भी आईपीओ में शेयर अलॉट हो जाएं.

ये तिकड़म भिड़ा रहे हैं खुदरा निवेशक

मनी कंट्रोल की एक रिपोर्ट के अनुसार, आईपीओ में शेयर मिलने के चांस को बढ़ाने के लिए खुदरा निवेशक शेयरहोल्डर की कैटेगरी पर फोकस कर रहे हैं. दरअसल बाजार में पहले से लिस्टेड कई कंपनियां अपनी सब्सिडियरी के आईपीओ लॉन्च कर रही हैं. उदाहरण के लिए हाल ही में लॉन्च हुआ बजाज हाउसिंग फाइनेंस आईपीओ और कुछ समय पहले आया टाटा टेक्नोलॉजी आईपीओ. बजाज समूह से बजाज फाइनेंस और बजाज फिनसर्व पहले से बाजार में लिस्टेड हैं. टाटा समूह की टीसीएस समेत कई कंपनियां बाजार में मौजूद हैं.

शेयरहोल्डर्स के लिए रिजर्व कैटेगरी

इस तरह के आईपीओ में समूह की कंपनियों के शेयरहोल्डर्स के लिए एक हिस्सा आरक्षित रखा जाता है. मतलब यह आरक्षित हिस्सा वैसे इन्वेस्टर्स के लिए होते हैं, जिनके पास पहले से समूह की कंपनियों के शेयर होते हैं. बजाज हाउसिंग फाइनेंस के आईपीओ में भी ऐसा हुआ. इस तरह इस मामले में इन्वेस्टर पहले लिस्टेड कंपनियों के शेयर खरीदकर शेयरहोल्डर्स के रिकॉर्ड में अपना नाम दर्ज करा रहे हैं.

चीन से भाग रहीं अमेरिकी कंपनियां, लाखों करोड़ रुपये के साथ भारत को बनाएंगी अपना नया घर

नई दिल्ली, 22 सितंबर (एजेंसियां)। अमेरिका और चीन में लंबे समय से ट्रेड वॉर चलती आ रही है. इसके चलते दोनों देशों के कारोबारी संबंध तनाव में ही रहते हैं. इसके अलावा चीन की इकोनॉमी भी भी आर्थिक सुस्ती के दौर से गुजर रही है. वहीं, पिछले कुछ सालों में भारत और अमेरिका के कारोबारी और राजनीतिक रिश्ते मधुर होते जा रहे हैं. ऐसे में अब चीन में अपना कारोबार फैलाकर बैठीं अमेरिकी कंपनियां नए रस्ते तलाशना चाहती हैं. उन्हें चीन के बाद सबसे उपयुक्त देश भारत लग रहा है. एक रिपोर्ट के अनुसार, जल्द ही 15 से ज्यादा अमेरिकी कंपनियां भारत को अपना नया घर बना सकती हैं. ये अपने साथ लाखों करोड़ रुपये का

निवेश भी लेकर आएंगी. इससे भारत में न सिर्फ विदेशी निवेश बढ़ेगा बल्कि लाखों रोजगार भी पैदा होने की पूरी संभावना है.

करीब 15 कंपनियां भारत जाने की इच्छुक

यूएस चैम्बर ऑफ कॉमर्स की रिपोर्ट के अनुसार, अमेरिकी कंपनियों में चीन से बाहर निकलने की इच्छा तेज होती जा रही है. लगभग 50 कंपनियां इस बारे में अपना मन बना चुकी हैं. इन्होंने चीन में करीब 12 लाख करोड़ रुपये का निवेश किया हुआ है. इनमें से लगभग 15 अपना कारोबार भारत ले जाना चाहती हैं. इस रिपोर्ट में 306 कंपनियों को शामिल किया गया था.

लिस्ट में 5वें से दूसरे नंबर पर आया भारत

रिपोर्ट में दावा किया गया है कि निवेशकों को अब मेक्सिको, अमेरिका और यूरोप की तुलना में भारत ज्यादा पसंद आ रहा है. निवेशकों की पसंद पर आधारित इस रिपोर्ट में पिछले साल भारत 5वें नंबर पर रहा था. इस साल भारत दूसरे नंबर पर आ गया है. पहले नंबर पर दक्षिण पूर्व एशिया क्षेत्र है. इंडोनेशिया, सिंगापुर और मलेशिया अब भी निवेशकों की पहली पसंद बना हुआ है।

टाटा की कंपनी ने बनाया नुकसान का रिकॉर्ड, 5 दिन में डूबे 86 हजार करोड़

नई दिल्ली, 22 सितंबर (एजेंसियां)। भले ही लगातार दूसरे हफ्ते देश की टॉप 10 कंपनियों में कुछ कंपनियों का प्रदर्शन काफी शानदार देखने को मिला और करीब 2 लाख करोड़ रुपए की कमाई कर ली. लेकिन टाटा ग्रुप कर टीसीएस इस हफ्ते सबसे ज्यादा फोकस इसलिए रही क्योंकि कंपनी ने नुकसान का रिकॉर्ड कायम कर लिया. इस पूरे हफ्ते जिन इंडीविजुल कंपनियों को फायदा नहीं हुआ. उससे कहीं ज्यादा नुकसान हो गया.आंकड़ों के अनुसार देश की सबसे बड़ी आईटी कंपनी टीसीएस को इस हफ्ते में करीब 86 हजार करोड़ रुपए का नुकसान हो गया. शेयर बाजार में टॉप 10 कंपनियों में से 4 कंपनियों को नुकसान हुआ. जिसमें टीसीएस के अलावा इंफोसिस, एलआईसी और एसबीआई भी शामिल है. इन चारों को कुल 1,24,143.66 करोड़ रुपए का नुकसान हुआ है.वहीं दूसरी ओर सेंसेक्स की टॉप 10 सबसे मूल्यवान कंपनियों में से छह के मार्केट कैप में बीते सप्ताह सामूहिक रूप से 1,97,734.77 करोड़ रुपए का उछाल आया. सबसे अधिक लाभ आईसीआईसीआई बैंक और एचडीएफसी बैंक को हुआ. पिछले सप्ताह बीएसई का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स 1,653.37 अंक या 1.99 फीसदी के लाभ में रहा. शुक्रवार को सेंसेक्स 1,359.51 अंक या 1.63 फीसदी बढ़कर 84,544.31 अंक के अपने लाइफ टाइम हाई पर पहुंच गया.

क्या वोडाफोन-आइडिया की डूबती नैया को किनारे ले जाएगी ये डील? 30,000 करोड़ का है मामला

नई दिल्ली, 22 सितंबर (एजेंसियां)। कर्ज के बोझ से दबी टेलीकॉम कंपनी वोडाफोन आइडिया (वीआईएल) ने 4जी और 5जी नेटवर्क उपकरणों की आपूर्ति के लिए नोकिया, एरिक्सन और सैमसंग को 30,000 करोड़ रुपए का कॉन्ट्रैक्ट दिया है. कंपनी ने बताया कि यह कॉन्ट्रैक्ट तीन साल के लिए हुआ है. कंपनी ने इससे पहले तीन साल में 6.6 अरब डॉलर यानी 55,000 करोड़ रुपए के कैपिटल एक्सपेंडिचर की घोषणा की थी. यह सौदा इस दिशा में पहला कदम है. कंपनी ने बयान में कहा कि वोडाफोन आइडिया ने नोकिया, एरिक्सन और सैमसंग के साथ तीन साल की अवधि में नेटवर्क उपकरणों की आपूर्ति के लिए करीब 3.6 अरब डॉलर (करीब 30,000 करोड़ रुपए) का एक बड़ा सौदा किया है.

क्या है कंपनी का टार्गेट?

बयान में कहा गया है कि इस कैपिटल एक्सपेंडिचर कार्यक्रम का

लक्ष्य 4जी आबादी के दायरे को 1.03 अरब से बढ़ाकर 1.2 अरब करना, प्रमुख बाजारों में 5जी सेवा शुरू करना और डेटा की वृद्धि के अनुरूप क्षमता का विस्तार करना है. इन नए दीर्घकालिक ठेकों के तहत आपूर्ति आगामी तिमाही में शुरू होगी. बयान में कहा गया है कि 1.2 अरब भारतीयों तक 4जी सेवा (कवरेज) का विस्तार कंपनी की शीर्ष प्राथमिकता है. अब यहां सवाल ये है कि क्या इससे कंपनी की डूबती नैया पार लगेगी? क्योंकि कंपनी के शेयर में आई गिरावट इस ओर इशारा नहीं कर रहे हैं.

20 फीसदी नीचे आया स्टॉक

बता दें कि वोडाफोन और आइडिया का जब मर्जर हुआ था, तब वह देश की सबसे बड़ी टेलीकॉम कंपनी बन चुकी थी. लेकिन अब उसकी जो हालत है, उसके बारे में सबको पता है. कुछ ऐसी ही हालत कंपनी के शेयर की भी है, जो बीते दो ट्रेडिंग सेशन में 20 प्रतिशत से ज्यादा गिर गया. अभी कंपनी के शेयर का बंद भाव करीब 10 रुपए है.वोडाफोन-आइडिया के शेयर में हालिया गिरावट की बड़ी वजह सुप्रीम कोर्ट का एक फैसला है. कंपनी ने एडजस्टेड ग्रॉस रेवेन्यू (एजीआर) के मामले में सुप्रीम कोर्ट में एक क्यूरेटिव याचिका दाखिल थी, लेकिन सुप्रीम कोर्ट ने उसकी दलील मानने से इंकार कर दिया. इसके बाद अब वोडाफोन आइडिया को सरकार का करीब 70,300 करोड़ रुपए का बकाया चुकाना पड़ेगा. एजीआर बकाया को लेकर कंपनी का खुद का एस्टीमेट ही करीब 35,400 करोड़ रुपए का है.वोडाफोन आइडिया पहले से कर्ज के भारी बोझ में दबी हुई है।

स्पाइसजेट-बोर्ड ने 48.7 करोड़ शेयर जारी करने की मंजूरी दी

61.60 प्रति शेयर होगा इश्यू प्राइस, पेड-अप इक्विटी शेयर कैपिटल बढ़कर 1,281 करोड़ हुई

मुंबई,22 सितंबर (एजेंसियां)। स्पाइसजेट का 16 सितंबर को ओपन हुआ 3,000 करोड़ रुपए का क्यूआईपी 20 सितंबर को क्लोज हो गया है। कंपनी ने एक्सचेंज फाइलिंग में बताया है कि उसने क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स को 61.60 रुपए प्रति शेयर के इश्यू प्राइस पर 48.7 करोड़ (48,70,12,986) शेयरों का एलोकेशन मंजूर किया है। क्यूआईपी के लिए फ्लोर प्राइज 64.79 रुपए प्रति शेयर रखा गया था।

अब कंपनी की पेड अप इक्विटी शेयर कैपिटल बढ़कर 1,281 करोड़ (12,81,68,57,030) रुपए हो गई है, जो पहले 794 करोड़ (7,94,67,27,170) रुपए थी। क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स से क्यूआईपी के जरिए हासिल पैसों का इस्तेमाल कंपनी लेनदारों, पट्टेदारों, वेंडर्स और फाइनेंसर्स का बकाया सेटल करने के लिए करेगी। स्पाइसजेट के ऊपर 15 सितंबर तक बकाया 601.5 करोड़ रुपए था स्पाइसजेट के ऊपर 15 सितंबर तक बकाया 601.5 करोड़ रुपए था। कुल राशि में से 297.5 करोड़ रुपए टीडीएस से संबंधित है, 156.4 करोड़ रुपए कर्मचारियों के प्रोविडेंट फंड और 145.1 करोड़ रुपए जीएसटी से जुड़े हैं।

20 सितंबर को सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली हाई कोर्ट के आदेश को बरकरार रखा

20 सितंबर को सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली हाई कोर्ट के उस आदेश को बरकरार रखा। जिसमें स्पाइसजेट को 3 एयरक्राफ्ट इंजन का इस्तेमाल बंद करने का निर्देश दिया गया था। इंजन लीज पर देने वाली यानि लेसर्स को स्पाइसजेट की ओर से भुगतान में चूक के कारण यह निर्देश दिया गया था। 20 सितंबर को चीफ जस्टिस डी वाई चंद्रचूड़, जस्टिस जे बी पारदीवाला और जस्टिस मनोज मिश्रा की बेंच ने दिल्ली हाई कोर्ट के 11 सितंबर के फैसले के खिलाफ स्पाइसजेट की अपील खारिज कर दी। बेंच ने कहा, 'हम दखलंदाजी नहीं करेंगे। यह एक सही आदेश है।'पहले दिल्ली हाई कोर्ट की सिंगल जज बेंच ने 14 अगस्त को स्पाइसजेट को 3 एयरक्राफ्ट इंजन का इस्तेमाल 16 अगस्त तक बंद करने और उन्हें लेसर्स- टीम फ्रांस 01 एसएएस और सनबर्ड फ्रांस 02 एसएएस को सौंपने का आदेश दिया था।

दैनिक पंचांग

ग्रह गोचर

ग्रह स्थिति			लग्नारंभ समय		
सूर्य-	कन्या	मे	कन्या..	05-45	बजे
चंद्र-	वृष	मे	तुला...	07-52	बजे
मंगल	मिथुन	मे	वृश्चिक	10-01	बजे
बुध-	सिंह	मे	धनु-	12-14	बजे
गुरु-	वृष	मे	मकर...	14-17	बजे
शुक्र-	तुला	मे	कुंभ--	16-12	बजे
शनि-	कुंभ	मे	मीन-	17-49	बजे
राहु-	मीन	मे	मेष---	18-25	बजे
केतु-	कन्या	मे	वृष---	21-10	बजे
			मिथुन	23-10	बजे
			कर्क--	01-24	बजे
			सिंह---	03-38	बजे

श्री कालयुक्त संवत्सर-विक्रम संवत-2081
शक संवत- 1946 सूर्य -दक्षिणायन- ऋतु -शरद
महावीर निर्वाण संवत -2550,हिजरी सन् -1444
कलियुग अवधि-432000
भोग्य कलि वर्ष-426875
सूर्योदय - 06-08
सूर्यास्त. -18-09
कलियुग संवत् -5125 वर्ष,
कल्पारंभ संवत् -1972949125
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्-1955885125
दिशाशूल -- पूर्व - कांच मे मुंह देखकर घर से निकले
तिथि- षष्ठी 13-50 तक उपरान्त सप्तमी
मास - आश्विन कृष्ण , सोमवार 23 September
नक्षत्र - रोहिणी 22 -07 तक मृगशिरा
योग - सिद्धि 03-09 तक उप व्यतिपात
करण- वणिज 13-50 तक उप विष्टी
विशेष:- सप्तमी का श्राद्ध
व्रत -त्योहार - कन्या मे बुध - 10-11 से

विशेष:- राशिफल गृहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश क लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कुण्डली दिखाना चाहिए।

राहुकाल
07:37 से 09:07 तक

पं महेशचन्द्र शर्मा मो.9247132654,8309517693

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
अमृत	06:08 - 07:37	शुभ	चंचल.	18:09 - 19:40	शुभ
काल	07:37 - 09:07	अशुभ	रोग.	19:40 - 21:09	अशुभ
शुभ.	09:07 - 10:38	शुभ	काल.	21:09 - 22:39	अशुभ
रोग.	10:38 - 12:08	अशुभ	लाभ.	22:39 - 00:08	शुभ
उत्पात	12:08 - 13:39	अशुभ	उत्पात	00:08 - 01:38	अशुभ
चंचल	13:39 - 15:09	शुभ	शुभ.	01:38 - 03:07	शुभ
लाभ.	15:09 - 16:40	शुभ	अमृत	03:07 - 04:37	शुभ
अमृत	16:40 - 18:09	शुभ	चंचल	04:37 - 06:08	शुभ

आपका राशिफल

मेष चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, अ,
आपकी कोई ऐसी निजी घटना है जो आपको रोके हुए है और आपकी तरक्की की राह में बाधा बन रही है । अगर आप खुद को गंभीर मुसीबतों से बचाना चाहते हैं तो इन मुद्दों को सुलझा लें । अपने रिश्तों की महत्ता समझने की कोशिश करें , अपने प्रयासों को रिश्तों की अहमियत देखकर ही निर्धारित करें ।

वृष ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,
आज आप काल्पनिक से मूड में हैं । अलग अलग भूमिकाएं निभाने और कल्पनाओं में आपको बहुत मजा आता है । आप अपने लिए हर कहीं रोमांस ढूँढ लेते हैं । आपकी सपनों की एक दुनिया है जिसे आपको सच करने का मौका मिल सकता है । आप आज अपनी भावनाओं के वश में होकर संबंधों या करियर में कुछ असंभव सा हासिल करना चाहेंगे।

मिथुन का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, ह,
आज का दिन नई शुरुआत के लिए बिलकुल सही है । आप अपने आपको पीछे धकेलने वाली चीजों से आज मुक्त महसूस करेंगे । किसी नए अवसर में जिंदगी बदलने की क्षमता है लेकिन आपको उसे समय रहते पकड़ना होगा । समय रहते लिया गया निर्णयात्मक फैसला आपके लिए काफी महत्वपूरण एवं लाभकारी बदलाव ला सकता है ।

कर्क ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,
आज स्वयं को भौतिक चीजों के मोह में फंसा अनुभव करेंगे,लेकिन किसी भी वस्तु को इतना कसकर न पकड़ें । बहाव के साथ बहना ही उपयुक्त है,सहज बने रहें । जब तक आपको जवाब नही मिल जाते ,अपना नजरिया दृढ ही रखें । दुसरे स्थान पर शिफ्ट होने के बारे में भी सोच सकते हैं । इस बारे में दोस्तों और सहकर्मियों से बात करना सही रहेगा ।

सिंह मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,
आपका सकारात्मक दृष्टिकोण आपको सकारात्मक कदम उठाने के लिए ही प्रेरित करेगा । इससे आपको भविष्य में बहुत लाभ मिलेगा । अगर कोई आपसे उलझने की कोशिश करता भी है तो आप शांति बनाये रखें और दृढ़ता से अपनी बात सामने रखें । आज आपकी धार्मिक तथा रहस्य विज्ञान के कार्यों में रूचि बनेगी ।

कन्या टो पा पी पू ष ण ठ पे पो
आपको अपने कामों को पूरा करने के लिए बहुत कम साधन उपलब्ध होगें और इससे आपके काम में बाधा पहुचेगी । इससे परेशान न हों,आपको दिन के अंत तक अपनी पसंद का काम और साधन दोनों ही मिल जायेंगे । आप प्रकृति से ही मेहनती हैं और आप जिम्मेदारियों के साथ साथ स्वतंत्रता का भी आनंद लेंगे ।

तुला रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,
यदि आप आज थोड़े से धीरज और सहनशीलता के साथ काम लें तो आज का दिन आपके लिए बहुत अच्छा हो सकता है,लेकिन धीरज बनाये रखना ही सबसे बड़ी चुनौती है । समय भी आपको रेंगता सा अनुभव होगा और आप जिस गति से चाहते हैं,उससे काम नहीं हो पायेंगे । अगर आप जल्दी भी मचाएंगे तो सब गड़बड़ हो जाएगा ।

वृश्चिक तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,
आपकी जीभ तेज है और मस्तिष्क तार्किक है लेकिन आपकी यह योग्यता आज आपकी असुरक्षित प्रवृति के कारण प्रभावित होगी । हमेशा की तरह बहाव का विरोध करने के स्थान पर उसके साथ चलें । आपको अनुभव से काफी कुछ सीखने को मिल सकता है जबकि अभिमान से आपको कुछ नही मिलेगा ।

धनु ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे
आज का दिन आपके लिए विशेष हो सकता है । आपके दृष्टिकोण में आज कोई नया आयाम जुड़ेगा या आप किसी अपरिचित व्यक्ति के दृष्टिकोण से अत्यधिक प्रभावित होंगे । आपको यह सीख मिलेगी कि अपना भविष्य तय करने में तथा अपनी जिंदगी में फिलहाल चल रही समस्या से जूझने में सबसे महत्वपूर्ण भूमिका आप०को ही निभानी है ।

मकर भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी
आपने अपने लिए बहुत ऊँचे मानक तय किये हैं और आप इन्हें हासिल करने के लिए बहुत प्रयास कर रहे हैं । फिर भी लक्ष्य तक पहुंचना मुश्किल होगा और इससे आपको थोड़ी निराशा होगी । आपको लक्ष्य तय करने से पहले अपनी क्षमताएं ध्यान में रखनी होंगी । समय कोई बड़ा फैसला लेने के लिए उपयुक्त नही है ।

कुंभ गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,
पिछले कुछ समय से आप जिस असंतुष्टि के दौर से गुजर रहे हैं,अंतत अब उससे बाहर आ पायेंगे । आपको खुद ही पता चल जाएगा कि आपने जीवन में अपना उत्कृष्ट प्राप्त कर लिया है और अब अपने सपने पूरे करने के लिए भी कोशिश कर सकते हैं । आप यह भी समझ पायेंगे कि अपने काम और अपनी सेहत दोनों को बेहतर बनाने के लिए कुछ बदलाव करने जरूरी हैं ।

मीन दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची
कार्यस्थल पर कोई आपके खिलाफ चुपचाप काम कर रहा है लेकिन आज आपको इस बात का पक्का सबूत मिलने वाला है कि वह कौन है। लेकिन अभी इस आदमी से ना उलझें ,आपको केवल यह पता चल जाने से भी काफी मदद मिलेगी कि आपके खिलाफ कौन काम कर रहा है और आप अपने दुश्मनों को अपने रास्ते से हटाने में कामयाब रहेंगे ।

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र

विधायकों की पसंद नहीं थी आतिशी, केजरीवाल के वीटो से बनी सीएम

नई दिल्ली, 22 सितंबर (एक्सक्लूसिव डेस्क)। 17 सितंबर, सुबह के 11.30 बजे। दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल के घर विधायक दल की बैठक होनी थी। इसी में तय होना था कि केजरीवाल की जगह नया सीएम कौन होगा। तय वक्त पर विधायकों का आना शुरू हुआ। कुछ विधायक 11.40-45 बजे तक आते रहे। सबसे आखिर में आए सोमनाथ भारती। तब तक अरविंद केजरीवाल आतिशी के नाम का प्रस्ताव रख चुके थे। नाम सुनकर कुछ विधायकों ने सहमति में हां कहा, तो कुछ चुप रहे। तब मनीष सिसोदिया आगे बढ़े और बोले- 'आतिशी हमारी नई मुख्यमंत्री होंगी। क्या किसी को कोई एतराज है। हमें लगता है कि सब सहमत होंगे।'

ये बात सिसोदिया के साथ केजरीवाल ने मिलकर कही। मीटिंग में मौजूद सोर्स बताते हैं कि शब्दों में कुछ हेरफेर हो सकता है, पर 30 मिनट चली मीटिंग में यही हुआ। न नए सीएम के नाम पर चर्चा हुई, न सलाह मशविरा किया गया, बस फैसला सुना दिया गया।

सूत्र बताते हैं, 'अरविंद केजरीवाल के जेल से बाहर आने के बाद जो भी हुआ, उसके बारे में विधायकों को कुछ पता नहीं था। केजरीवाल जेल से निकलते ही इस्तीफा देंगे और नया सीएम चुनने का ऐलान करेंगे, विधायक दल की बैठक में किस नाम की घोषणा होगी, विधायक इन सबसे अनजान थे। बस टाइम दिया और कहा गया कि मीटिंग होगी। नए सीएम के नाम पर चर्चा होनी है।'

सोर्स ने जवाब दिया, 'क्या चर्चा होती है। हमें उम्मीद भी नहीं थी कि विधायक दल से कोई नाम मांगा जाएगा। हां, ये उम्मीद थी कि कम से कम रस्म अदायगी के लिए ही सही, 2-3 नामों की लिस्ट आएगी। फिर बाकी नाम काटकर एक नाम तय किया जाएगा। ऐसा कुछ भी नहीं हुआ।' सूत्र आगे कहते हैं, 'क्या 30 मिनट में दिल्ली के सारे विधायकों के हिस्से एक-एक मिनट भी नहीं था। बैठकें तो कई घंटे चलती हैं। एक घंटे की बैठक रखी जा सकती थी। दरवाजे के उस तरफ खड़े लोगों को भी लगता कि विधायकों से चर्चा हुई है। हालांकि हर पार्टी में ऐसा ही होता है। लीडर फैसला सुनाते हैं। हरियाणा में बीजेपी को ही देखिए।

क्या आतिशी के नाम पर विधायक राजी थे? इस सवाल पर सूत्र जवाब देते हैं, 'कुछ विधायकों ने हां कहा, बाकी चुप ही रहे। एतराज करने का कोई मतलब था नहीं। अब तक तो जिन्होंने एतराज किया, वे पार्टी से इस्तीफा देकर बाहर हो गए या फिर पार्टी ने उन्हें निकाल दिया। विधायकों ने अलग से कोई बैठक नहीं की। हां, कुछ नाम थे, जो विधायकों की पसंद थे। सौरभ भारद्वाज के पार्टी में सभी से अच्छे रिश्ते हैं।

उनके नाम पर किसी को एतराज नहीं था। कैलाश गहलोत अगर सीएम बनते, तो शायद एलजी से काम निकालने में आसानी होती। उनके रिश्ते भी सबसे ठीक ही हैं। हमें मीटिंग से एक मिनट पहले तक उम्मीद थी कि सौरभ या फिर गहलोत ही नए सीएम होंगे।'

सूत्र बताते हैं, 'सरकार और संगठन में किसकी क्या छवि है, टॉप लीडरशिप को न पता हो, ये कैसे हो सकता है। शायद कुछ महीनों के लिए टेंपरेरी सीएम के तौर पर आतिशी ठीक भी हैं। सभी को पता है कि सुपर सीएम कौन होगा। इसलिए बहुत फर्क नहीं पड़ता।'

सिसोदिया उन्हें ज्यादा पसंद करते हैं। हालांकि केजरीवाल के जेल में रहते हुए आतिशी और सौरभ भारद्वाज ने जिस तरह जिम्मेदारी संभाली, उससे सीएम को भी एतराज नहीं था। वैसे भी अगर परमानेंट सीएम चुनना होता, तो शायद कुछ लोग बोलते भी। इसे अस्थायी व्यवस्था मानकर सब चुप रहे।' ।

सौरभ भारद्वाज और गोपाल राय के बयान के मायने क्या हैं?

सीएम पद के लिए आतिशी का नाम तय होने के बाद सौरभ भारद्वाज ने कहा, 'ये बात मायने नहीं रखती कि सीएम की कुर्सी पर कौन बैठेगा। जनता ने तो केजरीवाल को चुना था। कुर्सी तो केजरीवाल की है और आगे भी रहेगी। सिर्फ चुनाव तक इस कुर्सी पर भरत की तरह राम की खड़ाऊं रखकर एक व्यक्ति बैठेगा। गोपाल राय ने बैठक से बाहर आकर कहा कि विषम परिस्थितियों में ये फैसला लेना पड़ा। ये जिम्मेदारी सौंपनी पड़ी। सौरभ भारद्वाज और गोपाल राय के बयान इशारा करते हैं कि आतिशी को पद देने के साथ ही हिदायत भी दे दी गई है कि वे सिर्फ कुछ महीनों के लिए सीएम हैं, सुपर सीएम तो केजरीवाल ही रहेंगे।

आतिशी

निजी जीवन

- जन्म- 8 जून 1981
- जन्म स्थान- दिल्ली
- पति- प्रवीण सिंह
- शिक्षा- इतिहास में मास्टर्स, ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी

राजनीतिक जीवन

- 2013: AAP जॉइन की। मैनिफेस्टो ड्राफ्टिंग कमेटी की मेंबर बनीं
- 2015: MP के खंडवा में जल सत्याग्रह में हिस्सा लिया
- खंडवा से AAP नेता आलोक अग्रवाल को सपोर्ट किया
- 2015-2018: तक पूर्व उप मुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया की एडवाइजर रहीं
- 2020: कालकाजी विधानसभा सीट से चुनाव लड़ा और जीता
- AAP की गोवा यूनिट की इन्चार्ज बनीं
- 2023: सिसोदिया की गिरफ्तारी के बाद कैबिनेट मंत्री बनीं
- महिला-बाल विकास, शिक्षा, बिजली, कला-संस्कृति, पर्यटन, PWD मंत्रालय की जिम्मेदारी

कभी योगेंद्र यादव-प्रशांत भूषण के कैंप में थीं आतिशी

लंबे समय तक आप में रहे और फिर पार्टी छोड़ने वाले एक नेता बताते हैं, 'आतिशी को अरविंद केजरीवाल ने ये जानकर मुख्यमंत्री बनाया है कि उनकी कुर्सी सेफ रहेगी। अब तक तो आतिशी ने मुख्यमंत्री का भरोसा नहीं तोड़ा है। हालांकि कभी केजरीवाल आतिशी से काफी नाराज थे। हुआ ये था कि योगेंद्र यादव और प्रशांत भूषण पार्टी से अलग हुए, तब आतिशी भी उनके खेमे में थीं। जल्द ही आतिशी को समझ आ गया कि ये लोग तो अपना करियर कुछ और करके बना लेंगे, लेकिन वह क्या करेंगी। आतिशी ने पाला बदला और केजरीवाल से माफी मांगी। वे कई महीने तक सचिवालय जाती रहीं, लेकिन केजरीवाल उन्हें बिना मिले ही लौटा देते थे। उस वक्त आतिशी और केजरीवाल के बीच मनीष सिसोदिया ने पुल का काम किया था। केजरीवाल ने आतिशी को माफ कर दिया। मनीष सिसोदिया जेल गए, तो उन्होंने अपना काम संभालने के लिए आतिशी का नाम आगे रखा। आतिशी ने ये जिम्मेदारी अच्छे से निभाई। केजरीवाल जेल गए तो आतिशी और सौरभ भारद्वाज ने अरविंद केजरीवाल का पक्ष बेबाकी से रखा। यही वजह है कि उन्हें इतनी बड़ी जिम्मेदारी मिली है।'

कैलाश गहलोत और सुनीता केजरीवाल क्यों चूके

अरविंद केजरीवाल के इस्तीफा देने और नया सीएम चुनने की घोषणा ने सबको चौंका दिया। पार्टी के विधायकों और नेताओं को भी अंदाजा नहीं था कि केजरीवाल क्या करने वाले हैं। नया सीएम चुनने की घोषणा के बाद बात होने लगी कि मुख्यमंत्री कौन बनेगा। लिस्ट में 4 नाम थे। कैलाश गहलोत, सौरभ भारद्वाज, सुनीता केजरीवाल, आतिशी। सीएम के नाम की घोषणा ने फिर सभी को चौंका दिया। लिस्ट में आखिरी नंबर पर चल रहीं आतिशी मुख्यमंत्री चुन ली गईं।

इसकी दो वजहें मानी गईं। पहला स्वाति मालीवाल केस के बाद बनी महिला विरोधी छवि बदलेगी। लोकसभा चुनाव के दौरान स्वाति मालीवाल के साथ सीएम हाउस में बदसलूकी की घटना हुई।

बीजेपी ने इस बहाने केजरीवाल सरकार को घेरा। केजरीवाल के पास महिला वोटर्स की बड़ी तादाद है। ऐसे में आम आदमी पार्टी को महिला विरोधी होने का टैग हटाना था। आतिशी को मुख्यमंत्री बनाकर वे हमलावर विपक्ष और महिला वोटर्स के सामने इन आरोपों को बेबुनियाद बता पाएंगे।

दूसरे आतिशी मनीष सिसोदिया की लॉबी से हैं। मनीष आतिशी पर बहुत भरोसा करते हैं। सूत्रों के मुताबिक, मनीष ने ही अरविंद केजरीवाल के सामने आतिशी का नाम प्रपोज किया था। मनीष जेल से निकले, तो उन्हें उम्मीद थी कि वे एक्टिंग सीएम बनेंगे। ऐसा नहीं हुआ क्योंकि मनीष दिल्ली के कथित शराब घोटाले में मुख्य आरोपी हैं। मनीष ही केजरीवाल के सबसे खास हैं, इसलिए उनका प्रपोजल टालना अरविंद केजरीवाल के लिए मुश्किल था।

कैलाश गहलोत सीएम बनने की रेस में सबसे आगे थे। केजरीवाल की पहली पसंद भी थे। हालांकि गहलोत के बीजेपी के करीबी होने की खबरें आती रही हैं। यही उनके खिलाफ चला गया। गहलोत के एलजी से अच्छे संबंध हैं। वे अटकी योजनाओं को पास कराने में मददगार साबित होते। गहलोत जाट समुदाय से हैं। उन्हें मुख्यमंत्री बनाकर हरियाणा चुनाव में जाट वोटर्स को साधा जा सकता था। विधायकों की बैठक में हरियाणा चुनाव की भी चर्चा हुई। इसमें लगा कि हरियाणा में वैसे भी पार्टी की स्थिति मजबूत नहीं है। कैंडिडेट अपने दम पर चुनाव लड़ रहे हैं। केजरीवाल इतनी देर से जेल से छूटे हैं कि वहां पार्टी में जान फूंकना अब मुमकिन नहीं है।

मुख्यमंत्री बनने की रेस में अरविंद केजरीवाल की पत्नी सुनीता केजरीवाल का भी नाम था। सीएम की पत्नी होना ही सुनीता केजरीवाल के खिलाफ गया। अगर उनका नाम प्रपोज किया जाता, तो विपक्ष को सरकार को घेरने का मौका मिल जाता। सवाल उठते कि केजरीवाल पत्नी को मुख्यमंत्री बनाकर सारी ताकत अपने पास रखेंगे।

बस्तर शांति समिति: नक्सल पीड़ितों ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से की मुलाकात

सुनाई चार दशक की पीड़ा और व्यथा

रायपुर, 22 सितंबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के बस्तर के माओवादी हिंसा से पीड़ित बस्तरवासी अपनी गुहार लेकर भारत के राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मिलने राष्ट्रपति भवन पहुंचे। बस्तर शांति समिति के बैनर तले 50 से अधिक नक्सल पीड़ितों ने राष्ट्रपति के समक्ष अपनी पीड़ा और व्यथा सुनाई। पीड़ितों ने राष्ट्रपति से कहा कि उनका बस्तर सदियों से शांत और सुंदर रहा है, लेकिन बीते चार दशकों में माओवादियों के कारण अब यही बस्तर आतंकित हो चुका है। जिस बस्तर की पहचान यहां की आदिवासी संस्कृति और परंपरा रही है, उसे अब लाल आतंक के गढ़ से जाना जाता है। पीड़ितों ने ज्ञापन देकर राष्ट्रपति से मांग की है कि राष्ट्रपति भी इस विषय को लेकर संज्ञान लें और बस्तर को माओवाद मुक्त करने के लिए पहल करें।

राष्ट्रपति से मिलने पहुंचे पीड़ितों ने कहा कि माओवादियों ने उनके जीवन को नर्क बना दिया है। उन्होंने बताया कि बस्तर में माओवादी आतंक के कारण स्थितियां ऐसी है कि आम जन-जीवन जीना भी मुश्किल हो गया है। माओवादियों ने ग्रामीण एवं वन्य क्षेत्रों में बारूदी सुरंग बिछा रखे हैं, जिसकी चपेट में आने के कारण बस्तरवासी ना सिर्फ गंभीर रूप से घायल हो रहे हैं, बल्कि मारे भी जा रहे हैं।

बस्तर से अपनी पीड़ा बताने राष्ट्रपति भवन पहुंची 16 वर्षीय नक्सल पीड़िता राधा सलाम ने राष्ट्रपति को अपनी पीड़ा बताते हुए कहा कि माओवादी हिंसा के कारण उसने अपने एक आंख की रोशनी खो दी है। उसने पूछा कि आखिर इसमें मेरा क्या कसूर है? राधा ने बताया कि जब उसके साथ घटना हुई, तब वह केवल तीन वर्ष की थी। वहीं एक अन्य पीड़ित महादेव ने बताया कि जब वह बस से लौट रहा था तब माओवादियों ने बस में बम ब्लास्ट कर हमला किया था, जिसमें उसका एक पैर काटना पड़ा।

बस्तर शांति समिति की ओर से जयराम दास ने बताया कि आज जो पीड़ित राष्ट्रपति से मिलने पहुंचे वो सभी नक्सल हिंसा के शिकार हुए आम बस्तरवासी हैं। पीड़ितों में कुछ ऐसे हैं जिनकी आंखें नहीं हैं, तो कोई ऐसा है जिसने अपने एक पैर माओवादी हिंसा के चलते खो दिया है। कोई ऐसा है जिसके सामने उसके भाई की हत्या की गई, तो किसी बुजुर्ग के सामने उसके बेटे को माओवादियों ने नृशंसता से मारा है।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने सोशल मीडिया में कहा कि राष्ट्रपति भवन में छत्तीसगढ़ के बस्तर क्षेत्र से माओवादी हिंसा के कई पीड़ितों से मुलाकात की। उनका मानना है कि कोई भी उद्देश्य हिंसा के रास्ते पर चलने को उचित नहीं ठहरा सकता, जो हमेशा समाज के लिए बहुत महंगा साबित होता है। वामपंथी उग्रवादियों को हिंसा का त्याग करना चाहिए, मुख्यधारा में शामिल होना चाहिए, और वे जो भी समस्याएं उजागर करना चाहते हैं, उन्हें हल करने के लिए सभी प्रयास किए जाएंगे। यही लोकतंत्र का रास्ता है और यही रास्ता महात्मा गांधी ने हमें दिखाया था। हिंसा से त्रस्त इस दुनिया में हमें शांति के रास्ते पर चलने का प्रयास करना चाहिए।

रक्षा मंत्री के हेलीकॉप्टर में नहीं भर सका ईंधन

झारखंड से सड़क मार्ग से यूपी के लिए हुए रवाना

रांची, 22 सितंबर (एजेंसियां)। झारखंड में भाजपा की परिवर्तन रैली का आगाज करने गए रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के हेलीकॉप्टर को ईंधन नहीं मिल सका। झारखंड के डीजीपी ने बताया कि रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह झारखंड के गढ़वा के वंशीधर नगर के सड़क मार्ग से यूपी के लिए रवाना हुए।

गढ़वा के एसपी दीपक पांडे ने बताया कि हेलीकॉप्टर के लिए ईंधन ले जाने वाला वाहन हेलीपैड तक नहीं पहुंच सका। इसलिए रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने सड़क मार्ग से वाराणसी जाने का फैसला किया। वाराणसी और गढ़वा के बीच की दूरी लगभग 200 किमी है। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने कहा कि रांची से ईंधन लेकर आ रही गाड़ी किसी समस्या के कारण गढ़वा नहीं पहुंच सकी। बताया गया कि रक्षा मंत्री ने वाराणसी रवाना होने से पहले करीब एक घंटे तक इंतजार किया।

हवाई अड्डे के एक अधिकारी ने कहा कि हेलीकॉप्टर रक्षा मंत्री को रांची से चतरा ले गया था। वहां से रक्षा मंत्री सिंह हेलीकॉप्टर से गढ़वा के बंशीधर नगर में भाजपा की परिवर्तन रैली के लिए रवाना हुए। रक्षा मंत्री ने झारखंड में दो रैलियों को संबोधित किया। एक इटखोरी, चतरा में और दूसरी बंशीधर नगर, गढ़वा में। यह राज्य में भाजपा की तीसरी परिवर्तन यात्रा है। गृह मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को साहिबगंज में यात्रा का शुभारंभ किया था।

झारखंड में इस साल के अंत में विधानसभा चुनाव होने वाला है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने इटखोरी में भाजपा की परिवर्तन रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस दौरान उन्होंने झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को सबसे भ्रष्ट सीएम बताया था। उन्होंने कहा था कि हेमंत सोरेन ने केवल भारत की स्वस्थ्य लोकतांत्रिक प्रथाओं के साथ खिलवाड़ किया है।

राजनाथ सिंह ने जोर देकर कहा कि अब हेमंत सोरेन को सत्ता से बाहर कर भाजपा को वोट देकर सत्ता में लाने का समय आ चुका है। उन्होंने कांग्रेस सांसद और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी पर भी निशाना साधा था। केंद्रीय मंत्री ने राहुल गांधी पर विदेशों में जाकर भारत की छवि को खराब करने और सिख समुदाय को भड़काने का आरोप लगाया है।

गोपनीय सैनिक की हत्या के बाद से फरार चल रहे नक्सली को तीन साल बाद किया गिरफ्तार

जगदलपुर, 22 सितंबर (एजेंसियां)। जगदलपुर के दरभा थाना क्षेत्र के ग्राम पखनार चौकी क्षेत्र में एक गोपनीय सैनिक की हत्या के मामले में लगातार 3 सालों से फरार चल रहे नक्सली को आखिरकार बस्तर पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है,जिसके बाद पुलिस ने आरोपी को न्यायालय में पेश कर दिया है।

बताया जा रहा है कि नक्सली आरोपी सुखराम मड़कामी उर्फ हड़मा, उर्फ गोरगा उर्फ मनकू मड़कामी निवासी ग्राम नडेऩार ड़ोगरीपारा थाना कटेल्याण जिला दंतेवाडा जो घटना को अंजाम देने के बाद पिछले 3 वर्षो से फरार था, जिसे मुखबीर की सूचना पर फरार नक्सली आरोपी के अपने ग्रामीण क्षेत्र में आने की सूचना पर टीम गठित कर ग्राम तोयनार मुंदेनार तिराहा के पास जाकर घेराबंदी कर फरार नक्सली आरोपी को पकड़ कर हिरासत में लिया गया,

नक्सली आरोपी सुखराम मड़कामी उर्फ हड़मा, उर्फ गोरगा उर्फ मनकू मड़कामी निवासी ग्राम नडेऩार ड़ोगरीपारा थाना कटेल्याण जिला दंतेवाडा ने बताया कि 22 जून 2021 को ग्राम पखनार के साप्ताहिक बाजार में ड्युटी कर रहे गोपनीय सैनिक बुधराम कवासी पिता जोगा कवासी 26 वर्ष निवासी ग्राम कापानार को अपने अन्य नक्सली साथियों मड्डा मडकामी पिता सुक्को मरकामी 21 वर्ष निवासी ग्राम मुंदेनार थाना कटेल्याण जिला दंतेवाडा, जयसिंह उर्फ जीबो मडकामी पिता सन्नू मडकामी 25 वर्ष निवासी ग्राम नडेनार थाना कटेल्याण जिला दंतेवाडा, गुड्डी पोडियामी पिता मुया पोडियामी 21 वर्ष निवासी ग्राम मुंदेनार थाना कटेल्याण जिला दंतेवाडा तथा लखमा पिता सुकलु कवासी 20 वर्ष निवासी ग्राम मुंदेनार थाना कटेल्याण जिला दंतेवाडा, हिड़मे, भीमा व अन्य नक्सलियों के साथ मिलकर अपने हाथ में रखे चाकु व टंगिया से बुधराम कवासी के उपर प्राण घातक हमला कर दिए, जिसको ईलाज के लिए एम्बुलेंस 108 से सामुदायिक स्वास्थय केन्द्र दरभा लेकर गये, जहां बुधराम कवासी की मृत्यु हो गई थी, आरोपी नक्सली सुखराम मड़कामी उर्फ हड़मा, उर्फ गोरगा उर्फ मनकू मड़कामी निवासी ग्राम नडेऩार ड़ोगरीपारा थाना कटेल्याण जिला दंतेवाडा को गिरफतार कर न्यायिक रिमाण्ड पर भेजा गया।

बाघ के हमले से दो भैंसों की मौत, ग्रामीणों में भय

कोरिया, 22 सितंबर (एजेंसियां)। कोरिया वनमंडल के देवगढ़ परिक्षेत्र में बाघ के हमले में दो भैंस की मौत और एक घायल होने की सूचना के बाद रेगुलर फॉरेस्ट और नेशनल पार्क की टीम जांच में जुटी है। जानकारी के अनुसार गुरु घासीदास राष्ट्रीय उद्यान बैकुंठपुर से सटे कोरिया वनमंडल परिक्षेत्र देवगढ़ के ग्राम पोड़ी में बाघ के हमले में दो भैंस की मौत, एक घायल के बाद ग्रामीण भयभीत हैं। बाघ ने तीन भैंस पर हमला कर दिया। इस दौरान दो भैंस की मौत हो गई है। वहीं एक घायल भैंस का इलाज चल रहा है। ग्रामीणों के मुताबिक एक भैंस को मारकर मांस भी खाया है। हमला वाले स्थल पर बाघ के पंजों के निशान पाए। ग्रामीण एवं पशु मालिक मनोज और श्रवण के एक-एक भैंस की मौत हुई है। फिलहाल घटना के बाद नेशनल पार्क और कोरिया वनमंडल के स्टाफ एलर्ट मोड़ पर हैं। घटना स्थल के आसपास बाघ के मूवमेंट की जानकारी जुटाई जा रही है।

जानकारी के अनुसार ग्रामीणों ने जहां बाघ द्वारा दो भैंस को अपना शिकार बनाने की बात कही है। वह स्थल गुरु घासीदास नेशनल पार्क से कुछ दूर पर स्थित है। यह कोरिया वनमंडल के देवगढ़ परिक्षेत्र में आता है। ग्रामीणों का कहना है कि सोनहत क्षेत्र से करीब 5-6किलोमीटर दूर घुनघुट्टा जलाशय के पास घने जंगल के बीच भैंस को अपना शिकार बनाया है। जिससे ग्रामीण जंगल की ओर जाने से डर गए हैं।

गुरु घासीदास राष्ट्रीय उद्यान बैकुंठपुर के संचालक सौरभ सिंह ठाकुर ने बताया कि नेशनल पार्क सीमा से बाहर कुछ दूरी पर कोरिया वनमंडल में बाघ द्वारा पालतू पशु को शिकार करने का मामला सामने आया है। वहां वाइल्ड एनीमल की जानकारी के लिए कैमरा ट्रैप लगाए गए है।

ये कैसा इश्क? दूसरी जगह शादी, दुष्कर्म

प्रेमी ने ऐसे फंसाया कि महिला का भरोसा दे गया जवाब

रायगढ़, 22 सितंबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के रायगढ़ जिले में एक महिला ने प्रेमी पर शादी का झांसा देकर दुष्कर्म करने का आरोप लगाया है। मामला खरसिया थाना क्षेत्र का है। पीड़िता का कहना है कि उसने प्रेम के कहने पर ही दूसरी जगह शादी की थी, उसने कहा था कि शादी के बाद भी वह महिला को अपना लेगा। लेकिन अब वह मुकर गया।

इस संबंध में मिली जानकारी के अनुसार, खरसिया थाना क्षेत्र की महिला ने अमित राठिया के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराते हुए बताया कि शादी का झांसा देते हुए उसने उसके साथ दुष्कर्म की वारदात को अंजाम दिया है। पीडिता ने अपनी रिपोर्ट में बताया है कि दो साल पहले अमित राठिया से उसकी जान पहचान हुई थी। इस दौरान इस बीच 2023 में अमित ने प्यार का इजहार करते हुए उसे घर के पीछे स्थित बाड़ी में ले जाकर उसके साथ कई बार संबंध बनाए।

परिजनों को हो गई थी जानकारी

पीड़िता ने बताया कि अमित राठिया के साथ उसके प्रेम संबंध की जानकारी उनके परिजनों को हो गई थी। जिसके बाद परिजनों ने एक लड़के साथ पूरे रीति-रिवाज के साथ 26 अप्रैल को उसकी शादी कर दी थी। पीडिता ने बताया कि अमित राठिया को मैंने शादी के बारे में बताया तो उसने कहा कि अभी तुम उस लडके से शादी कर लो बाद में मैं तुम्हे अपना लूंगा। अपने पास बुला लूंगा। जिसके बाद मैंने शादी कर ली। ससुराल में पति से मेरे संबंध पति-पत्नि जैसे नहीं थे।

शादी के बाद भी होती थी बातचीत

पीड़िता महिला ने यह भी बताया कि शादी के बाद भी अमित राठिया से रोज मेरी मोबाइल से बातचीत होती थी। 10 जुलाई को अमित मुझे फोन करके बोला कि तुम अपने पति को छोडकर आ जाओ। हम दोनों अब साथ रहेंगे, मैं तुमसे शादी करूंगा।

संबंध बनाने के बाद मुकर गया

पीडिता ने बताया कि 11 जुलाई को अमित राठिया अपनी मीठी बातों में फंसाकर मुझे भूपदेवपुर ले गया और किराये के मकान में मुझे 14 अगस्त तक रखा और इस बीच मेरे साथ लगातार कई बार शारीरिक संबंध बनाए। जिसके बाद वह अब कह रहा है कि मेरे साथ नहीं रहेगा और मुझसे शादी करने से इनकार कर रहा है। पीड़िता की शिकायत के बाद खरसिया पुलिस ने आरोपी अमित राठिया के खिलाफ अपराध दर्ज करते हुए मामले की जांच शुरू कर दी है।

जिल और जो बाइडेन को पीएम मोदी ने दिए तोहफे

जानें भारत से क्या-क्या लेकर गए

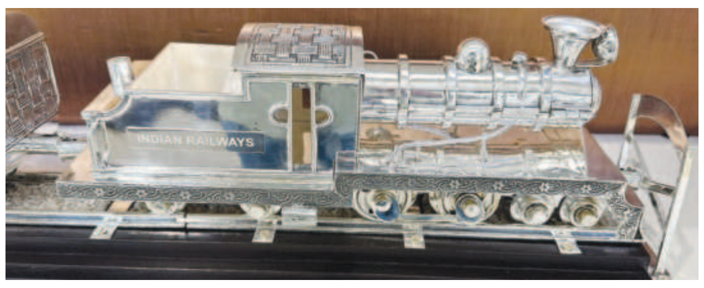

वॉशिंगटन, 22 सितंबर (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अमेरिकी दौरे पर हैं, जहां पहुंचते ही उनका जोर-शोर से स्वागत किया गया। भारतीय समुदाय के लोगों ने पीएम मोदी का स्वागत किया।अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडेन ने भी उनको गर्मजोशी गले लगाया। वहीं पीएम मोदी ने भी अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन और उनकी पत्नी जिल बाइडेन को अलग-अलग और बहुत खास तोहफे दिए। पीएम नरेंद्र मोदी ने राष्ट्रपति जो बाइडेन को एक प्राचीन चांदी का हाथों बनाया हुआ ट्रेन मॉडल तोहफे में दिया। इसकी खास बात यह है कि इसमें 92.5 प्रतिशत काम चांदी से किया गया है यानी आधे से ज्यादा इसमें चांदी का इस्तेमाल किया गया है। भारत में जिस तरह से यात्री ट्रेनों पर आमतौर पर इंडियन रेलवे लिखा हुआ होता है। ठीक वैसे ही राष्ट्रपति जो बाइडेन को जो पीएम मोदी ने प्राचीन धरोहर तोहफे के तौर दी है। उस पर भी 'भारतीय रेल'' लिखा गया है।

इसलिए खास है मॉडल

इस मॉडल को महाराष्ट्र के कारीगरों ने तैयार किया है, जिसमें पारंपरिक तकनीकों जैसे उत्कीर्णन, रिपॉसे यानी (डिजाइन तैयार करने के लिए हथौड़ा) से मारा जाना और जटिल फिलीग्री काम के जरिए तैयार किया गया है। इस ट्रेन मॉडल पर पर दिल्ली से डेलावेयर 'दिल्ली-डेलावेयर' भी लिखा गया है। यह मॉडल अपने आप में बेहद खास है, जो देखने में भी काफी आकर्षक है।

पश्मीना शॉल गिफ्ट की

वहीं पीएम मोदी ने अमेरिका की फर्स्ट लेडी और जो बाइडेन की पत्नी जिल बाइडेन को कागज की लुगदी के बॉक्स में पैक पश्मीना शॉल तोहफे में दी। पश्मीना शॉल पारंपरिक रूप से जम्मू-कश्मीर से पपीयर मेशी बॉक्स में पैक होकर आती हैं। यह बॉक्स कागज के गूदे, गोंद और कई प्राकृतिक सामग्रियों का इस्तेमाल कर सबको मिलाकर हाथों से बनाई जाती है। हर बॉक्स कला का एक अनूठा नमूना है, जो कश्मीर की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को दर्शाता है।

भारतीयों से मुलाकात

अमेरिका में लगभग 54 लाख से ज्यादा भारतीय प्रवासी रहते हैं। पीएम मोदी आज न्यूयॉर्क में भारतीय समुदाय के लोगों को संबोधित करेंगे। इस बात की जानकारी उन्होंने खुद सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर दी थी। पीएम मोदी के लिए भारतीय प्रवासियों ने बेहद खास और अलग-अलग तरह की हैंडमेड प्रस्तुतियां तैयार की हैं, जो वह पीएम मोदी को देंगे। पीएम मोदी अमेरिका में 23 सितंबर तक रहेंगे।

ताइवान के आसपास चीनी सैन्य गतिविधियों में वृद्धि, छह विमानों का लगाया पता

ताइवान, 22 सितंबर (एजेंसियां)। ताइवान के राष्ट्रीय रक्षा मंत्रालय ने घोषणा की कि उसने 6 से 7 सितंबर तक ताइवान के आसपास छह चीनी सैन्य विमानों और छह नौसैनिक जहाजों की गतिविधियों का पता लगाया। इस दौरान, पीपुल्स लिबरेशन आर्मी के तीन विमानों ने ताइवान ताइवान के आसपास चीनी सैन्य गतिविधियों में हुई बढ़त ताइवान के एमएनडी ने एक पोस्ट में कहा, 'आज सुबह 6 बजे (यूटीसी+8) तक ताइवान के आसपास 6 पीएलए विमान और 6 पीएलएएन जहाजों का पता लगाया गया। हमने स्थिति पर नज़र रखी है और प्रतिक्रिया दी है।' मंत्रालय ने यह भी बताया कि ताइवान ने पीएलए गतिविधियों पर नज़र रखने के लिए तटीय-आधारित मिसाइल प्रणालियों, विमान और नौसैनिक जहाज भेजे। शुक्रवार सुबह से शनिवार सुबह तक, ताइवान ने ताइवान के आसपास सात चीनी सैन्य विमानों और छह नौसैनिक जहाजों का पता लगाया। इन सात विमानों में से पांच ने मध्य रेखा पार कर दी थी। यह लगातार बढ़ती सैन्य गतिविधि हाल के महीनों में बीजिंग द्वारा ताइवान के आसपास की स्थिति को तनावपूर्ण बनाने का हिस्सा है। चीन की यह नवीनतम सैन्य गतिविधियाँ ताइवान के एडीआईजेड में नियमित हवाई और नौसैनिक घुसपैठों के साथ-साथ द्वीप के चारों ओर के सैन्य अभ्यासों में वृद्धि का हिस्सा हैं। ताइवान न्यूज़ की एक रिपोर्ट के अनुसार, सितंबर 2020 से, चीन ने ताइवान के पास अपने सैन्य विमानों और नौसैनिक जहाजों की संख्या में वृद्धि करके "ग्रे ज़ोन" रणनीति का उपयोग तेज कर दिया है। ग्रे ज़ोन रणनीति एक ऐसी पहल है जिसमें सैन्य बल के प्रत्यक्ष और बड़े पैमाने पर उपयोग के बिना किसी के सुरक्षा उद्देश्यों को प्राप्त करने का प्रयास किया जाता है।

'भारतीय जासूसों' के सवाल पर ऑस्ट्रेलियाई पीएम ने कहा ऐसी बातें निजी तौर पर की जाती हैं

सिडनी, 22 सितंबर (एजेंसियां)। ऑस्ट्रेलिया में भारत के लिए कथित रूप से जासूसी करने वाले एजेंटों को निष्कासित करने के मामले में ऑस्ट्रेलियाई प्रधानमंत्री एंथनी अल्बनीज़ ने बयान दिया है। उन्होंने कहा कि ऐसे मामलों पर निजी तौर पर बात की जाती है। क्वाड के सदस्य देशों की अहम बैठक में हिस्सा लेने के लिए रवाना होने से पहले एंथनी अल्बनीज़ पत्रकारों के सवालों का जवाब दे रहे थे। उनसे सवाल किया गया कि पीएम मोदी से होने वाली मुलाक़ात में क्या भारतीय नागरिकों से जुड़े जासूसी वाले मुद्दे को उठाया जाएगा। क्वाड की ये बैठक अमेरिका के विलमिंगटन के डेलावेयर में होने वाली है। इस कार्यक्रम में ऑस्ट्रेलिया के साथ-साथ भारत, अमेरिका और जापान के राष्ट्राध्यक्ष शिरकत कर रहे हैं। प्रधानमंत्री मोदी भी इस बैठक के लिए अमेरिका पहुंच गए हैं। क्वाड की बैठक के अलावा मोदी अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन, जापानी प्रधानमंत्री फुमिया किशिदा और ऑस्टेलियाई प्रधानमंत्री एंथनी अल्बनीज़ से द्विपक्षीय बैठक भी करेंगे।

ऑस्टेलियाई प्रधानमंत्री एंथनी अल्बनीज़ से जिस मामले को लेकर सवाल किया गया वो साल 2020 का है, जिसके बारे में इसी साल अप्रैल में जानकारी सामने आई थी। इस बारे में गुरुवार को फ़िलाडेल्फिया में एक पत्रकार ने उनसे सवाल किया कि क्या वो मोदी से कहेंगे कि ऑस्ट्रेलियाई धरती पर इस तरह की जासूसी बंद करें और उससे दूर रहें। इसके उत्तर में एंथनी अल्बनीज़ ने कहा, जो मैं करूंगा वो है कूटनीतिक तरीके से काम करना और इस पर चर्चा करना। इसमें कोई शक़ नहीं कि इस बारे में कुछ न कुछ बात उठाई जाएगी। लेकिन भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच रिश्ते बेहद मज़बूत हैं। हम चाहते हैं कि व्यापक आर्थिक साझेदारी को लेकर आपसी सहमति बने और इसलिए हम प्रधानमंत्री मोदी के साथ चर्चा करेंगे। दोनों मुल्कों ने आर्थिक संबंधों को और बढ़ाया है। जासूसी मामले से जुड़े सवाल पर उन्होंने कहा, मैं इस तरह के मुद्दों को निजी तौर पर उठाता हूं, कूटनीतिक तरीकों से इसी तरह मुद्दों पर चर्चा की जाती है और मैं ऐसा करना जारी रखूंगा।

अब तक मिली रिपोर्टों के अनुसार 2020 में ऑस्ट्रेलिया ने दो भारतीय नागरिकों को जासूसी के आरोप में निष्कासित कर दिया था। इन दोनों पर कथित रूप से रक्षा परियोजनाओं और एयरपोर्ट सुरक्षा से जुड़ी संवेदनशील ख़ुफ़िया जानकारी चुराने का आरोप लगाया गया था। जहां 'द ऑस्ट्रेलियन' और 'द सिडनी मॉर्निंग हेराल्ड' ने अपनी रिपोर्टों में दो भारतीय जासूसों को देश से निष्कासित करने की ख़बर दी थी। वहीं, ऑस्ट्रेलियन ब्रॉडकास्टिंग कॉरपोरेशन (एबीसी) ने इस मामले में कोई संख्या नहीं बताई थी। इससे पहले साल 2021 में ऑस्ट्रेलियाई ख़ुफ़िया एजेंसी के प्रमुख माइक बर्गेस ने कहा था कि 2020 में ऐसे विदेशी ऐजेंटों का पता चला है जो स्थानीय लोगों की तरह काम कर रहे हैं। हालांकि उन्होंने ये नहीं बताया था कि ये विदेशी ऐजेंट किस मुल्क से हैं।

लेबनान पर फिर कहर बनकर टूटे इजरायली लड़ाकू विमान, ताजा हमले में हिजबुल्लाह के 110 ठिकाने तबाह

येरूशलम, 22 सितंबर (एजेंसियां)। इजरायली सेना ने बीते कुछ घंटे में लेबनान पर फिर बड़ा घातक हमला किया है। इजरायल के दर्जनों लड़ाकू विमानों ने हिजबुल्ला के 100 से ज्यादा ठिकानों को ध्वस्त कर दिया है। लेबनान के आसमान में गड़गड़ाते इजरायली विमानों की आवाज और फटते बमों और मिसाइलों से लोग थर्रा उठे हैं। यह ताजा हमला अभी कुछ घंटे पहले ही किया गया है। आईडीएफ का कहना है कि पिछले कुछ घंटों में इजरायली लड़ाकू विमानों ने दक्षिणी लेबनान में हिजबुल्लाह के रॉकेट लॉन्चरों सहित करीब 110 ठिकानों पर बड़ा हमला किया है। इसमें हिजबुल्ला तबाह हो गया है। इस हमले में कई लोगों के मारे जाने की आशंका है। वहीं शनिवार को किए गए इजरायली हमले में कम से कम 37 लोग मारे गए थे। अब ताजा हमले के बाद लेबनान में मौतों की संख्या और बढ़ सकती है। इजरायली हमले के बाद इमारतों तो तहस-नहस स्थिति में देखा जा सकता है। ताज़ा हमले लेबनान में हिज़्बुल्लाह साइटों पर हुए कई हमलों के बाद हुए हैं।

तानाशाह किम से हाथ मिलाने वालों के दुर्दिन

ईरान भी भुगतेगा अंजाम, दोस्त जापान के लिए भारत भी मान गया

वाशिंगटन, 22 सितंबर (एजेंसियां)। क्वाड समिट 2024 अमेरिका के डेलावेयर में हो रहा है। क्वाड मीटिंग में चार देशों अमेरिका, जापान और ऑस्ट्रेलिया के शीर्ष नेताओं ने भाग लिया। इसके बाद क्यूयूएडी ने एक संयुक्त बयान जारी किया। इस बयान में क्यूयूएडी ने उत्तर कोरिया के तानाशाह किम जोंग उन की निंदा की है। साथ ही रूस का नाम लिए बिना क्यूयूएडी ने यूक्रेन में शांति बहाल करने को लेकर अपना बयान जारी किया है। बता दें कि रूस को यूक्रेन के साथ जंग लड़ने के लिए ईरान पाबंदियों के बाद भी हथियार सप्लाई करता है। हाल के दिनों में ईरान ने भारत के खिलाफ जहर उगला था। ऐसे में क्वाड का बयान काफी अहम है। बता दें कि ईरान के सर्वोच्च नेता आयतुल्लाह ख़ामेनेई ने 16 सितंबर को गाजा और म्यांमार के साथ ही भारत को भी उस लिस्ट में शामिल किया था, जहां मुसलमान खराब परिस्थितियों से जूझ रहे हैं।₹ ख़ामेनेई ने कहा था कि हम ख़ुद को मुसलमान नहीं मान सकते अगर हम म्यांमार, गाजा, भारत या किसी भी दूसरी जगह पर मुसलमानों की झेली जा रही पीड़ा से बेख़बर हैं। ऐसे में क्वाड द्वारा जारी किया गया बयान भारत के पक्ष में जा रहा है।

ईरान भारत के खिलाफ उगलता रहा है जहर

हालांकि, ये पहला मौक़ा नहीं है जब ईरान के सर्वोच्च नेता ने भारत के लिए कुछ इस तरह की बयानबाज़ी की है। साल 2020 में जब भारत की राजधानी दिल्ली में दंगे भड़के थे, तब भी ख़ामेनेई ने भारत से ये मांग की थी कि वह मुसलमानों के संहार को रोके।

उत्तर कोरिया मामले पर जापान के लिए भारत माना

वहीं क्वाड देशों के नेताओं ने शनिवार को उत्तर कोरिया द्वारा परमाणु हथियारों की निरंतर खोज और उसके द्वारा बार-बार बैलिस्टिक मिसाइल प्रक्षेपण की निंदा की है। साथ ही कोरियाई प्रायद्वीप के पूर्ण परमाणु निरस्त्रीकरण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता जताई। बता दें कि उत्तर कोरिया लगातार जापान की सीमा के आसपास बैलिस्टिक मिसाइल का टेस्ट करता रहता है। क्यूयूएडी ने अपने संयुक्त बयान में कहा हम उन देशों के बारे में गहरी चिंता व्यक्त करते हैं जो उत्तर कोरिया के साथ सैन्य सहयोग बढ़ा रहे हैं, जो सीधे तौर पर वैश्विक अप्रसार व्यवस्था को कमजोर करता है। इसमें रूस पर निशाना साधा गया, जिसने हाल ही में उत्तर कोरिया के साथ सैन्य सहयोग बढ़ाया है। इसे इस संभावना के संदर्भ में समझा जा रहा है कि मास्को प्योंगयांग को उन्नत मिलिट्री टेक्नोलॉजी प्रदान करेगा। इसके बदले में वह गोला-बारूद और मिसाइलों की भारी आपूर्ति करेगा, साथ ही उत्तर कोरिया की परमाणु और मिसाइल प्रौद्योगिकियों का अन्य देशों में प्रसार करेगा।

कैमरे उठाओ और निकलो अल जजीरा के ऑफिस में घुसे इजराइली सैनिक, बंद करने का दिया आदेश

गाजा, 22 सितंबर (एजेंसियां)। इजराइल हमास के बीच जारी जंग अब गाजा से दूसरे क्षेत्रों में फैल गई है। इजराइल सेना गाजा जंग की शुरुआत से ही वेस्ट बैंक में फिलिस्तीनियों के घरों में रेड कर रही है, लेकिन रविवार सुबह इजराइली सैनिक कतरी न्यूज अल जजीरा नेटवर्क के वेस्ट बैंक ऑफिस में घुस गए और ब्यूरो को बंद करने का आदेश दिया। कतरी प्रसारक अल जजीरा ने अपने बयान में कहा कि इजराइली बलों ने कब्जे वाले वेस्ट बैंक के रामल्लाह में उसके कार्यालय पर छापा मारा और उसे 45 दिनों के लिए बंद करने का आदेश दिया है। बयान में कहा गया है कि इजराइली सैनिक ऑफिस में नकाब लगाकर घुसे थे। इससे पहले भी इजराइली सेना अल जजीरा के खिलाफ कार्रवाई कर चुकी है। अल जजीरा ने बताया कि भारी हथियारों से लैस और नकाबपोश इजराइली सैनिक रविवार सुबह इमारत में घुसे और नेटवर्क के वेस्ट बैंक ब्यूरो चीफ वालिद अल-ओमारी को ब्यूरो बंद करने का ऑर्डर दिया।

अलर्ट ! भीषण चक्रवाती तूफान आ रहा; 500 किमी की स्पीड से चलेंगी हवाएं, भारी बारिश और ओले गिरने की चेतावनी

लंदन, 22 सितंबर (एजेंसियां)। ब्रिटेन में एक बार फिर भीषण चक्रवाती तूफान आने की भविष्यवाणी की गई है। इस दौरान करीब 500 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चल सकती हैं और मूसलाधार बारिश होने की भी आशंका है। वेल्स और दक्षिणी इंग्लैंड के कुछ हिस्सों में भारी बारिश और ओलावृष्टि होने का पूर्वानुमान जारी किया गया है। साथ ही लोगों को सतर्क रहने को भी कहा गया है। ब्रिटेन में बीते कई दिन से आ रहे तूफान और भारी बारिश के कारण बाढ़ के हालात बन गए हैं। देश में मौसम की स्थिति लगातार खराब होती जा रही है। रिपोर्ट के अनुसार, दक्षिणी इंग्लैंड और वेल्स के अधिकांश हिस्सों में मौसम विभाग ने यलो अलर्ट दिया है। कॉर्नवाल तूफानों का सबसे ज़्यादा असर झेल रहा है। यहां बड़े-बड़े ओले और बिजली गिरने की खबरें हैं।

ब्रिटेन के यह इलाके है तूफान की चपेट में

वहीं अब पूरे देश में भारी बारिश होने की आशंका है, जिससे बाढ़ आने का खतरा बढ़ सकता है। वेल्स, दक्षिण-पश्चिम इंग्लैंड, मिडलैंड्स और दक्षिण-पूर्व इंग्लैंड के कुछ हिस्सों को कवर करने वाली मौसम विभाग की यह चेतावनी रविवार की आधी रात तक प्रभावी रहेगी। मौसम विभाग के वैज्ञानिक बेकी मिशेल ने भारी बारिश के कारण कॉर्नवाल में ड्राइविंग संभलकर करने की सलाह दी है। वेल्स और लंदन में भी चक्रवाती तूफानों का असर देखने को मिला है। सरे और ऑक्सफ़ोर्डशायर में बिजली गिरने की घटनाएं हुई हैं। मिशेल ने बढ़ते तापमान के कारण और भीषण तूफान आने की संभावना जताई है। वहीं शुक्रवार और शनिवार को दक्षिणी इंग्लैंड में बिजली गिरने की घटनाएं दर्ज की गईं। हैम्पशायर और एल्डरशॉट में एक बवंडर आया, जिससे लोगों को माली नुकसान हुआ।

हवाएं उत्तर की ओर बढ़ेंगी तो ठंड बढ़ाएंगी

मौसम विभाग ने अगले हफ़्ते तक मौसम खराब रहने की आशंका जताई है। भारी बारिश और चक्रवाती तूफ़ान बवंडर की चेतावनी रविवार तक लागू रहेगी। स्कॉटलैंड, उत्तरी आयरलैंड और आयरिश सागर के आस-पास के इलाकों में मौसम शुष्क और शांत रहेगा। लोग गुनगुनी धूप और सामान्य तापमान की उम्मीद कर सकते हैं। हालांकि शरद ऋतु दस्तक दे चुकी है, लेकिन जैसे-जैसे हवाएं उत्तर की ओर बढ़ेंगी, ठंडी हवाएं और कम दबाव वाला टर्प बारिश का मौसम बनाएगा। इससे दिन के समय तापमान में कमी आएगी और तूफान के साथ ठंडी हवाएं चलने के आसार रहेंगे। इससे लोगों को भीषण ठंड का प्रकोप झेलना पड़ सकता है।

खतरे में है ताजमहल ! भारी बारिश के बाद ताजमहल की दीवारों, फर्श और अन्य हिस्सों को नुकसान

आगरा, 22 सितंबर (एजेंसियां)। पिछले सप्ताह आगरा में भारी बारिश के बाद ताजमहल की दीवारों, फर्श और अन्य हिस्सों को नुकसान हुआ है। कई हिस्सों पर कई दरारें और क्षति दिखाई दी है। इस बारे में टूरिस्ट गाइड फेडरेशन ऑफ इंडिया के राष्ट्रीय महासचिव शकील चौहान ने कहा है कि मुख्य गुंबद के चारों ओर के दरवाजों पर अरबी में कुरान की आयतें लिखी हुई हैं, जिनके अक्षर घिस गए हैं। दीवारों में पिएट्रा ड्यूरा की जटिल तकनीक के माध्यम से जड़े गए अर्ध-कीमती पत्थर भी समय की मार से जूझ रहे हैं। पश्चिमी दिशा में, शाही मस्जिद के सामने फर्श से पत्थर उखड़ गए हैं। मुख्य मकबरे के कुछ हिस्सों और प्रतिष्ठित गुंबद की दीवारों पर क्षति देखी जा सकती है। हालांकि, एएसआई ने दावा किया कि यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल के संबंध में कोई गंभीर संरचनात्मक समस्या नहीं है। ताजमहल के रखरखाव के लिए धन के कुप्रबंधन, भ्रष्टाचार और लापरवाही के आरोपों पर एएसआई ने कहा है कि ताजमहल के रखरखाव पर खर्च किए गए धन का समय-समय पर ऑडिट किया जाता है। अब तक, इन ऑडिट में कोई चिंता नहीं जताई गई है। अधीक्षण पुरातत्वविद् राजकुमार पटेल ने कहा, संरक्षण कार्य एक नियमित प्रक्रिया है। टूट-फूट का आकलन अक्सर किया जाता है। स्मारक को सर्वोत्तम संभव तरीके से संरक्षित करने के लिए वैज्ञानिक प्रोटोकॉल का पालन करते हुए आवश्यक रखरखाव और मरम्मत कार्य किए जाते हैं। हाल ही में ताजमहल में मकबरे के केंद्रीय गुंबद की दीवार पर एक पौधे के उगने की तस्वीरें आई थीं। इससे पर्यटकों और संरक्षणवादियों के बीच चिंता बढ़ गई।

ईरान में कोयला खदान में विस्फोट 30 लोगों की मौत, 17 घायल

तेहरान, 22 सितंबर (एजेंसियां)। मिडिल ईस्ट के देश ईरान में रात 9 बजे कोयला खदान में हादसा हुआ। ईरान में एक कोयला खदान में मीथेन रिसाव की वजह से विस्फोट हुआ। ईरानी मीडिया की रिपोर्ट के मुताबिक, इस विस्फोट में लगभग 30 लोगों की मौत हुई और 17 लोग घायल हो गए हैं। रिपोर्ट के मुताबिक कोयला खदान में यह विस्फोट राजधानी तेहरान से 540 किलोमीटर दूर मौजूद तबस में हुआ। कोयला खदान में यह हादसा देर रात शनिवार को हुआ। विस्फोट के बाद अधिकारी फौरन घटना स्थल पहुंचे और राहत-बचाव का कार्य शुरू किया गया। जानकारी के मुताबिक विस्फोट के समय कोयला खदान में लगभग 70 लोग काम कर रहे थे।

पहले भी हुए ईरान खदान में हादसे

ईरान के कोयला खदान में ऐसा हादसा पहली बार नहीं हुआ है, इससे पहले भी ईरान में समय-समय पर ऐसे हादसे सामने आते रहे हैं। साल 2013 में, दो अलग-अलग खदान में घटनाएं सामने आई। इन हादसों में 11 मजदूरों की मौत हुई थी। इससे पहले साल 2009 में भी समय-समय पर कई घटनाएं सामने आई, जिसमें 20 मजदूर मारे गए थे। साल 2017 में, एक कोयला खदान में विस्फोट हुआ था, जिसमें कम से कम 42 लोगों की मौत हुई थी।

हादसों की क्या है वजह

ईरान में लगातार खनन क्षेत्रों में सामने आए विस्फोट और हादसों के लिए सुरक्षा मानकों को जिम्मेदार ठहराया जाता है। साथ ही जिस समय यह हादसे सामने आए उस समय खदान में मजदूर काम कर रहे थे और अचानक से विस्फोट होने पर वहां से भागने के लिए आपातलाकीन सेवाएं मौजू नहीं थी। इसी के चलते अपर्याप्त आपातकालीन सेवाओं को अक्सर मौतों के लिए दोषी ठहराया जाता है।

ईरान में कोयले की कितनी खपत

जहां एक तरफ ईरान तेल के प्रोडक्शन के लिए जाना जाता है। वहीं, ईरान में कई तरह के खनिजों का प्रोडक्शन भी काफी ज्यादा है। ईरान सालाना लगभग 3.5 मिलियन टन कोयले की खपत करता है लेकिन अपनी खदानों से हर साल सिर्फ 1.8 मिलियन टन ही कोयला निकालता है। बाकी के कोयले का आयात किया जाता है, जिसे अकसर देश की स्टील मिलों के लिए इस्तेमाल किया जाता है।

रूस के साथ बढ़ी अमेरिका की तनातनी, अलास्का के पास तैनात किया युद्धपोत, आर्मी यूनिट भी उतारी

वॉशिंगटन, 22 सितंबर (एजेंसियां)। अलास्का क्षेत्र में रूसी और चीनी सैन्य गतिविधि तेज होने के बाद अमेरिकी सेना यहां अपनी उपस्थिति बढ़ा रही है। अमेरिका ने वॉरशिप के साथ-साथ लंबी दूरी की मिसाइल प्रणालियों से लैस सेना इकाइयों को तैनाती के लिए भेजा है। अलास्का तट के पास रूसी नौसेना के हालिया अभियानों के जवाब में यूएसएस स्टेरेट विध्वंसक को भेजा गया है। अमेरिकी सेना के जवान भी सुदूर अलास्का द्वीप पर उतर गए हैं। अलास्का में तैनात लड़ाकू स्क्वाड्रनों और अन्य विमानों को अत्यधिक अलर्ट पर रखा गया है। पोलिटिको की रिपोर्ट के अनुसार, पिछले महीने उत्तरी अमेरिकी एयरोस्पेस डिफेंस कमांड (नोराड) ने अलास्का हवाई क्षेत्र के करीब रूसी हवाई संचालन में वृद्धि देखी है। रूसी और चीनी युद्धपोतों ने भी जापान के पास प्रशांत क्षेत्र में संयुक्त अभ्यास किया है, इसने अमेरिकी की चिंता को बढ़ाया है। चीन के सहयोग से इंडो-पैसिफिक और आर्कटिक क्षेत्रों में रूस की सैन्य कार्रवाइयां तब सामने आई हैं, जब यूक्रेन युद्ध के बाद रूस के चीन के साथ संबंध मजबूत हुए हैं।

रूसी और चीनी सेना के अभ्यास के बाद बढ़ा तनाव

रूसी विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव ने हाल ही में कहा था कि वह आर्कटिक में नाटो के साथ किसी भी टकराव के लिए पूरी तरह से तैयार हैं। लावरोव ने इस बात पर जोर दिया कि रूस अपने हितों की रक्षा करेगा। इसके बाद सीनेटर डैन सुलिवन (आर-अलास्का) ने रूसी और चीनी संयुक्त अभियानों में उल्लेखनीय वृद्धि का हवाला देते हुए बढ़ती सैन्य गतिविधि पर चिंता व्यक्त की थी। जुलाई में नोराड ने अलास्का तट से सिर्फ 200 मील की दूरी पर उड़ान भर रहे रूसी और चीनी बमवर्षकों को रोका भी था। यह पहली बार था, जब दोनों देशों के विमानों को एक साथ रोका गया था। अमेरिका का कहना है कि रूसी सेनाएं अलास्का के पास अपनी उपस्थिति बढ़ा रही हैं। 15 सितंबर को अमेरिकी तट रक्षक कटर स्ट्रैटन ने प्वाइंट होप, अलास्का से 57 मील उत्तर पश्चिम में पनडुब्बियों और फ्रिगेट सहित चार रूसी नौसेना जहाजों का पता लगाया। जब जहाज अंतरराष्ट्रीय जलक्षेत्र में रहे, तो उन्होंने अमेरिका के विशिष्ट आर्थिक क्षेत्र के अंदर लगभग 30 मील की दूरी तय की। ऐसे में उसने भी क्षेत्र में अपनी आर्मी यूनिट भेजी हैं। अमेरिकी सेना की 11वीं एयरबोर्न डिवीजन, पहली और तीसरी मल्टी-डोमेन टास्क फोर्स की इकाइयों के साथअभ्यास के लिए अलेउतियन द्वीप समूह में शेम्या में तैनात की गई। क्षेत्रीय रक्षा क्षमताओं को बढ़ाने के लिए इकाइयां रडार और उच्च गतिशीलता आर्टिलरी रॉकेट सिस्टम से लैस हैं। अमेरिका का सैन डिएगो में होमपोर्ट किया गया यूएसएस स्टेरेट विध्वंसक बेरिंग सागर में गश्त के बाद अलेउतियन में डच हार्बर पर रुका है।

सरकारी कर्मचारियों के तबादलों से हटेगी रोक!

भजनलाल सरकार ले सकती है ये बड़ा फैसला

जयपुर, 22 सितंबर (एजेंसियां)। लंबे समय से तबादलों का इंतजार कर रहे राजस्थान के सरकारी कर्मचारियों को जल्द ही बड़ी खुशखबरी मिल सकती है। मंत्री-विधायकों के दबाव के चलते भजनलाल सरकार तबादलों पर से रोक हटाने के लिए गंभीरता से विचार कर रही है। ऐसे में माना जा रहा है कि तबादलों पर लगी रोक को लेकर आगामी 25 सितम्बर को अहम फैसला हो सकता है।

दरअसल, राजस्थान में 25 सितंबर को भजनलाल कैबिनेट की मीटिंग होगी। इसमें तबादलों पर लगी रोक को हटाने सहित कई अहम फैसले हो सकते है। पहले यह मीटिंग 18 सितंबर को होनी थी। लेकिन राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के जयपुर दौरे के चलते मीटिंग स्थगित हो गई थी। अब 25 सितंबर को कैबिनेट मीटिंग होगी। ऐसे में कर्मचारियों में एक बार फिर तबादलों पर से रोक हटने की उम्मीद जगी है। हालांकि, बिना मीटिंग भी सरकार तबादलों पर से रोक हटा सकती है।

सिर्फ 10 दिन के लिए हटा था तबादलों से बैन

राजस्थान में भाजपा सरकार बनने के बाद फरवरी महीने में 10 दिन के लिए तबादलों पर से प्रतिबंध हटाया गया था। लेकिन, उस समय शिक्षा विभाग में तबादले नहीं किए गए थे। शिक्षा मंत्री मदन दिलावर ने परीक्षाओं का हवाला देते हुए तबादले नहीं करने का निर्णय किया था। उच्च पदस्थ सूत्रों के अनुसार शिक्षा विभाग में पिछले महीने से तबादलों को लेकर तैयारी शुरू हो चुकी है। अगली कैबिनेट बैठक, जो 25 सितंबर को है। उसमें तबादलों से प्रतिबंध हटाने पर निर्णय हो सकता है।

राजस्थान में अभी तक कोई तबादला नीति नहीं

बता दें कि 28 अगस्त को कैबिनेट मीटिंग के बाद संसदीय मंत्री जोगाराम पटेल ने कहा था कि शिक्षा विभाग में तबादलों को लेकर एक नीति बनाई जाएगी। लेकिन, अभी तक राजस्थान में कोई तबादला नीति नहीं बनी है। उन्होंने कहा था कि हम पूर्व की सरकारों से कुछ अलग करने पर विचार कर रहे हैं। हम ऐसी ट्रांसफर पॉलिसी लाना चाहते हैं जिसमें गंभीरता से विचार होगा। यह भी ध्यान रखा जाएगा दूसरे राज्यों में क्या पॉलिसी है? जल्द ही ट्रांसफर करने व ट्रांसफर पॉलिसी लाने पर विचार किया जाएगा। लेकिन, एक महीने बाद भी कुछ नहीं हो पाया है।

मंत्री-विधायक भी चाहते हैं तबादलों से हटे रोक

तबादलों पर से प्रतिबंध हटाने को लेकर राजस्थान सरकार पर विधायकों, मंत्रियों और बीजेपी संगठन का दबाव है। इसके पीछे यह तर्क है कि गहलोत राज में उनके लोगों के दूर-दूर तबादले किए गए थे। अब सरकार बदले 10 महीने हो गए है। लेकिन आज भी वे लोग दूर ही बैठे हुए हैं। पिछले दिनों हुई दो कैबिनेट मीटिंग में भी मंत्रियों ने तबादलों पर से रोक हटाने का मामला मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के सामने उठाया था।

ऊर्जा मंत्री हीरालाल नागर की जनसुनवाई

तीन कर्मचारियों को लगा लापरवाही का 'करंट', निलंबन के निर्देश

कोटा, 22 सितंबर (एजेंसियां)। ऊर्जा मंत्री हीरालाल नागर ने सांगोद में आयोजित जनसुनवाई के दौरान कार्य में लापरवाही की शिकायत पर तीन कार्मिकों को निलंबित करने के निर्देश दिए। ऊर्जा मंत्री ने जनसुनवाई में 390 से अधिक परिवादों की सुनवाई करते हुए अधिकारियों को शीघ्र निस्तारण के निर्देश दिए। ग्रामीणों ने उज्ज्वला योजना के तहत 5 किलो क्षमता के सिलेंडर के स्थान पर और अधिक क्षमता का सिलेंडर उपलब्ध कराने की मांग की। इस पर तुरंत संज्ञान लेते हुए ऊर्जा मंत्री ने एचपीसीएल के सेल्स मैनेजर से बात की। उन्होंने लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला को पत्र लिखकर समाधान के लिए केन्द्रीय स्तर पर आवश्यक कदम उठाने का आश्वासन दिया।

जनसुनवाई में कई ग्रामीणों ने अधिकारियों एवं कर्मचारियों के दुर्व्यवहार और काम नहीं करने की शिकायत की। इस पर ऊर्जा मंत्री ने कार्य के प्रति लापरवाही बरतने पर सांगोद एसडीओ कार्यालय में कार्यरत सूचना सहायक संदीप नागर, जूनियर असिस्टेंट सुदर्शन राजावत एवं तहसील सांगोद कार्यालय के जूनियर क्लर्क विशाल गोचर को निलंबित करने के निर्देश दिए। मंत्री नागर ने अधिकारियों एवं कर्मचारियों को आमजन के साथ अच्छा व्यवहार करने की नसीहत दी। उन्होंने कहा कि अपनी समस्याओं को लेकर सरकारी दतर आने वाले लोगों के साथ दुर्व्यवहार बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। जनसुनवाई में जिला प्रमुख मुकेश मेघवाल, प्रधान जयवीर सिंह, उप प्रधान ओम अड़ूसा, क्रय विक्रय सहकारी समिति के अध्यक्ष ओम मेहता ने भी विचार व्यक्त किए।

कोटा में ऊर्जा मंत्री हीरालाल नागर ने कहा कि साफ-सफाई की जिमेदारी सिर्फ सफाई मित्रों की ही नहीं है। अपने घर के साथ अपने गांव एवं शहर को स्वच्छ रखने का दायित्व हम सबका है। अगर हम गंदगी फैला सकते हैं तो उसकी सफाई को लेकर भी हमें अपनी सोच बदलनी होगी। सबके सामूहिक प्रयास से ही स्वच्छता के सपने को साकार किया जा सकता है। वे नगर पालिका की ओर से आयोजित स्वच्छता पखवाड़े के शुभारंभ पर मुख्य अतिथि पद से बोल रहे थे।

उन्होंने कहा कि बीते दस साल में देश में स्वच्छता को लेकर नई क्रांति आई है। लोगों की सोच में बदलाव आया है। शहरों के साथ अब गांव भी स्वच्छ हो रहे हैं। लेकिन कुछ कमी है जिसमें सुधार की जरूरत अब भी है। इससे पहले उन्होंने कार्यक्रम में शहरी क्षेत्र में सफाई कार्य में लगे स्वच्छता मित्र कार्मिकों का स्वागत एवं समान किया। समारोह में जिला प्रमुख मेघवाल, प्रधान जयवीर सिंह, उपप्रधान ओम नागर अड़ूसा, पालिका अध्यक्ष कविता गहलोत, उपाध्यक्ष राहत बेगम, पूर्व पालिका उपाध्यक्ष जगदीश शर्मा, राजेन्द्र शर्मा, भाजपा जिला उपाध्यक्ष दिलीप गर्ग आदि बतौर अतिथि मौजूद रहे। कार्यक्रम में सभी लोगों को ऊर्जा मंत्री ने स्वच्छता की शपथ दिलाई।

समारोह के बाद स्कूली बच्चों ने लोगों को साफ-सफाई को लेकर स्वच्छता जागरूकता रैली निकाली। ऊर्जा मंत्री ने हरी झंडी दिखाकर रैली का शुभारंभ किया। बाद में सभी ने पौधरोपण भी किया। पालिका के अधिशासी अधिकारी रवि कुमार दाधीच समेत अन्य भाजपा व कांग्रेस पार्षदों ने ऊर्जा मंत्री समेत अन्य अतिथियों का स्वागत किया।

डिप्टी सीएम दिया कुमारी का बड़ा एलान

भीलवाड़ा जिले में बनेगा 'टेक्सटाइल हब'

भीलवाड़ा, 22 सितंबर (एजेंसियां)। राजस्थान के भीलवाड़ा में उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी ने कहा कि राजस्थान पर्यटन के लिहाज से विश्व के नक्शे पर है, लेकिन यहां की अर्थव्यवस्था में बड़ा हिस्सा कृषि का है। उद्योगों में मुबई और हैदराबाद जैसे शहर काफी आगे हैं। इस स्थिति को बदलना होगा।

उप मुख्यमंत्री लघु उद्योग भारती राजस्थान के प्रदेश क्षेत्रीय समेलन में बतौर मुख्य अतिथि बोल रहीं थीं। उन्होंने कहा कि सीएम भजनलाल शर्मा राजस्थान को विकसित प्रदेश बनाना चाहते हैं। इसके लिए तेजी से काम चल रहा है। राजस्थान इस देश का ही नहीं, विश्व का ग्लोबल इंडस्ट्रियल हब बनेगा। भीलवाड़ा टेक्सटाइल हब है। यहां टेक्सटाइल पार्क बनेगा।

क्वालिटी व इनोवेशन पर देना होगा जोर

उद्योग मंत्री राज्यवर्धन सिंह राठौड ने कहा कि स्विट्जरलैंड के उद्यमियों ने अपनी क्वालिटी व इनोवेशन पर ध्यान दिया। इसके कारण वे आगे हैं। राजस्थान व भारत में भी इस पर ध्यान देना होगा। राठौड़ ने घोषणा कि स्टोनमार्ट अब 2026 से लघु उद्योग भारती करेगा।

वन व पर्यावरण मंत्री संजय शर्मा व उद्योग राज्य मंत्री केके विश्नोई ने भी सबोधित किया। इस दौरान लघु उद्योग भारती महिला इकाई की ओर से स्वयंसिद्धा पोस्टर का विमोचन किया गया।

नए जिलों पर सियासत तेज

नेता प्रतिपक्ष जूली बोले

छेड़छाड़ की गई तो ठीक नहीं होगा

झुंझुनू, 22 सितंबर (एजेंसियां)। गहलोत राज में बनाए गए राजस्थान में 17 नए जिलों पर सियासत गरमाई हुई है। खुद सीएम भजनलाल शर्मा कुछ जिलों को हटाने के संकेत दे चुके हैं। वहीं, कांग्रेस साफ कह चुकी है कि अगर नए जिलों से छेड़छाड़ की गई तो ठीक नहीं होगा। इसी बीच अब नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने बड़ा बयान दिया। जूली ने कहा कि हम चाहते हैं कि राजस्थान में और भी जिले बनें, ताकि आमजन को नजदीक ही प्रशासनिक सेवाओं का लाभ मिल सके। नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली शनिवार को झुंझुनू में विभिन्न कार्यक्रमों में हिस्सा लेने आए थे।

इस दौरान सर्किट हाउस में प्रेस वार्ता के दौरान उन्होंने ये बात कही। नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने कहा कि भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ ने 15 दिन पहले बयान दिया था कि हम 6 जिले बदल रहे हैं। इस पर हमने कहा था कि आप किस हैसियत से जिले बदलने की मांग कर रहे हैं। आप न ही उस कमेटी के मेंबर हैं और न ही सरकार का हिस्सा है। इस पर प्रदेशाध्यक्ष ने बयान पलटा था। उसके बाद डिप्टी सीएम प्रेमचंद बैरवा को अध्यक्ष पद से हटा दिया गया। हम चाहते हैं कि राजस्थान में और भी जिले मिले। आमजन को नजदीक ही प्रशासनिक सेवाओं को लाभ मिले। अगर भाजपा की सरकार दूरभावना पूर्वक राजनीतिक दृष्टि से काम करेगी तो हम इसका विरोध करेंगे।

भजनलाल सरकार की तीखी टिप्पणी

जूली ने कहा 9 महीने में भाजपा सरकार के पास कई मौके आए, जहां पर सरकार विफल रही। पहले बिजली-पानी की व्यवस्था में विफल रही। फिर बारिश में पोल खुल गई। मुख्यमंत्री ने मंत्रियों को हर जिले में भेजा, लेकिन मंत्रियों के हाथ में कुछ नहीं है। मंत्रियों की कोई सुनता नहीं, पूछता नहीं। मंत्री की मुख्यमंत्री नहीं मानते। खुद मुख्यमंत्री की नहीं चल रही है। कोई भी निर्णय मुख्यमंत्री नहीं ले पा रहे हैं। शिक्षा मंत्री को बदलने की जरूरत है। वे बयानबाजी के अलावा कुछ नहीं कर रहे हैं। शिक्षा मंत्री जाति धर्म की बात कर तनाव पैदा कर रहे हैं।

तिरूपति बालाजी मंदिर में राजस्थान से जाता था घी

तिरुमाला तिरूपति देवस्थानम के पूर्व अध्यक्ष वाईवी सुब्बारेड्डी ने किया खुलासा

जयपुर, 22 सितंबर (एजेंसियां)। तिरूपति बालाजी मंदिर में लड्डू प्रसाद में इस्तेमाल होने वाले घी को लेकर बवाल मचा हुआ है। घी में पशु की चर्बी और फिश ऑयल मिलने की बात सामने आ रही है। लेकिन इस बीच बड़ी खबर सामने आ रही है।

तिरुमाला तिरूपति देवस्थानम के पूर्व अध्यक्ष वाईवी सुब्बारेड्डी ने एक प्रेस कांफ्रेस में कहा है कि मंदिर में हर दिन गाय के दूध का 60 किलो घी राजस्थान के फतेहपुर से खरीदा जाता रहा है। मंदिर में जो घी इस्तेमाल हुआ है। वह कथित तौर पर 320 रुपए किलो लिया। लेकिन सुब्बारेड्डी के अनुसार जब वह अध्यक्ष थे तो घी 1667 रुपए प्रति किलो के हिसाब से लिया जाता था।

राजस्थान के विभिन्न जिलों में स्थित वो बड़े मंदिर, जिनमे सवामणि एवं अन्य प्रायोजन नियमित रूप से किए जाते हैं। भोग लगाकर प्रसाद वितरित किया जाता है। उन सभी मे तीन से पांच दिन का एक विशेष निरीक्षण एवं नमूनीकरण अभियान चलाया जाएगा। यह अभियान 23 से 26 सितम्बर तक चलेगा।

जिसमें सभी मंदिरों में बनने वाले प्रसाद एवं सवामणि में बनने वाले विभिन्न खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता की जांच की जाएगी। साथ ही जो 54 आवेदन मंदिर के भोग सर्टिफिकेट के लिए आए हुए हैं। उनके भी वेरिफिकेशन की कार्यवाही की जाएगी। प्रसाद की गुणवत्ता के साथ गन्दगी, हाईजिन का भी निरीक्षण किया जाएगा।

ट्रेलर के डीजल टैंक से टकराया ट्रैक्टर

धमाके के साथ वाहनों में लगी आग, एक व्यक्ति जिंदा जला

चित्तौड़गढ़, 22 सितंबर (एजेंसियां)। जिले में निम्बाहेड़ा-छोटीसादड़ी मार्ग पर ग्राम मढ्ढा गांव से आगे एस्सार पंप के पास ट्रेलर और ट्रैक्टर की जोरदार भिड़ंत हो गई। हादसे में दोनों वाहनों में आग लग गई। हादसे में एक व्यक्ति जिंदा जल गया, जबकि दूसरे को लोगों ने बचा लिया गया। घायलों को निंबाहेड़ा में प्राथमिक उपचार के बाद उदयपुर रेफर कर दिया गया। दमकल की सहायता से आग पर काबू पाया गया। मृतक की अभी तक शिनाख्त नहीं हो पाई है।

जानकारी में सामने आया कि मढ्ढा गांव के पास दोनों वाहनों की टक्कर के बाद तेज आवाज हुई तो ग्रामीण सकते में आ गए। लोग कुछ समझ पाते तब तक ट्रैक्टर और कंटेनर दोनों ही जलने लगे थे। बताया गया कि ट्रैक्टर टकराते हुए ट्रेलर के डीजल टैंक से जा भिड़ा। इसके बाद धमाके के साथ आग लग गई। लोगों ने जलते हुए वाहन से एक व्यक्ति को बाहर निकाल लिया, लेकिन दूसरे को नहीं बचा पाए। ये दोनों ट्रैक्टर में सवार थे, जबकि ट्रेलर का चालक पहले ही कूद गया था। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार दुर्घटना के तुरंत बाद एक व्यक्ति को ग्रामीणों ने सुरक्षित बाहर निकाल लिया। वहीं एक अन्य व्यक्ति वाहनों के यहां फंसा गया था। इस हादसे के कारण सड़क पर यातायात पूरी तरह से बाधित हो गया और लंबा जाम लग गया।

डिप्टी बद्रीलाल राव सहित निंबाहेड़ा पुलिस थाने का जाप्ता मौके पर पहुंचा। हादसे की सूचना मिलते ही पूर्व मंत्री एवं विधायक श्रीचंद कृपलानी ने अधिकारियों से दूरभाष पर वार्ता कर आवश्यक दिशा निर्देश दिए। कृपलानी के निर्देश पर जेके सीमेंट एवं वंडर सीमेंट सहित कुल चार दमकल मौके पर पहुंची और आग पर काबू पाया। वहीं विधायक कृपलानी सहित पूर्व विधायक अशोक नवलखा भी कनेरा में अपने कार्यक्रम को छोड़कर दुर्घटना स्थल पहुंचे और हादसे की जानकारी ली। आग बुझने के बाद अधजले शव को निंबाहेड़ा चिकित्सालय की मोर्चरी में रखवाया गया है। शव की फिलहाल शिनाख्त नहीं हो पाई है। वहीं प्रकाश पुत्र रामलाल प्रजापत निवासी रूपा खेड़ी उज्जैन गंभीर झुलस गया। उसे गंभीरावस्था में उदयपुर रेफर किया गया।

कृष्णावती नदी में खनन को लेकर ग्रामीणों का गुस्सा फूटा

रास्ता रोक कर खाली करवाए ट्रक-ट्रैक्टर

सिरोही, 22 सितंबर (एजेंसियां)। सिरोही में कृष्णावती नदी में बजरी खनन को लेकर ग्रामीणों का आक्रोश फूट पड़ा। नाराज लोग सड़क पर उतर गए तथा बजरी से भरे ट्रकों एवं ट्रैक्टरों को खाली करवा दिया। इसके बाद इस मामले में खनन विभाग के साथ जिम्मेदार अधिकारियों को कई बार बताने के बाद भी कोई कारवाई नहीं किए जाने पर खुलकर रोष जताया गया। इस दौरान रविवार को जावाल समेत विभिन्न क्षेत्र के गांवों में बंद की अपील की गई।

कृष्णावती नदी में विभिन्न स्थानों पर बीते लंबे से बजरी का दिन रात खनन चल रहा है। इस मामले में खनन विभाग एवं स्थानीय जिम्मेदार अधिकारियों को कई बार बताने के बाद भी ध्यान नहीं दिया जा रहा है। इसके साथ ही जिला कलेक्टर को भी बताया गया था। इससे नदी में जगह-जगह गड्ढे बन गए हैं। हमेशा हादसों का अंदेशा बना रहता है। कोई कार्रवाई नहीं किए जाने से ग्रामीणों में रोष व्याप्त है। नाराज लोग नदी पर पहुंचे तथा वहां बजरी भर रहे ट्रैक्टरों एवं ट्रकों को खाली करवाया। इसके बाद वे नारेबाजी कर रोष जताने लगे। सूचना मिलने पर डीवाईएसपी मुकेश चौधरी के साथ बरलूट थाना पुलिस के साथ पुलिसकर्मी मौके पर पहुंचे।

खनन विभाग के जितेंद्र कुमार, वरिष्ठ सहायक सुरेश कुमार, सिरोही तहसीलदार देसलाराम ने यहां आकर ग्रामीणों की समझाइश की। ग्रामीण प्रशासन के रवैए पर रोष जताते हुए कृष्णावती नदी से हो रहे बजरी खनन से रोक लगाने की मांग की। इस दौरान उनका कहना था कि जब तक उनकी मांग नही मानी जाती तब तक वे नदी में खनन नहीं होने देंगे तथा खुद खनन को रोकेंगे। उसके बाद माइक से जावाल सहित विभिन्न गांवों में रविवार को बंद रखने का आग्रह किया गया।

7 साल की बच्ची को अवैध बजरी के ट्रैक्टर ने कुचला

धौलपुर, 22 सितंबर (एजेंसियां)। राजस्थान के धौलपुर से बड़ी खबर सामने आई है। बजरी खाली कर लौट रही ट्रैक्टर-ट्रॉली ने मासूम बच्ची को कुचल दिया। जिससे बच्ची की मौत हो गई। वहीं, बेकाबू ट्रैक्टर चालक ने दो बाइकों को भी अपनी चपेट में ले लिया। घटना निहालगंज थाना क्षेत्र की अंबेडकर नगर कॉलोनी में आज सुबह हुई। हादसे के बाद लोगों में रोष व्याप्त है।

प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि सुबह के समय मासूम पूर्णिमा (7) पुत्र रामजस अपने घर के बाहर खेल रही थी। घर के बाहर खेल रही मासूम के पास दो बाइक भी रखी थी। इसी दौरान बजरी खाली कर लौट रहे ट्रैक्टर-ट्रॉली चालक ने संतुलन खो दिया। जिसके बाद ट्रैक्टर चालक ने बाइकों को कुचलते हुए मासूम बच्ची को टक्कर मार दी।

हादसे के बाद मौके से भागा चालक

हादसे के बाद ट्रैक्टर-ट्रॉली चालक मौके से भाग निकला। हादसे की सूचना मिलते ही निहालगंज थाना पुलिस मौके पर पहुंची। जहां पुलिस ने घायल मासूम को धौलपुर जिला अस्पताल पहुंचाया। जहां अस्पताल ले जाते वक्त मासूम ने रास्ते में दम तोड़ दिया।

परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल, मां हुई बेसुध

बच्ची की मौत के बाद परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। बच्ची की मां बेसुध हो गई। ऐसे में आसपास की महिलाएं उन्हें संभालती हुई नजर आई। इस घटना से आसपास के लोगों भी आक्रोश व्याप्त है। लोगों ने ट्रैक्टर चालक को गिरफ्तार करने सहित मृतका के परिजनों को मुआवजा देने की मांग की है।

फरार ट्रैक्टर चालक की तलाश में जुटी पुलिस

थाने के एएसआई बहादुर सिंह ने बताया कि डॉक्टर द्वारा मासूम के मृत घोषित किए जाने के बाद शव को मोर्चरी में रखवाया गया हैं। उन्होंने बताया कि पुलिस ने घटनास्थल से ट्रैक्टर-ट्रॉली को भी जब्त कर लिया हैं। परिजनों द्वारा रिपोर्ट दिए जाने के बाद मामले में कानूनी कार्रवाई की जाएगी। फिलहाल, पुलिस फरार ट्रैक्टर-ट्रॉली चालक की तलाश में जुटी हैं।

युवाओं ने नहीं मानी हार, 14 दिन बाद फिर लबालब हुआ एनिकट

दौड़ी खुशी की लहर

दौसा, 22 सितंबर (एजेंसियां)। इंसान चाहे तो उसके आगे कोई ऐसा काम नहीं है, जो वह कर नहीं सकता हो। ऐसा ही उपखण्ड के ग्राम पंचायत मलवास के गांव देहलावास के समीप मोरेल नदी पर ग्रामीणों द्वारा बनाया गया कच्चे एनिकट को युवाओं ने 14 दिन बाद तीन दिन में मेहनत कर फिर दोबारा बनाकर तैयार कर दिया। इससे अब टूटा एनिकट बनकर तैयार होने के बाद पानी से लबालब भर गया। इससे दौसा जिले के दर्जनों गांवों का जलस्तर बढ़ेगा तो जल समस्या से निजात मिलेगी।

जानकारी के अनुसार मोरेल नदी के बहाव क्षेत्र में ग्रामीणों ने जनसहायोग से कच्चा एनीकट बनाया गया था। एनिकट में पानी की आवक अधिक होने से 8 सितरम्बर 2024 की रात्रि को टूट गया था। इससे ग्रामीणों ने जी-जान लगाकर की गई मेहनत पर पानी फिर गया था। एनिकट टूटने पर युवाओं ने हार नहीं मानी।तीन दिन में तैयार कर दिया एनिकट

युवाओं ने फिर से एनिकट को तैयार करने का बीड़ा उठाकर जनसहयोग से तीन दिन तक लगाकर दिन-रात मेहनत कर ट्रैक्टर टॉली, जेसीबी आदि की सहायता से फिर दोबारा एनिकट की पाल तैयार कर दी। इससे एनिकट अब लबालब भर गया। इससे आसपास के दर्जनों गांवों का जलस्तर बढ़ने से लोगों को फायदा मिलेगा।

उल्लेखनीय है कि गांव देहलावास, टोडरवास व सींगपुरा के ग्रामीणों ने बारिश शुरू होने से पहले गिरते भूजल से परेशान होकर मोरेल नदी में बहने वाले पानी को रोकने के लिए तीनों गांवों के लोगों ने 8 लाख रुपए चंदा एकत्रित कर बहाव क्षेत्र में खुद के स्तर पर एनिकट बनाने की ठानी। इसके लिए 45 ट्रैक्टर, 7 जेसीबी चलाकर महज सात दिनों में 450 से ज्यादा लोगों ने श्रमदान कर तीन एनिकट बना दिए थे।

एनिकट को दोबारा तैयार करने में तीन दिन लगे। कार्य में देहलावास, टोडरवास, खानवास सहित अन्य आसपास के गांवों के करीब दो सौ युवाओं सहित ग्रामीणों ने दिन रात मेहनत की। दोबारा एनिकट बनाने में करीब चार लाख का खर्चा आया। इसमें करीब 25 ट्रैक्टर, दो जेसीबी, दो लोडर से एनिकट निर्माण का कार्य किया गया। एनिकट की करीब 15 फीट ऊंचाई व 40 फीट चौडाई की गई। एनिकट में ओवरफ्लो पानी निकासी के लिए पाइप लगाए गए। एनिकट लबालब होने से ग्रामीणों में खुशी की लहर दौड़ पड़ी। एनिकट के भरने से करीब 15 गांव देहलावास, टोडरवास, डूगरवाता, पिलारामा, खानवास, माडेडा, जैलमपुरा, किशनपुरा टापरिया, मलवास, सहसपुर, सुनारपुरा, खण्डेवल आदि गांवों को फायदा मिलेगा।

सीएम ने शिवशक्ति शिरडी साईं अनुग्रह महापीठ की सराहना की

हैदराबाद, 22 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। वन व पर्यावरण और धर्मार्थ मंत्री कोंडा सुरेखा के साथ मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी को 13 अक्टूबर को श्री चक्र महाआलयम का उद्घाटन करने के लिए आमंत्रित किया गया, जिसका उद्घाटन 13 अक्टूबर में यदाद्री भुवनगिरी जिले के रमनेश्वरम में श्री शिवशक्ति शिरडी साईं अनुग्रह महापीठ में होने जा रहा है। इस मौके पर पीठ के आयोजकों ने मुख्यमंत्री को शिव क्षेत्र की महिमा और महत्व के बारे में बताया। उन्होंने सीएम को बताया कि 12 इंच के 1008 पंचलोहा श्रीचक्र स्थापित किए जाएंगे। इस मौके पर सीएम रेवंत रेड्डी ने शिवशक्ति शिरडी साईं अनुग्रह महापीठ के प्रयासों की सराहना की। उन्होंने कहा कि आशा है कि यह क्षेत्र देश का सबसे बड़ा शिव क्षेत्र बनकर उभरेगा। मंत्री सुरेखा ने इस पीठ की गौशाला में गायों की देखभाल के लिए किए जा रहे उपायों की जानकारी ली। मंत्री सुरेखा ने प्रशंसा करते हुए कहा कि यह बहुत बड़ी बात है कि गौशाला में गायों से एकत्र दूध से प्रतिदिन 2000 शिव लिंगों का अभिषेक किया जाता है, साथ ही उपासना और नित्यानंद कार्यक्रम भी किए जा रहे हैं।

रामनगर स्थित काग परिवार द्वारा आयोजित सम्मान समारोह कार्यक्रम में सीरवी समाज तेलंगाना पारसीगुट्टा हैदराबाद आगामी कार्यकाल के लिए निर्वाचित अध्यक्ष मोहनलाल हाम्बड़, उपाध्यक्ष मूलाराम चोयल, सचिव नारायणलाल काग, सहसचिव हिराराम खंडाला, कोषाध्यक्ष खंगारसिंह लचेटा, शिक्षा समिति सचिव चेलाराम भायल, सलाहकार चोलाराम हाम्बड़, जसवन्त देवड़ा, मनोनित सदस्य रामलाल बर्फा, रामलाल परिहार, महिला अध्यक्षा सुशीला देवड़ा, कोषाध्यक्षा नीलू लचेटा, सहसचिव कविता सोलंकी का सम्मानकार उपस्थित प्रवासी समाज बन्धु।

भक्ति और शक्ति का संगम हैं महादेव

मंगल कलश यात्रा का भव्य आयोजन किया गया

हैदराबाद, 22 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। दिव्य ज्योति जाग्रति संस्थान की ओर से मुन्नूरु कापु भवन (म्याडम अंजय्या हॉल) काचीगुड़ा में 22-28 सितंबर 2024 तक सात-दिवसीय भगवान शिव कथा का भव्य आयोजन किया जा रहा है। इसी उपलक्ष में आज मंगल कलश यात्रा का भव्य आयोजन किया गया, जिसमें समाजसेवी रमेश कुमार बंग, चेयरमैन महेश बैंक और रामप्रकाश भंडारी ने यात्रा का शुभारंभ किया।

कलश यात्रा का प्रारंभ मुन्नूरु कापु भवन (म्याडम अंजय्या हॉल) से हुआ, जहां परंपरागत रीति-रिवाजों और मंत्रोच्चार के साथ कलश की स्थापना की गई। महिलाएं सिर पर कलश लेकर यात्रा में सम्मिलित हुईं। कलश यात्रा के उपरांत भंडारे का भी आयोजन किया गया।

सायंकाल में कथा के प्रथम दिवस गुरुदेव श्री आशुतोष महाराज जी के शिष्य डॉ. सर्वेश्वर जी ने कथा माहात्म्य का वर्णन करते हुए बताया कि भारतीय संस्कृति के प्राण चिरकाल से ही आध्यात्मिकता में बसते हैं। इसी आध्यात्मिक शक्ति के संवाहक रहे हमारे आर्ष ग्रन्थ वेद, पुराण, उपनिषद इत्यादि ने सदैव जनमानस के सामने सफल जीवन जीने के सूत्र रखे हैं।

इन्हीं पुराणों का सार प्रभु की पावन कथा द्वारा संतों महापुरुषों के माध्यम से समाज में प्रसारित किया जाता रहा है। अगर बात करें भगवान भोलेनाथ की पावन कथा की तो आज भारत ही नहीं अपितु सम्पूर्ण विश्व में भगवान शिव के असंख्य भक्त उनकी उपासना करते हैं। विश्व की विभिन्न प्राचीन सभ्यताओं में भी भगवान शिव की उपासना के प्रमाण मौजूद हैं। महाराजश्री ने बताया कि जिस प्रकार बिना आत्मा के देह शव हो जाती है, उसी प्रकार बिना शिव तत्व के यह विश्व भी निष्प्राण है। जब-जब भी समाज से शिव तत्व लुप्त हुआ तब-तब समाज पतन को प्राप्त हुआ है। आज समाज में व्याप्त हिंसा, वैमनस्य, मतभेद सब शिव तत्व का समाज से विलुप्तिकरण ही दर्शाते हैं। और प्रभु की यह पावन कथा उसी सनातन शिव तत्व को उजागर करने आई है। शिव तत्व को ब्रह्मज्ञान के माध्यम से घट में प्रकट करने आई है। कथा का समापन प्रभु की पावन आरती से किया गया। कथा के मुख्य यजमान स्व. सीता देवी व बगदाराम कुमावत एवं श्रीमती लक्ष्मी देवी व श्री ओंकार राम चौधरी हैं। प्रथम दिवस की कथा के दैनिक यजमान श्रीमती रमणी राव एवं एम.एस. राव थे। कथा स्थल पर समाजसेवी बृजगोपाल संघी, जानकीलाल संघी, श्यामलाल कुमावत, संजु राम कुमावत, राम प्रकाश भंडारी उपस्थित रहे।

धम्माईगुड़ा स्थित श्री राम गौशाला गजनीपुरा के सर्वसहमति से अध्यक्ष चुने जाने पर ताराराम गेहलोत का पुष्प-माला व शॉल से सम्मान करते हुए श्री राजस्थानी मित्र मंडल अध्यक्ष सोहनसिंह राजपुरोहित, मोटाराम बर्फा, सुरेश सीरवी, नेमाराम पंवार, परबत सोलंकी, रुपाराम सेंणचा, नेमाराम काग, प्रकाश सोयल व समाज बन्धु।

रविवार को पेड्डापुर गुरुकुल के छात्रों को मांसाहारी भोजन नहीं

हाल ही में गुरुकुल अज्ञात कारणों से दो छात्रों की मौत और कई छात्रों के बीमार होने के कारण चर्चा में रहा है

मंचेरियाल, 22 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य के सरकारी आवासीय विद्यालयों में हर रविवार को छात्रावास में रहने वाले छात्रों को मांसाहारी व्यंजन परोसना आम बात रही है। जिसमें छात्रों को चिकन, मटन और अंडे जैसे मांसाहारी व्यंजन परोसना भी अनिवार्य था। लेकिन जिले के पेड्डापुर गुरुकुल ने हाल ही में अभिभावकों के अनुरोध पर इस प्रथा को बंद कर दिया है। गुरुकुल में पिछले दिनों दो छात्रों की अज्ञात कारणों से मौत हो गई थी और कई छात्र बीमार पड़ गए थे। जन विज्ञान वेधिका के कार्यकर्ताओं ने इस कदम को अंधविश्वास बताया है वहीं श्रद्धालुओं ने स्कूल प्रबंधन के इस फैसले का स्वागत किया है। यह स्कूल मेटपल्ली मंडल में स्थित है, जहां गांव में मल्लन्ना (शिव) मंदिर है। हर साल होली के त्योहार के बाद रविवार को यहां एक विशाल मल्लन्ना बोनाला जतरा आयोजित किया जाता है। इसके अलावा, एक परंपरा है कि स्थानीय लोग रविवार को मांसाहारी भोजन और शराब का सेवन नहीं करते हैं। क्योंकि यह दिन भगवान के लिए शुभ माना जाता है।

ऐसा कहा जाता है कि कुछ लोगों को छोड़कर, गांव की 3,000 की आबादी में से अधिकांश लोग रविवार को मांसाहारी भोजन से परहेज करते हैं। पता चला है कि कुछ ग्रामीणों और अभिभावकों ने पहले गुरुकुल के अधिकारियों से गांव में प्रचलित परंपरा का पालन करने और रविवार को छात्रों को मांसाहारी भोजन न परोसने के लिए कहा था। लेकिन स्कूल के अधिकारियों ने उनकी अपील पर विचार नहीं किया। जुलाई और अगस्त में स्कूल में हुई अप्रिय घटनाओं के बाद रविवार को मांसाहारी भोजन परोसने का मुद्दा फिर से सामने आया। 9 अगस्त को दूसरे छात्र की मौत के बाद सभी अभिभावक अपने बच्चों को घर ले गए उस दौरान कुछ अभिभावकों ने रविवार को नॉन-वेज खाना परोसे जाने को छात्रों की मौत का कारण बताया। स्कूल में आयोजित बैठकों में भाग लेते हुए कुछ अभिभावकों ने रविवार को नॉन-वेज खाना परोसना बंद करने की मांग फिर उठाई इसके बाद गुरुकुल के अधिकारियों ने रविवार को नॉन-वेज खाना परोसना बंद करने और दूसरे दिन नॉन-वेज खाना परोसने का फैसला किया। स्कूल की प्रिंसिपल माधवी लता ने बताया कि चिकन चार बार तथा मटन महीने में दो बार परोसा जा रहा है। पेड्डापुर मल्लन्ना मंदिर समिति के अध्यक्ष मित्तपल्ली नारायण रेड्डी ने रविवार को नॉन-वेज न परोसने के स्कूल प्रशासन के फैसले की सराहना की। उन्होंने कहा कि उन्होंने प्रबंधन से रविवार को नॉन-वेज परोसने से मना नहीं किया लेकिन उन्होंने कहा कि रविवार को अधिकांश ग्रामीण शराब नहीं पीएंगे और नॉन-वेज नहीं खाएंगे। दूसरी ओर, जेवीवी राज्य समिति के सदस्य रामाराजू ने इसे अंधविश्वास करार देते हुए कहा कि स्कूल प्रबंधन को छात्रावास के मेनू के अनुसार हर रविवार को नॉनवेज बनाकर छात्रों को परोसना चाहिए। उन्होंने कहा कि स्कूल प्रबंधन के इस कदम से छात्रों पर गलत प्रभाव पड़ेगा।

मंचेरियाल के लड़के को सर्वश्रेष्ठ विद्वान पुरस्कार मिला

मंचेरियाल, 22 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। प्रोफेसर जयशंकर तेलंगाना राज्य कृषि विश्वविद्यालय (पीजेटीएसएयू) में डॉक्टर ऑफ फिलॉसफी (पीएचडी) कर रहे बोन्थला मधुकर ने अपने उत्कृष्ट शोध विषय के लिए नई दिल्ली में 'कृषि और संबद्ध क्षेत्रों में वर्तमान नवाचार और तकनीकी प्रगति' पर आयोजित एक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में सर्वश्रेष्ठ विद्वान का पुरस्कार जीता। सम्मेलन का आयोजन भारतीय कृषि विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी अनुसंधान सोसायटी द्वारा किया गया था। मधुकर को 'ड्रोन का उपयोग करके मक्का की फसल पर खरपतवार नाशक का प्रयोग' विषय पर शोध करने के लिए इस पुरस्कार के लिए चुना गया। जन्नारम के कलामदुगु गांव से आने वाले मधुकर ने जगतियाल जिले के पोलासा में एक कॉलेज से कृषि में स्नातक की पढ़ाई पूरी की और फिर पश्चिम बंगाल के शांतिनिकेतन में विश्व भारती विश्वविद्यालय से स्नातकोत्तर की डिग्री हासिल की है।

टास्क फोर्स के अधिकारियों ने पकड़ा 55,000 हजार का देशी दारू पकड़ा

देशी दारू के 15 कार्टून (55,000 रुपये मूल्य की 1500 बोतलें)

आसिफाबाद, 22 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। कुमरमभीम आसिफाबाद जिला एसपी डी.वी. श्रीनिवास राव आईपीएस के आदेशानुसार टास्क फोर्स सीआई राणा प्रताप और एसआई वेंकटेश ने अपने स्टाफ के साथ ग्रामीण क्षेत्र कागजनगर के चारीगाम गांव में प्रतिबंधित देशी शराब जब्त की।

सीआई राणा प्रताप द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार कागजनगर ग्रामीण क्षेत्र के लोनी चारीगांव गांव में स्थानीय लोगों द्वारा जोर-शोर से शराब बेचने की सूचना के आधार पर छापेमारी की गयी। डोंगरी. महेश पुत्र रमेश (तिरंदाज बस्ती, कागजनगर), रितिक राजू वालके पुत्र राजू वालके, भल्लारशा, महाराष्ट्र और संतोष देवाजी मडावी पुत्र देवाजी मडावी, भल्लारशा, महाराष्ट्र।वहां से वे दूसरी जगहों पर सप्लाई कर रहे हैं। उनके बारे में मिली जानकारी के मुताबिक उन घरों पर छापेमारी की गई और तीन में से दो को गिरफ्तार कर लिया गया और सभी फरार हैं। उन्होंने कहा कि दो व्यक्तियों के पास से 15 कार्टन (1500, 90 एमएल की बोतलें) प्रतिबंधित देशी शराब, जिसकी अनुमानित कीमत 55,000 रुपये है, को हिरासत में लिया गया और उनके पास से देशी शराब जब्त कर कागजनगर ग्रामीण पुलिस स्टेशन को सौंप दिया गया और मामला दर्ज किया गया। उनके खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। टास्क फोर्स सीआई राणा प्रताप ने चेतावनी दी कि युवा बुरी लतों में न पड़ें, देसीदारु, गुडुम्बा, गंजाई जैसे नशीले पदार्थ बेचने या बनाने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। इस अवसर पर टास्क फोर्स सीआई राणा प्रताप, एसआई वेंकटेश, स्टाफ कांस्टेबल मधु और रमेश ने भाग लिया।

गोल्लापल्ले गांव में शराब की बिक्री, सेवन पर प्रतिबंध

शराब की लत में अपने परिवार की उपेक्षा करते हैं पुरुष

वारंगल, 22 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। वारंगल जिले के नल्लाबेल्ली मंडल की सीमा पर स्थित एजेंसी गांव गोल्लापल्ले, राज्य में शराब की बिक्री और खपत पर प्रतिबंध लगाने वाले गांवों की सूची में शामिल हो गया है। आदर्श ग्राम पंचायतों, गंगादेवीपल्ली और मरियापुरम तथा राज्य के कई गांवों ने पहले ही पूर्ण शराबबंदी लागू कर दी है और अब गोल्लापल्ले गांव भी उनमें शामिल हो गया है। यह निर्णय ऐसे समय में लिया गया है जब राज्य सरकार शराब की बिक्री के माध्यम से राजस्व बढ़ाने की कोशिश कर रही है। यह निर्णय पिछले सप्ताह गांव में आयोजित एक बैठक में लिया गया। गांव के बुजुर्गों और युवाओं ने यह निर्णय इसलिए लिया क्योंकि शराब की बिक्री और खपत उनके जीवन और आजीविका पर प्रतिकूल प्रभाव डाल रही थी, क्योंकि अधिक से अधिक पुरुष शराब की ओर आकर्षित हो रहे थे और अपने परिवारों की उपेक्षा कर रहे थे।

गोल्लापल्ले गांव की आबादी 750 लोगों की है और उनमें से ज्यादातर कथित तौर पर शराब के आदी हो चुके हैं और अपनी मेहनत की कमाई इस पर खर्च कर रहे हैं। ग्रामीणों ने कहा कि किशोरों सहित कई लोग गुडुम्बा (अवैध रूप से आसुत शराब) के आदी हो चुके हैं और अत्यधिक शराब पीने के कारण अपना स्वास्थ्य खो रहे हैं। उन्होंने कहा कि अतीत में गुडुम्बा की लत के कारण कई लोगों की कम उम्र में ही मौत हो गई थी, जिससे उनके परिवार के सदस्यों को परेशानी हुई थी। उन्होंने कहा कि यही मुख्य कारण था कि गांव के लोगों ने शराब की बिक्री और खपत पर प्रतिबंध लगाने का फैसला किया। शराब की बिक्री पर सामुदायिक प्रतिबंध और भी अधिक महत्वपूर्ण हो जाता है क्योंकि देशी शराब का सेवन अक्सर आदिवासी संस्कृति और परंपरा से जुड़ा होता है। हालांकि, ग्रामीणों का मानना है कि पूर्ण प्रतिबंध से लोगों के जीवन में गुणात्मक बदलाव आएगा।

तिरुमाला श्रीवारी ब्रह्मोत्सवम के लिए मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायुडू को निमंत्रण

तिरुपति, 22 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। टीटीडी ने आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री नारा चंद्रबाबू नायुडू को तिरुमाला के पवित्र मंदिर में 4 से 12 अक्टूबर तक आयोजित होने वाले वार्षिक ब्रह्मोत्सवम उत्सव में भाग लेने के लिए आमंत्रित किया है। टीटीडी ईओ जे. श्यामला राव ने अतिरिक्त ईओ वेंकैया चौधरी के साथ रविवार को विजयवाड़ा के उंडावल्ली में आवास पर सीएम को ब्रह्मोत्सवम का निमंत्रण दिया है। इस अवसर पर, तिरुमाला मंदिर के टीटीडी प्रधान अर्चकों में से एक वेणुगोपाल दीक्षितुलु और वैदिक पंडितों ने सीएम को वेद असीर्वचनम की पेशकश की। बाद में उन्हें श्रीवारी तीर्थ प्रसादम भी भेंट किया गया।

95 में से 78 एईई भर्ती परीक्षा में चयनित

संगारेड्डी के एक कॉलेज के विद्यार्थियों ने हासिल की उपलब्धि

संगारेड्डी, 22 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। प्रोफेसर जयशंकर कृषि विश्वविद्यालय (पीजेटीएसएयू) के एक घटक कॉलेज, संगारेड्डी के कृषि इंजीनियरिंग कॉलेज के पूर्व छात्रों ने एक अभूतपूर्व उपलब्धि हासिल करते हुए सहायक कार्यकारी अभियंता (एईई) के 95 पदों में से 78 पद हासिल किए, जिसके लिए सिंचाई विभाग द्वारा भर्ती की गई थी। इंजीनियरिंग कॉलेज के प्रबंधन ने सभी चयनित उम्मीदवारों को कॉलेज में आमंत्रित किया और चयनित उम्मीदवारों के लिए एक सम्मान समारोह आयोजित करके उपलब्धि का जश्न मनाया।

यह तेलंगाना में बी-टेक (कृषि) प्रदान करने वाला एकमात्र इंजीनियरिंग कॉलेज है, इसलिए शेष नौकरी चाहने वालों ने भारत के विभिन्न हिस्सों में अन्य निजी कॉलेजों से अपनी इंजीनियरिंग पूरी की थी। कुछ उम्मीदवारों ने राज्य के विभाजन से पहले बापटला इंजीनियरिंग कॉलेज और मदकासिरा इंजीनियरिंग कॉलेज से अपनी बी-टेक पूरी की थी। हालांकि, 2011 में स्थापित संगारेड्डी कॉलेज के छात्रों ने प्रस्तावित पदों में से 81 प्रतिशत से अधिक पद हासिल किए। परीक्षा में शामिल हुए 2,000 छात्रों में से लगभग 350 उम्मीदवार संगारेड्डी कॉलेज से थे।

बीआरएस सरकार ने सितंबर 2022 में सिंचाई विभाग में 100 कृषि इंजीनियरों की भर्ती के लिए नौकरी की अधिसूचना जारी की थी, ताकि परियोजनाओं के तहत प्रभावी जल प्रबंधन सुनिश्चित किया जा सके। हालांकि, जनवरी 2023 में आयोजित लिखित परीक्षा पेपर लीक होने के बाद रद्द कर दी गई थी। बाद में, मई 2023 में एक और परीक्षा आयोजित की गई, जिसके परिणाम 15 जून 2024 को घोषित किए गए। अपने छात्रों की उपलब्धि को महसूस करने के बाद, कॉलेज प्रबंधन ने 15 सितंबर को इंजीनियर्स डे के अवसर पर एक कार्यक्रम आयोजित करके इस पल का जश्न मनाया। 2022 में कॉलेज से बी-टेक पूरा करने वाले गोल्ला वेंकटेश ने कहा कि उनके 60 सहपाठियों में से 14 को नौकरी मिल गई, जबकि 2014-18 बैच के 15 छात्रों का चयन हुआ। संगारेड्डी जिले के कडपाल के निवासी वेंकटेश ने कहा कि वह परिणाम देखने के बाद सातवें आसमान पर हैं क्योंकि उनके अधिकांश दोस्तों और वरिष्ठों को नौकरी मिल गई है। संगारेड्डी कॉलेज के एसोसिएट डीन मनोज कुमार ने कहा कि इस तरह की उपलब्धियों से छात्रों को कुछ बेहतर करने की प्रेरणा मिलेगी। छात्र मामलों के ओएसडी चरित कुमार ने कहा कि ये चयन कॉलेज में दी जा रही शिक्षा की गुणवत्ता के लिए एक उदाहरण बनेंगे।

रामायण मेला समितियों का गठन

हैदराबाद, 22 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। राजस्थानी प्रगति समाज एवं एग्जिबिशन सोसाइटी द्वारा आयोजित दशहरा सम्मेलन तीन से 12 अक्टूबर तक एग्जिबिशन मैदान में होगा। इस संबंध में 52वें रामायण मेला समिति की बैठक हशमत गंज में राजस्थानी समाज के महामंत्री गोविंद राठी की अध्यक्षता में संपन्न हुई। अध्यक्ष कमल नारायण अग्रवाल, मुख्य संयोजक गोविंद राठी द्वारा जारी प्रेस विज्ञपति के अनुसार मेला के आयोजन हेतु विभिन्न समितियों का गठन किया गया।

गिरिधरी लाल डागा को कोषाध्यक्ष बनाया गया है। श्रीमती कलावती जाजू, मनोज जायसवाल रमेश कुमार बंग, नंदगोपाल भट्टर, सुमित राठी, रामदेव नागला, लक्ष्मीनारायण राठी, श्रीमती प्रेम लता कांकनी, प्रेमचंद शर्मा, पवन कुमार, राजेंद्र कुमार, भगत सिंह, श्रीमती शकुंतला नवांदर, विमल दलिया, पवनमिश्रा, गड्डम रघु को मेला संयोजक बनाया गया। घट साथापाना का संयोजक रमेश चंद्र व्यास, मानव झांकी के संयोजक श्रीमती श्यामा नवांदेर, श्रीमती सुरेखा सारदा को बनाया गया है।

कवि समेलन के संयोजक श्रीमती रूबी मिश्र, श्रीमती सविता सोनी डांडिया के संयोजक श्रीनिवास लिया, घनश्याम तोषनीवाल, नवल सांकला, लक्ष्मीकांत पांडे, जुगल सोनी, नवल व्यास, सुरेंद्र मिश्र, रमाकांत व्यास, विपिन रामावत, रमाकांत व्यास, उमेश मलानी, रोहित जोहरी को बनाया गया। दामोदर तिवारी, रूपम, संजय, विजय कुमार, विनोद कुमार संदीप, मणिकांत को मेला व्यवस्थापक बनाया गया।

इस अवसर पर डॉक्टर मोहन गुप्ता, छगन लाल नवांदर, गिरिधारी लाल डागा, मनोज जायसवाल, पवन, भगत भाई, नवल सांकला, भारत बिरादर, श्यामलता नवांदर, सुरेखा सारदा, नवल व्यास, रमाकांत व्यास, पुरषोत्तम शर्मा, पवन मिश्र मुकेश सिंह उपस्थित थे।

प्रथम पृष्ठ का शेष भाग...

श्रीलंका के नए...

दिसानायके का जन्म श्रीलंका की राजधानी कोलंबो से 100 किलोमीटर दूर थंबुट्टेगामा में एक दिहाड़ी मजदूर के घर हुआ था। दिसानायके अपने परिवार के गांव से विश्वविद्यालय जाने वाले पहले छात्र थे। एक बातचीत में उन्होंने बताया था कि शुरूआत में पेराडेनिया विश्वविद्यालय में दाखिला लिया था लेकिन राजनीतिक विचारधाराओं के कारण धमकियां मिलने लगीं और वह केलानिया यूनिवर्सिटी आ गए। दिसानायके ने 80 के दशक में छात्र राजनीति शुरू की। कॉलेज में रहते हुए 1987 और 1989 के बीच सरकार विरोधी आंदोलन के दौरान वह जेवीपी में शामिल हुए और तेजी से अपनी पहचान बनाई।

आंध्र डिप्टी सीएम...

चंद्रबाबू नायुडू एक असाध्य और आदतन झूठ बोलने वाले व्यक्ति हैं और वे इस हद तक गिर गए हैं कि उन्होंने केवल राजनीतिक उद्देश्यों के लिए करोड़ों लोगों की आस्था को ठेस पहुंचाई है। जो झूठ फैलाया गया उसकी सच्चाई को सामने लाया जाए। इससे करोड़ों हिंदू भक्तों के मन में पैदा किए गए संदेह दूर होंगे और टीटीडी की पवित्रता में विश्वास बहाल होगा।

पूर्व मुख्यमंत्री जगन मोहन रेड्डी के खिलाफ केस दर्ज :

आंध्र प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री वाईएस जगन मोहन रेड्डी और अन्य के खिलाफ केस दर्ज किया गया है। उन पर श्री वेंकटेश्वर स्वामी मंदिर की पवित्रता को नुकसान पहुंचाने और प्रसिद्ध तिरुपति लड्डू प्रसादम में इस्तेमाल किए जाने वाले घी में मिलावट के आरोपों के बाद हिंदू धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने का आरोप लगाया गया है। हैदराबाद के सैदाबाद पुलिस स्टेशन में एक वकील ने यह शिकायत दर्ज कराई है। हिंदुओं की भावनाएं आहत हुई हैं। इसे माफ नहीं किया जा सकता। दोषियों को कड़ी सजा मिलनी चाहिए। उनकी सारी संपत्ति जब्त कर ली जानी चाहिए और जो भी इस प्रक्रिया में दूर-दूर तक शामिल है, उन्हें जेल में डाल दिया जाए।

तिरुपति मंदिर में नंदिनी घी से लड्डू बन रहे, घी सप्लॉयर की जीपीएस से निगरानी :

तिरुपति मंदिर में लड्डू बनाने के लिए अब नंदिनी घी का इस्तेमाल किया जा रहा है। नंदिनी, कर्नाटक मिल्क फेडरेशन का लोकप्रिय ब्रांड है। विवाद के बीच एक महीने पहले ही तिरुमाला तिरुपति देवस्थानम (टीटीडी) ने कर्नाटक मिल्क फेडरेशन को घी सप्लाई करने का कॉन्ट्रैक्ट दिया।

कर्नाटक मिल्क फेडरेशन के मैनेजिंग डायरेक्टर एमके जगदीश ने कहा, हमने अपनी गाड़ियों में जीपीएस सिस्टम और जियो लोकेशन डिवाइस लगाई हैं। ये गाड़ियां मंदिर में घी सप्लाई करती हैं। जीपीएस सिस्टम लगाने से हमें पता चलता है कि गाड़ी कहां-कहां रुकी है, ताकि मिलावट को रोका जा सके। कर्नाटक मिल्क फेडरेशन को 350 टन घी की सप्लाई का ठेका मिला है।

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

भारत ने चेन्नई टेस्ट में बांग्लादेश को 280 रन से हराया

शतक और 6 विकेट के साथ अश्विन मैन ऑफ द मैच; 3 इंडियन बैटर्स की सेंचुरी

चेन्नई, 22 सितंबर (एजेंसियां)। भारत ने चेन्नई टेस्ट में बांग्लादेश को 280 रन से हरा दिया है. ये रनों के लिहाज से बांग्लादेश पर भारत की सबसे बड़ी टेस्ट जीत हैं. इस जीत के साथ 2 टेस्ट की सीरीज में भारत ने 1-0 की अजेय बढ़त ले ली है. ये बांग्लादेश पर भारत की 13वीं जीत है.चेन्नई टेस्ट भारत ने बांग्लादेश के सामने जीत के लिए 515 रन का लक्ष्य रखा था. जवाब में भांग्लादेश की टीम दूसरी पारी में 234 रन ही बना सकी और मुकाबला हार गई. भारत की ओर से दूसरी पारी में अश्विन सबसे सफल गेंदबाज रहे, जिन्होंने 6 विकेट चटकाए. बांग्लादेश का आखिरी विकेट रवींद्र जडेजा ने गिराया.

चेन्नई टेस्ट में हारने के साथ ही बांग्लादेश की भारत के खिलाफ टेस्ट मैच जीतने की तमन्ना अब भी अधूरी है. भारत और बांग्लादेश के बीच चेन्नई टेस्ट 4 दिन भी नहीं चला. चौथे दिन पहले सेशन में ही खेल सिमट गया. दोनों टीमों के बीच अब दूसरा और आखिरी टेस्ट कानपुर में खेला जाएगा.

भारत ने पहली पारी में बनाए 376 रन

चेन्नई टेस्ट में बांग्लादेश ने टॉस जीतकर भारत को पहले बल्लेबाजी के लिए उतारा था. उसका वो फैसला रंग भी लाता दिखा जब सिर्फ 34 रन पर रोहित, गिल और विराट का विकेट उसे मिल गया. लेकिन इसके बाद भारत की पारी को पंत और यशस्वी ने संभाला, जिसे और अधिक मजबूती देने का काम अश्विन और जडेजा की जोड़ी ने बल्ले से किए अपने कमाल की बदौलत किया. पहली पारी में अश्विन ने 113 रन बनाए जबकि जडेजा 86 रन बनाकर आउट हुए. इनके अलावा यशस्वी जायसवाल ने 70 रन की पारी खेली. नतीजा ये हुआ कि टीम इंडिया ने 376 रन का बड़ा स्कोर खड़ा कर दिया. बांग्लादेश की ओर से पहली पारी में सबसे सफल गेंदबाज हसन महमूद रहे, जिन्होंने 5 विकेट लिए.

भारत को पहली पारी में 227 रन की बढ़त मिली

भारत के 376 रन के जवाब में बांग्लादेश की पहली पारी सिर्फ 149 रन पर ही सिमट गई. जसप्रीत बुमराह ने पहली पारी में गेंद से 4 विकेट लिए. जबकि आकाशदीप, जडेजा और सिराज को 2-2 विकेट मिले. भारत को पहली पारी 227 रन की बढ़त मिली.

दूसरी पारी में पंत और गिल ने शतक जड़ा

पहली पारी में मिले 227 रन के बढ़त के बाद भारत ने दूसरी पारी 4 विकेट पर 287 रन बनाकर घोषित की और बांग्लादेश के सामने 515 रन का लक्ष्य रखा. भारत की ओर से अगर पहली पारी में अश्विन ने शतक लगाया तो दूसरी पारी में पंत और गिल की सेंचुरी देखने को मिली. ऋषभ पंत 109 रन बनाकर आउट हुए जबकि शुभमन गिल 119 रन बनाकर नाबाद रहे.

भारत की जीत में अश्विन प्लेयर ऑफ द मैच

भारत से मिले 515 रन के पहाड़ जैसे लक्ष्य के आगे दूसरी पारी में बांग्लादेश जीत से 280 रन दूर गया. पहली पारी में विकेट लेने में नाकाम रहने वाले अश्विन दूसरी पारी में टीम के सबसे सफल गेंदबाज रहे. उन्होंने दूसरी पारी में 6 विकेट लिए. चेन्नई टेस्ट में शतक और 6 विकेट लेने के लिए उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया. अश्विन के अलावा दूसरी इनिंग में जडेजा दूसरे सफल गेंदबाज रहे, जिन्होंने 3 विकेट चटकाए.

भारत ने चेस ओलिंपियाड में ऐतिहासिक गोल्ड जीता

ओपन टीम कैटेगरी में देश का पहला स्वर्ण; विमेंस टीम भी मेडल की रेस में

बुडापेस्ट, 22 सितंबर (एजेंसियां)। भारत ने चेस ओलिंपियाड की ओपन कैटेगरी में ऐतिहासिक गोल्ड मेडल जीत लिया है। ओलिंपियाड के 97 साल के इतिहास में भारत ने पहली बार टीम इवेंट का गोल्ड जीता है। बुडापेस्ट में 10वें राउंड के मुकाबले में भारत ने अमेरिका को 2.5-1.5 से हराया। भारत के कुल 19 पॉइंट्स हो गए हैं। 10 राउंड में भारत ने 9 में जीत हासिल की है और 1 राउंड ड्रॉ खेला है।

रविवार को आखिरी राउंड का मुकाबला होना है। भारतीय टीम इस राउंड में हारती भी है तो भी टीम का पहले स्थान पर रहना लगभग पक्का है। भारत के ओपन कैटेगरी में गोल्ड विनर बनने की आधिकारिक घोषणा 11वें राउंड के खेल के बाद होगी।

विमेंस कैटेगरी में भी भारत गोल्ड की रेस में बना हुआ है। भारतीय लड़कियों ने 10वें राउंड में डिफेंडिंग चैंपियन चीन को 2.5-1.5 के अंतर से हरा दिया। इस कैटेगरी में भारत फिलहाल पहले नंबर पर है।

गुकेश ने वर्ल्ड नंबर-2 को हराया

ओपन कैटेगरी के 10वें राउंड में भारत का सामना अमेरिका से हुआ। ओपन कैटेगरी में किसी टीम में पुरुष और महिला खिलाड़ी दोनों हो सकते हैं। हालांकि, ज्यादातर टीमों की ओपन कैटेगरी में सिर्फ पुरुष खिलाड़ी ही होते हैं।

अमेरिका के खिलाफ मुकाबले में बोर्ड-1 पर डी. गुकेश ने फैबियानो कारुआना को हराया। कारुआना वर्ल्ड रैंकिंग में नंबर-2 खिलाड़ी हैं। बोर्ड-2 पर प्रगनानंदा को हार का सामना करना पड़ा। बोर्ड-3 पर अर्जुन इरीगैसी ने डोमनिगेज परेज को हराया। बोर्ड-4 पर विदित गुजराती ने लेवोन एरोनियन के साथ ड्रॉ खेला।

विमेंस कैटेगरी में पहले नंबर पर पहुंचा भारत

विमेंस कैटेगरी में 9 राउंड के बाद भारत 15 पॉइंट्स के साथ दूसरे नंबर पर था। कजाकिस्तान 16 पॉइंट्स के साथ पहले नंबर पर था। 10वें राउंड में भारत ने चीन को 2.5-1.5 के अंतर से हरा दिया। इसी के साथ टीम 17 पॉइंट्स के साथ टॉप पर पहुंच गई। हालांकि, विमेंस ग्रुप में कजाकिस्तान और जॉर्जिया के बीच मैच का नतीजा बाकी है। जिसके बाद 10वें राउंड की रैंकिंग डिसाइड होगी। भारत ने अगर 11वें और आखिरी राउंड को भी जीत लिया तो देश के पास ओपन के साथ विमेंस कैटेगरी में भी टीम इवेंट का गोल्ड जीतने का मौका बन सकता है।

दिव्या देशमुख ने जीता एकमात्र मुकाबला

विमेंस कैटेगरी में भारत से एकमात्र जीत दिव्या देशमुख को मिली। उन्होंने चीन की नी शिकुन को हराया। वहीं वंतिका अग्रवाल, वैशाली रमेशबाबु और द्रोनावली हरिका ने अपने-अपने मुकाबले ड्रॉ करा लिए। जिस कारण भारत ने 2.5-1.5 के अंतर से चीन को हराया।

1927 में हुआ था पहला चेस ओलिंपियाड

पहले चेस ओलिंपियाड का आयोजन 1924 में हुआ था, हालांकि ये अनऑफिशियल इवेंट था। इंटरनेशनल चेस फेडरेशन (FIDE) ने फिर 1927 से ऑफिशियल चेस ओलिंपियाड कराना शुरू किया। 1950 तक ओलिंपियाड हर साल हुआ, वर्ल्ड वॉर के दौरान इसका आयोजन नहीं हुआ। लेकिन 1950 के बाद से इसे हर 2 साल में एक बार आयोजित किया जाने लगा। हंगरी में 45वीं बार चेस ओलिंपियाड हुआ।

भारतीय राष्ट्रीय राइफल संघ के नए अध्यक्ष बने कलिकेश सिंह देव

वीके ढल को 36-21 से हराया

नई दिल्ली, 22 सितंबर (एजेंसियां)। कलिकेश नारायण सिंह देव भारतीय राष्ट्रीय राइफल संघ (एनआरएआई) के अध्यक्ष चुने गए। चुनावों में उन्होंने अपने प्रतिद्वंद्वी वीके ढल को 36-21 से हराया। यह पद पिछले साल से खाली था। ऐसे में ओडिशा के पूर्व सांसद एनआरएआई के दैनिक कामकाज की देखभाल कर रहे थे। पिछले साल रणिंदर सिंह ने इस पद से इस्तीफा दिया था।

पिछले साल खेल मंत्रालय ने निर्देश जारी किया था कि राष्ट्रीय खेल महासंघों का कोई पदाधिकारी राष्ट्रीय खेल कोड के तहत 12 वर्ष से अधिक समय तक पद पर नहीं रह सकता। इसके बाद रणिंदर ने इस्तीफा दिया था। उनके 12 साल 29 दिसंबर 2022 को पूरे हुए थे।

पिछले साल अप्रैल में रणिंदर के इस्तीफे के बाद से एनआरएआई का कामकाज इसके वरिष्ठ उपाध्यक्ष कलिकेश देख रहे थे। उनके कार्यवाहक प्रमुख रहते भारत ने पेरिस ओलंपिक में निशानेबाजी में तीन पदक जीते। रियो ओलंपिक 2016 और टोक्यो ओलंपिक 2020 से भारतीय निशानेबाज खाली हाथ लौटे थे। कलिकेश 2025 तक एनआरएआई अध्यक्ष रहेंगे।

दिल्ली कैपिटल्स पंत के साथ इन खिलाड़ियों को करेगी रिटेन

बस बीसीसीआई के ऐलान का इंतजार

नई दिल्ली, 22 सितंबर (एजेंसियां)। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने इंडियन प्रीमियर लीग की रिटेंशन पॉलिसी का अभी तक ऐलान नहीं किया है. इस बार मेगा ऑक्शन होना है, ऐसे में सभी टीमों ने अपनी तैयारी शुरू कर दी है. लेकिन टीमों को कितने खिलाड़ी रिटेन करने की छूट मिलेगी ये अभी तक साफ नहीं हुआ है. इन सब के बीच दिल्ली कैपिटल्स के खेमें से बड़ी जानकारी निकलकर आई है. ऋषभ पंत का रिटेन होने लगभग तय हो गया है, पंत के साथ और कौन से खिलाड़ी रिटेन होंगे इस पर भी बड़ा अपडेट आया है.

दिल्ली कैपिटल्स कितने खिलाड़ी करेगी रिटेन?

क्रिकबज की रिपोर्ट के मुताबिक, दिल्ली कैपिटल्स ने ऋषभ पंत को आईपीएल 2025 के लिए रिटेन करने का फैसला कर लिया है. ऋषभ पंत फ्रेंचाइजी की तरफ से टॉप रिटेंशन चॉइस हैं. पंत को पिछले सीजन तक दिल्ली कैपिटल्स की तरफ से 16 करोड़ रुपए मिल रहे थे, ऐसे में उन्हें इस बार भी ये रकम मिलना तय है. हालांकि इसमें इजाफा होने की उम्मीद भी है. ऋषभ पंत साल 2016 से दिल्ली कैपिटल्स की टीम का हिस्सा हैं और आने वाले सीजन में भी वह इसी टीम के लिए खेलते हुए दिखने वाले हैं.

बता दें, पिछली बार मेगा ऑक्शन से पहले सभी टीमों को 4-4 खिलाड़ी रिटेन करने की छूट मिली थी. लेकिन इस बार उम्मीद है कि रिटेंशन की संख्या बढ़ाई जा सकती है. रिपोर्ट्स के मुताबिक, बीसीसीआई पांच से ज्यादा खिलाड़ियों को रिटेन करने की अनुमति देता है तो दिल्ली कैपिटल्स अक्षर पटेल और कुलदीप यादव को भी रिटेन करेगी. वहीं, विदेशी रिटेंशन के रूप जेक फ्रेजर-मैकगर्क और ट्रिस्टन स्टब्स टीम के साथ बने रह सकते हैं.

इसके अलावा अनकैप्ड खिलाड़ी के तौर पर विकेटकीपर-बल्लेबाज अभिषेक पोरेल दिल्ली कैपिटल्स की पहली पसंद रहने वाली है.

पिछली बार इन खिलाड़ियों को किया था रिटेन

दिल्ली कैपिटल्स ने 2022 के मेगा ऑक्शन से पहले ऋषभ पंत, अक्षर पटेल, एनरिक नॉर्खिया और पृथ्वी शॉ रिटेन किया था. लेकिन एनरिक नॉर्खिया चोट के चलते टीम के लिए ज्यादा मैच नहीं खेल सके, वहीं पृथ्वी शॉ लगातार फ्लॉप रहे.

ऐसे में इन दोनों खिलाड़ियों की छुट्टी होना अब तय माना जा रहा है. दूसरी ओर जेक फ्रेजर-मैकगर्क और ट्रिस्टन स्टब्स ने पिछले सीजन में टीम के लिए काफी अच्छा प्रदर्शन किया था. ऐसे में टीम इस बार इन खिलाड़ियों को छोड़ने के मुड में नहीं है.

विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप के फाइनल में पहुंचने के लिए भारत को अब कितने मैच जीतने होंगे?

नई दिल्ली, 22 सितंबर (एजेंसियां)। भारत और बांग्लादेश के बीच दो टेस्ट मैचों की क्रिकेट सीरीज खेली जा रही है। सीरीज के पहले मैच में टीम इंडिया ने बांग्लादेश को 280 रन के बड़े अंतर से हरा दिया है। इस जीत के साथ टीम इंडिया ने वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल मैच के लिए अपनी दावेदारी और भी मजबूत कर ली है। आइए इस रिपोर्ट में हम आपको बताते हैं कि वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल मैच में पहुंचने के लिए टीम इंडिया को अब कितने मैच जीतने होंगे।

भारत की स्थिति हुई मजबूत

वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप 2023-25 की अंक तालिका में भारत की पकड़ और मजबूत हुई है। भारतीय क्रिकेट टीम ने बांग्लादेश के खिलाफ मिली जीत के बाद 86 रेटिंग प्वाइंट हासिल कर लिए हैं। टीम इंडिया इस 71.67 जीत प्रतिशत के साथ टॉप पर काबिज है। भारत ने अब तक वेस्टइंडीज को 1-0 और इंग्लैंड को 4-1 के अंतर से हराया था। अब बांग्लादेश को टीम इंडिया ने 2 टेस्ट मैच की सीरीज में 1-0 से हराकर बढ़त हासिल कर ली है। टीम इंडिया को अभी बांग्लादेश के खिलाफ 1, न्यूजीलैंड के खिलाफ 3 और ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 5 टेस्ट मैच खेलने हैं। टीम इंडिया ने अब तक केवल साउथ अफ्रीका से 1-1 से ड्रॉ खेला है। टीम इंडिया इस सीजन में कोई भी टेस्ट सीरीज नहीं हारा है।

अब टीम इंडिया को कितने मैच में चाहिए जीत

आईसीसी की रिपोर्ट के अनुसार, भारत को अब अगले 9 मैचों में से कम से कम 6 मैच में जीत हासिल करनी होगी। इसमें भारत बांग्लादेश के खिलाफ 1 और न्यूजीलैंड के खिलाफ 3 टेस्ट मैच अपने घरेलू मैदान पर खेलेगा। जबकि, टीम को 5 मैच विदेशी धरती यानी की ऑस्ट्रेलिया में खेलने हैं। भारत को फाइनल में पहुंचने के लिए आईसीसी वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के प्वाइंट्स टेबल में टॉप-2 में रहना जरूरी है। भारत अगर 5 मैचों में भी जीत हासिल करता है और 1 मैच ड्रॉ खेलता है तो भी टीम फाइनल का टिकट हासिल कर लेगी।

दूसरी टीमों की क्या है स्थिति

आईसीसी वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप 2023-25 की अंक तालिका में दूसरे स्थान पर ऑस्ट्रेलिया की टीम है। ऑस्ट्रेलिया को फाइनल में पहुंचने के लिए 4 मैच जीतने होंगे या फिर 3 मैच में जीत और 1 मैच ड्रॉ खेलना होगा। वहीं, तीसरे स्थान पर न्यूजीलैंड की क्रिकेट टीम है, जिसके 8 मैच बचे हुए हैं। न्यूजीलैंड को फाइनल में पहुंचने के लिए 6 मैच में जीत या फिर 5 मैच में जीत और 1 ड्रॉ की जरूरत होगी।

प्रेमा की तूफानी पारी ने किया धमाल

मसूरी थंडर्स ने जीता उत्तराखंड प्रीमियर लीग का खिताब

देहरादून, 22 सितंबर (एजेंसियां)। उत्तराखंड प्रीमियर लीग में महिला वर्ग का फाइनल मैच मसूरी थंडर्स और नैनीताल एसजी पाइपर्स के बीच हुआ, जिसमें मसूरी थंडर्स ने नैनीताल एसजी पाइपर्स को रोमांच से भले मैच में 3 विकेट से हरा दिया। इस जीत के साथ मसूरी थंडर्स ने उत्तराखंड प्रीमियर लीग-2024 के महिला वर्ग का खिताब अपने नाम कर लिया। इस मैच में मसूरी थंडर्स की बल्लेबाज प्रेमा रावत ने धमाकेदार प्रदर्शन किया।

कैसा रहा मैच का नतीजा

मैच में टॉस जीत कर मसूरी थंडर्स ने पहले फील्डिंग करने का निर्णय लिया। नैनीताल एसजी पाइपर्स ने धीमी शुरुआत की और पहले 5 ओवर में बिना विकेट खोए 22 रन का स्कोर बनाया। इसके बाद टीम ने मनीषा प्रधान 13, मेघा सैनी 15, प्रेमा रावत 15, कंचन परिहार 20 और कनक टपरनिया की 29 रन की पारी की बदौलत से 20 ओवर में 8 विकेट खोकर 118 रन का स्कोर बनाया। मसूरी थंडर्स की ओर से रुद्रा शर्मा सबसे सफल गेंदबाज रहीं, जिन्होंने 20 रन देकर 3 विकेट लिए। इसके बाद लक्ष्य का पीछा करने उतरी मसूरी थंडर्स ने खराब शुरुआत के बाद अच्छी वापसी की।

टीम ने प्रेमा रावत के 32, नंदिनी कश्यप के 28, अंजलि गोस्वामी के 25, रीना जिंदल ने 10 रन का योगदान देकर टीम को जीत दिलाई।

रोमांच से भरा रहा मैच

दोनों टीमों के बीच खेला गया फाइनल मैच बेहद रोमांचक रहा। आखिरी दो ओवर में मसूरी थंडर्स को जीत के लिए 11 रन चाहिए थे। इसी बीच नैनीताल एसजी पाइपर्स की गेंदबाज गुंजन भंडारी ने तीन वाइड बॉल फेंक दी।

आखिरी ओवर में मसूरी थंडर्स को जीत के लिए केवल 2 रन चाहिए थे। पहली गेंद पर साक्षी जोशी रन आउट हो गईं। ओवर की दूसरी ही गेंद पर अंकिता धामी ने विजयी रन बनाकर टीम को चैंपियन बना दिया।

भारत में गायब हुई इस बड़े टूर्नामेंट की ट्रॉफी, पुलिस में शिकायत दर्ज

नई दिल्ली, 22 सितंबर (एजेंसियां)। भारत इस समय बुडापेस्ट 45वें शतरंज ओलंपियाड टूर्नामेंट में कमाल का प्रदर्शन दिखा रहा है. इसी बीच एक चौंकाने वाली खबर सामने आई है. भारत की ओर से दो साल पहले शतरंज ओलंपियाड में जीती गई प्रतिष्ठित गैप्रिंडाशविली ट्रॉफी अखिल भारतीय शतरंज महासंघ के चेन्नई स्थित कार्यालय से गायब हो गई है. अखिल भारतीय शतरंज महासंघ (एआईसीएफ) ने शतरंज ओलंपियाड ट्रॉफी के गायब होने के बाद पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है.

शतरंज ओलंपियाड की ट्रॉफी हुई गायब

नोना गैप्रिंडाशविली ट्रॉफी शतरंज ओलंपियाड में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले दल को दिया जाने वाली ट्रॉफी है. इस टूर्नामेंट का आयोजन दो साल में एक बार होता है और भारतीय टीम ने 2022 में चेन्नई में हुए पिछले शतरंज ओलंपियाड में ट्रॉफी जीती थी. एआईसीएफ के उपाध्यक्ष अनिल कुमार रायजादा ने इंडियन एक्सप्रेस से बातचीत करते हुए बताया, 'हम पिछले कुछ दिनों से कप की तलाश कर रहे हैं।. पुलिस को सूचित कर दिया गया है.

हमें उम्मीद है कि हम इसे सुलझा लेंगे क्योंकि यह देश की प्रतिष्ठा का मामला है. यह एक गंभीर मुद्दा है और हम सभी के लिए बहुत शर्मनाक है. पिछला प्रशासन ऐसे जवाब दे रहा है जो ट्रॉफी का पता लगाने में बिल्कुल भी मददगार नहीं हैं.'

23 सितंबर को होगा चेस ओलंपियाड का समापन

दरअसल, फिडे ने एआईसीएफ को एक ईमेल भेजकर भारत से ट्रॉफी लौटाने का अनुरोध किया था, ताकि इसे रविवार को बुडापेस्ट में चल रहे शतरंज ओलंपियाड के विजेताओं को राउंड 11 की समाप्ति के बाद सौंपा जा सके.

एआईसीएफ के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि हमने फिडे के अनुरोध के बाद इसे हर जगह खोजने की कोशिश की, लेकिन ट्रॉफी का कुछ पता नहीं चल सका है. बता दें, मौजूदा चेस ओलंपियाड का समापन 23 सितंबर को होगा और भारत इसी जीतने के काफी करीब है.

खिलाड़ियों ने रिकॉर्ड पर रिकॉर्ड बनाए फिर भी हार गई ये फाल्कंस टीम

मोईन अली को उनके कमाल के प्रदर्शन के लिए प्लेयर ऑफ द मैच दिया गया

खेल डेस्क, 22 सितंबर (एजेंसियां)। सीपीएल 2024 में 21 सितंबर को गयाना अमेजन वॉरियर्स और एंटीगा एंड बारबुडा फाल्कंस की टीम आमने-सामने थी. इस मुकाबले में एंटीगा एंड बारबुडा फाल्कंस के खिलाड़ियों ने रिकॉर्ड पर रिकॉर्ड बनाए. लेकिन, जीत अंत में आखिर गयाना अमेजन वॉरियर्स को ही मिली. उसने ये मुकाबला 27 रन से जीता. उसकी इस जीत में ट्रैक्सी ड्राइवर के बेटे का योगदान सबसे बड़ा रहा, जिसने अकेले ही बल्ले और गेंद दोनों से एंटीगा एंड बारबुडा फाल्कंस के लिए हार की स्क्रिप्ट लिखी. इस हार के बाद एंटीगा एंड बारबुडा फाल्कंस की टीम की हालत और भी पतली हो गई. गयाना अमेजन वॉरियर्स ने मुकाबले में पहले बैटिंग की और 20 ओवर में 7 विकेट खोकर 135 रन बनाए. गयाना अमेजन वॉरियर्स के लिए 3 चौके और 3 छक्के के साथ सबसे ज्यादा 42 रन मोईन अली ने बनाए. उनके अलावा आजम खान 29 रन के साथ टीम के दूसरे टॉप स्कोरर रहे. अब सामने 136 रन का लक्ष्य था, जिसका पीछा करते हुए एंटीगा एंड बारबुडा फाल्कंस के खिलाड़ियों ने कुछ रिकॉर्डों की पटकथा तो बुनी लेकिन टीम को जीत नहीं दिला पाए. एंटीगा एंड बारबुडा फाल्कंस के लिए 2 रिकॉर्ड कोफी जेम्स ने बनाए जो कि मैच में टीम के टॉप स्कोरर भी रहे. उनके अलावा एक रिकॉर्ड 8वें नंबर पर बल्लेबाजी करने उतरे फैबियन एलेन ने भी बनाए.

समन्वय बनाकर आगे बढ़ना चाहिए : रेवंत रेड्डी

मैंने नौ महीने में एक भी दिन की छुट्टी नहीं ली : सीएम
पार्टी में मेहनत करने वालों को मौका जरूर मिलेगा : महेश गौड़

हैदराबाद, 22 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। कांग्रेस विधायक दल (सीएलपी) बैठक में उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए सीएम रेवंत रेड्डी ने कहा कि पीसीसी अध्यक्ष के रूप में मेरे नेतृत्व में, हम राज्य विधानसभा चुनावों में सत्ता में आए और लोकसभा सीटें जीतीं। मुख्यमंत्री ने कहा कि पार्टी नेतृत्व को सरकारी कार्यक्रमों को जन-जन तक पहुंचाना चाहिए। पार्टी और सरकार को समन्वय बनाकर आगे बढ़ना चाहिए। हालांकि पीसीसी को जिला अध्यक्ष का पद लोगों को देने का सुझाव दिया गया है। हमने पार्टी के संबद्ध विभागों में काम करने वाले 36 लोगों को नामांकित पद दिया है। हमने उन्हें पद इसलिए दिए क्योंकि उन्होंने तब काम किया जब पार्टी कठिन दौर से गुजर रही थी। पार्टी में मेहनत करने वालों को मौका जरूर मिलेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि नरेंद्र मोदी को हराने की ऐतिहासिक जरूरत के समय महेश गौड़ ने पीसीसी प्रमुख के रूप में कार्यभार संभाला है। राहुल गांधी का मजबूत विचार बीसी जाति जनगणना है। बीसी को आरक्षण देने के लिए जनसंख्या की गणना की जानी चाहिए। हमने एससी वर्गीकरण के कार्यान्वयन पर उत्तम कुमार रेड्डी के नेतृत्व में एक मंत्रिस्तरीय उप-समिति का गठन किया है। कमेटी सुप्रीम कोर्ट के फैसले का अध्ययन कर सरकार को रिपोर्ट देगी। मोदी चौथी बार देश पर कब्ज़ा जमाने की कोशिश कर रहे हैं। मैंने नौ महीने में एक भी दिन की छुट्टी नहीं ली है। सरकार द्वारा चलाये गये नये कार्यक्रमों को जन-जन तक पहुंचाया जाय। भारत में किसी भी राज्य सरकार ने 27 दिन में 18 हजार करोड़ किसानों का कर्ज माफ नहीं किया है। सरकार का लक्ष्य किसानों को कर्ज से मुक्ति दिलाना है। प्रदेश में सभी को हेल्थ प्रोफाइल डिजिटल कार्ड देंगे। हम राज्य में कहीं भी राशन लेना संभव बनाएंगे। उन्होंने कहा कि सत्ता खोने की अधीरता में विपक्ष दुष्प्रचार कर रहा है। प्रभारी मंत्री सप्ताह में दो बार जिलों का दौरा करें।

इसी क्रम में पीसीसी अध्यक्ष महेश कुमार गौड़ ने कहा कि पार्टी में मेहनत करने वालों को मौका जरूर मिलेगा। मेरा मानना है कि पार्टी को आगे ले जाने के लिए सामूहिक जिम्मेदारी जरूरी है। कार्यकर्ता और नेता हमेशा उपलब्ध हैं। वह पार्टी और सरकार के बीच समन्वयक होंगे। कार्यकर्ताओं ने कड़ी मेहनत की और पार्टी को सत्ता तक पहुंचाया। उन्होंने कहा कि स्थानीय निकाय चुनाव में पार्टी कार्यकर्ता जीतें। स्थानीय निकायों में 90 फीसदी सीटें जीतनी चाहिए। सरकार अनेक कल्याणकारी कार्यक्रम चला रही है। मेरा उद्देश्य कार्यकर्ताओं को संगठित करना और सरकारी कार्यक्रमों को लोगों तक पहुंचाना है। मैंने और मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने बहुत करीब से साथ मिलकर काम किया। मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी के विचारों को पार्टी और जन प्रतिनिधियों को जन-जन तक ले जाना चाहिए। केसीआर ने झूठ के दम पर राज्य में दस साल तक शासन किया।

2 करोड़ रुपये नकद, 30 तोले सोने के आभूषण चोरी

हाल के दिनों की सबसे बड़ी चोरी

हैदराबाद, 22 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। अज्ञात व्यक्तियों ने रविवार को शहर के उपनगर पोचारम में एक घर से 2 करोड़ रुपये नकद और लगभग 30 तोले सोने के आभूषण चुरा लिए। हाल के दिनों में यह सबसे बड़ी चोरी है। पोचारम स्थित मकान में अपनी पत्नी के साथ रहने वाले बी नागभूषण (75) रविवार तड़के किसी काम से बाहर गए थे। सुबह जब उनकी पत्नी जागी तो उन्होंने देखा कि घर में चोरी हो गई है और अलमारी से नकदी और सोने के गहने गायब हैं। उन्होंने नागभूषण को इसकी जानकारी दी, जिसके बाद नागभूषण घर लौटे और पुलिस को इसकी सूचना दी।

पुलिस की एक टीम मौके पर पहुंची और जांच में मदद के लिए एक खोजी कुत्ते और सुराग टीम को बुलाया। दंपति ने पुलिस को बताया कि हाल ही में उन्होंने शहर के उपनगरों में जमीन बेची थी और नकदी अपने घर में रखी थी। मलकाजगिरी के एसीपी एस चक्रपाणि ने कहा कि कुछ लोग इस बात से वाकिफ थे कि घर में बहुत सारा पैसा रखा हुआ है, इसलिए उन्होंने ही चोरी की योजना बनाई होगी। कुछ संदिग्धों को हिरासत में लिया गया है और जांच जारी है। पुलिस ने संदिग्धों की पहचान करने और उन्हें पकड़ने के लिए विशेष टीमें बनाई हैं। राचकोंडा स्पेशल ऑपरेशन टीमें स्थानीय पुलिस के साथ मिलकर इस मामले पर काम कर रही हैं।

नई अलेरू कृषि बाजार समिति का शपथ ग्रहण समारोह

अलेरू, 22 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। रविवार को यदाद्री भोंगीर जिले के अलेरू शहर के एक समारोह हॉल में नव नियुक्त अलेरू कृषि बाजार समिति का शपथ ग्रहण समारोह भव्य पैमाने पर आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में कृषि और सहकारिता मंत्री तुम्माला नागेश्वर राव, सड़क और भवन मंत्री कोमाटिरेड्डी वेंकट रेड्डी, सरकारी सचेतक और अलेरू विधायक बीरला इलैया और भुवनागिरी के सांसद चामा किरण कुमार रेड्डी सहित प्रमुख गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे। इस अवसर पर अलेरू कृषि बाजार समिति के नवनिर्वाचित अध्यक्ष इनाला चैतन्य महेंद्र रेड्डी, उपाध्यक्ष पच्ची मतला माधव गौड़ और 13 निदेशकों को शपथ दिलाई गई। समारोह से पहले अलेरू कस्बे में एक भव्य रैली का आयोजन किया गया, जिसमें पार्टी कार्यकर्ताओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस अवसर पर बोलते हुए भोंगिर के सांसद चामा किरण कुमार रेड्डी ने नवनिर्वाचित शासी निकाय से किसानों के साथ मिलकर काम करने और उनके मुद्दों को हल करने पर ध्यान केंद्रित करने का आग्रह किया। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि कांग्रेस सरकार किसानों के समर्थन में मजबूती से खड़ी है और उनका लक्ष्य उन्हें सशक्त बनाना है। कांग्रेस सांसद ने पार्टी कार्यकर्ताओं को आश्वस्त किया कि उनके प्रयासों को मान्यता दी जाएगी और उनसे सरकार की कल्याणकारी योजनाओं के बारे में जनता के बीच जागरूकता फैलाने का आह्वान किया।

हाइड्रा की तोड़फोड़ से प्रभावितों में खलबली

12 अवैध अतिक्रमण ध्वस्त, 16 की हुई पहचान

हैदराबाद, 22 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद आपदा प्रतिक्रिया और संपत्ति संरक्षण एजेंसी (हाइड्रा) ने रविवार को संगारेड्डी जिले के अमीनपुर नगर पालिका के अंतर्गत कृष्णरेड्डीपेट के सर्वेक्षण संख्या 12 में अवैध संरचनाओं को ध्वस्त कर दिया। हाइड्रा ने पटेलगुडा गांव के पट्टा सर्वेक्षण संख्या 6 में सरकारी जमीन पर बनी 16 अवैध संरचनाओं की पहचान की।

कई निवासियों ने निराशा व्यक्त की, उनका दावा है कि हाइड्रा ने खाली करने के लिए पर्याप्त सूचना नहीं दी। एक निवासी ने बताया कि मैं एक दशक से यहां रह रहा हूं और उन्होंने बिना किसी पूर्व सूचना के मेरा घर गिरा दिया। मेरी पत्नी सात महीने की गर्भवती है, अब हमें कहां जाना चाहिए?

एक अन्य महिला ने कहा कि मेरे बेटे ने कड़ी मेहनत की और इस घर को बनाने के लिए पैसे भेजे। हमें नहीं पता था कि यह जमीन सरकार की है और अब हाइड्रा ने इसे ध्वस्त कर दिया है। उन्हें हमें स्थानांतरित होने के लिए समय देना चाहिए था।

हाइड्रा ने आदेश का पालन करते हुए राजस्व और नगर निगम की टीमों की सहायता से, पटनचेरू डीएसपी रविंदर रेड्डी के नेतृत्व में कड़ी पुलिस निगरानी में, ध्वस्तीकरण की कार्रवाई की। कथित तौर पर ये इमारतें बीआरएस नेता थोटा चंद्रशेखर से जुड़ी हुई थीं।

हाइड्रा ने दो सप्ताह के अंतराल के बाद हैदराबाद में ध्वस्तीकरण अभियान फिर से शुरू किया। एजेंसी ने कुकटपल्ली क्षेत्र में अवैध ढांचों पर ध्यान केंद्रित किया, जिसमें 16 चिह्नित इमारतें शामिल थीं, जिनमें कब्जे वाली इमारतें और निर्माणाधीन इमारतें दोनों शामिल थीं।

नल्लाचेरुवु क्षेत्र में, हाइड्रा ने 27 एकड़ क्षेत्र में सात एकड़ अतिक्रमित भूमि की पहचान की। अपार्टमेंट सहित कुल 25 अवैध इमारतों को पूर्व नोटिस जारी करने के बाद ध्वस्त करने के लिए चिह्नित किया गया।

कुकटपल्ली में चला हाइड्रा का बुलडोजर

हैदराबाद, 22 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद आपदा प्रतिक्रिया और संपत्ति संरक्षण एजेंसी (हाइड्रा) के अधिकारियों ने अन्य सरकारी एजेंसियों के साथ समन्वय में, कुकटपल्ली में नाला चेरुवु के एफटीएल और बफर जोन में अवैध संरचनाओं को ध्वस्त कर दिया। यह अभियान रविवार को सुबह शुरू हुआ और टीमों ने अवैध रूप से निर्मित संरचनाओं को ध्वस्त करना शुरू कर दिया। साइबराबाद पुलिस ने ध्वस्तीकरण कार्य के लिए सुरक्षा प्रदान की। इसी तरह की एक कार्रवाई कोकापेट में भी चल रही है, जहां कुछ लोगों ने कथित तौर पर सरकारी जमीन पर अतिक्रमण कर शेड बना लिए थे।

तेलंगाना में भारी बारिश की आशंका

हैदराबाद, 22 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना में अगले तीन दिनों तक भारी बारिश की संभावना है और भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) हैदराबाद ने राज्य के लिए येलो अलर्ट जारी किया है। हैदराबाद सहित कई जिलों में 23 से 25 सितंबर तक भारी बारिश, गरज, बिजली और तूफान आने की संभावना है। हैदराबाद के लिए आईएमडी ने बुधवार तक आसमान में बादल छाए रहने का पूर्वानुमान लगाया है, हल्की से मध्यम बारिश या गरज के साथ बौछारें पड़ने का अनुमान है। मंगलवार को शहर के लिए येलो अलर्ट भी जारी किया गया है, जिसमें निवासियों से सतर्क रहने का आग्रह किया गया है क्योंकि मौसम की स्थिति और खराब होने की उम्मीद है।

रविवार को हैदराबाद और कई अन्य जिलों में भारी बारिश हुई, जिसमें यदाद्री भोंगीर जिले में सबसे अधिक 103.3 मिमी बारिश दर्ज की गई। हैदराबाद के गोलकोंडा में भी भारी बारिश दर्ज की गई, जहां 91.3 मिमी बारिश हुई, जो शहर में दिन भर में दर्ज की गई सबसे अधिक बारिश थी। दक्षिण-पश्चिम मानसून के चलते तेलंगाना में पहले से ही अच्छी खासी बारिश हो रही है। राज्य में अब तक औसतन 919 मिमी बारिश दर्ज की गई है, जो सामान्य 703.6 मिमी से 31 प्रतिशत अधिक है। हैदराबाद में भी औसत से अधिक मानसून रहा है, जहां 780.4 मिमी बारिश दर्ज की गई है, जो सामान्य 575.5 मिमी से 36 प्रतिशत कम है। खास तौर पर नामपल्ली में काफी वृद्धि देखी गई, जहां सामान्य 570.8 मिमी की तुलना में 920.6 मिमी बारिश हुई, जो 61 प्रतिशत की वृद्धि को दर्शाता है।

सीबीएसई पाठ्यक्रम से उर्दू को बाहर करने पर केंद्र की आलोचना

छात्र संघ एयूएसएफ ने की फैसले की निंदा

हैदराबाद, 22 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। मौलाना आजाद राष्ट्रीय उर्दू विश्वविद्यालय के छात्र संघ आजाद यूनाइटेड स्टूडेंट्स फेडरेशन (एयूएसएफ) ने सीबीएससी पाठ्यक्रम से शिक्षा के माध्यम के रूप में उर्दू को बाहर करने के केंद्र के फैसले की निंदा की है। इस कदम की निंदा करते हुए एक बयान में एयूएसएफ ने कहा कि एयूएसएफ सीबीएसई के इस फैसले की कड़ी निंदा करता है, जिसमें छात्रों को अंग्रेजी और हिंदी के अलावा अन्य भाषाओं में बोर्ड परीक्षा देने से रोक दिया गया है। इस कदम ने हैदराबाद, नूंह और दरभंगा में एमएएनयूयू के तीन उर्दू-माध्यम स्कूलों के लिए काफी मुश्किलें खड़ी कर दी हैं।

2010 में स्थापित तीन मॉडल स्कूल उर्दू को प्राथमिक शिक्षा माध्यम के रूप में पेश कर रहे हैं। हालांकि, सीबीएसई बोर्ड ने 2021 से उर्दू में प्रश्नपत्र जारी करना बंद कर दिया है, हालांकि छात्र उर्दू में उत्तर लिखना जारी रखते हैं। बोर्ड के हालिया फैसले के साथ, छात्र अब उर्दू में उत्तर नहीं दे सकते। संघ ने इस निर्णय की निंदा करते हुए कहा कि यह राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) का उल्लंघन है, जो मातृभाषा में शिक्षा की अनुमति देता है। महासंघ ने जोर देकर कहा कि उर्दू में शिक्षा प्राप्त करने वाले छात्रों को अचानक अंग्रेजी या हिंदी में परीक्षा देने के लिए मजबूर करना न केवल अन्यायपूर्ण है, बल्कि उनकी शैक्षणिक सफलता के लिए भी हानिकारक है। यह एनईपी के सार के विपरीत है, जो मातृभाषा आधारित शिक्षा को बढ़ावा देता है।

एयूएसएफ ने आरोप लगाया कि उर्दू को बाहर करना मुसलमानों को बुनियादी शिक्षा से वंचित करने का एक जानबूझकर किया गया प्रयास है। एयूएसएफ ने सीबीएसई से इस प्रतिगामी नीति को वापस लेने और एनईपी में निहित समावेशिता और भाषाई विविधता के मूल्यों को बनाए रखने का आग्रह किया है।

स्पीकर और डिप्टी चेयरमैन दिल्ली रवाना

हैदराबाद, 22 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना विधानसभा के स्पीकर गड्डाम प्रसाद कुमार और विधान परिषद के डिप्टी चेयरमैन बंडा प्रकाश मुदिराज रविवार को 10वें राष्ट्रमंडल संसदीय संघ (सीपीए) इंडिया रीजन कॉन्फ्रेंस में भाग लेने के लिए शमशाबाद एयरपोर्ट से नई दिल्ली के लिए रवाना हुए। 23 और 24 सितंबर को नई दिल्ली में होने वाले इस कॉन्फ्रेंस की अध्यक्षता लोकसभा स्पीकर ओम बिरला करेंगे, जो सीपीए इंडिया रीजन के चेयरमैन भी हैं। 10वें सीपीए इंडिया रीजन कॉन्फ्रेंस में तेलंगाना का प्रतिनिधित्व करते हुए स्पीकर प्रसाद कुमार और डिप्टी चेयरमैन प्रकाश मुदिराज देश भर के अन्य विधायी नेताओं के साथ चर्चा करेंगे। कॉन्फ्रेंस में भाग लेने के लिए तेलंगाना से आए प्रतिनिधिमंडल में विधानसभा सचिव डॉ.वी. नरसिम्हा चार्युलु और संयुक्त सचिव उपेंद्र रेड्डी भी शामिल हैं।

वारंगल के गांव को ग्राम स्वराज पुरस्कार

देश भर से चयनित छह ग्राम पंचायतों में से एक राष्ट्रीय स्तर के पंचायती राज सेमिनार में मिलेगा पुरस्कार

वारंगल, 22 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। वारंगल जिले के गीसुगोंडा मंडल में एक आदर्श ग्राम पंचायत मारियापुरम को ग्राम स्वराज पुरस्कार के लिए चुना गया है। यह 2022-23 में ग्राम विकास, हरियाली और स्वच्छता में हुई प्रगति के आधार पर पुरस्कार के लिए देश भर से चयनित छह ग्राम पंचायतों में से एक है। यह पुरस्कार 17, 18 और 19 अक्टूबर को तिरुपति में आयोजित होने वाले राष्ट्रीय स्तर के पंचायती राज सेमिनार के दौरान प्रदान किए जाएंगे। विभिन्न राज्यों के गणमान्य व्यक्ति सेमिनार में भाग लेंगे और पुरस्कार प्रदान करेंगे। मरियापुरम ग्राम पंचायत का गठन 1995 में ऊकल ग्राम पंचायत से अलग करके किया गया था।

गांव में कुल 248 परिवार हैं। आदर्श गांव के रूप में विश्व भर में पहचान बना चुके गंगादेवीपल्ली में आने वाले लोगों ने भी अपने गांव को आदर्श गांव बनाने का संकल्प लिया। प्रयासों के तहत, ग्रामीणों ने 2016 में प्रत्येक घर में व्यक्तिगत स्वच्छता शौचालय (आईएसएल) का निर्माण किया और उनका उपयोग सुनिश्चित किया। उन्होंने प्रत्येक घर (197) के लिए सोखने वाले गड्ढे भी बनाए और प्लास्टिक के उपयोग पर प्रतिबंध लगा दिया। ग्राम पंचायत बनने के बाद गांव में शराब की बिक्री और सेवन पर पूर्ण प्रतिबंध लगा दिया गया। हरिता हरम कार्यक्रम के तहत गांव में कुल 13,209 पौधे लगाए गए और उनमें से अधिकांश अब पेड़ बन गए हैं।

स्वास्थ्य की स्थिति का अध्ययन करेगा बीआरएस पैनल

हैदराबाद, 22 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष के टी रामा राव ने तेलंगाना भवन में नवगठित तीन सदस्यीय समिति के साथ एक महत्वपूर्ण बैठक की, जिसे राज्य में सार्वजनिक स्वास्थ्य स्थिति की जांच करने का काम सौंपा गया था। पूर्व उपमुख्यमंत्री टी राजैया की अध्यक्षता वाली समिति में विधायक कलवकुंतला संजय और पूर्व विधायक मेटुकू आनंद शामिल हैं। तेलंगाना में बिगड़ती स्वास्थ्य व्यवस्था का अध्ययन करने और सरकार की मदद करने के लिए इस टीम का गठन किया गया था और आज से इसने अपना काम शुरू कर दिया है।

समिति का कार्य राज्य भर के कई अस्पतालों का दौरा कर मौजूदा स्थितियों और चुनौतियों का आकलन करना है। वे अपने निष्कर्षों को एक संरचित रिपोर्ट में संकलित करेंगे, जिसे आगे की कार्रवाई के लिए राज्य सरकार को प्रस्तुत किया जाएगा। केटीआर ने इस पहल के महत्व पर जोर दिया और सार्वजनिक स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार के लिए तत्काल और प्रभावी उपायों की आवश्यकता पर प्रकाश डाला। बीआरएस का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि स्वास्थ्य सेवा प्रणाली सभी नागरिकों की जरूरतों को पूरा करे। समिति के कार्य से राज्य सरकार को स्वास्थ्य सेवा के बुनियादी ढांचे और सेवाओं को बढ़ाने में मदद करने के लिए मूल्यवान अंतर्दृष्टि और सिफारिशें मिलने की उम्मीद है, जिससे तेलंगाना के लोगों के लिए बेहतर स्वास्थ्य परिणाम सुनिश्चित होंगे।

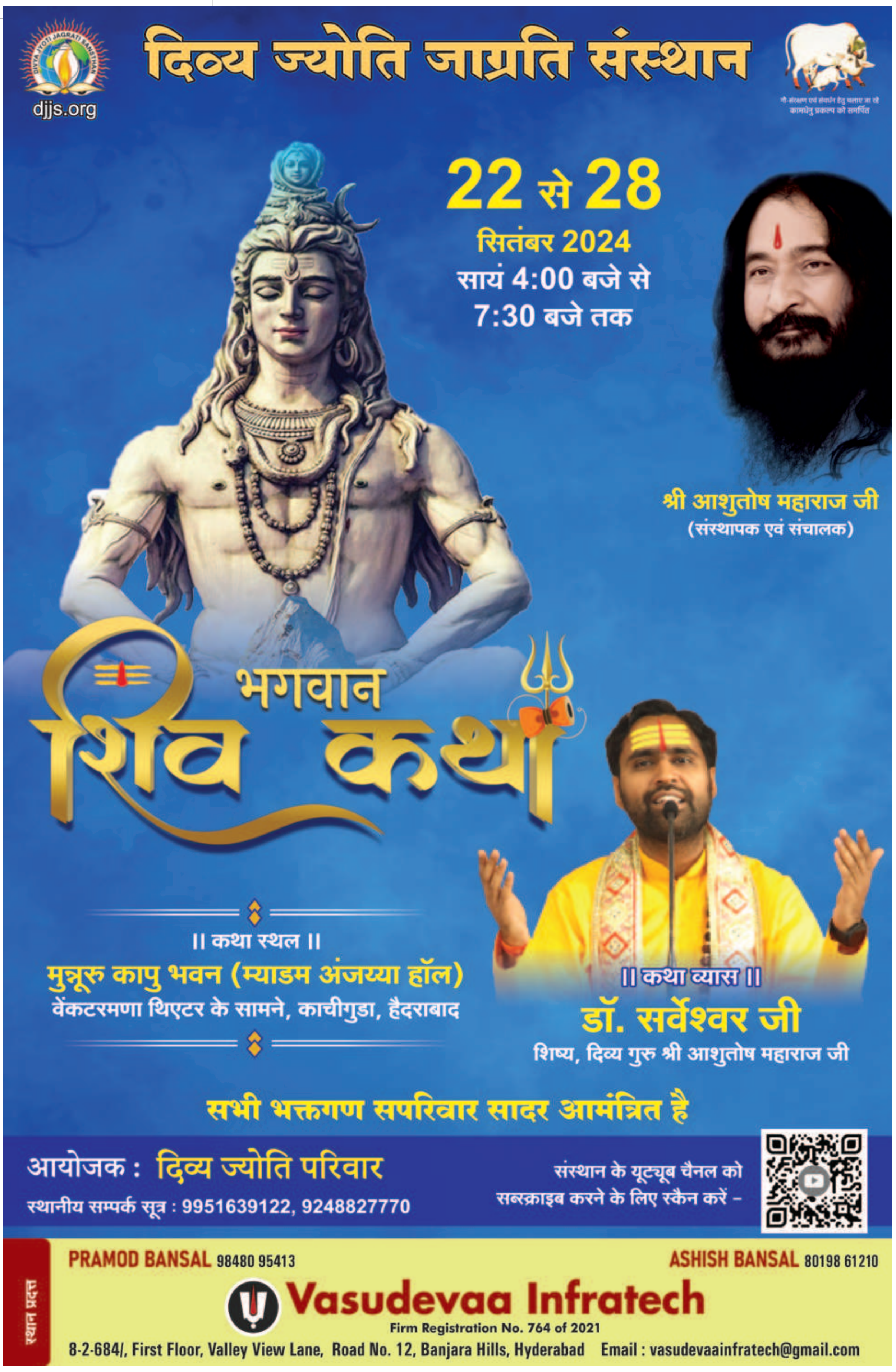

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.